

भारत का राजपत्र

The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 48] नई दिल्ली, शनिवार, नवम्बर 29, 1980 (अग्रहायण 8, 1902)
No. 48] NEW DELHI, SATURDAY, NOVEMBER 29, 1980 (AGRAHAYANA 8, 1902)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या वी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके
(Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation).

भाग III—खण्ड 1

[PART III—SECTION 1]

उच्च न्यायालयों, नियन्त्रक और महालेखाना के अधीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेल विभाग और भारत सरकार के संलग्न और अधीन कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं

[Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India]

संघ लोक सेवा आयोग

नई दिल्ली-110011, दिनांक 21 अक्टूबर 1980

सं. ए. 35014/1/80-प्रशा.-II.—संघ लोक सेवा आयोग के संवर्ग में स्थायी अनुभाग अधिकारी श्री एस. के. मिश्र को, अध्यक्ष, संघ लोक सेवा आयोग द्वारा 16-10-80 से 15-1-81 तक की अवधि के लिए अथवा नियमित प्रबंध किए जाने या आगामी आदेशों तक, जो भी पहले हो वरिष्ठ विश्लेषक के पद पर तदर्थ आधार पर स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त किया जाता है।

2. श्री एस. के मिश्र, वरिष्ठ विश्लेषक के संवर्ग वाह्य पद पर संघ लोक सेवा आयोग में प्रतिनियुक्ति पर होंगे और उनका वेतन समय पर यथासंर्थित वित्त मंत्रालय के का.जा.सं.एफ. 10(24)-ई. III / 60 दिनांक 4-5-61 में सन्तुष्टि उपबंधों के अनुसार विनियमित होंगा।

दिनांक 23 अक्टूबर, 1980

सं. ए. 32013/1/80-प्रशा.-II.—योजना मंत्रालय, सांख्यिकी विभाग के स्थायी वरिष्ठ अन्वेषक और संघ लोक सेवा

आयोग के कार्यालय में स्थापन प्रोग्रामर श्री एम. के. भला को, अध्यक्ष, संघ लोक सेवा आयोग द्वारा 16-10-1980 से आगामी आदेशों तक अथवा नियमित नियुक्ति किए जाने तक, जो भी पहले हो वरिष्ठ प्रोग्रामर के पद पर तदर्थ आधार पर स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त किया जाता है।

3. श्री एम. के भला अवगत करलें कि वरिष्ठ प्रोग्रामर के पद पर उनकी नियुक्ति पूर्णतः अस्थायी और तदर्थ आधार पर हो और वरिष्ठ प्रोग्रामर के एद पर वरिष्ठता अथवा विलयन का उन्हें कोई हक नहीं होगा।

दिनांक 24 अक्टूबर 1980

सं. ए. 12024/1/79-प्रशा.-II.—संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय में स्थायी सहायक अधीक्षक (हाल) तथा इस समय तदर्थ आधार पर अधीक्षक (तथ्य संसाधन) श्री एस. पी. बांसल को, अध्यक्ष, संघ लोक सेवा आयोग द्वारा 23-10-1980 से 28-2-1981 तक की अवधि के लिए अथवा आगामी आदेशों तक, जो भी पहले हो, आयोग के कार्यालय में सहायक नियंत्रक (तथ्य संसाधन) के पद पर तदर्थ आधार पर स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त किया जाता है।

2. श्री एस. पी. बंसल अवधार करले कि सहायक नियंत्रक (तथ्य संसाधन) के पद पर उनकी नियुक्ति पूर्णतः अस्थायी और तदर्थ आधार पर है और उन्हें सहायक नियंत्रक (तथ्य संसाधन) के ग्रेड में वरिष्ठता अधिका विलयन का हक नहीं होगा।

पी. एस. राणा
अनुभाग अधिकारी,
कृते अध्यक्ष,
संघ लोक सेवा आयोग।

नई दिल्ली-110011, दिनांक 30 अक्टूबर 1980

सं. ए. 12024/1/79-प्रशा.—संघ लोक सेवा आयोग कार्यालय में निम्नलिखित स्थानापन्न अवर सचिवों के राष्ट्रपति द्वारा प्रत्येक के सामने नियुक्त अधिकारी के लिए, उसी कार्यालय में तदर्थ आधार पर उप सचिव के ग्रेड में स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त किया जाता है :—

क्र. सं. अधिकारी का नाम और अवधि

1. श्री एम. ए. अलहन (भा.आ.का.से) 3 मास, 28-5-80 से 27-8-80 तक।

2. श्री डॉ. के. धास (भा. रे. से.) (II) 3 मास 28-5-80 से 27-8-80 तक।

श्री हरदयाल सिंह (भा. रे. से.) (II) 3 मास, 28-5-80 से 27-8-80 तक।

4. श्री एस. बालचन्द्रन (भा. रे. ले. से.) 3 मास, 21-7-80 से 20-10-80 तक।

5. श्रीमती प्रेम वी. पी. सिंह (भा. रे. से.) (II) 3 मास, 1-6-80 से 31-8-80 तक।

एच. सी. जटव,
संयुक्त सचिव (प्रशा.)
संघ लोक सेवा आयोग

नई दिल्ली, दिनांक अक्टूबर 1980

सं. ए. 32014/1/80-प्रशा-I (ii) -संघ लोक सेवा आयोग के संवर्ग में स्थायी वैयक्तिक सहायक (के.स.स्टे.से. का ग्रेड ग) तथा स्टेनोग्राफर ग्रेड ग के अवश्यन ग्रेड में स्थानापन्न रूप से कार्यरत श्री पी. पी. सिक्का को, राष्ट्रपति द्वारा 29-9-80 से 31-12-80 तक की अवधि के लिए अधिका आगामी आदेशों तक, जो भी पहले हो, वरिष्ठ वैयक्तिक सहायक (के. स. स्टे.-मे. का ग्रेड ल) के पद पर उसी संवर्ग में पूर्णतः अनीतम्, अस्थायी और तदर्थ आधार पर स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त किया जाता है।

श्री पी. पी. सिक्का नोट करले कि वरिष्ठ वैयक्तिक सहायक (के. स. स्टे. से. का ग्रेड स) के पद पर उनकी नियुक्ति पूर्णतः अस्थायी और तदर्थ आधार पर है और उन्हें के. स. स्टे. से. का ग्रेड ल में विलयन का अधिका उभत ग्रेड में वरिष्ठता का कोई हक नहीं मिलेगा। उक्त तदर्थ नियुक्ति कार्मिक और प्रशासनिक सुधार विभाग के अनुमोदन से की गई है।

एस. बालचन्द्रन,
उप सचिव,
संघ लोक सेवा आयोग।

गृह मंत्रालय

का. एवं प्र. सु. विभाग
केन्द्रीय अन्वेषण व्यूरो

नई दिल्ली, दिनांक : 28 अक्टूबर 1980

सं. एफ. 2/74-प्रशासन-5.—दिनांक 21-8-1980 के सभ-संस्थांक अधिसूचना के संशोधन में प्रत्यावर्ती हो जाने पर दिनांक 1-7-1980 से दिनांक 14-7-1980 तक 14 दिन की अर्जित छुट्टी तथा दिनांक 15-7-1980 से दिनांक 26-7-1980 तक 12 दिन का कार्यारंभ काल अतीत करने के बाद श्री एस. पी. शर्मा, भारतीय पुलिस सेवा (तामिलनाडू-1964), पुलिस अधीकारी, केन्द्रीय अन्वेषण व्यूरो, विशेष पुलिस स्थापना की सेवाएं दिनांक 27-7-1980 के पूर्वाह्न से तामिलनाडू सरकार के बापस सौंप दी गई हैं।

दिनांक 3 नवम्बर 1980

सं. एच-7/74-प्रशासन-5.—अपने मूल विभाग से प्रत्यावर्तन हो जाने पर, हरियाणा सरकार के अधिकारी श्री एच. के. सलजा ने दिनांक 23-10-80 के अपराह्न में लोक-अभियोजक, केन्द्रीय अन्वेषण व्यूरो, अण्णीगढ़ के पद का कार्यभार त्याग दिया है।

की. ला. ग्रोवर,
प्रशासनिक अधिकारी (स्था),
केन्द्रीय अन्वेषण व्यूरो

महानिवेशालय, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल

नई दिल्ली-110022, 31 अक्टूबर 1980

सं. ओ-दो-1484/80-स्थापना.—राष्ट्रपति डा. (श्रीमती) स्वती अरविंद देवीकार के अस्थायी रूप से आगामी आदेश जारी होने तक केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल में जी.डी.ओ. ग्रेड II (डी.एस.पी./कम्पनी कमांडर) के पद पर डाक्टरी परीक्षण में ठीक पासे जाने की घोषणा पर 6-10-80 पूर्वाह्न से नियुक्त करते हैं।

सं. डी. एक.-19/80-स्थापना.—श्री जी. एस. धर्मच्या के गृह मंत्रालय में उप-मस्त्र सुरक्षा अधिकारी के पद पर प्रतिनियुक्ति पर नियुक्त होने के फलस्वरूप उप-पुलिस अधीकारी (कम्पनी कमांडर) 49वी वाहिनी, के. ए. पु. बल, नई दिल्ली के एद का कार्यभार 22-10-1980 (अपराह्न) को त्याग दिया।

दिनांक 4 नवम्बर 1980

सं. ओ. दो.—921/73-स्थापना.—राष्ट्रपति, डा. सुरेन्द्र प्रसाद मिश्रा के अस्थायी रूप से आगामी आदेश जारी होने तक केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल में जनरल डॉटी आफिसर ग्रेड-I (सहायक कमांडेन्ट) के पद पर 24-9-80 पूर्वाह्न से नियुक्त करते हैं।

2. डा. सुरेन्द्र प्रसाद मिश्रा के जनरल डॉटी आफिसर ग्रेड-I नियुक्त हो जाने के फलस्वरूप उहोंने बेस हास्पीट-1 के. ए. पु. बल नई दिल्ली में जी.डी.ओ. ग्रेड-11 का कार्यभार दिनांक 20-9-80 के पूर्वाह्न से त्याग दिया।

दिनांक 5 नवम्बर 1980

सं. ओ-दो-1478/80-स्थापना.—इस महानिवेशालय की अधिसूचना समसंस्कृत दिनांक 18-8-1980 के संदर्भ में।

2. कमांक 2 पर लिखे गये अधिकारी का संशोधित नाम
“डा. एम. कृष्णराव के स्थान पर” डा. किशनराव पदा जाये।

ए. के. सुरी,
सहायक निषेधक (प्रशासन)।

महानिरीक्षक का कार्यालय

केन्द्रीय आयोगिक सुरक्षा बल

नई दिल्ली-19, दिनांक 30 अक्टूबर 1980

सं. ई-16013(2)/1/78-कार्मिक. --राज्य सरकार के उनकी सेवाएँ वापिस सौंपे जाने पर, श्री एस.के.चट्टोडी ने 10 अक्टूबर, 1980 के अपराह्न से के.आ०.सु०.ब०. यूनिट, एच.एफ.सी. दुर्गापुर के कमांडेंट के पद का कार्यभार छोड़ दिया।

सं. ई-38013(3)/9/80-कार्मिक. --विभिन्न क्षेत्र मुख्यालय मद्रास के स्थानान्तरित होने पर श्री आर. जानकीरमन ने 10 अक्टूबर, 1980 के अपराह्न से के.आ०.सु०.ब०. यूनिट, एस.एच.ए.आर. सेंटर, श्री हरी क्रोटा रोड (ए.पी.) के सहायक कमांडेंट के पद का कार्यभार छोड़ दिया।

दिनांक 3 नवम्बर 1980

सं. ई-16013(2)/1/80-कार्मिक. --प्रतिनियुक्ति पर स्थानान्तरण होने पर, श्री वी.के. बालन नायर, आई.पी.एस. (उत्तर प्रदेश-71) ने, श्री एम.के. राजू, कमांडेंट, के स्थान पर, 30 सितम्बर, 1980 के अपराह्न से के.आ०.सु०.ब०. यूनिट एफ.ए.सी.टी. (उत्तरप्रदेश) में कमांडेंट के पद का कार्यभार सम्भाल लिया। श्री एम.के. राजू, कमांडेंट ने के.आ०.सु०.ब०. यूनिट कांचिन पोर्ट ट्रस्ट, कांचिन में स्थानान्तरण होने पर उसी तारीख से उक्त पद का कार्यभार छोड़ दिया।

सं. ई-38013(3)/9/80-कार्मिक. --दुर्गापुर के स्थानान्तरण होने पर श्री एन.सी. सेनगुप्ता ने 4 अक्टूबर, 1980 के पूर्वाह्न से के.आ०.सु०.ब०. यूनिट हलदिया डाक प्राञ्जेंट हलदिया के सहायक कमांडेंट के पद का कार्यभार छोड़ दिया।

डा. अपठनीय
महानिरीक्षक

भारत के महापंजीकार का कार्यालय

नई दिल्ली-110011, दिनांक 31 अक्टूबर 1980

सं. 11/113/79-प्रशा.-I. --राष्ट्रपति, नागरिकों द्वारा सरकार के अधिकारी श्री एन. थोंग को नागरिकों, कोहीमा में जनगणना कार्य निदेशालय में तारीख 8 अक्टूबर, 1980 के पूर्वाह्न से अगले आदेशों तक प्रतिनियुक्ति पर स्थानान्तरण हुवारा उप निदेशक जनगणना कार्य के पद पर सहर्ष करते हैं।

श्री थोंग का मुख्यालय कोहीमा में होगा।

पी. पृथमनाभ,
भारत के महापंजीकार

भारतीय लेखा परीक्षा तथा लेखा विभाग

कार्यालय महालेखाकार, जम्मू व कश्मीर

श्रीनगर, दिनांक 28 अक्टूबर 1980

सं. प्रशा. I/60(76)/80-81/3067-71. --सहाय्यकार जम्मू व कश्मीर, ने इस कार्यालय के एक स्थाई अनुभाग अधिकारी श्री कन्हैया लाल कौल को 23 अक्टूबर, 1980

(अपराह्न) से स्थापनापत्र हीसयत से लेखा अधिकारी के रूप में पदान्वत किया है।

हर प्रसाद बास,
विरिच उपमहालेखाकार (प्र.एवं.अ.)

संयुक्त मुख्य नियंत्रक आयात नियाति का कार्यालय
(केन्द्रीय लाइसेंस क्षेत्र)

नई दिल्ली, दिनांक 26 सितम्बर 1979

निरस्त आदेश

सं. प्लार्स्टिक-2/जे.एम/ई.पी. III/ई.पी. I/सी.-एल.ए.587/- --मेसर्स चावला प्लार्स्टिक वर्क्स (प्रा.) लिमिटेड ए-4 मायापुरी फेज I नई दिल्ली के आयात लाइसेंस सं.पी/एल/2860892/सी. दिनांक 29-9-78 को 2,78,981 रुपये कल्पा माल उपभोज्य सामग्री (कन्युमेविल स्पेयरस) और पैकिंग समान हस्तु रेड बुक (जिल्ड-II) धारा-पैरा 30(II)32(2)38 व 63, 1977-78 के प्रवधानों के अनुसार लाइसेंस दिया गया था।

उन्होंने इस लाइसेंस की कस्टम कापी का 33933/- रुपये तक उपयोग करने के बाद सो जाने की सूचना दी है।

आदेश कर्म ने अपने उपरोक्त कथन के समर्थन में एक जपथ पत्र कार्यविधि पुस्तिका 1979-80 के पैरा 333-334 के अनुसार प्रस्तुत किया है। अतः मैं संतुष्ट हूँ कि उपरोक्त लाइसेंस की मूल कस्टम कापी सो गई है।

आयात व्यापार आदेश 1955 दिनांक 7-12-55 (यथा संशोधित) की धारा 9 (सी.सी.) में प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए मैं उपरोक्त आयात लाइसेंस की मूल कस्टम कापी को निरस्त करने का आदेश देता हूँ।

मैसर्स चावला प्लार्स्टिक वर्क्स प्राइवेट लिमिटेड, ए-4, मायापुरी फेज-I, नई दिल्ली।

के. वी. चौधरी,
उप मुख्य नियंत्रक आयात नियाति।
कृत संयुक्त मुख्य नियंत्रक आयात नियाति

वाणिज्य मंत्रालय

वस्त्र विभाग

वस्त्र आयुक्त का कार्यालय

वस्त्र 20, दिनांक 3 नवम्बर 1980

सं. ई. एस. बी. 2(604)/3197. --वस्त्र आयुक्त कार्यालय बम्बई के सहायक निदेशक प्रधम श्रेणी (नान्-टेक्नीकल) श्रीमती आर.एच. मंहेत्ती सेवानिवृत्ति की आयु प्राप्त कर देने पर 31 अक्टूबर 1980 के अपराह्न से सेवा निवृत्त हो गई।

अंजनेया,
उप निदेशक (प्रशासन)।

उद्योग मंत्रालय

आईयोगिक विकास विभाग

विकास आयुक्त (लघु उद्योग) का कार्यालय

नई दिल्ली-110011, दिनांक 3 नवम्बर 1980

सं 12(193)/61-प्रशा. (राज). --राष्ट्रपति, विकास आयुक्त (लघु उद्योग), नई दिल्ली के कार्यालय के श्री गोविन्द गंगाधर सुतवण्ण, निदेशक, ग्रेड-2 (रसायन) को दिनांक 27 सितम्बर, 1980 (पूर्वाह्न) से अगले आदेशों तक, इसी कार्यालय में तदर्थ आधार पर निदेशक, ग्रेड-1 (रसायन) के रूप में नियुक्त करते हैं।

सं 12(260)/61-प्रशा. (अराज.). --राष्ट्रपति, लघु उद्योग सेवा संस्थान, कलकत्ता के श्री पी.एन. बनजी, सहायक निदेशक, ग्रेड-1 (आईयोगिक प्रबन्ध एवं प्रशिक्षण) को दिनांक 25 जून, 1979 (पूर्वाह्न) से 15 जूलाई, 1980 तक की अवधि के लिए लघु उद्योग सेवा संस्थान, बम्बई में तदर्थ आधार पर उप-निदेशक (आईयोगिक प्रबन्ध एवं प्रशिक्षण) के रूप में नियुक्त करते हैं।

2. राष्ट्रपति, श्री पी.एन. बनजी को दिनांक 16 जूलाई, 1980 से अगले आदेशों तक, लघु उद्योग सेवा संस्थान, बम्बई में उप निदेशक (आईयोगिक प्रबन्ध एवं प्रशिक्षण) पद पर नियुक्त करते हैं।

सं. ए. 19018/493/80-प्रशा. (राज). --विकास आयुक्त (लघु उद्योग), लघु उद्योग सेवा संस्थान, जयपुर के श्री सुखपाल त्यामी, लघु उद्योग संवर्द्धन अधिकारी (रसायन) को दिनांक 22 सितम्बर, 1980 (पूर्वाह्न) से अगले आदेशों तक इसी संस्थान में तदर्थ आधार पर सहायक निदेशक, ग्रेड-2 (रसायन) के रूप में नियुक्त करते हैं।

दिनांक 4 नवम्बर 1980

सं. ए-19018/151/74-प्रशा. (राजपत्रित). --श्री आर. सी. सचदेव ने दिनांक 29 सितम्बर, 1980 (अपराह्न) से लघु उद्योग सेवा संस्थान, नई दिल्ली के सहायक निदेशक, ग्रेड-1 (इलेक्ट्रोनिक्स) पद का कार्यभार छोड़ दिया।

2. दो वर्ष की अवधि के लिए प्रतिनियुक्त आधार पर वरिष्ठ वैज्ञानिक अधिकारी के रूप में नियुक्त किये जाने के लिए श्री आर. सी. सचदेव की संवेदन दिनांक 29 सितम्बर, 1980 (अपराह्न) से इलेक्ट्रोनिक्स विभाग, नई दिल्ली को सौंप दी गई है।

सं. ए. 19018/435/79-प्रशा. (राजपत्रित). --इस कार्यालय के दिनांक 19 सितम्बर, 1980 की समसंल्यक अधिकृत चूना में आंशिक संशोधन करते हुए राष्ट्रपति, श्री के. एस. नटराजन को दिनांक 21 अगस्त, 1980 (पूर्वाह्न) से अगले आदेशों तक, लघु उद्योग सेवा संस्थान, मंत्रालय में उप निदेशक (यांत्रिक) के रूप में नियुक्त करते हैं।

महेन्द्र पाल गुप्त
उप निदेशक (प्रशा.)

भारतीय पुरातत्त्व सर्वेक्षण

नई दिल्ली, दिनांक 23 अक्टूबर 1980

सं. 11/23/80-एम(टी). --मैं के.वी. सौन्दर राजन, निदेशक, (स्मारक) प्राचीन स्मारक तथा पुरातत्त्व स्थल और

पुरावशेष नियमावली, 1959 के नियम, 6 के अन्तर्गत प्रदत्त शाकित्यों का प्रयोग करते हुए, यह निदेश देता हूँ कि समूद्र अकबर महान् के यादगार सुलह-ए-कुल समारोह के उपलक्ष्य में 30-10-1980 से 2-11-1980 के दिनों में आगरा के ताज-महल और आगरा किला में प्रवेश पाने के लिए कोई शुल्क नहीं लिया जाएगा।

दिनांक 25 अक्टूबर 1980

सं. 11/23/80-एम(टी). --मैं के.वी. सौन्दर राजन, निदेशक, (स्मारक) प्राचीन स्मारक तथा पुरातत्त्व स्थल और पुरावशेष नियमावली, 1959 के नियम, 6 के अन्तर्गत प्रदत्त शाकित्यों का प्रयोग करते हुए, यह निदेश देता हूँ कि समूद्र अकबर महान् के यादगार सुलह-ए-कुल समारोह के उपलक्ष्य में 30-10-1980 से 2-11-1980 के दिनों में आगरा के अकबर का मकबारा, सिकन्दरा तथा फतेहपुर सीकरी के स्मारकों में प्रवेश पाने के लिए कोई शुल्क नहीं लिया जाएगा।

के.वी. सौन्दर राजन
निदेशक (स्मारक)

सूचना और प्रसारण मन्त्रालय

फिल्म प्रभाग

बम्बई-26, दिनांक 29 अक्टूबर 1980

सं. ए. 12026/4/79-सीवन्टी-I --फिल्म प्रभाग के प्रमुख निर्माता ने श्री बी. रोमला स्थायी क्रीमरामैन को स्थानापन्न केमरा-मैन (कार्टून फिल्म यूनिट) के पद पर फिल्म प्रभाग बम्बई में दिनांक 8-10-1980 के पूर्वाह्न से अगले आदेश तक नियुक्त किया है।

दिनांक 31 अक्टूबर 1980

सं. ए-12026/5/79-सीवन्टी-I --संघ लोक सेवा आयोग के सिफारिश पर प्रमुख निर्माता फिल्म प्रभाग बम्बई ने श्री के.एस. इनसोड को स्थानापन्न लेआउट आर्टिस्ट के पद पर फिल्म प्रभाग बम्बई में दिनांक 6-10-1980 के पूर्वाह्न से अगले आदेश तक नियुक्त किया है।

एन. एन. शर्मा
प्रशासकीय अधिकारी
कृते प्रमुख निर्माता

विज्ञापन और दृश्य प्रचार निदेशालय

नई दिल्ली, 4 नवम्बर 1980

सं. 12025/2/80-स्थापना. --अधिवार्षिकी आयु हो जाने पर स्थायी सीनियर आर्टिस्ट श्री मोती भजुमावार 31 अक्टूबर 1980 के अपराह्न को सरकारी सेवा से निवृत्त हो गए।

जनक राज लिखी
उप निदेशक (प्रशासन)
कृते विज्ञापन और दृश्य प्रचार

ग्रामीण पुर्न निर्माण मंत्रालय

विषयन एवं निरीक्षण निवेशालय

फरीदाबाद, दिनांक 3 नवम्बर 1980

सं. ए-19025/66/80-प्र. III .--संघ लोक सेवा आयोग की संस्तुतियों के अनुसार श्री राम किशन मीना के इस निवेशालय के अधीन बम्बई में तारीख 20-9-80 (पूर्वाह्न) से अगले आदेश होने तक स्थानापन सहायक विषयन अधिकारी (वर्ग 1) नियुक्त किया गया है।

बी. एल. मनिहार

निवेशक प्रशासन

कृत : कृषि विषयन सलाहकार

भारत सरकार

परमाणु उर्जा विभाग

क्षय और भंडार निवेशालय

बम्बई-400 001, दिनांक नवम्बर 1980

सं. 23/4/79-स्थापना .--निवेशक, क्षय एवं भंडार निवेशालय परमाणु उर्जा विभाग, श्री ए. रामकृष्णन के अवकाश स्वीकृत होने के कारण इस निवेशालय के क्षय सहायक श्री एस. जी. जामशेन्डेकर के स्थानापनरूप में सहायक क्षय अधिकारी पद पर रुपये 650--30--740--35--810 द. रो. 35--1000 द. रो. 40--1200 के बीच फ्रॅम में दिनांक 6-9-80 (पूर्वाह्न) से 24-10-80 (अपराह्न) तक तदर्थ रूप से इसी निवेशालय में नियुक्त करते हैं।

आर. पी. डिसोजा
सहायक कार्मिक अधिकारी

भारी पानी परियोजना

बम्बई-400 008, दिनांक 1 नवम्बर 1980

सं. 05012/आर३/ओपी/4879 .--भारी पानी परियोजना के विशेषकार्य-अधिकारी श्री एम. एल. वर्मा, अस्थायी उच्च श्रेणी लिपिक, भारी पानी परियोजना (कोटा) के उसी परियोजना में, अस्थायी रूप से तदर्थ आधार पर 11 जून (पूर्वाह्न) 1980 से 19 जूलाई (अपराह्न) 1980 तक के लिए श्री के.टी.जोस, सहायक कार्मिक अधिकारी जिन्हें स्थानापन संशासन अधिकारी नियुक्त किया गया है, के स्थान पर सहायक कार्मिक अधिकारी नियुक्त करते हैं।

सं. 05012/ग-109/4880 .--भारी पानी परियोजना के विशेषकार्य-अधिकारी, श्री प्राणनाथ गंगा, स्थायी लेखा परीक्षक तथा महालेखाकर कार्यालय, हिमाचल प्रदेश, चंडीगढ़, शिमला के स्थानापन अनुभाग अधिकारी के भारी पानी परियोजना (वडो-दरा) में 17 सितम्बर (पूर्वाह्न), 1980 से आगे आदेश होने तक के लिए अस्थायी रूप में सहायक लेखा अधिकारी नियुक्त करते हैं।

श्रीमती के. पी. कल्याणीकट्टी
प्रशासन अधिकारी

महानिवेशक नागर विमानन का कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 4 नवम्बर 1980

सं. ए-32013/2/80-इसी .--राष्ट्रपति ने वैमानिक संचार स्टेशन, राउरकेला के श्री एस. रामस्वामी, सहायक तकनीकी अधिकारी को 19-9-1980 (पूर्वाह्न) से 30-9-1980 तक की अवधि के लिए तदर्थ आधार पर तकनीकी अधिकारी के ग्रेड में नियुक्त किया है और उन्हें वैमानिक संचार स्टेशन, पोर्ट-ब्लेयर में तैनात किया है।

सं. ए-38013/1/80-इसी .--नियंत्रक संचार, वैमानिक संचार स्टेशन, मद्रास एयरपोर्ट, मद्रास के कार्यालय के श्री वी. अलगिरी, तकनीकी अधिकारी ने निवर्तन आयु प्राप्त कर लेने के फलस्वरूप सरकारी सेवा से निवृत्त होने पर दिनांक 30-9-80 (अपराह्न) को अपने पद का कार्यभार त्याग दिया है।

आर. एन. वास
सहायक निवेशक, प्रशासन

नई दिल्ली, दिनांक 5 अक्टूबर 1980

सं. ए-32013/2/80(11)इ०I .--राष्ट्रपति ने नागर विमानन विभाग के श्री आर. एस. गोयला उपनिवेशक संचार को उसी विभाग में दिनांक 24-5-80 से और 8-7-80 तक निवेशक संचार (योजना और मूल्यांकन) के पद पर तदर्थ आधार पर नियुक्त किया है।

2. इस विभाग के दिनांक 1 जूलाई, 1980 की अधिसूचना संख्या ए-32013/2/80(11)इ०II एतद्वारा दृढ़ की जाती है।

सं. ए-32013/2/80-इ०I .--इस विभाग की दिनांक 5-10-1980 की अधिसूचना संख्या ए-32013/2/80-इ०I के फ्रॅम में राष्ट्रपति ने श्री आर. एस. गोयला की नागर विमानन विभाग में निवेशक संचार (योजना और मूल्यांकन) के पद पर की गई तदर्थ नियुक्ति की अवधि के दिनांक 9-8-80 से 2-9-80 तक जारी रखने की मन्त्रजूरी प्रदान की है।

दिनांक 6 अक्टूबर 1980

सं. ए-12025/3/71-इ०I .--महानिवेशक नागर विमानन ने श्री के.के. शर्मा की नागर विमानन विभाग में हिन्दी अधिकारी के पद पर तदर्थ आधार पर की गई नियुक्ति की अवधि 31-12-1980 तक या पद के नियमित रूप से भरे जाने तक, इनमें से जो भी पहले हो, जारी रखने की स्वीकृति प्रदान की है।

सी. के. वत्स
सहायक निवेशक प्रशासन

विदेश संचार सेवा

बम्बई, दिनांक 1 नवम्बर 1980

सं. 1/112/80-स्था .--विदेश संचार सेवा के महानिवेशक एतद्वारा तदर्थ आधार पर आवीर्ण शाखा के श्री आर. इलात्री, तकनीकी सहायक के अत्यक्तालीन खाली जगह पर 16-6-80 से 26-7-80 तक की अवधि के लिए उसी शाखा में स्थानापन रूप से सहायक अभियंता नियुक्त करते हैं।

सं. 1/263/80-स्था.-नई दिल्ली शास्त्र के सहायक अधिकारी श्री एम. आर. मेशराम निवृत्ति की आयु के हो जाने पर 31 अगस्त 1980 के अपराह्न से सेवा निवृत्त हो गए।

एच. एल. मल्होत्रा
उप-निदेशक (प्रशा.) ;
कृत महानिदेशक

बम्बई, दिनांक 1 नवम्बर 1980

सं. 1/331/80-स्था.--विदेश संचार सेवा के महानिदेशक एतद्वारा बम्बई शास्त्र के श्री एच.जे. करमाली, पर्याप्तक वर्ष 3-10-1980 के पूर्वाह्न से आगामी आवेदों तक मद्रास शास्त्र में स्थानापन्न रूप से उप परियात प्रबंधक नियुक्त करते हैं।

पी. के. गोविल नायर
निदेशक (प्रशा.) ,
कृत महानिदेशक

वन साधनों का निवेश पूर्व सर्वेक्षण

दहरादून-248001, दिनांक 5 नवम्बर 1980

सं. 4-3/79-प्रशासन.--श्री एस. डी. जोशी, महाराष्ट्र राज्य के सहायक वन संरक्षक जो कि वन साधनों का निवेश पूर्व सर्वेक्षण, केन्द्रीय अंचल, नागपुर में सहायक वन संरक्षक के पद पर प्रतिनियुक्ति के आधार पर कार्य कर रहे थे, का महाराष्ट्र वन सेवा, क्लास-1 में प्रोलंति होने के कारण उन्हें दिनांक 9 अक्टूबर, 1980 की अपराह्न से भारमृत कर दिया है तथा उनकी सेवाएं महाराष्ट्र सरकार के सापेक्ष दो गई हैं।

सी. एल. भाटिया
मुख्य समन्वयक

केन्द्रीय उत्पादशुल्क तथा भीमा शुल्क समाहर्तालिय

नागपुर-440001, दिनांक 31 अक्टूबर 1980

सं. 15/80-श्री जे.एन. अवस्थी, अधीक्षक (छट्टूटी अवकाश) केन्द्रीय उत्पाद शुल्क, मुख्यालय, नागपुर ने सेवा निवृत्ति की आयु प्राप्त करने पर वे दिनांक 30 सितम्बर, 1980 के अपराह्न से सरकारी सेवा से निवृत्त हो गये हैं।

के. शंकररामन
समाहर्ता

केन्द्रीय जल आयोग

नई विल्ली-110022, दिनांक 5 नवम्बर 1980

शुद्धि पत्र

सं. ए-32014/1/80-प्रशा. पांच.-इस आयोग की अधिकारी सं. ए-32014/1/80-प्रशा. पांच, दिनांक 31 अक्टूबर, 1980 में क्रम सं. 4 पर दिया गया श्री एन. आर. सी. वास का नाम नीचे लिखे अनुसार पढ़ा जाए :--

सर्वश्री

4. एन.आर.सी. राव

21-10-80 (पूर्वाह्न)

के. एल. भण्डला
अवर सचिव

विधि, न्याय तथा कम्पनी कार्य मंत्रालय

(कम्पनी कार्य विभाग)

कम्पनी विधि बोर्ड

कम्पनियों के रजिस्ट्रार का कार्यालय

कम्पनी अधिनियम 1956 की धारा 445(2)
के अधीन सूचना

कम्पनी अधिनियम, 1956 के मामले में और

महादंव कमर्शियल ट्रॉडिंग कम्पनी प्राइवेट लिमिटेड के मामले में

बम्बई-400 002, दिनांक 29 अक्टूबर 1980

कम्पनी नम्बर 13127/लिकिवर्ड्शन .--कम्पनी आवेदन संख्या 484 वर्ष 1976 में स्थित माननीय उच्च न्यायालय, बम्बई के आदेश दिनांक 3-11-76 के द्वारा महादंव कमर्शियल ट्रॉडिंग कम्पनी प्राइवेट लिमिटेड का परिसमापन करने का आदेश प्रदान कर दिया है।

कम्पनी अधिनियम 1956 एवं मेसर्स अमलगमेटेड एक्सपोर्ट कोरपोरेशन लिमिटेड के विषय में
बम्बई, दिनांक 10 अक्टूबर 1980

सं. 11372/560(5).--कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण से एतद्वारा सूचना दी जाती है कि मेसर्स अभीनव रसशाला प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

कम्पनी अधिनियम 1956 एवं मेसर्स अभीनव रसशाला प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

बम्बई, दिनांक 10 अक्टूबर 1980

सं. 5643/560(5).--कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण से एतद्वारा सूचना दी जाती है कि मेसर्स श्री एवान्गेलीकल बापटिस्ट फेलारीशप, अचलपूर लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

कम्पनी अधिनियम 1956 एवं मेसर्स श्री एवान्गेलीकल बापटिस्ट फेलारीशप, अचलपूर के विषय में

बम्बई, दिनांक 10 अक्टूबर 1980

सं. 13751/560(5).--कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण से एतद्वारा सूचना दी जाती है कि मेसर्स श्री एवान्गेलीकल बापटिस्ट फेलारीशप, अचलपूर लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

कम्पनी अधिनियम 1956 एवं मेसर्स अंडरराइटर्स प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

बम्बई, दिनांक 10 अक्टूबर 1980

सं. 3112/560(5).--कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण से एतद्वारा सूचना दी

जाती है कि मेसर्स अंडर राइटर्स प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

कम्पनी अधिनियम 1956 एवं मेसर्स हरीजास सोविंग एन्ड चिट फंड प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

बम्बई, दिनांक 10 अक्टूबर 1980

सं. 15612/560/(5).--कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण से एतद्वारा सूचना दी जाती है कि मेसर्स हरीजास सोविंग एन्ड चिट फंड प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

कम्पनी अधिनियम 1956 एवं मेसर्स डीलर्स पिक्चर्स प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

बम्बई, दिनांक 10 अक्टूबर 1980

सं. 9492/560(5).--कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण से एतद्वारा सूचना दी जाती है कि मेसर्स डीलर्स पिक्चर्स प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

कम्पनी अधिनियम 1956 एवं मेसर्स गूलाम हुसेन अलीगाह एन्ड सन्स लिमिटेड के विषय में

बम्बई, दिनांक 10 अक्टूबर 1980

सं. 1857/560(5).--कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण से एतद्वारा सूचना दी जाती है कि मेसर्स गूलाम हुसेन अली भाई एन्ड सन्स लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

कम्पनी अधिनियम 1956 एवं मेसर्स नोबल पीपल प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

बम्बई, दिनांक 10 अक्टूबर 1980

सं. 11395/560(5).--कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण से एतद्वारा सूचना दी जाती है कि मेसर्स नोबल पीपल प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

कम्पनी अधिनियम 1956 एवं मेसर्स राजन मेहता कम्पनी प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

बम्बई, दिनांक 10 अक्टूबर 1980

सं. 10035/560(5).--कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण से एतद्वारा सूचना दी जाती है कि मेसर्स राजन मेहता कंपनी प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

कम्पनी अधिनियम 1956 एवं मेसर्स असरीत ट्रैडिंग एन्ड इन्वेस्टमेंट कंपनी लिमिटेड के विषय में

बम्बई, दिनांक 10 अक्टूबर 1980

सं. 18193/560(3).--कम्पनी अधिनियम 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर मेसर्स असरीत ट्रैडिंग एन्ड इन्वेस्टमेंट कम्पनी लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया हो तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

कम्पनी अधिनियम 1956 एवं मेसर्स स्वाधीन कन्सट्रक्शन कंपनी प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

बम्बई, दिनांक 29 अक्टूबर 1980

सं. 8629/560(5).--कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण से एतद्वारा सूचना दी जाती है कि मेसर्स स्वाधीन कन्सट्रक्शन कंपनी प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

कम्पनी अधिनियम 1956 एवं मेसर्स किलोसकर बेरींग्स लिमिटेड के विषय में

बम्बई, दिनांक 29 अक्टूबर 1980

सं. 13055/560(5).--कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण से एतद्वारा सूचना दी जाती है कि मेसर्स किलोसकर बेरींग्स लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

कम्पनी अधिनियम 1956 एवं मेगनेटीक्स प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

बम्बई, दिनांक 29 अक्टूबर 1980

सं. 11917/560(5).--कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण से एतद्वारा सूचना दी जाती है कि मेसर्स मेगनेटीक्स प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

कम्पनी अधिनियम 1956 एवं मेसर्स साउथ फायनान्स प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

बम्बई, दिनांक 29 अक्टूबर 1980

सं. 16985/560(5).--कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण से एतद्वारा सूचना दी जाती है कि मेसर्स साउथ फायनान्स प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विधिटि हो गई है।

आर. ए. सिंह
कम्पनियों का सहायक रजिस्ट्रार,
महाराष्ट्र, बम्बई

कम्पनी अधिनियम, 1956 और के.जी.सी. लास एन्ड सन्स
कटक, दिनांक 6 नवम्बर 1980

कटक, दिनांक : 6 नवम्बर, 1980

सं. एस. आ. /1280/80(2).--कम्पनी अधिनियम 1956
की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा सूचना
दी जाती है कि जी. सी. लास एन्ड सेन्स प्राइवेट लिमिटेड का
नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विधिटि
हो गई है।

एस. सिंह
कम्पनियों का रजिस्ट्रार, उड़ीसा

कम्पनी अधिनियम, 1956 और प्रकास पोली थकठूसन प्रबोह
लिमिटेड के विषय में।

बंगलौर, दिनांक 6 नवम्बर 1980

सं. 2147/560/80.--कम्पनी अधिनियम, 1956 की
धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह
सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन भास के अवसान पर
प्रकास पोली थकसठूसन प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल
कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और
उक्त कम्पनी विधिटि कर दी जाएगी।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और वेन्कटेसवरा हन्दसठीरीस प्राइवेट
लिमिटेड के विषय में।

बंगलौर, दिनांक 6 नवम्बर 1980

सं. 2393/560/80.--कम्पनी अधिनियम, 1956 की
धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना

दी जाती है कि इस तारीख से तीन भास के अवसान पर दी वेन्कटेसवरा हन्दसठीरीस प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विधिटि कर दी जाएगी।

कम्पनियों का रजिस्ट्रार

आयकर आयुक्त का कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 30 अक्टूबर 1980

आयुक्त

सं. जुरि. दिल्ली-5/80-81/27063.--आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43 वां) की धारा 124 की उपधारा (1) और (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए तथा इस विषय पर जारी पहले की अधिसूचनाओं में अधिक परिवर्तन करते हुए आयकर आयुक्त, दिल्ली-5, नई दिल्ली निवेश देते हैं कि आयकर अधिकारी डि. 3(27) नई दिल्ली का आयकर अधिकारी डि. 7(5) नई दिल्ली के साथ उनके द्वारा निर्धारित निर्धारणयार्ग व्यक्तियों/भासलों के संबंध में समवती अधिकार क्षेत्र होगा किन्तु अयकर अधिकारी डि. 7(2) नई दिल्ली का आयकर अधिकारी डि. 7(5) नई दिल्ली के साथ अन्य भासलों में समवती अधिकार क्षेत्र नहीं होगा किन्तु इनमें वे भासले शामिल नहीं होंगे जो धारा 127 के अंतर्गत सौंपे गए हों या इसके बाद सौंपे जाएं।

कार्य-निष्पादन की सुविधा के लिए आयकर आयुक्त, दिल्ली-5 निरीक्षीय सहायक आयकर आयुक्त, रेज-5 वी, नई दिल्ली को आयकर अधिनियम 1961 की धारा 124 की उपधारा (2) में अवैक्षित आदेशों के पास करने के लिए भी प्राधिकृत करते हैं।

यह अधिसूचना दिनांक 1-11-80 से लागू होगी।

आर. डी. सरकार
आयकर आयुक्त, दिल्ली-5

प्रस्तुत वाहौं टी. एन. एस.—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ए (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर ([निरीक्षण])

अर्जन रेंज हैदराबाद

हैदराबाद, दिसंबर 29 सितम्बर 1980

सं० आर० य० सी० न० 261/80-81:—यतः मुझे,
एस० गोविन्द राजन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269
ए के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है।

और जिसकी सं० 12-2-286 है, जो मुरादनगर हैदराबाद
में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, केरताबाद
में भारतीय रस्ट्रिकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन 19 फरवरी 1980,

को पूर्वांकित संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वांकित संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कठित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के कार्यालय में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिहै भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अधितः—

1. श्री महमद इब्राहीम पिता महमद हुसैन
गूलाम कस्तागिरी पिता —वही—
महमद हाशम पिता —वही—
बिविजान और मजान बि० पिता महमद हुसैन
मुरादनगर हैदराबाद।
(अन्तरक)

2. श्री महमद अकबर पिता महमद इब्राहीम
5-7-369 आगामुरा हैदराबाद।
(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वांकित संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की सामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांकित
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिचित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

ममूली

घर और जमीन नं० 12-2-286 जैसी कि विस्तीर्ण
690 चतुराज मुरादनगर हैदराबाद में जैसे कि रजिस्ट्रीकृत
विलेख नं० 291/80 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी केरताबाद
हैदराबाद में है।

एस० गोविन्द राजन
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद।

दिनांक : 20 सितम्बर 1980

मोहर:

प्रस्तुत आई.टी.एन.एस. —
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-व (1), के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 30 सितम्बर 1980

सं० य० सी० नं० 262/80-81:—यतः मुझे, एस०
गोविन्द राजन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है

और जिसकी सं० पोर्णन 3-6-760 है, जो 13 स्ट्रीट हिमयत
नगर हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में
और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रकर्स अधिकारी के कायलिय,
बनापती महबाबू नगर में भारतीय रजिस्ट्रकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन 19 फरवरी, 1980
को पूर्वांक संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्वयमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वांक संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,
मूल्य, उसके द्वयमान प्रतिफल से, ऐसे द्वयमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरीरीतयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कार्यत नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हूँई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना आविहृत था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-व के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपभारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्रीमती रायझा तिसुपराम्भा पति नारायण गौड़
रायझा बाफानी गौड़ पिता नारायणगौड़
रायझा सायना गौड़ पिता नारायणगौड़
कोताकोता गौव बनापती तासुक महबाबू नगर
जिला

(अन्तरक)

1. श्रीमती चिनाम नेगी अनन्ता आकामी पति सि०
मूटफिवर राव मन्नेगोडम गांव मेटपाली तूकान में
करीमनगर जिला।

(2) प्रलिलनेनी अशोकराव पिता ए० एफ० नारायण
राव मोते गांव जगतपाक ताफूक करीमनगर जिला
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांक
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
द्वध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

पोर्णन घर न० 3-6-760 13 स्ट्रीट हिमयतनगर
हैदराबाद में जैसे कि रजिस्ट्रीकूट विलेख न० 814/80
रजिस्ट्रीकर्स अधिकारी बनापती में है।

एस० गोविन्द राजन,
सक्षम अधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद।

दिनांक : 30 सितम्बर 1980

मोहर :

प्रकृष्ट आइ. टी. एन. प्रस्तुति—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 30 सितम्बर 1980

सं० आर० य० सी० न० 263/80-81:—यतः मुझे,
एस० गोविन्द राजन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
व के अधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लाट 10-3-313/8 है, जो विजयनगर
कालोनी हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपावड़ अनुसूची
में और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय केरताबाद में भारतीय रजिस्ट्रकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन 19 फरवरी, 1980
के पूर्वांकत संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वांकत संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पारा गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्घारेय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हृँ किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर बचने के अन्तरक के दायित्व में
कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
बीर/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना आविष्ट था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-व के अनुसरण
में, भौं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपाधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों^[१] अनुसूचि-

(1) कुमारी के० सरफा बेबी पिता के० कोडफरता
10-2-289/72 सांतिनगर हैदराबाद 500028।
(अन्तरक)

(2) श्रीमती सफीम अत्तर पति हसन मोहसीन सैयक
टाबाकू सैवि अरेबीया जि० पि० ये० महमद
अनवर हुसैन पिता महमद मेहरबान हुसैन
11-3-875 नई मल्लेपल्ली हैदराबाद।
(अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वांकत सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्येषः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांकत
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हृत-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास निवित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्राष्ट
हैं, वहो अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्लाट नं० 10-3-313/8ए विस्तीर्ण 404 यत्त्राज
विजयनगर कोलोनी हैदराबाद में जैसेकि रजिस्ट्रीकृत विलेख
नं० 355/80 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी केरताबाद हैदराबाद
में है।

एस० गोविन्द राजन
सक्षय अधिकारी
(सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण))
अर्जन रेंज, हैदराबाद।

दिनांक : 30 सितम्बर 1980
मोहर :

प्रभास आई० ई० एन० एस०

(1) श्री टिं राम सिंग पिता टिं रुक्यमन सिंह

3-6-150 हिमयात नगर हैदराबाद।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 30 सितम्बर 1980

स० आर० ये० सी० नं० 264/80-81:—यतः मुझे,
एस० गोबिन्द राजन,आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करते का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है

और जिसकी स० जमीन सर्वे व है, 136, 137, 139 से
142 कोटापेट गांव स्थित है, और इससे उपाबूद्ध अनुसूची
में और पूर्णसूप से वर्णित है), रजिस्ट्रकर्ता अधिकारी के
कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन 19 फरवरी 1980
का पूर्वान्तर सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दस्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करते
का कारण है कि यथापूर्वान्तर सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दस्यमान प्रतिफल से एसे दस्यमान प्रतिफल का पञ्चह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में आस्तीनिक रूप से कठित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हृदृ किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर बने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तीयों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ को उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

(1) श्री टिं राम सिंग पिता टिं रुक्यमन सिंह

3-6-150 हिमयात नगर हैदराबाद।

(अन्तरक)

(2) श्री दि० आनंदेश कमरशियक ताकस कर्मचार
कोआपरेटिव हौस बिल्डिंग सैसेटि हैदराबाद (टाब
नं० 227) कार्यदस्ती डि साकेदेव सिंग।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वान्तर सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वान्तर
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति इवारा अधाहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्राष्ट
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विद्या
गया है।

अनुसूची

जमीन आयकर सर्वे नं० 136, 137, 139 से 142
तक कोटापेट गांव में नागोंक पंचायत रंगरेड्डी जिला जैसे कि
रजिस्ट्रीकूत विलेख नं० 1430/80 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
हैदराबाद में है।

एस० गोबिन्द राजन,
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद।

दिनांक : 30 सितम्बर 80
मोहर :

प्रसूप शाई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की आदा

269-ए (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 3 अक्टूबर 1980

सं० आर० ये० सी० न० 265/80-81:—यतः मुझे,
एस० गोविन्द राजन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की आदा 269-ए के
प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विषयास करने का कारण है कि
स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से
अधिक है

और जिसकी प्लाट नं० 90 है, जो सैदाबाद हैदराबाद में स्थित
है (और इससे उपावड़ अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित
से वर्णित है), रजिस्ट्रेक्टरी अधिकारी के कार्यालय, अजामपुरा
में भारतीय रजिस्ट्रकरण अधिनियम 1908 (1908 का
16) के अधीन 19 फरवरी, 1980,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विषयास करने का
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पश्चात् प्रतिशत
से अधिक है और प्रस्तरक (प्रस्तरकों) और प्रस्तरिति
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तथा पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रस्तरण निश्चित में
वास्तविक रूप से छोटा नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी प्राय की वावत; उक्त
अधिनियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूचित
के लिए; घोर/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों,
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनाम अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सूचित के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की आदा 269-ए के अनुसरण में,
मैं उक्त अधिनियम की आदा 269-ए की उपचारा (1) के अधीन,
निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

(1) श्री आर० रामाराव पिता राधवराव बी-4/36
सफदरजंग ऐनकलेव नौरोजीनगर, नई दिल्ली।
(अन्तरक)

(2) (1) श्रीमती आर० सातुकारेहु तिवारी देहु
(2) आर० भल्लारेहु पति नरसिंह रेहु यायारम
गांव ईश्वराहीम पठनम तालुक रंगारेहु जिला।
(अन्तरिती)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अंजन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अंजन के संबंध में कोई भी प्राप्तेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की प्रवधि या उत्तरवंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की प्रवधि, जो भी प्रवधि वाले में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी
व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद
किसी भव्य अन्तिम द्वारा अनुहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे :

स्थावरण।—इसमें प्रयुक्त शब्दों मोर पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

घर प्लाट नं० 90 विस्तीर्न 949 चतुरंग सैदाबाद
हैदराबाद पर जैसे कि रजिस्ट्रीकूट विलेख नं० 277/80
विलेख नं० 277/80 रजिस्ट्रेक्टरी अधिकारी अजामपुरा
में है।

एस० गोविन्द राजन,
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, हैदराबाद।

दिनांक : 3 अक्टूबर 1980

मोहर :

प्रस्तुप प्राई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

सहायक आयकर आयुक्त कार्यालय

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 30 सितम्बर 1980

(1) श्रीमती पुशपलता पाठेनर मैसर्स असोसीयेटेड बिलडर्स
प्राविद हैदराबाद।

(अन्तरक)

(2) मास्टर विकास गोयल, बी-1/एफ०-6 पूनम अपार्ट-
मेंट्स आविडस हैदराबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताखरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभासित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(क) प्रन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अर्थ आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

आफिस नं० 30, 31, 32 दुसरी मंजिल पर आविडस शार्पिंग सेन्टर हैदराबाद पर जैसे कि रजिस्ट्रीकर्ता विलेख नं० 957/80 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी हैदराबाद में है।

एस० गोविन्द राजन
सक्षम अधिकारी
(सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद।

दिनांक 30 सितम्बर 1980

मोहर :

प्रकृष्ट प्राईंटी० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

सहायक आयकर आयुक्त कार्यालय

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 30 सितम्बर, 1980

सं० आर० य० सी० न० 267/80-81:—यतः मुझे
एस० गोविन्द राजन,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्वावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० आफिस 33, 34, 35 है, जो दुसरी मंजिल
अधीद शार्पिंग सेन्टर में स्थित है (और इससे उपाखड़ अनुसूची
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्टा अधिकारी के
कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अवीन फरवरी, 1980

उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए
अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण
है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिकल से ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिकल से अधिक है
और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (प्रत्यक्षितियों) के
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण निवित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत; उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए।
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिसमें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अस्तरिती हारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, लिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के
अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की
धरणारा (1) के अधीन, निम्नलिखित अवित्यों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती पुश्पलता पाटनर मैसर्स असोसिएटेड
बिलडरस आविद रोड, हैदराबाद।

(अन्तरक)

(2) मास्टर मानीश गोपल, बी 1/एफ 6, पूनम अपार्टमेंट्स
आविडस, हैदराबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये
कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के बंबध में होई भी जानेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन को प्रविधिया तत्संबंधी अवित्यों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की प्रविधि, जो भी प्रविधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अवित्यों में से
किसी अवित्य द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्वावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य अवित्य द्वारा, अधोहस्ताकारी के पास लिखित में
किए जा सकेंगे।

एप्लीकेशन :—इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का; जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20 के परिमाणित
हैं, वही अवधि होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

आफिस नं० 33, 34, 35, दुसरी मंजिल आविद
शार्पिंग सेन्टर हैदराबाद में जैसे कि रजिस्ट्रीकूट विलेख नं०
958/80 रजिस्ट्रीकर्टा अधिकारी हैदराबाद में है।

एस० गोविन्द राजन,

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद।

दिनांक 30 सितम्बर 1980

मोहर :

प्रस्तुत आई. टी. एल. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

सहायक आयकर आयुक्त कार्यालय

अर्जन रोज़, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 30 सितम्बर 1980

सं० आर० ये० सी० सं० 268/80-81:—यतः मुझे
एस० गोविन्द राजन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 41, 42, 43 है, जो आविद
गांग एस्टटर में स्थित है (और इससे उपबद्ध अनुसूची में
और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय हैदराबाद
में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 का
16) के अधीन फरवरी, 1980

को पूर्वांकित संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वांकित संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसकी दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उल्लेख से उक्त अन्तरण सिद्धित
में वास्तविक रूप से कार्यित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हूँ हूँ किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक जो दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अस्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपकारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों वर्तातः:—

3-346 GI/80

(1) श्रीमती पुष्पलता पाटनर मैसर्स असोसिएटेड बिल-
डर्स आविद रोड हैदराबाद।

(अन्तरक)

(2) मास्टर मुनील गोवल बरकतपुरा हैदराबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांकित संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहिया करता है।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आकेष्य:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन को अवधि या तस्वीरन्वार्ता व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वांकित
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिस-
बूख किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

आफिस नं० 41, 42, 43 आविद गांग एस्टटर,
हैदराबाद में जैसे कि रजिस्ट्रीकूट विलेख नं० 956/80
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी हैदराबाद में है।

एस० गोविन्द राजन

सक्षम अधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज़, हैदराबाद।

दिनांक 30 सितम्बर 1980

मोहरः

प्रकृष्ट प्राप्ति ० टी० एन० एस०--

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की आधा
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रांजन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 30 सितम्बर 1980

सं० आर० य० सी० नं० 269/80-81—यह मुझे,
एस० गोविन्द राजन,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० से अधिक है।

और जिसकी सं० आफिस नं० 44, 45, 46, है, जो दूसरी
मंजिल प्राविद शांपिंग सेंटर में स्थित है (और इसमें उपादान
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रेकर्टी अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण 1908
(1908 का 16) के अधीन 19 फरवरी, 1980
को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ याया गया
प्रतिफल, से निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:-

(6) अन्तरण से दुई फिसी आप को बाबत, उक्त अधि-
नियम, के अधीन करदेने के अन्तरक के दायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(7) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनात्म अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

आतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, पर्याप्त :-

(1). श्रीमती. पूराफत्ता- प्राटन्नर मैसर्स असेसीयटेड
विलडरज आविडस रोड हैदराबाद।

(अन्तरक)

(2) मास्टर संजय गोयल 4-4-856/1 हैदराबाद।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जायी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अंजन के
लिए कार्यवाहिया करवा हूँ।

उक्त संपत्ति के अंजन के संबंध में कोई भी आलोचना नहीं

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तापीन से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इनमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
प्रतिनियम के अध्याय 20-क में
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

आफिस नं० 44, 45, 46 दूसरी मंजिल पर अविडस
शांपिंग सेंटर हैदराबाद में जैसे कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं 963/80
रजिस्ट्रीकर्टी अधिकारी हैदराबाद में है।

एस० गोविन्द राजन,
सक्षम अधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
ग्रांजन रेंज, हैदराबाद।

दिनांक : 30 सितम्बर, 1980
मोहर :-

प्रस्तुत प्राई० टी० एन० एस० —

(1) कुमारी के० नलनी कुमारी पिता के० कांडलराव
10-2-289/72 सांतिनगर हैदराबाद।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 29 मितम्बर 1980

सं० आर० य० सी० नं० 270/80-81—यत मुझे
एस० गोविन्द राजन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी ज्ञानात् नं० 10-3-313/80 है, जो विजय नगर कालोनी हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपावच्छ अनु-सूची में और अपूर्णकृप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कैरताबाद में भारतीय रजिस्ट्रकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 19 मार्च, 1980, को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकृत के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकृत का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण विवित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से दुई हितों पार को बाबत उक्त अधिनियम के अधीन हट देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसने बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए या छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों वर्षातः:—

(2) श्रीमती विलक्ष्मि बंगम पति ए० ए० जूबार 11-3-875, नई मोलपल्ली हैदराबाद जि० पि० य० महमद अनवर हुसैन 11-3-875 मल्लुपल्ली हैदराबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोदृष्टाक्षरी के पास लिखित में किया जा सके।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के प्रध्याय 20-क में परिभासित है, वही अर्थ होगा जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

ज्ञानात् नं० 10-3-313/8 सी विस्तीर्णि 496 चतुर्गंज जैसे कि रजिस्ट्रीकूत विलेख नं० 401/80 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी कैरताबाद में है।

एस० गोविन्द राजन,
सक्षम अधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, हैदराबाद

दिनांक : 29 मितम्बर 1980

मोहर :

प्रलेप आई० टी० एन० एस०—
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद
हैदराबाद, दिनांक 30 सितम्बर 1980

सं० आर० ये० सी० नं० 271/80-81—यतः मुझे
एस. गोविन्द राजन,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-व के अधीन सभी प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है
और जिसकी सं० प्लाट नं० 1 है, जो मासब तांक हैदराबाद
में स्थित है) और इससे उपाग्रह अनुसूची में और पूर्णरूप से
वर्णित है, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कैरताबाद
में भारतीय रजिस्ट्रकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन 19 अप्रैल, 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृष्टमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्टमान प्रतिफल से, ऐसे
पूर्यमान प्रतिफल के बढ़वा प्रतिशत से अधिक है और
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच
ऐसे अन्तरण के लिए तथा यात्रा गया गया प्रतिफल निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण विधित में वास्तविक रूप से कठित
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के वायिक
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के
लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
थया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसार में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपलब्ध
(1) के अधीन निम्नलिखित अस्तियों, प्राचीन :—

(1) श्री सैयद शाहिर हुसैन बौकारी पिता सैयद अब्दुल
रहीम बौकारी 21-6-392 गांसी बाजार, हैदराबाद
(अन्तरक)

(2) श्रीमती अजामत कायूम पति अहमद आयामूदीन
10-2-300/3 विजयनगर कोलोनी हैदराबाद।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी व्याप्तिः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किए
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताकरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

सम्बोधन :——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट नं० 1 वार्ड नं० 6 बलाक नं. 5 मासब तांक
हैदराबाद विस्तीर्ण 435-69 चतुरगंज जैसा कि रजिस्ट्रीकूल
विसेख नं० 697/80 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी कैरताबाद
में है।

एस० गोविन्द राजन,
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद।

दिनांक : 30 सितम्बर 1980
मोहर :

प्रसूचना आई० टी० एन० एस०————

(1) श्री टिं भीमसिंग पिता लक्चमन मिह कोत्पेट गांव, हैदराबाद रंगारेड्डी (जिला)।
(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

(2) दि अन्द्रा प्रदेश कमर्शियल ट्रक्स कर्मचारी कोशापरेटिव हॉसिंग सोमाइटी हैदराबाद, सेक्टरी डी सूकदेव सिंह।
(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद दिनांक 30 सितम्बर, 1980

सं० आर० य० सी० नं० 272/80-81—यतः मुझे एस० गोविन्द राजन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है।

और जिसकी सं० लैड सर्व० नं० 136 से 142 है, जो कोनापेट गांव हैदराबाद में स्थित है) और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पुरुषक से वर्णित है), रजिस्ट्रीकूत अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन अप्रैल 1980, को पूर्वान्तर संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इव्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वान्तर संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इव्यमान प्रतिफल से, ऐसे इव्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरीक्षियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नालिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हूँ हूँ किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के मन्त्रक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

अनुसूची

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आविहए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

को यह सूचना जारी करके पूर्वान्तर सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ बरता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या सत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वान्तर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

लैंड 1 एकर 30 गूटास कोत्तापेट गांव में सर्व० नं० 136 से 142 तक जैसे कि रजिस्ट्रीकूत विलेख नं० 3803/80 रजिस्ट्रीकूत अधिकारी हैदराबाद में है।

एस० गोविन्द राजन
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, हैदराबाद

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ को उपधारा (1) के अधीन, निम्नालिखित व्यक्तियों अधिकृतः—

दिनांक : 30 सितम्बर 1980
मोहर :

प्र० आई० ई० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 6 अक्टूबर, 1980

सं० आर० य० सी० नं० 273/80-81—अतः मुझे
एस० गोविन्द राजन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक है।

और जिसकी सं० सर्व० नं० 234 है, जो गूढ़ी माल्कापुर
हैदराबाद अरबन में स्थित है) और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में
और पूर्णलूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन फरवरी 1980,
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वापत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
का लिए; और/या

(ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तीयों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में उक्त अधिनियम की द्वारा 269-घ की उपस्थारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती कामिनी सरोजिनीदेवी पति वेंकटानन्दसम्मा
16-11-1/5/8 मलिमनगर कालोनी हैदराबाद।
(अन्तरक)

(2) मैसर्स दि० मरवेल कोआपरेटिव हॉस्पिट सोसायटी
(टि० य० वि० 59) पि० एण्ड टि० कालोनी
हैदराबाद।
(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षणः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में वर्तमानित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

मृदूसूची

जमीन जैसे कि विस्तीर्न 1 एकर 9 गुंटांस सर्व० न०
234 गूढ़ीमल्कापुर हैदराबाद अरबन में जैसे कि रजिस्ट्रीकूत
विलेख न० 1195/80 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी हैदराबाद
में है।

एस० गोविन्द राजन,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, हैदराबाद।

दिनांक : 6 अक्टूबर 1980

मोहर :

प्रस्तुप आई. टी. एन. एस.-----

(1) श्री रायनी मालनाथ्या पिता राजन्या छिविलपमेट
आफिसर रोल सै० सि० पोस्ट आफिस लेन
बद्राचलस ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती टिपिरिसेट्टी विरामनी पति कनकय्यर
(2) टिपिरिसेट्टी कनकय्या पिता बेंकय्या सोमाराम
गांव बोनमिर तालुक नालगोड़ा जिला ।

(अन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 6 अक्टूबर 1980

सठ० श्रार. ये० सी० न० 274/80-81:—यतः मुझे
एस० गोविन्द राजन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 6-3-662/16/2 है, जो वाडी-ई-ईराम
सोमाजिंगडा हैदराबाद में स्थित है,) और इससे उबद्ध
अनुसूची में और पूर्णस्पष्ट से वर्णित है), रजिस्ट्रकर्ता अधि-
कारी के कार्यालय, कैरताबाद में भारतीय रजिस्ट्रकरण अधि-
नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन फरवरी,
1980,

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत अधिक है और अन्तररु (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

अनुसूची

(ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

घर नं० 6-3-662/10/2 वाडी-ई-ईराम सोमाजिंगडा
हैदराबाद पर जैसे कि रजिस्ट्रीकूत विलेख नं० 252/80
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी कैरताबाद में है।

एस० गोविन्द राजन,
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक : 6 अक्टूबर 1980

मोहर :

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपभारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधार्तः:—

प्रूप आई० टी० एन० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 6 अक्टूबर 1980

सं० आर० ये० सी० नं० 275/80-81:—यतः मुझे
एस० गोविन्द राजन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इराक्री पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है।

जिसकी सं० लैड 4 एन्ड 5 ए. है, जो पंजाबरूपा
हैदराबाद में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और
पूर्णस्प से वर्णित है), रजिस्ट्रकर्ना अधिकारी के कार्यालय,
कैरताबाद में भारतीय रजिस्ट्रकरण अधिनियम, 1908

(1908 का 16) के अधीन फरवरी, 1980

का पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कठित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हटाई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहों किया गया
था या किया जाना चाहिए था, लिपाने में स्विधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अन्सरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्रो ग्रोफ महमूद ग्रादिल अनसारी पिता महमद
अब्दुल हकीम अनसारी 745 /बी सि० आई
बि० क्वाटरस मोल्लपल्लि हैदराबाद।
(अन्तरक)

(2) मैसर्स विरगो कनस्ट्रक्शन्स राजबाबन रोड हैदराबाद
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यदाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तात्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
रखा है।

अनुसूची

प्लाट नं० 485ए विस्तीर्न 535 यतुश्वान पंजाबरूपा हैदराबाद
पर जैसे कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 279/80 रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी कैरताबाद में है।

एस० गोविन्द राजन
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, अधिकारी।

दिनांक: 6 अक्टूबर 1980

मोहर:

प्रध्य प्राईंट दी० एन० एस०

प्रायत्तर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

प्रर्जन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 6 अक्टूबर 1980

मं० आर० ये० सी० नं० 276/80-81:—यतः मुझे
एम० गोविन्द राजन,आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ष के अधीन सक्षम अधिकारी को, यह विष्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से पहिक है
और जिसकी मं० 6-3-894 है, जो सोमाजिंडु हैदराबाद
में स्थित है) प्रौढ़ इससे उपावद्ध अनुसूची में पूर्णरूप भे
वण्ठित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद
में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन फरवरी 1980,को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह
विष्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, इसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल के पूनर्ह प्रतिशत से अधिक है और
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरेती (अन्तरितियों) के बीच
ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया। प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
किया गया है।(क) अन्तरा में हुई हिसी प्राप्ति को बाबा उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के प्रमाण के दायित्व
में नहीं करने या उसने उचने में मुश्यित्रा के
लिए; और/या(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रतीजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया या या किया जाना चाहिए या छिपाने में
मुश्यित्रा के लिए;अक्ष: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के प्रनु-
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष
की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित अधिकारी,
पर्यातः—

4—346 GI/80

(1) श्री अली अकबर पिता श्रीली अहमद, 6-3-894
सोमाजिंडु हैदराबाद।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती रजवाना पति श्रीली अमगर, 11-5-295/1
रेडिलिम हैदराबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रंथन के लिए
कार्याद्वयों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के ग्रंथन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र न प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तरंगेंद्री व्यक्तियों पर सूचना को
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उपल अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही
अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खुफि जमीन 6-3-894 सोमानिंडु रेडराबाद विस्तीर्ण
500 चयरण ज जैसे कि रजिस्ट्रीकृत विलेन नं० 1654/80
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी हैदराबाद में है।एम० गोविन्द राजन,
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
प्रर्जन रेज, हैदराबाद।

दिनांक 6 अक्टूबर 1980

मोहर :

प्रकृष्ट प्राईंट टी० एन० एस०---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद दिनांक 6 अक्टूबर 1980

सं० आर० य० सी० न० 277/80-81:—यतः मुझे
एस० गोविन्द राजन,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसमें उम्मीद पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास
करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित शाजार मूल्य
25,000/- रु० वे अधिक है।
और जिसकी नं० 9-4-84/23 है, जो काक्तियानगर हैदराबाद
स्थित है (और इसमें उपाबद्ध श्रनुसूची में और पूर्ण रूप
से वर्णित है), रजिस्ट्रकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद
में भारतीय रजिस्ट्रकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन, 19 फरवरी 1980,
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के बृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके बृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे बृश्यमान प्रतिफल का
पश्चात् प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप में कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वावत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के प्रत्यरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के
लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या निसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम,
या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपशारा (1) के अधीन,
निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री वि० मिथ्ये मल्लेश्वर राव पिता फक्तमी
नारायण 9-4-84/73 काक्तियानगर
हैदराबाद-500008।
(अन्तरक)

(2) श्रीमती वि० श्रनजानी दंबी पति जि० पि० सि०
मूरलीधर राव 9-4-84/23 काक्तियानगर हैदराबाद-
500008।
(अन्तरिती)

जो यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन
के लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की प्रवधि या तस्वीरी अविक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी प्रवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अविक्तियों में से
किसी अविक्त द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवद्ध
किसी अन्य अविक्त द्वारा प्राप्तोत्तराकारी के पास
प्रिवित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के बिन्नाय 20-क में परिभाषित
हैं, वही पर्यंत होगा, जो उस अन्याय में
दिया जाता है।

श्रनुसूची

घर नं० 9-4-84/23 काक्तियानगर हैदराबाद विस्तीर्न
311 चतुरगज जैसे कि रजिस्ट्रीकूत विलेख नं० 1568/80
रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी हैदराबाद में है।

एम० गोविन्द राजन,
मक्षम प्रधिकारी,
सहायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद।

दिनांक: 6 अक्टूबर, 1980
गोटूरः

प्रेसप्र आई. टी. प्र. एस. —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को धारा
269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 6 अक्टूबर 1980

सं० आर० ये० सी० नं० 278/80-81:—यतः मुझे
एस० गोविन्द राजन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है।

और जिसकी सं० जमीन 6343 पर है पर है जो आतमकूर
करनूल जिला में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में
शांत पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी के कार्यालय
आतमकूर में भारतीय रजिस्ट्रकरण अधिनियम, 1908
(1908 के का 16) के अधीन 19 फरवरी, 1980
को पूर्वांक संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूर्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वांक संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दूर्यमान प्रतिफल से, ऐसे दूर्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उल्लेख से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कठित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हृइ किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
जीरु/या

(ल) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तवियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग को उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधितः:—

(1) श्री गेनदी नागपा
(2) गेनदी विरमा
(3) एन० रामचन्द्राङू
(4) एन० नरसंगा आतमकूर गांव करनूल जिला
(प्रत्यक्ष)

(2) (1) श्री आर० वेंकटरंगा रेड्डो।
(2) आर० बाफि रेड्डो
(3) आर० किशनमाधव रेड्डो
(4) आर० रंगस्वामी रेड्डो
परमटूर गांव करनूल जिला।

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वांक सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्याद्वय करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षण्यः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांक
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बूथ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्रान्ति
हैं, वही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

गोविन्द

जमीन 6343 सकूयर फीट पर विरमद्वा टाकिस आतमकूर
गांव करनूल जिला पर जैसे कि रजिस्ट्रीकूट विलेखनं० 2/19/80
रजिस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी आतमकूर में है।

गोविन्द राजन
मक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 13 अक्टूबर, 1980।

मोहर :

प्रस्तुत आई० टी०० एन०एस०—————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 8 अक्टूबर 1980

मं० आर० ए० मं० नं० 279/80-8 1:--- यतः मुझे
एस० गोविन्द राजन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/ रु० से अधिक है।

और जिसके मं० खुली जमीन 3-6-200 है, जो हिमयतनगर
हैदराबाद में स्थित है (और इसमें उपावड़ अनुसूची में और
पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन 19 मार्च 1980

को पूर्वांकित संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूसरामान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वांकित संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
कल निम्नलिखित उद्दरेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कठित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हूई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
कायित्रि में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
का लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

(1) (1) श्री कूदूर वेंकटारामाराव पिता के० एफ०
नरसिंहराव (2) श्रीमति वेंकटा कूदूर कुमारी
(3) के० एफ० नरसिंहा रेडू।
(4) के० वेंकट रमेश रेडू।
3-6-200 हिमयतनगर हैदराबाद।

(अन्तरक)
(2) मं० सारादाव कनस्ट्रक्शन प्राइवेट लिमिटेड
3-6-200 हिमयतनगर हैदराबाद।
(अन्तरितः)

को यह सूचना आरी करके पूर्वांकित सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की सामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांकित
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

खुली जमीन विस्तीर्न 645 चतुर्संज नं० 3-6-200
हिमयतनगर हैदराबाद पर जैसे कि रजिस्ट्रीकूट विलेख नं०
2151/80 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी हैदराबाद में है।

मं० गोविन्द राजन,
मक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, हैदराबाद।

दिनांक 8 अक्टूबर 1980

मोहर:

प्र० प्र० आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद।

हैदराबाद, दिनांक 9 अक्टूबर 1980

मं० आर० य० सो० न० 280/80-81-यतः मुझे,
एम० गोविन्द राजन,आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
घ के अधीन सक्तम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है।ओर जिसका सं० मुख्य जमीन है जो तोकट्टा गांव में स्थित है
(ओर हमने उपाध्य अनुमूल्य में और पूर्ण रूप में वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सिकिन्दराबाद में
भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन 19 फरवरी, 1980का पूर्वांक संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूसरामात्र
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफ़्त यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वांक संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दूसरामात्र प्रतिफल से, एसे दूसरामात्र प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कीर्ति नहीं किया गया है:—(क) अन्तरण से हूँड़ किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या(ल) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;(1) श्री विंशोकुर रेड्डी पिता बिंदु पाकारेड्डी तारवड
मिन्द्राबाद।

(अन्तरक)

(2) मैसर्स भौजन्या को प्राप्त रेटिंग हॉमिंग सोसायटी निमिटेड
6-6-37/3 कवाड़ेगुन्डा सिकिन्दराबाद।

(अन्तरित।)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीयों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अधिक
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांक
व्यक्तियों में ने किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा वधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

मुख्य

मुख्य जमीन 1 एकड़ तोकट्टा गांव पर जैसे कि रजिस्ट्री-
कूट विलेव नं० 240/80 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी मिकिन्दरा-
बाद में है।एस० गोविन्द राजन,
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक: 9 अक्टूबर 1980

मोहर:

प्रस्तुत आदि. टी. एन. एस.—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-व (1) के अधीन सूचना

(1) श्री प्रेम पिता सुर्यप्रकाश नेपिलस 6 रोड सोबानारोड
सोफाबा बोमबाई।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री अशोक पिता आत्माराम 11 वे विषु मालबार
हिल्स बोमबाई।

(ग्रन्तरिती)

भारत सरकार

फार्मलिय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 9 अक्टूबर 1980

सं० आर० य० सी० न० 281/80-81-वतः मुझे,
एस० गोविन्द राजन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
व के अधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का बाजार
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/
रु. से अधिक है

ओर जिसकी सं० फावड़ मर्वे. नं० 578 है, जो पेंडु अमबर
पेट रंगारेड़ी नियमित है ओर इसमें उत्तर अनुसूची में ओर
पूर्ण रूप से वर्णित है, रजिस्ट्रक्टरी अधिकारी के कार्यालय,
हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अध्यन 19 फरवरी 1908
को प्रदर्शित संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इयमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वक संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके इयमान प्रतिफल से, ऐसे इयमान प्रतिफल का
पञ्चह प्रतिशत से अधिक है ओर अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरितों
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कठित नहीं किया गया है:—

को यह सूचना जारी करके पूर्वांकित सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वांकित
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितमत्थ
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:-—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभासित
हैं, वहो अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिस्त भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

जर्मन नं० नं० 578 विस्तोने 17 याकर 3 गुंटास
पेंडु अब्बरेट रंगारेड़ी जिला पर जैसे कि रजिस्ट्रीकूत विलेख
नं० 1077/80 रजिस्ट्रीकर्सी अधिकारी हैदराबाद में है।

एस० गोविन्द राजन

सक्षम प्रधिकारी

सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेज, हैदराबाद।

दिनांक: 9-10-1980

मोहर:

अनु: अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-व के अनुसार
में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व को उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अधारे:—

प्रकाशित आई० टी० एन० एस०----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) का लाग

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर अधिकार (निरीक्षण)

अर्जन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 9 अक्टूबर 1980

सं० आर० य० सं० नं० 282/80-81-यन: मुझे
प्राप्त सूचना आवश्यक है।आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सकाम प्राविकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० से अधिक हैऔर जिसके सं० जमीन संव० नं. 58 है जो पेहुँ
अम्बर पेट आर० आग० जिला में स्थित है) और इसमें उपा-
बद्ध अनुभुवी में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रेशन अधिकारी के बायालिय, हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 19 फरवरी

1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-
फल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे पहुँ विश्वास करने का कारण
है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे
अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से
उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया
है :—(क) अन्तरण से हुई किसी आय की कमत उक्त अधिनियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या(ख)ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या छनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थे
अन्तरिती द्वारा प्रस्तु नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,
मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपशारा (1) के अधीन,
निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—(1) श्री प्रेम दिना नूरप्रकाश नेपिल्स नॉरोड, मोबानी
गांग, नोएडा गामी।(2) श्रामति रत्ना पर्ति नूरप्रकाश 22 वेस्टपू
18/ए० रिंग रोड बम्बई।(3) श्रामति शकुन्तला पर्ति राम चन्द, 11 रोड
बान्द्रा बम्बई।

(अन्तरक)

(4) श्री अनूप पिता सच्चानन्द 11 वे ब्यू मालाबार
हिल्स, बम्बई।

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियाँ शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के मर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
में से किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में
दितबद किसी प्रत्येक व्यक्ति द्वारा, प्रधानस्तानी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में
परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस
अध्याय में दिया गया है।

अनुभुवी

जमीन नं० 581 विस्तार 19 पैकड़ 36 गूटाम
पेहुँ अन्तरक पेट आर० आग० जिला हैदराबाद में जैसे कि
रजिस्ट्रेशन विलेख सं० 1078/80 रजिस्ट्रेशन अधिकारी
हैदराबाद में है।एम० गोविन्द राजन,
मनम अधिकारी
महायक आयकर अधिकार (निरीक्षण)
अर्जन रेज, हैदराबाद।

दिनांक : 9 अक्टूबर 1980

मोटर :

प्रलूप आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
269-प(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 10 अक्टूबर 1980

सं० आरा० ये० सा० न० 283/80-81:—यतः मुझे,
एस० गोविन्द गाजन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख
के अधीन सकाम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० 125/बा० है, जो म्यूनिसिपल नं० 7-1-395/
20 संजोवरेडु नगर कालोनी में स्थित है (और डम्बे उपाखड़ु
अनुसूची में और पूर्णस्वप्न से वर्णित है), रजिस्ट्रेकर्ता अधिकारी के
कार्यालय, कैरताबाद में भारतीय रजिस्ट्रकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 19 फरवरी
1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितीयों के) बीच ऐसे अन्तरण के लिए
क्षय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से द्वाई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी छन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण
में, भौं, उक्त अधिनियम की धारा 269-प की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री चन्द्राकान्त गव चिं बापू राव आडीलाबाद
जिं पि० ए० (2) यामराव चिं बापू रामया इंडिनयर
9-2-234 गोविन्दपुरम रिजिस्ट्रेशनबाजार मिलिन्डग
बाद।

(अन्तरक)
(2) श्रीमती गुम्बार्थी प्रभावते पति राममूर्ति 125/बा०
7-1-935/20 संजोवरेडु नगर, हैदराबाद।
(अन्तरिता)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहिया करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित म किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

घर 125/8 नं० 7-1-395/80 संजोवरेडु नगर कालोनी
हैदराबाद जैसे कि रजिस्ट्रीफूट विलेख नं० 177/80
रजिस्ट्रेकर्ता अधिकारी कैरताबाद में है।

एस० गोविन्दराव राजन
सकाम अधिकारी
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक : 10 अक्टूबर 1980
मोहर :

प्रसूप आई० टी० एन० एस०--

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रजंन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 10 अक्टूबर 1980

सं० आर० य० सं० न० 284/80-81—गत मुझे एम० गोविन्द राजन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विश्वाल करने का कारण है कि स्थावर संरानि जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है।

और जिभर्क सं० प्लाट सर्वे० न० 321 है, जो सोमाजिगुडा हैदराबाद में स्थित है (और इसके उपावद्व अनुसूची में और पूर्णस्पष्ट से वर्णित है), रजिस्ट्रेटरी अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रेकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 19 फरवरी, 1980 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पर्वत प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल मिम्ननिर्धित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से द्वार्दे किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ब) ऐसी किसी आय या किसी बन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय प्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनात्म अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, हिपने में सुविधा के लिए;

अतः, प्रब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, नमननिहित अविक्तियों, अर्थात् :—

5-346GI/80

(1) श्रा० एन० श्रीमैला 3-4-663/22/1 नारायणगूडा हैदराबाद।

(अन्तरक)

(2) श्रीमतों के० पदमजा पति विजयमोहन दाखमलाम हैदराबाद।

(अन्तरितों)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रांम के लिए कार्यवाहियाँ करता है।

उक्त सम्पत्ति के ग्रांम के सम्बन्ध में कोई भी व्याक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्पर्वती अविक्तियों पर मूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अविक्तियों में से किसी अविक्त द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य अविक्त द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के प्राप्ताय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खुली जमान सर्वे० न० 321 (प्लाट 13) सोमाजिगुडा पर विलोर्ने 831.9 चतुर गंज जैसे कि रजिस्ट्रीकूत विलेख न० 1590/80 रजिस्ट्रेकूत अधिकारी हैदराबाद में है।
दिनांक 10 अक्टूबर 1980

एस० गोविन्द राजन,
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
आजन रेज, हैदराबाद

तारीख : 10-10-1980

मोहर :

प्रस्तुप थाई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-प(1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर वा.पा. (विरोधण)

अर्जन रेज 1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 18 मितम्बर 1980

निदेश सं० सी० आर० नं० 1179ए० सी० क्य० 23-I/
80-81—ग्रन्त: मुझे, मांगीलाल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-प
के प्रधीन सकारा प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपये से अधिक है।

और जिसकी सं० 48 खुली जमीन तथा फैक्टरी मकान है तथा
जो ग्राम साबलपर जिला जूनागढ़ में स्थित है (और इससे उपायद्वा
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय जूनागढ़ में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन फरवरी 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्टमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृष्टमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्टमान प्रतिफल के पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और प्रत्यक्ष (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए, तथा पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) प्रत्यारण से तुद्द किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय कर नियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम,
का धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरित हारा प्रकट नहीं किया
गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-प की उपधारा (1)
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ।—

(1) पोलीपेक्स तथा फिबरेक्स प्रा० लि० ग्राम सलालपुर,
जिला : जूनागढ़

(अन्तरक)

(2) मेसर्स चन्दन डायज प्राइड केमीकल इंडस्ट्रीज मटावा
स्ट्रीट, केलपुर जिला : राजकोट

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदनः—

(क) इस सूचना के सम्बन्ध में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाट
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में
से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र म प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवृक्ष
किसी अन्य अप्रिय द्वारा, प्रशोहस्ताकरी के पास
निवित में किए जा सकेंगे।

इटीफरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अठाय 20-क में परिभासित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

ग्राम सलालपुर, जिला जूनागढ़ में एस० नं० 48 की
खुली जमीन तथा फैक्टरी मकान जिसका माप 8599 वर्ग मीटर
है, जो रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी द्वारा विदा रजिस्टर्ड विक्री
दस्तावेज नं० 192/80 फरवरी 1980 द्वारा है, जिसमें मिलकम
का पूर्ण वर्णन दिया गया है।

मांगीलाल
सकारा प्राधिकारी
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-ए, अहमदाबाद

तारीख : 18-9-80
मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एस०—————
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज 1, अहमदाबाद
अहमदाबाद, दिनांक 18 मितम्बर, 1980

ग्रंथालय ० आर० त५० ११८० ए० सी० व्य० २३-१/
८०-८१—अतः मुझे, मांगीलाल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इन्होंने
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपये से अधिक है।

जिसकी सं० नं० 48 सलालपुर गांव का है। तथा जो
सलालपुर, जिला जूनागढ़ में स्थित है (और इससे उपावस्था अनु-
सूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय जूनागढ़ में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
16) के अन्तर्गत फरवरी 1980

को पुर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापुर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के प्रधीन निम्नलिखित अवक्तियों अर्थात्:—

(1) पोलीयेक्स ग्रॅण्ड फिबरेक्स प्रा० नि० गांव, सलालपुर
जिला जूनागढ़
(अन्तरक)

(2) मेसर्स राजहंस ग्राम इन्डस्ट्रीज फुलवाड़ी, जेतपुर
जिला, राजकोट
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रंथन के लिए
कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के ग्रंथन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन ती तारीख से
45 दिन की अवधि या नसम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो
भी अवधि वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में
हितवद्धि किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोदृस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

कुली जमीन तथा प्लीथ तथा बाधकाम की हुई जमीन का
माप 8599 वर्गमीटर (जिसका एस० नं० 48 तथा जो ग्राम
सलालपुर जिला जूनागढ़ में स्थित है जिसका बिश्री दस्तावेज
नं० 193/80 एस०/180 में पूर्ण वर्णन दिया गया है।

मांगीलाल
मक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-I, अहमदाबाद

तारीख : 18-9-80

मोहर:

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ए (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 26 नितम्बर 1980

निदेश सं० 287 आर० नं० 1182/एस० वय० 23-I/
80-81—अतः मुझे, मांगीलाल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ए के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी सं० 2121-ए० और 2121-बी० कालुपर बांड० है। तथा जो कालुपर, कालुपर टावर रोड, अहमदाबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन फरवरी 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरण (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रतिशत के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य के उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से कुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के प्रत्यक्ष के दायित्व में कोई करने या उससे बचने में सुविधा के लिए ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या श्रम आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाथं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपषारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) (1) मुसालाबेन कात्तीलाल गुडलक बंगलो, (2) फर्मिका बेन धीरजलाल नवरंगपुरा, (3) मुरेखाबेन महेन्द्रभाई अहमदाबाद (4) कनुभाई रक्षीकलाल पावर आफ अटारनी द्वारा प्रेषित श्री भूपेन्द्र रक्षीकलाल "लीलाकुज" स्वास्तिक चार रस्ता, अहमदाबाद

(अन्तरक)

(2) श्रीमती बीलकीसी सी० मोमीन
306 राजा एपार्टमेन्ट
गायकवाड हुवेली,
रायखड़ा अहमदाबाद

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्रमणः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रलिपा की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोदृश्याकारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मिलकत जिसका एस० सं० 2121-ए० तथा 2121-बी० माप 132 वर्ग गज तथा 21 वर्ग गज अनुक्रमित है तथा जो कालुपर टावर रोड, बिसकोली पोल के सामने अहमदाबाद में स्थित है। जो बिक्री दस्तबिज नं० 2402 तथा 2403 फरवरी 1980, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी द्वारा विदा रजिस्टर्ड है, इसमें मिलकत का पूर्ण वर्णन दिया गया है।

मांगीलाल
सक्षम प्राधिकारी
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

तारीख : 26-9-80

मोहर :

प्रलेप शाई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 26 सितम्बर 1980

निदेश सं० पी० आर० 1183/प० सी० क्य० 23-I/
80-81—अतः मुझे मांगी लाल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्राधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के प्रधीन संभव प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० एफ० पी० नं० 8 पैकी टी० पी० एस० 18 पैस० नं० 2-ए, है तथा जो शहर कोटड़ा, मेघदूत होटल के पास, अहमदाबाद, में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण सूचे से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन फरवरी, 1980

को पूर्वोक्त तंत्रित के उचित बाजार मूल्य में रूप के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्वरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का अन्द्रदृष्ट प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में लिखित नहीं किया गया है:—

(क) प्रतिरण में दुई छिपो आय की बाबत उक्त अधिनियम के प्रधीन कर दो के प्रतिरक्त के रायित्र में कमो करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) एंटी डिस आय या एंटी इन या एंटी आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922 (1922 न्ं 11) का उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्वरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपने में सुविधा के लिए;

अतः यह, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त प्रधिनियम की धारा 269-घ की उपचारा (1) के अधीन, निम्नलिखित अक्षियों, ग्रथित:—

(1) मेसर्स मधुरेस कारपोरेशन, मैनेजिंग पार्टनर द्वारा
श्री बाबूभाई दग्धरथभाई पटेल
111, सरकीवार्ड, सारंगपुर
अहमदाबाद

(अन्तरक)

(2) श्रीमती मीतादेवी रत्नलाल खेमका
केअर आफ जावलाल नवलकिशोर
पटेल मार्केट, साकर बाजार,
अहमदाबाद

(अन्वरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के रायात्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तसम्बन्धी अविक्षियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अविक्षियों में से किसी अविक्षित द्वारा;

(ख) इस सूचना के रायात्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवद्ध किसी अन्य अविक्षित द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :-—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिचालित है, वही अर्थ दोगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमुसूधी

टी० सी० सी० मार्केट की दुकान नं० 16 जो रायपुर दरवाजा बहार, मेघदूत होटल के पास, अहमदाबाद में स्थित है, टी० पी० एस० 18-एफ० पी० नं० 8 पैकी रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी द्वारा विधि रजिस्टर्ड है जिसका विश्वास दस्तावेज नं० 2191/4-2-80 जिसमें मिलकस का पूर्ण वर्णन दिया गया है।

मांगीलाल
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, अहमदाबाद

तारीख: 26-9-1980

मोटर:

प्रकृष्ट प्राई॰ टी॰ एन॰ एस॰—
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के प्रधीन सूचना

मारत सरकार

कार्यालय सहायता आयकर अधिकत (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 26 सितम्बर, 1980

निदेश सं० पी० आर० नं० 1184/ए० सी० क्य० 23-1/-

80-81—श्रतः मुझे मांगी लाल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन भन्नम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है,

और जिसकी सं० एफ० पी० नं० 8, पैकी टी० पी० एस० नं० एस० नं० 2-ए है तथा जो शहरकोटडा, मेघदूत होटल के पास, अहमदाबाद में स्थित है (और इससे उपावढ़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन फरवरी 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रत्यक्षित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्वरक (प्रभारकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य के उचित अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं दिया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी शाय ली राबत, उचित अधिनियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने य उपसे बचने में सुविधा के लिए; और/गा

(ख) ऐसी रिंगी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उचित अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अत अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उचित अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित अर्थकार्यों, अर्थात् :—

(1) मेसर्स माथुरेस कारपोरेशन,
मैनेजिंग भागीदार द्वारा श्री बाबूभाई दशरथ भाई
पटेल, 111, सरकीवाड़ सारंगपुर,
अहमदाबाद

(अन्तरक)

(2) श्रीमती सीतादेवी रत्नलाल खेमका
के अपार आफ जाबुलाल नवलकिशोर,
पटेल मार्केट, साकर बाजार,
अहमदाबाद

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उचित सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रवधि या तत्सम्बन्धी अविक्षितों पर सूचना को तामील से 30 दिन की प्रवधि, जो भी प्रवधि बाद में समाप्त होतो हो, के भीतर पूर्वोक्त अविक्षितों में से किसी अवक्षित द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उचित स्थावर सम्पत्ति में त्रितबद्ध किसी अन्य अवक्षित द्वारा, प्रधोहस्ताकारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उचित प्रविनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

डी० सी० सी० मार्केट की दुकान नं० 17, जो रायपुर दरवाजा बहार, मेघदूत होटल के पास, अहमदाबाद में स्थित है, टी० पी० एस० 18-एफ० जी० नं० ८८८१, जो रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी द्वारा विधि रजिस्टर्ड है, जिसका विश्वास दस्तावेज नं० 2190/4-2-80 जिसमें मिलकत का पूर्ण वर्णन दिया गया है।

मांगी लाल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-1, अहमदाबाद

दिनांक : 26-9-80

मोहर :

प्रकरण आई० दी० एन० एस०--

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ए (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 26 सितम्बर, 1980

निवेश नं० पी० आर० नं० 1185/ए० मी० क्य० 23-I/-
80-81—अतः मुझे मांगी लाल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ए के प्रधीन सभी प्राधिकारी को यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी सं० एफ० जी० नं० 109 एस० पी० नं० 2
उत्तरीय बाजू टी० पी० एस० 4 पैकी है तथा जो मसीनगर,
गोल लोभडा, अहमदाबाद में स्थित है (और इससे उपांचछा अनु-
सूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय अहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, (1908
का 16) के अधीन फरवरी 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान
प्रतिफल के लिए असत्तिर की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित
बाजार मूल्य, उसके वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अस्तरक
(अन्तर्कों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे
अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में किया
नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी प्राय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अस्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में मुश्विता
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी प्राय या किसी घटन या अन्य प्राप्तियों
ओं, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन्त-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगमाध्यमे अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपचारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अपासि:—

(1) श्री मेवलराम वृन्दमल बचानी तथा द्वासरे
के अप्राप्त श्री गोविन्दगाम केवलराम तथा द्वासरे
413-जी० बमल वाडी
कालबादेवी रोड,
मुम्बई-400002।

(अन्तरक)

(2) श्री भागचन्द्र कनैयालाल
गोल लिमडा,
मणिनगर, अहमदाबाद

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राहक:

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि, या तस्वीरन्धी अविक्तियों पर
सूचना की तारीख में 30 दिन की अवधि जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
अविक्तियों में से किसी अविक्त द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य अविक्त द्वारा प्रधोक्ष्यकारी के
पास लिखित में किए जा सकें।

रजिस्ट्रीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है,
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मिलकत जिसका एफ० पी० नं० 109, सब फ्लोर नं० 2
पैकी टी० पी० एस० 6, उत्तरीय बाजू पैकी द्वासरी मंजिल,
तथा जो गोल लिमडा, मणिनगर में स्थित है। जो ५९७.५०
वर्ग गज जमीन पर खड़ी है तथा जो बिश्री दस्तावेज नं० 2222/
फरवरी 1980 द्वारा रजिस्ट्रीकृत अधिकारी द्वारा विधी रजिस्ट्रेशन
है इसमें मिलकत का पूर्ण वर्णन दिया गया है।

मांगी लाल
सक्षम प्राधिकारी
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

तारीख: 26-9-80
मोहर :

प्रस्तुप आई०टी०एन०एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 26 सितम्बर, 1980

निदेश नं० पी० आर० नं० 1186 ए० सी० क्य०० 23-I/-
80-81—अतः सुन्न मांगीलाल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' वहा गया है), की धारा 269-
घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० से अधिक है

और जिसकी सं० एस० पी० नं० 109 उत्तरीय बाजू पैकी
टी० जी० एस० 4 है। तथा जो मणि नगर, गोला लिमड़ा,
अहमदाबाद में स्थित है (श्रीर इससे उपाग्रह अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अहमदाबाद
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन फरवरी 1980

के प्रार्क्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मैंने यह विश्वास
करने का कारण है कि यथाप्रार्क्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर दिने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अस्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरीक्ष द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

(1) श्री मेवलराम बुन्दमल बचानी और दूसरे
के प्राप्त श्री गोविन्दराम केथलराम और दूसरे
413-जी, वसन्त बाड़ी,
कालबांदेवी रोड़,
मुम्बई-400002

(अन्तरक)

(2) श्री राधाकिशन कनेयालाल
गोल लिमड़ा, मणिनगर
अहमदाबाद

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके प्रार्क्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यालयों करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की हारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रार्क्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बूझ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिचित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

मिलकत जिसका एफ० पी० नं० 109, सब प्लाट नं०
2 टी० जी० एस० 4 पैकी उत्तरीय बाजू पैकी भूतलीय माप
597.50 वर्ग गज तथा जो गोला लिमड़ा, मणिनगर, अहमदाबाद
में स्थित है। मिलकत का पूर्ण वर्णन बिंद्री दस्तावेज नं० 2224/
फरवरी 1980 तथा जो रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी से विधी
रजिस्टर्ड है इसमें दिया गया है।

मांगी लाल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-1, अहमदाबाद

तारीख : 26-9-1980

मोहर :

प्राप्त आई० टी० एन० एस०----
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सदायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद
अहमदाबाद, दिनांक 26 सितम्बर 1980

निदेश नं० पी० आर० नं० 1187/ए० सी० क्य० 23-1
80-81—अतः मुझे मांगी लाल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी मूल्य 109 एस० पी० नं०

उत्तरीय बाजू पैकी टी० जी० एस० 4 है तथा जो गोल लिमड़ा
मणिनगर अहमदाबाद में स्थित है (और इसमें उपाख्य अनुसूची
में और पूर्ण स्वयं से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
अहमदाबाद से रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन फरवरी 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल का फ़द्दह प्रतिशत अधिक है और
अन्तरित (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच
ऐसे अन्तरग के तिए तर पाए गए प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरग निवित में वास्तविक रूप से नहिं
नहीं किया गया है:—

(क) अस्तरण से हुई किसी आय की वापस उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने हेतु अन्तर्ग के दायित्व
में कमी करने या उसमें बढ़ने में सुविधा के
लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
संकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अमरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था तिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम को धारा 269-ग के अनु-
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा
(1) के अधीन, निम्नलिखित अधिकारी के प्रमाणित :—
6—346GI/80

(1) श्री मेवलराम बृंदमल बचानी
केशर श्राफ श्री गोविन्द राम केवल राम और दूसरे
413-जी० वसन्त बाड़ी, कालबादेवी रोड,
मुम्बई-400002।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती द्वौपदी बालीराम
गोप लिमड़ा
मणिनगर, अहमदाबाद

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
निए कार्यवाहियों करना हूँ :—

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आमंत्रण :—

(क) इस सूचना के राजन्त्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी अधिकारी पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अधिकारी में से
किसी अधिकता द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजन्त्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य अधिकारी द्वारा, अधीदृस्तावती के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

संबोधण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मिलकत जिसका एफ० जी० नं० 109, सब प्लाट नं० 2
टी० पी० एस० 4 पैकी उत्तरीय बाजू पैकी सेलर, माप 597.50
वर्ग गज तथा जो गोल लिमड़ा, मणिनगर, अहमदाबाद में स्थित
है तथा जो रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी द्वारा बिक्री दस्तावेज नं०
2225/फरवरी 1980 से रजिस्ट्री है तथा इसमें मिलकत का
पूर्ण वर्णन दिया गया है।

मांगी लाल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद
तारीख: 26-9-80
मोहर :

प्रस्तुत आई० टी० एन० एस०—

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 26 नवम्बर 1980

निवेश नं० सी० आर० नं० 1188 ए० सी० क्य० 23/I/-
80-81—अतः मुझे, मांगीलाल

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन अन्म प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये
से अधिक है

और जिसकी सं० एफ० सी० नं० 109 ए० सी० जी० नं० 2 उत्तर
भाग टी० पी० एस० 4 है। तथा जो मणिनगर, भोल लिमड़ा
अहमदाबाद में स्थित है (और इसके उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अहमदाबाद
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1980 (1908 का 16) के
अधीन फरवरी 80 को

एवं विश्वास के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल
के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है
कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का फन्ह्र प्रतिशत से अधिक है
और अन्तररु (अन्तररु) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के
बीच ऐसे अन्तरण के लिए नया पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई इसी आय की बाबत, उक्त आष-
नियम के अधीन कर देते हो अन्तररु के शाश्वत
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या ग्रन्त आस्तियों को,
जिन्हें भारतीय प्रायकर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधि-
नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया
जाना चाहिए या छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन,
निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रो मेवलराम वृन्दमल बचानी और दूसरे
के प्रायकर श्रो गोविन्द राम के बल राम और दूसरे
413-जी, वसन्तबाड़ी, कालबादेवी रोड, मुम्बई-
400021

(अन्तरक)

(2) श्री कनैयालाल पालीराम
मणिनगर, गोल लिमड़ा,
अहमदाबाद

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्प्रवर्ती व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में
में किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में
किये जा सकेंगे।

संपर्कोक्तरण :——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मिलकत जिसका एफ पी० नं० 709, सब प्लाट नं० 2
टी० पी० एस० 4 पैकी उत्तरीय बाजू प्रथम मंजिल (पूर्वी बाजू)
जो जमीन माप 597.50 वर्ग गज पर खड़ी है जो बिक्री दस्तावेज
नं० 2226 फरवरी 80 द्वारा रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी द्वारा
रजिस्टर्ड है इसमें मिलकत का पूर्ण वर्णन दिया गया है।

मांगी लाल
मक्षम प्राधिकारी
सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-1, अहमदाबाद
तारीख : 26-9-1980
मोहर :

प्रूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 26 सितम्बर, 1980

निवेश सं० यी० आर० नं० 1189 ए० सी० क्य० 23/I
80-81—अतः मुझे, मांगीलाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० एफ० जी० न० 109, एस० जी० न० 2
पैकी उत्तरीय बाजू है। तथा जो मणिनगर, गोल लिमड़ा,
अहमदाबाद, टी० जी० एम० 4 में स्थित है (अग्री इससे उपायमें
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
के कार्यालय अहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन फरवरी 1980

को पूर्वान्तर सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रूपमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वान्तर सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके रूपमान प्रतिफल से ऐसे रूपमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्दरण से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(क्ष) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए;

(1) श्री मेवलराम बुन्दमल बचानी और दूसरे
के अग्र आक श्री गोविन्दराम केवलराम और दूसरे
413-जी, बसन्त बाड़ी, कालबाहदेवी रोड,
मुम्बई-400002

(अन्तरक)

(2) श्री परयायोमल जागुमल
भोल लिमड़ा,
मणिनगर, अहमदाबाद

(अन्तरिती)

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्मिलित है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वान्तर सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यान्वयिता करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्रोपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तासील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वान्तर
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बहुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-के परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

मिलकत जिसका एफ० जी० न० 109, सब प्लाट न० 2
पैकी, टी० पी० एम० 4, उत्तरीय बाजू पैकी, प्रथम मंजिल
जो जमीन माप 597.50 बर्ग गज जमीन पर खड़ी है तथा
गोल लिमड़ा, मणिनगर, अहमदाबाद में स्थित है। मिलकत विक्री
दस्तावेज न० 2223/ फरवरी 1980 जो रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
द्वारा विधी रजिस्टर्ड है इसमें पूर्ण वर्णन दिया गया है।

मांगीलाल
सक्षम प्राधिकारी
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-1, अहमदाबाद

तारीख : 26-9-1980

मोहर :

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों वर्धातः—

प्रस्तुप पाई० टी० एन० एच०—
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 30 सिन्वत, 1980

निरेश सं० सी० आर० न० 1190/ए० सी० व्य० 23-1/-
80-81—अतः मुझे मांगीलाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'छक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० एफ० जी० न० 88/1 टी० पी० एम० 22, है। तथा जो पालड़ी, अहमदाबाद में स्थित है (श्रीग इससे उपाबद्ध अनुमूल्य में और पूर्ण मूल्य से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन फरवरी 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित दृष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से दूई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या बनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

प्रतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्

(1) श्री हर्षवदन हटुटीसांग शाह
अहमदाबाद

(अन्तरक)

(2) माहित्य एपार्टमेंट को० ओप० ला० सोमायटी,
पानाकीन सोमायटी के पास,
मरखेज रोड, अहमदाबाद

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करने पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यादियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधिकारी के पास लिखित से किये जा सकेंगे।

हाफ्टोकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-ए में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उक्त अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन (स्ट्रक्चर के साथ) माप 2509 वर्ग गज, जिसका टी० पी० एस० न० 22, एफ० जी० न० 88-1 जो पालड़ी अहमदाबाद में स्थित है तथा जो रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी द्वारा विधि रजिस्ट्रार है, बिक्री दस्तावेज नं० 2737 तारीख 11-2-80 से, जिसमें मिलकत का पूर्ण वर्णन हो गया है।

मांगीलाल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-1, अहमदाबाद

तारीख: 30-9-80

मोहर:

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस० —————
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर वायुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज I, अहमदाबाद

ग्रहमदाबाद, दिनांक 9 अक्टूबर, 1980
निदेश नं० सी० आर० नं० 1191 प० सी० क्य० ० २३-१/
८०-८१—अतः मुझे मांगीलाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
उक्त के पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० नं० 358, 642/1 तथा 642/2 मब प्लाट
नं० ९—३ है। तथा जो वाड़, अहमदाबाद में स्थित है (और
इसमें उपाबंड अनुसूची में और पूर्ण स्पष्ट में वर्णित है)। [रजिस्ट्रीकर्ता
प्राधिकारी के कार्यालय अहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन 23-२-८०

को पूर्वांक सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वांक सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उनके दृश्यमान प्रतिफल से पूर्ण दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्दरेश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:

(क) अन्तरण से हृइ किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
का लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1967 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः यदि, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अन्तरण
में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

(1) श्रो मारागाई मानेकलाल चिनाई,
खजुरीनी पोल,
कल्लुपुर, अहमदाबाद।

(अन्तरक)

(2) न्यू अखंड आनन्द नगर को० श्रो० हा० मो०
वाडज, अहमदाबाद

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की सामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांक स्विकृति
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में निर्दिष्ट हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

एक खुली जमीन का माप (1474+597+14.31 वर्ग
गज) 2085.31 वर्ग गज जिसका सं० नं० 258, 642/1
तथा 642/2, मब प्लाट 9 तथा 3 जो वाडज अहमदाबाद में
स्थित है। तथा जो रजिस्ट्रीकृत विक्री दस्तावेज द्वारा रजि०
नं० 1849 तारीख 23-२-८० में पूर्ण वर्णन दिया गया है।

मांगीलाल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर वायुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-I, अहमदाबाद

तारीख : 9-10-80
मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन०एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) का
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 9 अक्टूबर, 1980

निदेश सं० सी० आर० नं० 1192 ए० सी० क्य०० 23-I/
80-81—अतः मुझे मांगीलाल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० करनपत्र घेरी नं० 12 है तथा जो राजकोट
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रेक्टर अधिकारी के कार्यालय राजकोट में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 27-2-80
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उपके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिक्रिया निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण म हुई किसी आय को बाबत, उक्त अधि-
नियम के अधीन कर दित के अन्तरक के दायित्व म
कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए;
और/या

अनुसूची

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-हर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थे अन्तरितों द्वारा प्राप्त नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपाधार (1)
के अधीन, व्यक्तियों, निम्नलिखित अर्थात् :—

(1) श्रीमती रमावेन मगनलाल माजीड़ीया
(2) श्री मगनलाल बल्लभदास माजीड़ीया
सन्तानूज, पश्चिम मुम्बई-54

(अन्तरक)

(2) श्री ब्रजलाल दलपलराम भडेल।
(2) श्री रमेशचन्द्र ब्रजलाल भडेला
44, प्रहलाद प्लाट, राजकोट

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करने पूर्वीन सम्पत्ति के अन्तर के लिये
कार्यवाहिया करता है।

उक्त सम्पत्ति के अन्तर के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
मूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

संबोधीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों प्रोर पदों का, जो उक्त अधि-
नियम, के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही
प्रर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

एक मरान जो जमीन माप 321-2-0 वर्ग गज पर खड़ा
तथा जो केन्त्र रोड, शेरी नं० 12, राजकोट में स्थित है तथा जो
रजिस्ट्रोक्ट विक्री दस्तावेज जिसका रजिस्ट्रेशन नं० 1147
तारीख 27-2-80 है इसमें पूर्ण वर्णन दिया गया है।

मांगीलाल
सकाम प्राधिकारी
सहायक आचकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-1, अहमदाबाद

तारीख : 9-10-80

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

२८९-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 9 अक्टूबर 1980

निदेश सं० पी० आर० नं० 1193 ए० सी० फ्य० 23/-
80-81—अतः मुझे मार्गीलाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), को धारा २८९-ब के अधीन सकाम प्राधिकारी को यह विवाह करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसना उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० 26, प्रहलाद प्लाट है तथा जो 26, प्र॒लाद प्लाट, राजकोट में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुमूल्ची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, राजकोट में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 7-2-80

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित को गई है और मुझे यह विवाह करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पश्चात् प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में आस्तकिक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(न) अतारा में हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के अधिनियम में जीर्ण करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ष) ऐसों किसी आय या किसी वस्तु या अन्य आस्तियों को बिन्दू भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगकार्य अन्तरिती हारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, लिखने में सुविधा के लिए।

अतः प्रति अधिनियम की धारा २८९-ब के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा २८९-ब की उपशारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्री प्राणजीवन आनंदजी दोसी दानापीठ राजकोट ।
(अन्तरक)2. (1) श्री रमेश चन्द्र हरी लाल
(2) श्री नलीन हरीलाल
(3) श्री जीतेन्द्र हरी लाल
(4) श्री नरेन्द्र हरी लाल
(5) श्रीमती विमला हरी लाल
26 प्रहलाद प्लॉट, राजकोट । (अन्तरिती)3. (1) लब्जी अमरसी
(2) जीतेन्द्र हिमतलाल
(3) रमनीक लाल आर० घोषाली
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अन्तर्क के लिए कार्यादियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अवधि, जो भी प्रवधि बाद में सपात्न होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकें।

रजिस्ट्रीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के प्रधाय 20-ए में परिचालित है, वही अर्थ होगा, जो उस अधाय में दिया गया है।

अनुमूल्ची

एक मकान जो जमीन माप 183 वर्ग गज पर खड़ा तथा जो मुख्य दिग्गजिय रोड पर, 26 प्रहलाद प्लॉट, राजकोट में स्थित है तथा इसका पूर्ण वर्णन रजिस्ट्रीकृत विक्री दस्तावेज जो रजिनं० 767 दिन 7-2-80 में दिया गया है।

मार्गी लाल
सकाम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, अदमदाबाद

दिनांक : 9-10-1980

मोहर :

प्रलग आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-I, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 9 अक्टूबर 1980

निदेश नं० सी० आर० नं० 1194/ए० सी० श्य० 23-I/
80-81—यतः मुझे मांगीलाल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' जिता गया है), की धारा 269-ष के प्रयोग वह विश्वास करने का कारण है कि सशावर सम्पत्ति जिसका उचित वाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है।

श्रीर. जिसकी सं० 25/38 जगनाथ बाड़े नं० 15 है। तथा जो 25/38 जगनाथ में स्थित है (श्रीर. इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण स्वप्न में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय राजकोट में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 13-2-80

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित वाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित वाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरह (अन्तरकों) श्रीर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए,

यतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपाधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

(1) श्रीमती मदुरीका सी० उपाध्याय
(2) श्रीमती नलीनीबेन जी० उपाध्याय
(3) श्रीमती स्मिताबेन आर० उपाध्याय
(4) श्रीमती भावना बेन जी० उपाध्याय
(5) श्रीमती विद्याबेन एच० उपाध्याय
स्टेट बैंक आफ सौराष्ट्र को० ओ० हाँ० सो० एरोड़ाम के सामने, "गायत्री" राजकोट

(अन्तरक)

(2) श्री पी० के० पहनी
25/38 गोरीराज कुंज
जगनाथ, राजकोट।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यालयां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वादेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तरस्मयादी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों पौर वर्दों का, जो उक्त अधिनियम के अन्तर्गत 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस मध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक मकान जो जमीन माप 125.0 वर्ग गज पर खड़ा तथा गोरीराज कुंज से जानकारी तथा जो 25/38 जगनाथ प्लाट, राजकोट में स्थित है, इसका पूर्ण वर्णन रजिस्ट्रीकृत विक्री दस्तावेज जिसका रजिस्ट्रेशन नं० 857 तारीख 13-2-80 है इसमें दिया गया है।

मांगीलाल,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-I, अहमदाबाद

तारीख : 9-10-80
मोहर :

प्रस्तुप आई॰ टी॰ एन॰ एस॰—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, भारतीय आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज 1, अहमदाबाद
अहमदाबाद, दिनांक 9 अक्टूबर, 1980

निवेश सं० मी० आर० नं० 1195 प० मी० क्य० 23/
1/80-81—अतः मुझे मांगीलाल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ(1) के अधीन मक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास फरने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसना उचित बाजार
मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० आर० एस० नं० 211, 212, 213, 214,
तथा 215-I है तथा जो साहू स्टेशन रोड, जामनगर में स्थित
है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जामनगर में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 4-2-80
को पूर्वोंत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और
मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंत सम्पत्ति
का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल के पद्धति प्रतिशत से भर्धित है और अन्तरक
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे
अन्तरण के लिए नया पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य
से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किया नहीं
गया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रदट नहीं किया गया
था किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः, प्रब, उमन अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपस्थाना (1)
के अधीन निम्नलिखित श्यायितयों, अर्थात् :—
7—346GI/80

(1) मेसर्स छिपक कूड प्रोडक्ट्स
रपाजीन सागर रोड,
जामनगर।

(अन्तरक)

(2) मेसर्स शाह टीन प्रोडक्ट्स,
भागीदार द्वारा,
17, दिलीप कुमार केशवलाल शाह,
धोसवाल कालोनी, जामनगर

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंत सम्पत्ति के अजेन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अजेन के सम्बन्ध में कोई भी घावेषः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन
की अवधि या सत्संबंधी अवधियों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि वाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंत अवधियों में से
किसी अवधि द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य अन्तरिती द्वारा, अधिकृतस्ताकरी के
पास निवित में किए जा सकेंगे।

स्वाक्षरण :—इसमें प्राप्त गढ़ों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अव्याय 20-क में परिभ्राषित
है, वही अर्थ होगा, जो उस अव्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

एक रोड जो जमीन भाग 383.21 वर्ग मीटर खड़ा,
जिसका सर्वे नं० आर० एम० नं० 211, 212, 213, 214,
और 215-I तथा जो साहू स्टेशन रोड, जामनगर में स्थित है
तथा इसका पूर्ण वर्णन रजिस्ट्रीकृत बिक्री दस्तावेज जो रजि०
नं० 283 दिनांक 4-2-80 है इसमें दिया गया है।

मांगीलाल	
सक्षम	प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त	(निरीक्षण)
अर्जन रेज-J,	अहमदाबाद

तारीख : 9-10-80

मोहर :

प्रलूप भाई० टी० एम० एस०—

ग्रामकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा
269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय-संस्थाकर आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रजन रेज 1, अहमदाबाद

अहमदाबादग्र दिनांक 9 अक्टूबर 1980

तिदेश मं. सी० आर० नं० 1196 ए० सी० क्य० 23/
I/80-81—ग्रन्. मुझे मांगीलाल

आगाहर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
एसमें पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ग
के अधीन संभाल प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर सम्पत्ति, विकास उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए
से प्रधिक है,
और जिसकी सं० आर० एस० नं० 211, 212, 213, 214
और 215-I है। तथा जो साहु स्टेशन गोड़, जामनगर में स्थित
है (और इससे उपादान अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जामनगर में रजिस्ट्रीकरण
प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 4-2-80
को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान
प्रतिफल के निए प्रत्यक्षित को गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथा पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और प्रत्यक्षित
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्त-
विन रूप से कथि॑ नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से तुर्हि किसी आय की बाबत, उक्त प्रधिनियम,
के अधीन कर इन के प्रत्यक्षित के दायित्व में कभी करने
या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी दून या अन्य प्राप्तियों को
जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या छन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनावं
अर्थाती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या यह छिपा जाना
चाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः प्रब, उक्त प्रधिनियम की घारा 269-ग के वृद्धसंख्या में,
मे, उक्त प्रधिनियम की घारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन,
निम्नलिखित अवित्यों, अर्थात् ।—

(1) मेसर्स दिपक कूड़ प्रोटैक्टस

भागीदार द्वारा

(1) रहनदास लाहोरीमल गण्ड को०

(2) भागचन्द महेरचन्द

(3) कनैयलाल महेरचन्द

(4) प्रेमानन्द महेरचन्द

(5) इसनदास महेरचन्द

(6) उत्तमचन्द नहीराम

रणजित नगर रोड, जामनगर

(अन्तरक)

(2) मेसर्स नीना दीन फेकटरी

भागीदार द्वारा :

श्री वालजीभाई शिवाजीभाई पटेल,

एम० जी० उद्योगनगर सी-

जामनगर

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करने पूर्वोक्त सम्पत्ति के घर्जन के
लिए कार्यवाहिया करना है।

उक्त सम्पत्ति के घर्जन के संबंध में कोई भी प्राप्तेः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी अवित्यों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी प्रवधि बाद में
समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त अवित्यों में से किसी
अवित्यों द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य अवित्यों द्वारा, अबोहृस्ताक्षरी के पास लिखित में
किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
प्रधिनियम के अध्याय 20 के परिभ्रान्ति
हैं, वही अर्थ होगा जो उस प्रधिनियम में दिया
गया है।

शनुसूची

एक फैक्टरी शेड जो जमीन माप 383.21 वर्ग मीटर पर
स्थित है जिसका एम० नं० 211, 212, 213, 214 और
215-I है तथा जो साहु सेक्षन गोड़, जामनगर में स्थित है
जिसका पूर्ण वर्णन रजिस्ट्रीकरण विक्री दस्तावेज जिसका रजि०
नं० 283 दिनांक 4-2-80 में दिया गया है।

मांगीलाल

मध्यम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रजन रेज 1, अहमदाबाद

तारीख : 9-10-80

सौहर :

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज II, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 9 अक्टूबर 1980

निदेश सं० पी० आर० 995/एकबी-II/80-81—अन्तः
मुझे मांझीलाल,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० से अधिक है

और जिसकी सं० सी० एस० नं० 87/12/2 है। तथा जो
कनकानाल गांव, हिमत नगर तालुका में स्थित है (और इसमें
उपांचढ़ अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के ग्रधीन 5-2-1980
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पद्धत
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से दूरी किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ज) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आविष्यों
को, जिहें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में से, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

- (1) मेसर्स पारस सीमेन्ट पाइप फैक्टरी,
के द्वारा भागीदारों।
- (2) पटेल भाईलालभाई जेटाभाई,
बाबसार कामपा। ता० हिमतनगर।
- (3) पटेल देवरायभाई करसन भाई I, हिमतनगर।
- (4) पटेल नारसिंग भाई जेटा भाई। बाबसार। कायपत
ता० हिमत नगर,
- (5) पटेल जेटा भाई राजा भाई।

(अन्तरक)

- (1) (1) डाक्टर बिपिन मोतीभाई पटेल,
- (2) मेहूल बिपिन पटेल,
- (3) मैनर उतपाल बिपिन पटेल।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कायांबाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधीक्षित व्यक्ति के पास
लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त
अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभासित
हैं, वही प्रर्थ होगा, जो उस अध्याय में विद्या
गया है।

अन्तस्त्री

जमीन जो कानकारोल गांव में सी० एस० नं० 87/12/2
पर स्थित है और जिसका एक कलमकपन हिमतनगर, उदयपुर
हाईकोर्ट से है और जो बिक्री खत नं० 25-1 पर हिमतनगर
रजिस्ट्रार के कार्यालय में तारीख 5-2-1980 में रजिस्ट्री किया
गया है अर्थात् सिलकन संपूर्ण वर्णित है।

मांगी लाल,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-II, अहमदाबाद।

तारीख: 9-10-1980

मोहर:

प्रस्तुप् आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को भारा
269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्ता (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 9 अक्टूबर, 1980

निदेश सं. पी० आर० नं. 996/एस्य०-23-II/80-81-
अतः मुझे मांगीलाल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-
ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं. नोद नं. 4147-4148 है। तथा जो अनाविल
शेरी, साग्रामपुरा, सूरत में स्थित है (और इसमें उपाध्य अनुभूति
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
सूरत में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन फरवरी, 1980

को पूर्वांकित संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वांकित संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरीती
(अन्तरीतियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कीथत नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हृदृ किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर दने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरित द्वारा प्रकट महों किया गया
था या किया जाना आहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की भारा 269-ग के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-ष को उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

(1) श्री धानसुखलाल हपराम भाट,
साग्रामपुरा, अनाविल शेरी, सूरत

(प्रत्तरक)

(2) श्री हसमुखरे ठाकरशी, ठाकर
अनाविल शेरी साग्रामपुरा, सूरत

(अन्तर्गती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांकित संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यालयीयों करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या हत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांकित
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

मांगीलाल

सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयक्ता (निरीक्षण)
अर्जन रेंज II, अहमदाबाद

तारीख : 9-10-1980

मोहर :

प्रलूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को
धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-, II, अहमदाबाद

अहमदाबाद, 380009, दिनांक 9 अक्टूबर 1980

निवेदण सं० पी० आर० नं० ९९७/एक्वी-२३-II/८०-८१--

अतः मुझे मार्गं, लाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके अन्तर्वाच 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व
के अधीन सक्रम प्राधिकारी को, यह विष्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० 12/1 पैकी जायदाद है। तथा जो नावागम,
सूरत में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सूरत में रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
11-2-1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-
कृत के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विष्वास करने का
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिकृत से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकृत का पन्द्रह प्रतिशत से
प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरितो (अन्तरितियों)
के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तथा पाया गया प्रतिकृत, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण नियित में शास्त्रिक ढंग से निर्धित नहीं
किया गया है:—

(क) अन्तरण में दुः हिसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कभी करने या उनके इसमें में सुविधा के लिए;
और, या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनताये
अन्तरिती द्वारा वर्कट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

(1) श्री भुपेन्द्रा ईश्वरलाल गाजीलाल,
रामपुर, धुधर शेरो,
सूरत।

(अन्तरक)

(2) श्री शांतीलाल डी० पटेल,
केद्वारा गुजरात महाराष्ट्रा हाऊसिंग और इन्स्ट्रीयल
फाइनेंस कारपोरेशन, 12/297, लिमगा चौक,
सूरत।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में
45 दिन की अवधि या तस्वीरस्थी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अद्वैतस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सके।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम, के अध्याय 20-के परिपालित है, वही
अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जायदाद जो नावागम में सर्वे नं० 12/1, में सूरत रजिस्ट्रार
के कार्यालय में तारीख 11-2-1980 पर रजिस्ट्री की गई है।

मार्गीलाल,
सक्रम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-II, अहमदाबाद

तारीख: 9-10-1980

मोहर:

अतः अब उक्त अधिनियम, की धारा 269-वा के अनु-
संशोधन में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-वा की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

प्रस्तुप प्राई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ए (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रोज 2, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 9 अक्टूबर, 1980

निदेश सं० पी० आर० नं० 998/एक-23/II/80-81—
अतः मुझे मांगीलाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-ए के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह
विवाह करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उत्तिल बाजार मूल्य 25,000/- रुपये में अधिक है,
और जिसकी मूल्य आर० एस० नं० 90 जमीन है। तथा जो
आली बहुच में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण
रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बहुच
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
13-2-80

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विवाह
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल के फैद्दह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे
अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण नियित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिये; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
अन्नकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के अनुसरण में,
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपस्थाता, (1) के
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

- (1) बाई लक्ष्मी० बुधाभाई, जेलाभाई के विधवा, आली,
हरिजनवास, ओच।
- (2) मैनर हासु, पुत्र मुक्तियार पालंक बाई लक्ष्मी,
आली हरिजनवास ओच।
- (3) मैनर नपाना। वही
- (4) मैनर हीना। वही

(5) बाई हनसा जेला माहोजी के पुत्री।

आली हरिजनवास, ओच।

(6) बाई जसु मोहन महादेव के विधवा, आली हरिजन-
वास ओच।

(7) श्री रमेशभाई मोहन भाई,
आली हरिजनवास, ओच।

(8) श्री कानुभाई मोहन भाई
आली हरिजनवास, ओच।

(9) श्री मानुबन मोहनभाई, मोहन माधव का पुत्री,
आली हरिजनवास, ओच।

(10) श्री अमृतभाई मोहन भाई, आली हरिजनवास ओच।

(11) श्री हरिश भाई मोहन भाई,
आली हरिजनवास, ओच।

(12) श्री दीपक मोहनभाई,
आली हरिजनवास, ओच।

(13) इन्दु वेन, मोहन माधव का पुत्री हरिजनवास, ओच।

(14) रामीलालेन मोहन माधव के पुत्री वारी।

(15) हमुन मोहन माधव के पुत्र,
हरिजनवास, ओच। (अन्तरक)

(2) मचिव, बहुच किस्टिल मिल्स लिमिटेड

पहात्मा गांधी रोड, बरोच। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन को अवधि या तस्वींधी व्यक्तियों 5 र
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि,
जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर
पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में वित्तबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अद्वैतस्थानी के पास
लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

खुला जमीन जो आली में स्थित है और जो बरोच रजिस्ट्रार
के कार्यालय में बिक्री खत से तारीख 13-12-1980 में रजिस्ट्री
की गई है।

मांगीलाल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण),
अर्जन 2, अहमदाबाद

तारीख : 9-10-1980

मोहर :

प्रकृष्ट प्राई० टी० एन० एम०—

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269४(1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 10 अक्टूबर, 1980

निवेद सं० पि० आर० न० 999/एक्यू-23-II/80-81-
अतः मुक्ते मांगीलाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269४(1)
के प्रधीन संशोधन प्राधिकारी को, यह विषयास करने का कारण है
कि स्थावर तंत्रित उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०
से अधिक है

और जिसकी सं० 418, है। तथा जो बुदासन गांव,
काड़ी तालुका में स्थित है (श्रीर इससे उपावड़ अनसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
काड़ी में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के प्रधीन 4-2-1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्टमान
प्रतिक्रिया के लिए अन्तरित की गई है और मुझे वह विषयास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृष्टमान प्रतिक्रिया से ऐसे दृष्टमान प्रतिक्रिया का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया
गया प्रतिक्रिया, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
शास्त्रविश स्फर से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय का बाबत, उक्त
प्रधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या कमी या अन्य भास्तियों को
जिहें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त प्रधिनियम, या घनकर प्रधिनियम,
1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती
द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना
चाहिए वा, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त प्रधिनियम को धारा 269-ग के असरण
में, मैं, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-४ की उपधारा (1) के
प्रधीन निम्नलिखित अक्षियों, प्रवर्तत:—

(1) 1. श्री शिव इमाम मिंगा नानूमिया,

2. पटेल रामन भाई, मानोर दाम,

बदासान के रहवासी,

काड़ी तालुका। फुलमुखनदार के द्वारा रमेश भाई
बाबूलाल जेत, कलोन

(अन्तरक)

(2) श्री गोपाल ग्लास वर्क्स (प्रा०) लिमिटेड,
मैनेंजिंग डायरेक्टर, कृष्ण वंधन अम्बालाल
तकनाबाला, गांधी रोड, अहमदाबाद-380001

(अन्तरिती)

को मह मूल्य जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रधीन के
लिए नियंत्रित करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस मूल्य के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तसम्बन्धी अवितर्यों पर
सूचना को तामोन से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
अक्षियों में से किसी अवितर्य के द्वारा;

(ख) इस मूल्य के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी पन्थ अवितर्य द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
प्रधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनसूची

जमीन जो बुदासन गांव में सर्वे न० 418 पर बुदासान
काड़ी तालुका में स्थित है। जो संपूर्ण वर्णित पर विक्री खत न०
112 पर काड़ी भव रजिस्ट्रार के कार्यालय में तारीख 4-2-80
में रजिस्ट्री की गई है।

मांगीलाल
मध्यम प्राधिकारी
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

तारीख: 10-10-1980

मोहर

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की पारा
269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, अहमदाबाद

ग्रहमदाबाद, दिनांक 10 अक्टूबर 1980

निदेश नं० पी० आर० नं० 1000/मकान-23/II/80-81
—अतः मुझे मांगीलाल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है

और जिसकी सं० नं० 57/7 है तथा जो पुनद्वा गांव, विजापुर
तालुका में स्थित है (और इसमें उपांचढ़ अनुसूची में और पूर्ण
रूप ने वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय विजापुर
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन

22-2-1980

को पूर्वांक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकी) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा याना यथा गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कीथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से ही किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; [ग्रीष्मया

(घ) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरितो द्वारा प्रकट नहीं किया गया था
या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के
लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्यात :—

1. श्री शाह चन्द्रुलाल गोकुलदास, पुनद्वा गांव, विजा-
पुर, तालुका।

(गलागत)

2. श्री (1) पटेल मादाभाई कचाराभाई
- (2) पटेल मानगल भाई बलदेवभाई,
- (3) पटेल महेन्द्रभाई जीवाभाई,
- (4) पटेल चुणीलाल जानकरदग,
- (5) पटेल कानुभाई गोविन्दभाई,
- (6) पटेल सेनदाभाई केदारभाई
- (7) पटेल मनगलभाई देलभाई
- (8) पटेल मणिलाल हरगोविन्द दास
- (9) पटेल काणुभाई गोविन्द भाई
- (10) पटेल सोमा भाई द्वारकादास,
- (11) पटेल सोमाभाई मोतीदास
- (12) पटेल पदावनद कुमार बालाभाई

मन्त्र लोग पुनद्वा गांव के वासिं विजापुर तालुका।

(अन्तरिती)

जो यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहिणा करता है।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्रष्ट हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विद्या
गया है।

मन्त्रपत्र

जमीन जो भवें नं० 57/7 पर पुनद्वा गांव में स्थित है।
जो बिकी खन नं० 228 पर विजापुर सब रजिस्ट्रार के कार्यालय
में नारीख 2-2-1980 पर रजिस्ट्री की गई।

मांगीलाल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2, अहमदाबाद।

तारीख: 10-10-1980

मोहर:

प्ररूप आहू. टी. एन. एस.—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सदायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रन्जन रेज 2, अहमदाबाद

अहमदाबाद दिनांक 10 अक्टूबर, 1980

निवेद सं० पी० आर० नं० 1001/एक्यू-23-II/80-81

—अतः मुझे मांगीलाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० नं० 56 (पैकी) है तथा जो पुनरा गांव,
बिजापुर तालुका में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
बिजापुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन 22-2-1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या मर्य आस्तियों
को जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनाथ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

8—346GI/80

(1) श्री शाह चन्द्रलाल गोकलदास, पुनरद्वा गांव बिजा-
पुर तालुका। (अन्तरक)

(1) पटेल बोलायई जीवनदास.

(2) पटेल अरविन्द भाई जीवनभाई.

(3) पटेल जीवनभाई बलदेव भाई,

(4) पटेल सेमाभाई होलभाई,

(5) पटेल रमनभाई अमबालाल,

(6) पटेल अमबालाल मगनदास

(7) पटेल मनगलभाई मोतीभाई,

(8) पटेल बारदामाई चमनदास,

(9) पटेल अमृत भाई बलदेवदास,

(10) पटेल बाबूभाई घेलाभाई

(11) शशो ब्रेन जे०

(12) पटेल एम० मोनिदास,

(13) पटेल लोकप्रण माई द्वारकादाम

सब लोग पुनरा गांव का निवासी बिजापुर (तालुक)

की यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर-सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किये जा सकें।

स्पष्टोक्तरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभासित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में
दिया गया है।

अनुसूची

गांव जमीन जो सर्वे नं० 5-6 (पैक) पुनरा गांव में स्थित है और जो सम्पूर्ण गांव में बिश्री खत नं० 230 पर बिजापुर सब रजिस्ट्रार के कार्यालय पर तारीख 22-2-1980 में रजिस्टर की गई है।

मांगीलाल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज 2, अहमदाबाद

तारीख : 10-10-1980

मोहर :

प्रस्तुप आई० दी० एन० एस०—
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के प्रधीन सूचना
भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज 2, अहमदाबाद
अहमदाबाद, दिनांक 10 अक्टूबर, 1980

निवेदण सं० पी० आर० नं० 1002/एक्यू-23- /80-81
—अतः मझे मांगीलाल,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० से अधिक है
और जिसकी सं० नं० 7, निमायपुरा है तथा जो प्लाट नं०
237, सदीरनगर कोआप० सा० वि जिसपुरा बडोदा में स्थित है
और इससे उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बरोदा में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 26-2-80
को पूर्वान्तर सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और युक्त यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वक सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कर्मी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनात्मक अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1)
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, पर्याप्त:—

- (1) श्री रमेशभाई घोडाभाई पटेल, अनकानाव, बोमोड
(अन्तरक)
- (2) श्रीमती विमलाबन जसाभाई पटेल,
प्रथवा बरोडा तालुका, नापाड गांव का अधिका
निवासी, आनन्द।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामिल से 30 दिन की अवधि, जो
भी अवधि बाव भी समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में
हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोदस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त
अधिनियम', के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

जमीन और मकान जो प्लाट नं० 237, सदीरनगर को
कोआपरेटिव हाऊसिंग सोसाईटी लिमिटेड, निसामपुरा विस्तार
में स्थित है जिसका सर्वे नं० 7, बरोडा सिटी में है। जो बिक्री
खत नं० 708 पर बरोडा सब रजिस्ट्रार के कार्यालय में तारीख
26-2-1980 में रजिस्ट्री किया गया है।

मांगीलाल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज 2, अहमदाबाद

तारीख : 10-10-1980।

मोहर :

प्रूप आई० टी० एन० एस०—

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 2, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 9 अक्टूबर, 1980

निदेश सं० पी० आर० नं० 1003/पक्य० 23-II/80-81

—अतः मुझे मांगी लाल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विष्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० नोद नं० 2346, दो लाकूबा रोज है तथा जो
मात्रा तालाब, सूरत में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय सूरत में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन 1-2-1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विष्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उपके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण में दुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे भ्रन्ति में सुविधा
के लिए; और/या

(ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, भर्ता :—

(1) श्रीमती जसवानती बेन चिमन लाल
बनकावाला, मानमन्दिर, तिमलिया, नानपुरा,
सूरत।
किशोर चन्द चिमनलाल बनकावाला, पल मुक-
त्यार आर० तीवाकाराला, सोणिपुलिया, भेठिन रोड
सूरत।

(अन्तरक)

- (2) (1) मैनर मोहम्मद युसुफ अब्दुल असिस कापडिया,
चौक बसार, सूरत
- (2) मैनर मोहम्मद ईकबाल अब्दुलकादर, चौक बसार
- (3) मैनर अबुबेकर इसमेथिसक लिबद्दी, डेयरी के सामने
सूरत।
- (4) मैनर मोहम्मद उयान मिया मोहम्मद वही
रक्षकतावा :—
- (1) अब्दुल असिस इब्राहिम (2) अब्दुल कादर
इब्राहिम (3) इसमिलक अब्दुल कादर, (4)
मियां मोहम्मद अब्दुल कादर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाचियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी अवितरणों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इगर्में प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय-20क में परिभाषित हैं,
वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मिलकत जो नोद नं० 25-46 वाड नं० 10, सूरत में
स्थित है। जो सूरत रजिस्ट्रार के कार्यालय में तारीख 1-2-80
में रजिस्ट्रो की गई है।

मांगीलाल

सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 2, अहमदाबाद

तारीख : 9-10-1980

मोहर :

प्रकाश प्राई. टी. एन. एस.—

आयतन अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ष(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयतन आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रन्जन रेंज 2, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 9 अक्टूबर, 1980

निदेश सं. पी.० आर० नं. 1004/मकान-23-2/80-80
—अतः मुझे मांगीलाल

आयतन अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं. नोद नं. 25-46 भाग तलाव, है तथा जो धौल कुवां रोड सूरत में स्थित है (और इससे उपाबूँ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय सूरत में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 1-2-1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि पथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पद्धति प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रत्यरुप के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत, उक्त अधिनियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमो करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य घासियों को, जिन्हें भारतीय आयतन अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, वा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः धू, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष के अनुसार में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की संपादना (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- 1 (1) श्री चुनीलाल छविलदास वनकावाला, पसटानजी स्ट्रीट, शाहपुर, सूरत।
- (2) बेनिलाल चुनीलाल वनकावाला, श्री एपार्टमेंट, नानपुरा सूरत।
- (3) थाकोरवास चुनीलाल, पेस्तान जी स्ट्रीट, शाहपुर सूरत।
- (4) अरविन्द लाल चुणिलाल, पेस्तानजी स्ट्रीट, शाहपुर सूरत। (अन्तरक)
- 2 (1) माईनर मोहम्मद युसफ अब्दुल अजिज कापडिया, चौक बजार, मेन रोड, सूरत।
- (2) माईनर मोहम्मद ईकबाल अब्दुल कादर, चौक बजार, मेन रोड, सूरत। रक्षाकर्ता : अब्दुल कादर इब्राहिम।
- (3) माईनर अब्दुलकावर इसमाईल, लिबर्टी डेयरी के सामने सूरत। रक्षाकर्ता : इसमाईल अब्दुलकादर।
- (4) माईनर मोहम्मद उसमान मिया मोहम्मद लिबर्टी डेयरी के सामने, रक्षाकर्ता : मिया मोहम्मद अब्दुलकादर। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यालयित करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष :—

- (क) इस पूर्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रतिविधि या तदनुसारी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की प्रतिविधि, जो भी प्रतिविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितशब्द किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताकरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-ष में परिभाषित हैं, वही अब होगा जो उस अध्याय में विद्या गया है।

अनुसूची

मिलका जो नोद नं. 25-46 पर धोलाकुवा रोड, वार्ड नं. 10 सूरत में स्थित है। जो सूरत रजिस्ट्रार के कार्यालय में तारीख 1-2-1980 में रजिस्टर की गई है।

मांगीलाल

मकान प्राधिकारी

सहायक आयतन आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रन्जन रेंज 2, अहमदाबाद।

तारीख : 9-10-1980

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० ८३०--

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महाराष्ट्र का आयकर आगृन (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 2, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 9 अक्टूबर, 1980

निदेश सं० पी० आर० न० 1005/मकान-23-II/80 81
—अतः मुझे, मांगीलाल,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सक्रम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० से अधिक है

और जिसकी सं० नोद न० 2546, धोलाकुंवा, भागलपुर है।
तथा जो सूरत में स्थित है (और इससे उपावड़ अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
सूरत में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन 1-2-1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विष्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
पञ्चह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के भीत्र ऐसे अन्तरण के लिए
तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वापत, उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

- (1) श्री हीगलाल छविलदास बानकावाला, अमरकुंज
सोमाईटी, गोदोडे रोड, सूरत।
- (2) कान्तिलाल हीगलाल मुनी, डेनमेनस, किनारी
सिंगमा के सामने, सूरत।
- (3) गोवरधन भाई हीरालाल, खटादरा, सूरत।
- (4) अरविन्द कुमार हीरालाल, आर्य कुंज, सोमाईटी
- (1) माईनर मोहम्मद यूसुफ अब्दुल अजीज़ कादिया।
- (2) माईनर मोहम्मद अब्दुल अब्दुल कादिया,
रक्षपालक अब्दुल कादिया इमाहिम, चौकबाजार,
मेडिमत रोड, सूरत।
- (3) माईनर अबूबकर इस्माईल रक्षपालक:
अब्दुल कादिया, भागा तलाव, लिबर्टी डेरी के
सामने, सूरत।
- (4) माईनर मोहम्मद उसमान मिया मोहम्मद रक्षपालक
मिया मोहम्मद अब्दुल कादिया, भागा तलाव लिबर्टी
डेरी के सामने, सूरत।

(अन्तरिती)

को यह गुवाना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
तिए आयवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

- (क) इन सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो
भी अवधि वाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी आवित द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा प्रधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त गद्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

मिनकल जा नोद न० 25-46 पर धोलाकुंवा रोड, वांड
न० 10 सूरत में स्थित है। जो सूरत रजिस्ट्रार के कार्यालय
में तारीख 1-2-1980 में रजिस्ट्री की गई है।

मांगीलाल
सक्रम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज 2, अहमदाबाद

तारीख: 9-10-1980

मोहर:

प्रलेप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज II, अहमदाबाद
अहमदाबाद, दिनांक 10 अक्टूबर 1980

निदेश सं० पी० आर० 1006/मकान-23-II, 80-81
अतः मुझे मांगीलाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० से अधिक है,

और जिसकी सं० कादाद्रा एम० नं० 233-1-बी, सी० एस० नं०
444 है तथा जो कादोदरा सूरत में स्थित है (और इससे उपाबंड
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
के कार्यालय सूरत में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन फरवरी, 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त मन्तरण
तिवित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से तुर्हि किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री शान्ति लाल कल्यानदास,
झेलो मोहल्ला, रसतमपुरा,
सूरत।

(अन्तरक)

(2) (1) सोमाभाई भागवानदास,
(2) प्रभुभाई भागवानदास,
(3) भाईलाल भागवानदास,
(4) सन्दरलाल भागवानदास,
(5) जयन्ती लाल भागवानदास,
(6) उत्तमराम भागवानदास,
चोगनडोरी 1, साप्रामपुरा, सूरत।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बंध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो
भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में
हितदाद किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिचालित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

जमीन जो कदोदरा में एम० नं० 3301 सी० एम० नं०
444 पर स्थित है। जो सूरत रजिस्ट्रार के कार्यालय में तारीख
12-2-1980 में रजिस्ट्री की गई है।

मांगीलाल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज II, अहमदाबाद।

तारीख : 10-10-1980
मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

प्रजन्त रेंज 2, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 10 अक्टूबर 1980

निदेश सं० पी० आर० नं० 1007/मकान-23-II/80-81—
अतः मुझे, मांगी लाल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० से अधिक है

और जिसकी सं० प्लाट नं० बी-डण्ड, 241, नया अयोध्या नगर
है तथा जो एस्टेट उद्यान, सूरत में स्थित है (और इससे उपादान
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
के कार्यालय सूरत में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन फरवरी, 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से
कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की
गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण
है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से ऐसे, दृश्यमान प्रतिफल का पञ्चवृत्ति तक से अधिक है,
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल,
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से दूई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्वयक के
दायित्व में कमी करने या सस्ते बचने में
भुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपाधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री सोमाभाई नारानभाई पटेल, महिदपुरा-, वानिया
शोरी, सूरत।

(अन्तरक)

(2) श्री एम० एम० पटेल, द्रस्टी के द्वारा । इंडियन
एलेक्ट्रोस और अलैड प्रोडक्ट्स, प्लाट नं० 241,
न्यू उद्यान अयोध्या नगर, उद्यान।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तसम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधीक्षित के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त
अधिनियम', के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

मिलकत प्लाट नं० बी०, इनड 241 नया उद्यान उथयोग
नगर एस्टेट, उद्यान में स्थित है। जो सूरत रजिस्ट्रार के कार्यालय
में तारीख में रजिस्ट्रेशन नं० 893 1980 रजिस्ट्री की गई है।

मांगी लाल

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

प्रजन्त रेंज-2, अहमदाबाद

तारीख : 10-10-1980

मोहर :

प्रेरूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज 2, अहमदाबाद
अहमदाबाद, दिनांक 9 अक्टूबर, 1980

निदेश सं० प० आर० नं० 1008/एकवी/23-II/80-81
—अतः मांगीलाल

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० नोंद नं० 3373, बाजीवाल पोल है तथा जो
बेगमपुरा, सूरत में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में
और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्नि प्राधिकारी के कार्यालय
सूरत में रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन 21-2-80

को पूर्णवत् सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिकरण के लिए अन्तरित का गई है और मुझे यह विश्वास
नहरने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उपर्यंक दृश्यमान प्रतिकरण से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह हि अन्तररक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तथा पाया गया प्रतिकरण, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
निर्दित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी प्राय की बाबत उक्त
प्रधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) नेंसों प्राय या छिसों धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ ग्रन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिसों में
सुविधा के लिए ;

अतः प्रव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के
अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की
उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री दुरापिया अहमद वासरोडी, जुपीटर टेक्सटाइल,
नाजी बेगमवार्ड, सलावतपुरा, सूरत।

(अन्तरक)

(2) श्री सबरभाई एम० मोगल, 90, बिपेन स्ट्रीट,
कलकत्ता।

(3) श्री अब्दुल हुसैन एम० मोगल,
कोसेमा एम० मोगल, 90 बिपेन स्ट्रीट,
कलकत्ता।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के गजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील ने 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त प्रधि-
नियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मिलकत जो नोंद नं० 3373 पर बेगमपुरा, बाजीवाली
पोल सूरत में स्थित है। जो सूरत रजिस्ट्रार के कार्यालय में
तारीख 21-2-1980 में रजिस्ट्री की गई है।

मांगीलाल
सक्षम प्राधिकारी
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज 2, अहमदाबाद

तारीख : 9-10-1980

मोहर:

प्रारूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज II, अहमदाबाद

अहमदाबाद, विनांक 9 अक्टूबर 1980

निदेश सं० पी० आर० नं० 1009/एक्वी-23-II/80-81--

अतः मुझे, मांगीलाल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० से अधिक है

और जिसकी सं० नोंद नं० 2919/51 ए०/३/वार्ड नं० 3,
है तथा जो महात्मा वाडी, सलावतपुरा, सूरत में स्थित है (और
इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-
कर्ता अधिकारी के कार्यालय सूरत में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन 19-2-1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल में ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पक्का
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(घ) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित अधिकारी, अर्थात् :—

9—346 GI/80

-) (1) श्री निर्मलाबेन गुलाबदास,
(2) मैनर धर्मिष्ठबेन गुलाबदास,
(3) रामचन्द्रा गुलाबदास,
(4) गीताबेन गुलाबदास,
(5) कुषमतबेन गुलाबदास,
चौकी शौरी, सलावतपुरा, सूरत।

(अन्तरक)

- (2) श्री रमेशचन्द्रा मोहन लाल दावावाला, सलावतपुरा
सिधी शौरी, सूरत।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के
अर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी शालेय :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तसम्बद्धी अवधियों पर
सूचना की तारीफ से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
अवधियों में से किसी अवधित द्वारा;
(घ) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य अवधि द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20ज में परिभ्राष्ट हैं,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में
दिया गया है।

अनुसूची

मिलकत सूरत रजिस्ट्रार के कार्यालय में तारीख 19-2-1980
में रजिस्ट्री की गई है। जो महात्मा वाडी सलावतपुरा में स्थित
है।

संक्षम	मांगीलाल
सहायक आयकर आयुक्त	प्राधिकारी
(निरीक्षण)	
अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद	

तारीख : 9-10-1980

मोहर :

प्राप्ति : आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-II, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 10 अक्टूबर 1980

निदेश सं० पी० आर० नं० 1010/एक्वी-23-II/80-81

—श्रतः मुझे, मांगीलाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० नोंद नं० 1274, वार्ड नं० 4 बैगमपुरा, दानपिठ है तथा जो सूरत में स्थित (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सूरत में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 11-2-1980 के

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के तिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण नियित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उपर्युक्त में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनायां अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, छिपाने में सुविधा के लिए।

वतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित अविक्तयों, वर्धातः:—

- (1) मेसर्स चोखावाला हन्टरआइस, भागीदारों के द्वारा।
 (1) श्री नवीनचन्द्रा रमणलाल चोखावाला, हरिपुरा, कालजग मोहल्ला, सूरत।
 (2) श्री रमेशचन्द्रा रमणलाल, नावापुरा, दालिया मेरी, सूरत।
 (3) श्री हर्षवदन रमणलाल, नावापुरा, दालिया मेरी, सूरत।
 (4) श्री भरतकुमार रमणलाल, नावापुरा दालिया मेरी, सूरत।
 (5) श्री रमणलाल विजभाई, नावापुरा दालिया मेरी, सूरत।
 (6) श्री जगदीशचन्द्रा रजनीकान्त, हरिपुरा, रामनाथ महादेव मेरी, सूरत। (अन्तरक)

(2) मे० मी० एम० दीवानी एण्ड कं.

भागीदारों के द्वारा:—

- (1) श्री मनुभाई मोती भाई पटेल] दरागिया मोहल्ला
 (2) श्री किशोरभाई मोतीभाई पटेल,] मूरत।
 (3) श्री विपिनचन्द्रा मोती भाई पटेल,]
 (4) श्री चन्द्राकान्त शान्ति लाल, बी- नं० 75, सर्जन सोसायटी, सूरत। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता है।

उक्तसम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी अविक्तयों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अविक्तयों में से किसी अविक्त द्वारा;
 (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्धु किसी अन्य अविक्त द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 के परिभाषित हैं वही अर्थ होगा जो उम अध्याय में दिया गया है।

अनुमूल्य

मिलकत जो नोंद नं० 1274 वार्ड नं० 4, बैगमपुरा, दानपिठ, सूरत में स्थित है। जो सूरत सब रजिस्ट्रार के कार्यालय में तारीख 4-2-1980 में रजिस्ट्री की गई है।

मांगीलाल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन-रेज-II, अहमदाबाद

तारीख : 10-10-1980

मोहर :

प्रृष्ठ प्राई० टी० एन० एम०—————
आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 2, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 10 अक्टूबर, 1980

निदेश नं० पी० आर० नं० 1011/एक्वी/23-2/80-81

—अतः मूँझे मांगीलाल

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'धर्म प्रधिनियम' कहा था है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायी सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है,

और जिसकी सं० नोद नं० 1274 वार्ड नं० 4, बेगमपुरा दानापिठ है तथा जो सूरत में स्थित है (और इससे उपाख्य अनु-सूची में और पूर्ण स्पष्ट रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिकारी के कार्यालय सूरत में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 4-2-1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के नियंत्रण को गई है और मूँझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, नमांके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कठिन नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हृदृक्षिकी प्राप्त को बाबत उक्त अधिनियम के प्रधीन कर देने के नस्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें अवृत्ति में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी ग्राम या किसी धन या अग्न आस्तियों को जिन्हे भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अवैत :—

- (1) मे० चोकावाला इन्टरप्राईज, भागीदारों के द्वारा नवीनचन्द्र रमणलाल चोकावाला, हरिपुरा, कालजुग मोहोली, सूरत
(2) रमेशचन्द्र रामनलाल, नवापुरा, दालिया शेरी, सूरत
(3) भारतकुमार रामनलाल, नवापुरा, दालिया शेरी, सूरत।
(4) हरेशवधन रामनलाल, नवापुरा, दालिया शेरी, सूरत।
(5) रामनलाल विजभाई, नवापुरा, दालिया शेरी, सूरत।
(6) जगदीश चन्द्रा रजनिकान्त, हरिपुरा रामनाथ महादेव शेरी, सूरत।
(अन्तरक)
(2) मे० एम० आर० पटेल कं०, भागीदारों के द्वारा :—
(1) मोतीभाई रणचोडभाई पटेल,
(2) श्री हरिभाई मोती भाई पटेल,
(3) श्री चन्दु भाई मोती भाई पटेल,
(4) श्री शांति लाल अतमाराम चढा, मर्जन सोसाईटी, ब्रिं नं० 75, अनवा लैनस, सूरत
(प्रत्यक्षित)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रज्ञन के सिए कायबादियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अवैत के संबंध में कोई भी आक्रमण :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी प्रबंध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितयदा किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, व्यवोद्धताकारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

लेटिटोकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मिलकत जो नोद नं० 1274 पर बेगमपुरा दानापिठ सूरत में स्थित है। और जो सूरत रजिस्ट्रार के कार्यालय में तारीख 4-2-1980 रजिस्ट्री की गई है।

मांगीलाल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज 2, अहमदाबाद

तारीख : 10-10-1980

मोहर :

प्रखण्ड प्राई० टी० एन० एस०--

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 9 अक्टूबर 1980

निवेश सं० पी० आर० नं० 1204, एक्सी 23-1/80-81--
अतः मुझे, मांगी लाल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० एस० नं० 433, हिस्सा नं० 2, टी० पी० एस० 8 एम० पी० 35 है, तथा जो दरियापुर काशीपुर, अहमदाबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन फरवरी, 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के भी ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।--

(क) अन्तरण से दूर्वै किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमो करने पा उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या घन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनात्म अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के मनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित अधिकारी, अर्जन :--

(1) श्री चन्द्र कान्त ब्रजवल्लभदास मण्डवाला

हिंदू अधिकारी कुटुंब,
व्यवस्थापक और कर्ता :--

श्री चन्द्रकान्त ब्रजवल्लभदास मण्डवाला
आंबावाड़िया, एलीसब्रीज अहमदाबाद

(अन्तरक)

(2) श्री जगत विहार को० आप० हाऊसिंग,

सोसायटी लिमिटेड
प्रमोटर्स द्वारा प्रस्तावित
श्री ईश्वरसोंघ जगतसोंघ
आनन्द सोसायटी, गोमतीपुर पुल के पीछे,
अहमदाबाद

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यान्वयिता करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी अविक्तियों पर मूचना की तामोल से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि वाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त अविक्तियों में से किसी अविक्त द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य अविक्त द्वारा, अधोहस्ताक्षरों के पान लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के प्रधायाय 20-क में परिभ्राषित है, वही ग्रन्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान जो 320. 95 वर्गमीटर कुल क्षेत्रफल पर एस० नं० 433, हिस्सा नं० 2 टी० पी० एस० 8, एफ० पी० नं० 35 से दरियापुर काशीपुर, अहमदाबाद में स्थित है। ये मकान त्रिकोण नं० 3183/20-2-80 रजिस्ट्री किया गया है और उसमें सम्पूर्णतः वर्णित है।

मांगी लाल

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

तारीख : 9-10-80

मोहर :

प्रलेप आई० ढी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 11 अक्टूबर 1980

निवेश सं० पी० आर० नं० 1203, एक्स्ट्री 23-1/80-81

—अतः मुझे, मांगी लाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक है।

और जिसकी सं० एस० नं० 21, पैकी एम० पी० नं० 13
पैकी सब प्लाट नं० 3, टी० पी० एम० 15 है तथा जो बाजार
अहमदाबाद, में स्थित और इससे उपावद अनुमूल्य में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अहमदाबाद
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
22-2-1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्दह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बाच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-
विक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से ही किसी आय को बाबत उक्त अधि-
नियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी
करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए; और या

(ब) ऐसी किसी आय पा किसी घन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्स अधिनियम, या
आयकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनु-
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा
(1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) कुमारी शाला बैन
हरीप्रसाद पासाबासा की विधवा और दूसरे
किरण पार्क सोसायटी के सामने बाजार,
अहमदाबाद।

(अन्तरक)

(2) सुस्वागतम को-आपरेटिव हाउसिंग सोसायटी
के द्वारा :—
चेयरमैन शाह महेन्द्र रत्नलाल
4-बी, टाईगर फ्लैट्स नवा टाइज
अहमदाबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवादियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्बन के संबंध में कोई भी अक्षेप।—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की प्रवधि या तरसंबंधी व्यक्तियों पर सूचना
को तामील स 30 दिन की प्रवधि, जो भी प्रवधि
बाद में समाप्त होती हो, के मात्र पूर्वोक्त व्यापारों
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के प्रधान 20-के
परिभाषित हैं, वही अर्थ कौना जो उस अध्याय
में दिया गया है।

अनुमूल्यी

जमीन जिसका माप 1028 वर्गमील है और जो एस० नं०
2/1 पैकी एफ० पी० नं० 13 पैकी सबप्लाट नं० 3, से बाजार
अहमदाबाद में स्थित है। ये जमीन अहमदाबाद रजिस्ट्रीकर्ता
कार्यालय में विक्री खत नं० 3391/22-2-1980 से रजिस्ट्री की
गई है और उसमें संपूर्णतः वर्णित है।

मांगी लाल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद
तारीख : 11-10-1980
मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज 1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 11 अक्टूबर 1980

निदेश सं० पी० आर० नं० 1202, पक्वी 23-1/80-81—
अतः मुझे, मांगी लाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन संशोधन को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है।

और जिसकी सं० एफ० जी० नं० 182, एस० पी० नं० 14 टी० पी० एम० 15 है। तथा जो वाड्ज, अहमदाबाद में स्थित है (और इससे उपावड्ह अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय अहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन फरवरी, 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल निम्नान्तिविरुद्ध स उक्त प्रतिरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी ग्राम की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन रुर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी ग्राम या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री हाफीज़ स्तम दलाल

"सन बीम" मीरजापुर रोड, अहमदाबाद

(अन्तरक)

(2) रुपनगर एपार्टमेंट कोआपरेटिव हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड, के द्वारा :—

श्री धनेश्वर के० केलवाली

सेक्टरी 131, पांचकुवा सीधी मार्कीट

अहमदाबाद

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की ताजीत से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में वित्त-बद्ध हिसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही प्रथा होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन जो एफ० पी० नं० 181, एस० पी० नं० 14, टी० पी० एस० 15 से 363 वर्ग गज जमीन पर वाड्ज अहमदाबाद में स्थित है। ये जमीन रजिस्ट्रीकर्ता कार्यालय अहमदाबाद में विक्री खत नं० 2142/फरवरी-1980 से रजिस्ट्री की गई है और मिल्कत उसमें संपूर्णतः वर्णित है।

मांगीलाल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-1, अहमदाबाद

तारीख: 11-10-1980

मोहर:

प्रस्तुप आई. टी. एन. एस. ——————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 10 अक्टूबर 1980

निदेश सं० पी० आर० नं० 1200, प्रक्री 23-1/80-81—

अतः मुझे, मांगी लाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है

श्रीर जिमकी सं० एम० नं० 1, पार्ट जी० है तथा जो पंचवटी
के पीछे, जामनगर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में
और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
जामनगर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन 11-2-1980

को पूर्वाङ्क संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के दिल अन्तर्गत की गई है और मूल्य यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वाङ्क संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कीथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हूँड़ किसी आय की वावत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व को उपाधा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अधितः:—

(1) श्री गोवर्धनदाम धनजीश, ई.
2. मुकुताबेन गोवर्धनदाम वंडी,
जामनगर.

(अन्तरक)

(2) श्री गम० आर० शुक्ल,
हर्षद, इंजीनियरिंग वर्क्स,
ग्रन्टपम दाकीज के सामने
जामनगर

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाङ्क संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीयों करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्प्रत्यन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाङ्क
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बूझ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्राषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

मकान जो 1800 वर्गज जमीन पर एस० नं० 1, मुख्य विभाग
जी०, में पंचवटी के पीछे जामनगर में स्थित है श्रीर बिक्री खत
जो रजिस्ट्री नं० 320 में तारीख 11-2-1980 को रजिस्ट्री
किया गया है, उसमें संपूर्णतः वर्णित है।

मांगी लाल

मक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, अहमदाबाद

तारीख: 10-10-1980

मोहर:

प्रलूप आई० टो० एन० एस०-----
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना
भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज J, अहमदाबाद
अहमदाबाद, दिनांक 10 अक्टूबर, 1980

निवेश सं० पी० आर० नं० 1201, एकवी 23-1/80-81
—अतः मुझे, मांगी लाल,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पाचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का छारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार
मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है
और जिसकी सं० एस० नं० मुख्य विभाग जी, है, तथा जो
पंचवटी के पीछे, जामनगर में स्थित है (और इससे उपावद्ध
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
के कार्यालय जामनगर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन 11-2-1980
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का अन्दरूनी
प्रतिशत अधिक है और अस्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की धावत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगमार्थ अन्तरिती हारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपभारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. (1) श्री गोवर्धनदास धनजीभाई
(2) मुकनाबेन गोरखनाथग वेडी
(अन्तरक)

2. श्री जीतेन्द्र रामनीकलाल शुक्ल
हर्षद इंजीनियरिंग वर्क्स,
अनुपम टाकीज के सामने जामनगर
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(ए) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख, से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के प्रयोग 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा जो उस प्रयोग में दिया गया है।

अनुसूची

मकान जो 1400 वर्ग गज जमीन पर, एस० नं० 1 मुख्य
विभाग जी से पंचवटी के पीछे जामनगर में स्थित है और बिर्का-
खत जो रजिस्ट्री नं० 327 से रजिस्ट्री किया गया है उसमें
सम्पूर्णत वर्णन है।

(मांगी लाल)
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज J, अहमदाबाद।

तारीख: 10-10-1980
मोहर:

प्र० आई० टी० एन० एस०--

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज I, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 9 अक्टूबर 1980

निदेश सं० पी० आर० नं० 1199 एक्वी 23-I, 80-81
—ग्रतः मुझे, मांगी लाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सभाम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है।

श्रीरजिसकी सं० एस० नं० 5, ओढ़वका है। तथा जो ओढ़व अहमदाबाद में स्थित है (श्रीर इसमें उपावस्था अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 7-3-1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः ग्रज, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा(1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रन्ति:—।

11-346GI/80

1. पटेन ग्रारकादाग को० ग्राप० सोमागटी लिमिटेड
के द्वारा :—

(1) श्री पुरुषोत्तमभाई एच० पटेन
चैयरमैन: 4, चानस्मा सोमागटी रानीप
अहमदाबाद

(2) श्री रमेशभाई पी० पटेन,
सेक्टरी: गुजरात हार्सिंग बोर्ड,
चमनपुरा, अहमदाबाद

(अन्तरिती)

(2) श्रीमती गोमतीबेन द्वारका दाम पटेन ,
गांव नवरंगपुरा, नवरंगपुरा अहमदाबाद

(अन्तरक)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—।

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जुलाजमीन जिसका माप 74997 वर्ग गज है और जो ए० नं० 5 से ओढ़व अहमदाबाद में स्थित है, ये जमीन बिक्री खत जो रजिस्ट्री नं० 4065 से रजिस्ट्री किया गया है उसमें संपूर्णतः वर्णित किया गया है।

मांगीलाल,
मक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज I, अहमदाबाद

तारीख: 9-10-1980

मोहर:

प्रलूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
सार्वान्तर, गहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज I, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 9 अक्टूबर 1980

निरेण मं० पी० आर० नं० 1198, एक्वी 23- / 80-81
—अतः, मुझे, मांगी लाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है।

और जिसकी मं० एम० नं० 211/1, 212/2/ए०/2, सब प्लाट
नं० 4, का टीपीएस 14, एफ पी 275 है। तथा जो दरिया-
पुर, काशीपुर, अहमदाबाद में स्थित है (और इससे उपाड़
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
के कार्यालय अहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन 10-2-1980

को पूर्णोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वांक संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हूँड़ किसी आय की वापत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 वा 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री रूपावेन जन्मेजयभा हं टेल

कुल मुख्याराः—

श्री अनिलकुमार हरिप्रसाद ताष्करी

"गुर्जेश" डफनाला, शाहीबाग, अहमदाबाद

(अन्तरक)

(2) श्री नरेन्द्र मावजीभाई कादीवर

श्रीमती पुष्पावेन नरेन्द्र कादीवर

डफनाला, शाहीबाग, अहमदाबाद

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक सम्पत्ति के अर्जन वे लिए
कार्यवाहीहीयों करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीसर पूर्वांक
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

मानुसूची

मकान जो 849 वर्गगज जमीन पर एम० नं० 211/1,
और 211/2, एफ० पी० 275, सब प्लाट नं० 4 काटी० पी०
एम० 14से, दरियापुर, काशीपुर अहमदाबाद में स्थित है और
वाकी घर में संपूर्णतः बर्णत है; ये मकान रजिस्ट्री नं० 4117
ने तारीख 10-3-80 रजिस्ट्री किया गया है।

मांगी लाल
मकान प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

तारीख: 9-10-1980

मोहर:

प्रसूप आई. टी. एन्. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 9 अक्टूबर, 1980

निदेश सं० पी० आर० नं० 1197 एकवी०-23-I/80-81

--अतः मुझे, मांगीलाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है

और जिसकी सं० एस० नं० 606-2 है तथा जो डा० राधा-
किशन रोड राजकोट में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुमुदी
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय
राजकोट में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन 19-2-1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा गाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (1) श्री नवीनचन्द्र हरीलाल मेहता
“पुरुषार्थ” 5-अगनाथ प्लाट राजकोट
(अन्तरक)
- (2) श्री पटेल कन्स्ट्रक्शन कम्पनी
प्रह्लाद प्लाट, मेर्झन रोड, राजकोट
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीयाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी वन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

(क) अन्तरण से हूँहै किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तीयों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

मनुसुन्दरी

रहने लायक मकान जो 480 वर्ग गज जमीन पर एस० नं०
606-2 से डॉ० राधाकिशन रोड, राजकोट में स्थित है और
विश्वास में संपूर्णतः वर्णित है। ये मकान रजिस्ट्री नं० 990
से तारीख 19-2-1980 को रजिस्ट्री किया गया है।

मांगी लाल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

तारीख: 9-10-1980
मोहर :

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

प्रकरण आई० डी०एस० एस०—

आयकर अधिनियम; 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ग (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, नागपुर

नागपुर, दिनांक 30 अगस्त 1980

निदेश सं० फा० स० नि०स० आ० आ०/अर्जन/148/80-81-
यतः मुझे एस० के० बिलव्या,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ग
के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०
मेरे प्रधिक है।

और जिसकी प्लाट नं० 2/1 का भाग है तथा जो भानपेठ, चन्द्र-
पुर मेरि स्थित है (और इससे उपाचार्य अनुसूची मेरी पूर्ण रूप से
बर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ट अधिकारी के कार्यालय चन्द्रपुर मेरि रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन तारीख
1-2-80

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रति-
फल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उस
दृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत
से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित मेरि
वास्तविक रूप से कर्यान्वयन नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वावत, उक्त
अधिनियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के कायित्व मेरी
कर्मी करने या उससे बचने मेरी सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी/किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को,
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनावृत्त
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने मेरी सुविधा के लिए;

अतः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मेरी
मेरी, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपचारा (1)
के प्रधीन, निम्नलिखित अवित्यों, अर्थात् :—

1. (1) श्री ए० करीम ए० रहमान

(2) श्री मेहबूब ए० रहमान

अंचलेश्वर वार्ड, चन्द्रपुर

(अन्तरक)

2. (1) श्री सुभापचन्द्र सूरजभान

(2) श्री पवनकुमार सूरजभान जैन

(3) श्री रविन्द्रकुमार सूरजभान जैन

शास्त्रीनगर, चन्द्रपुर

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध मेरी कोई भी आवेदन :—

(क) इस सूचना के राजपत्र मेरी प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की प्रवधि या तत्सम्बन्धी अवित्यों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की प्रवधि, और भी
अवधि बाद मेरी समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
अवित्यों मेरी से किसी अवित्य द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र मेरी प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मेरी हितबद्ध
किसी अन्य अवित्य द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित मेरी किए जा सकेंगे।

उपलब्धीकरण:—इसमेरी प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क मेरी परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय मेरी दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट नं० 1, तथा 2/1 का भाग शीट नं० 8, ब्लाक नं०
40/39, मसजिद के पास भानपेठ कस्तूरबा रोड, चन्द्रपुर।

एस० के० बिलव्या
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, नागपुर

तारीख : 30-8-80
मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ए (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रीजन रेज, नागपुर

नागपुर, दिनांक 30 अगस्त 1980

निदेश सं० फा० स० नि० स० आ० आ०/श्रजन/149/80-81
—यतः मुझे, एस० के० बिलया,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ए के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विवास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार
मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० एलाट नं० 5 नेलसन स्क्वेअर है तथा जो
जरीपटका नागपुर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
नागपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन तारीख 15-2-80

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह
विवास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे
दृष्यमान प्रतिफल का पद्धति प्रतिशत से अधिक है और
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच
ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की आवत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के
लिए ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः यद्यपि, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपाधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित अवित्यों, अवति :—

1. (1) श्री बिशाप ए० डब्लू० लूथर,
(2) श्रीमती डा० कमला लूथर,
नेलसन स्क्वेअर, नागपुर
2. (2) श्री हरीण शिवदयाल मसंद,
601, जय कल्पना रामदासपेठ,
नागपुर

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अवैज्ञानिक के
लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अवैज्ञानिक में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तस्वीरधी अवित्यों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त अवित्यों में से
किसी अवित्य द्वारा ;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्धु किसी
अन्य अवित्य द्वारा, प्रवोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और शब्दों हाँ, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में
दिया गया है।

अनुसूची

म्युनिसिपल मकान नं० 80 (नया) एलाट नं० 5, सी० नं०
24 डिविजन नं० 8, नेलसन स्क्वेअर, जरीपटका नागपुर

एस० के० बिलया
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
श्रीजन रेज, नागपुर

तारीख : 30-8-1980
मोहर :

प्रह्लप शाई० टी० एम० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
फार्मलिय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, ठक्टर बंगला गिरी पेठ नागपुर
नागपुर, दिनांक 30 अगस्त 1980

निदेश सं० नि० स० आ० आ०/अर्जन/150/80-81—यतः
मुझे एस० के० बिल्ड्या

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विष्वास करने का
उत्तरण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी 1/5 शेर गजानन थियेटर मकान नं० 209 है
तथा जो खामगांव में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में
ओर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
खामगांव में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन तारीख 12-2-1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विष्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
आस्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरक से दुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए,
और/या;

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए;

अतः घब्बा, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रर्ति:—

(1) श्री वल्लभदास ए० मेहता,
48/1, सिटी आईन्स,
नागपुर।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती कमलादेवी टी० मेहता,
48/1, मर्किल लाईन्स,
नागपुर

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अंतर्गत के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अंतर्गत के सम्बन्ध में कोई भी आपेक्षा:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

संषटीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही
अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

1/5 हिस्सा गजानन थिएटर, मकान नं० 209, बांड नं०
11, शिट नं० 33 डी० प्लाट नं० 72, खामगांव।

एस० के० बिल्ड्या
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I नागपुर :

तारीख : 30-8-80
मोहर :

प्रस्तुप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण कार्यालय

नागपुर-10, दिनांक 30 अगस्त, 1980

यतः मुझे एम० के० बिल्या,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है

और जिसकी जांच नं० 76, है तथा जो वणी में स्थित है
(और इससे उपलब्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्स अधिकारी के कार्यालय वणी में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक
28 फरवरी 1980

को पूर्वांक संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वांक संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उच्चदेश से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कठित नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से हैर्ड किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) एसमें किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती बाबारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व को उपधारा 11)
के अधीन, निम्नलिखित अवित्तियों अर्थात्:--

1. भिवाजी मिताराम जी धारी, मतीस दांडे का पोष्ट
नवरगांव ता० वणी जि० वयवत माल।

(अन्तरक)

2. श्री नरेश मल यु० मुनोत

3. श्रीमती जी० नरेशमल मुनोत

दोनों रहने वाले वणी जि० वयवत माल

4. श्री नन्दकिशोर नयमल मुनोत : चन्द्रपुर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यान्वयन करता है।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या हस्ताक्षरी व्यक्तियों पर सूचना
को तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांक
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
मूल्य किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में निर्भासित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

मकान और घराट नं० 76 परिया म, 388 वर्ग फीट
वणी।

एम० के. बिल्य
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज नागपुर।

दिनांक 30 अगस्त 1980

मोहर:

प्रस्तुति आई० टी० पृष्ठ० ५३०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास

सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण कार्यालय

नामगुपुर, दिनांक 30 अगस्त 1980

सं० फा० नि० सं० आ० आ० अर्जन/152/80-81:-

यतः मुझे एस० के० बिल्या, है
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी जम्मुल प्लाट नं० 54 शीट नं० 39 ए०, है
तथा जो अकोल में स्थित है (और इसमें उपलब्ध अनुसूची
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय अकोल में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन दिनांक 27 फरवरी 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह
दृश्यमान करने का कारण है कि यथापूर्वोक्ती सम्पत्ति के
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह (15) प्रतिशत से अधिक है और
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच
ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है:-

(क) अन्तरण के दुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम,
1961 के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के
लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, 1961 या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए;

प्रतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुकरण
में, भै, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित अधिकारी, अर्जतः :-

1. श्री मणि नाल भिमजी भाई पटेल

2. श्री अनुल मणि नाल पटेल, दोनों रहने वाले गोयन
का नगर अकोला।

(अन्तरक)

3. श्री कमल किशोर राजलदास राजपाल किरण ज्ञान
अकोला।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहिया करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन :--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी अविकार्यों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अधिकारी में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही
प्रयोग होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

नम्मुल प्लाट नं० 54, शीट नं० 39 ए० परिया 1200
स्क्वेअर फीट, विराणाबजार अकोला।

एस० के० बिल्या

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, नामगुपुर।

दिनांक 30 अगस्त, 1980

मोहर :

प्रूप प्राई० टी० एन० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

सहायक आयुक्त निरीक्षण कार्यालय,
नागपुर, दिनांक 30 अगस्त, 1980

सं० फा० सं० आय० ग० सी०/अर्जन/153/80-81:—
यतः मुझे प्राप्त को० बिलध्या,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, वह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है।

और जिसकी फैट नं० 17 प्लाट नं० 88, है तथा जो
गिरावंजी नगर नागपुर में स्थित है) और इसमें उपलब्ध अनु-
सूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
के द्वारा नागपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन दिनांक 15 फरवरी 1980
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हृदै किसी आय की वावन, उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में
कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित अवित्यों प्रथानि:—

11—346GI/80

1. दी उड़जका० कोग्रापरेटिव हाउसिंग मोसायरी,
नक्षमीनगर, नागपुर।

(अन्तरक)।

2. श्रीमती मरला अरुण कुमार बागड़ा, फैट नं० 17,
आनन्द फैट, धरमपेठ एक्सटेंशन, नागपुर।

(अन्तरिती)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन
के लिए कार्यावधियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी अवित्यों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
अवित्यों में से किसी अवित्त द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर-सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य अवित्त द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही
धर्य होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

मनुसूची

फैट नं० 17, प्लाट नं० 88, धरमपेठ एक्सटेंशन शिवाजी
नगर, नागपुर।

ग्राम प्राप्ति
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, नागपुर।

दिनांक 30 अगस्त, 1980
मोहर:

प्रकृष्ट-आई० ही० एम० एल०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269ए (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज बंगलौर का कार्यालय

बंगलौर दिनांक 15 सितम्बर 1980

मं० 292/80-81:—यतः मुझे आरा० थोथादि:

आयकर अधिनियम, 1961 ('61 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269ए
के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी द्वारा, यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मूल्य 25,000/- रु०
से अधिक है

और जिसकी सं० मुनिसिपल नम्बर 976 (नया) खाना
नम्बर 1084 है, जो प्रभु स्टोट, चिकमगलूर में स्थित
है (और इसमें उपाध्यक्ष अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), निजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय चिकमगलूर अन्डर
डाक्युमेंट नम्बर 1847 दिनांक 8 फरवरी 1980
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित वाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के सिये अस्तरित की गई है और मुझे वह विश्वास करने
वा कारण है कि यहापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित वाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत
अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा या या प्रतिकल, निम्नलिखित
उल्लेख से उक्त अन्तरण सिद्धित में वास्तविक कथ से किया भी है

(क) अन्तरण से ही किसी आय को बाबत उक्त प्रतिक्रिया के अधीन कर देने के प्रत्यक्ष के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ग) ऐसी किसी आय या किसी धन या अर्थ आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना आहिते था, उपनामें सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के अनुसरण में,
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपबाइ (1) के
अधीन, निम्नलिखित अधिकारी, अवैति:—

1. श्री एम० जे० मथाइम का पुत्र, एग० जे० मथाइम
क्यनरा व्यांक रोड चिकमगलूर।

(अन्तरक)

2. श्री जे० आर० मथाइम का पुत्र पेरमिल मथाइम
काफि फ्लायंग, प्रभु स्ट्रीट, चिकमगलूर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अधीन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या सत्त्वस्वन्धी अवधियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि आद
में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त अवधियों में से
किसी अवधि द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस्थित
किसी अन्य अवधि द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
सिखित में किये जा सकेंगे।

स्वाक्षरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में वरिष्ठादित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

चिकमगलूर का प्रभु स्ट्रीट में स्थित बिल्डिंग जिसका
मुताबिल नम्बर है 956, नया नम्बर 956 और खात
नम्बर 1084।

आरा० थोथादि
मध्यम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, मंगलौर।

दिनांक: 15 सितम्बर 1980
मोहर:

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ए (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त ||(निरीक्षण)

अर्जन रेज, बिहार, पटना

पटना, दिनांक 25 अक्टूबर 1980

सं० 111 453 अर्जन/80-81:—प्रतः मुझे ज्योतीन्द्र नाथ,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ए के अधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० मौजा नं० 51 बाँड नं० 17, प्लाट नं० 304, 305 (पी०), होटिंग नं० 322 (पुराना) होटिंग नं० 186, 187 188 है, तथा जो धनबाद में स्थित है (और इसमें उपलब्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है, रजिस्ट्रीर्टी अधिकारी के कार्यालय धनबाद में रजिस्ट्री-करण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 1 फरवरी, 1980,

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के ग्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

प्रतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ए के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपचारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री मुकुन्द रेय पी० पाठक बल्द स्व० प्रभुदयाल

प्राणजीवन पाठक, कतरास रोड धनबाद (2)
श्रीमती मुकुन्दगोरी एम० पाठक जीने श्री मुकुन्द धारी पी० पाठक कतरास रोड धनबाद (3)
श्री मनोज एम० पाठक बल्द मुकुन्दधारी पी० पाठक, कतरास रोड धनबाद।

(अन्तरक)

(2) श्री गोभी राम गुप्ता बल्द पच्ची राम गुप्ता छाता राम बाजार केन्द्रवाडीह धनबाद (2)
श्री महावीर प्रसाद गुप्ता बल्द मनी राम गुप्ता, छाता राम बाजार केन्द्रवाडीह धनबाद (3) मनी राम गुप्ता बल्द पच्ची राम गुप्ता, छाता राम बाजार केन्द्रवाडीह धनबाद (4) श्री धनश्याम प्रसाद गुप्ता बल्द श्री गोभी राम गुप्ता, छाता राम बाजार धनबाद।

(अन्तरिती)

(3) डा० डी० सी० भोग (2) धनबाद नैवरोटरी (3) धनबाद नर्सिंग होम, (4) मिसेस एम० सिरकार।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राहकेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर मूल्यानी की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संगति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन का रक्का 9 कट्टा तीन भंजिल मकान सहित जो धनबाद नर्सिंग होम" से जाना जाता है जो धनबाद (कतरास रोड) में स्थित है तथा पूर्ण रूप से वसिका नम्बर 520 दिनांक 1-2-80 में वर्णित है तथा जिसका पंजीकरण जिला अवार निवलन पदाधिकारी धनबाद द्वारा सम्पन्न हुआ है।

सकाम प्राधिकारी
निरीक्षी सहायक आयकर आयुक्त,
अर्जन परिक्षेत्र।
बिहार पटना

दिनांक 25 अक्टूबर 1980

मोहर :

प्रलेप श्राई० टी० एन० एस०—

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ष(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जयपुर
जयपुर, दिनांक 27 अक्टूबर 1980

सं० राज०/सहा०/आ अर्जन:—यसः मुझे एम० एल० चौहान,
प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० प्लाट नं० 123 है तथा जो कोटा में
स्थित है (और इससे उपाखद्व अनुसूची में और पूर्ण रूप
से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कोटा
में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन, दिनांक 8 फरवरी, 1980
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पद्धति प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
प्रो अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तथा गाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश से उक्त अन्तरण
निकित में बाहरिन रूप से किया नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से दुई किसी आय की बावत, उक्त
अधिनियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित अवित्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री जेठानन्द पुत्र गोधाराम जी मुख्तार आम श्री
लाल चन्द जी पुत्र दाताराम जी निवासी बारा।
(अन्तरक)

(2) श्री हीरा लाल पुत्र धूली लाल जी एवं कैलाण
चन्द व नेमीचन्द पुत्र मोतीलाल निवासी कैथून
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी अवित्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
अवित्तियों में से किसी अवित्त द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य अवित्त द्वारा, अधीहस्ताक्षरी के पास
विद्वान् में हित जा सके।

दण्डोकरण:—इनमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक प्लाट नं० 123, न्यू ग्रेन मण्डी, कोटा जो उप
पंजियक, कोटा द्वारा कम संख्या 245 दिनांक 8-2-80 पर
पंजियक विक्रय पत्र में और विस्तृत रूप से विवरणित है।

एम० एल० चौहान,
सक्षम प्राधिकारी,
(सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण))
अर्जन रेंज, जयपुर।

दिनांक 27 अक्टूबर, 1980
मोहरः

प्रक्रम आई० टी० एव० एस०--

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ए (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 27 अक्टूबर 1980

सं० राज०/सहा० आ० अर्जनः—यतः मुझे, एम० एल० चौहान,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० ल्लाट नं० 89 है तथा जो पाली में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय पाली में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 28 फरवरी 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और प्रत्यक्ष (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रत्यरुण लिखित में वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी धन की बावत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के प्रत्यक्ष के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और या

(ख) ऐसी किसी धन या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1952 (1952 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्पातः—

(1) श्री मीठालाल पुत्र रूपचन्द जी जैन साकिन राम सिंह का गुड़ा, तह खारची, जिला पाली।
(अन्तरक)

(2) श्री सहजादखां वल्द मुलतान खां मुसलमान साकिल, सेलागेट, बाली जिला पाली।
(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रबंन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के प्रबंन के सम्बन्ध में कोई भी व्याख्या :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वीर्वन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधीक्षिताकरी के पास लिखित सें किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही ग्रन्थ होगा जो उस अध्याय में विद्या गया है।

अनुसूची

प्लाट नं० 89, वीर दुर्गादास नगर, पाली का तीसरा हिस्सा, 450 वर्ग गज जो उप पंजियक, पाली द्वारा क्रम संख्या 21 'दिनांक 28 फरवरी' 80 पर पंजिबद्ध विक्रय पत्र में और विस्तृत रूप से विवरणित है।

एम० एल० चौहान,
सकाम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जयपुर।

दिनांक : 27 अक्टूबर 1980
मोहर :

प्रकृष्ट प्राईटी एन० एम० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अंतीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जयपुर

दिनांक 27 अक्टूबर 1980

सं० राजसहा० आ० अर्जनः—यतः मुझे एम० एल० चौहान,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अंतीन सूचना प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० प्लाट नं० 89 है तथा जो पाली में स्थित है, और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, पाली में, रजिस्ट्रीकरण, अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 28 फरवरी, 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिग्राम तक प्रविष्ट है और अन्तरफ (अन्तरकों) और अन्तरिती (प्रतिरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल निर्दित उद्देश्य से उक्ता अवारण निवित में वस्तुविक रूप में रुक्षित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से दुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में करने करने या उससे बदों में सुविधा के लिए; और/या

(ब) एसो किसी आव या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

प्रतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन मिम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री मीठालाल पुत्र रूपचन्द्र जी जन साक्षिन राम सिंह का गुड़ा, तह खारची, जिला पाली।
(अन्तरक)

(2) श्री रमेश पुत्र जयसिंह माली बस स्टैण्ड के पास, पाली।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अंतर्न के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अंतर्न के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तरस्मन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अदोहस्ताक्षरों के पास लिखित में किह जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों प्रदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ हागा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट नं० 89, बीर दुर्गादास नगर, पाली का तीसरा हिस्सा 450 वर्ग गज जो उप मंजिल पंजियक, पाली द्वारा क्रम संख्या 20 दिनांक 28 फरवरी 1980 पर वंजिबद्ध विक्रय पत्र में और विस्तृत रूप से विवरणित है।

एम० एल० चौहान,
सहायक प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जयपुर।

दिनांक: 27 अक्टूबर 1980
मोहर:

प्रसूप पाई॰ टी॰ एम॰ एस॰—
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की ओरा
269-प्र (1) के प्रधीन सूचना
भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
प्रजेन रेंज, जयपुर
जयपुर, दिनांक 27 अक्टूबर 1980
सं० राजसहा श्रा० अर्जनः—यतः मुझे एम० एल०
चौहान,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
दसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की ओरा 269-प्र
के अधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० में अधिक है

और जिसकी सं० प्लाट नं० 7 है तथा जो जौधपुर में स्थित
है, (और इससे उपावन्द अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है,) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जौधपुर में, रजिस्ट्री
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
दिनांक 22 फरवरी, 1980

की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिशत के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरितों (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से किया नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
शौर/या

(ख) ऐसो किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों
को जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
घनकर अधिनियम 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की ओरा 269-प्र के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की ओरा 269-प्र की उपलापा (1).
अधीन निम्नलिखित अविनियों, अचान्तः—

(1) श्री दिनेश चन्द्र पुत्र श्री रामस्वरूप जी अन्नदाल,
निवासी मती माना का मन्दिर के पास, जौधपुर
(अन्तरक)

(2) श्री भगवानदास एवं गोविन्द लाल पुत्रान श्री
कन्हैया लाल जी निवासी सरदारपुरा, जौधपुर।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तदनुसारी अवधियों पर
सूचना को तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
अवधियों में से किसी अवधि द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितमद
किसी अन्य अवधि द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और वदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही
अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट नं० 7, रेजीडेन्स रोड, जौधपुर जो उप पंजियक,
जौधपुर द्वारा ऋम संख्या 335 दिनांक 22-2-80 पर पंजि-
बद्ध विक्रय पत्र में और विस्तृत रूप से विवरणित है।

एम० एल० चौहान,
सकाम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जयपुर।

दिनांकः 27 अक्टूबर 1980
मोहरः :

प्रस्तुप आई० ई० एम० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

भारा 269-घ (1) के अधोन् सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 27 अक्टूबर 1980

सं० राज/सा आ अर्जनः—यह: मुझे, एम० एल०
चौहान,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लाट नं० 89 है तथा जो पाली में स्थित
है, (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय पाली में, रजिस्ट्री-
करण, अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
दिनांक 28 फरवरी, 1980,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के हथयमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके द्वयमान प्रतिफल से एसे द्वयमान प्रतिफल के पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित
(अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए;

यह, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री मीठालाल पुत्र रमेशन्द जी साकिन रामसिंह
का गडा तहसील खारवी जिला पाली।
(अन्तरक)

(2) श्री हजारी राम जी बलद चेतनरामजी चौधरी,
काला पीपल की डाणी, तहसील पाली।
(अन्तरित)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोक्षताकारी के पास
लिखित में निए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त
अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभ्राष्ट
हैं, वही अर्थ होंगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्लाट नं० 89 का तीसरा हिस्सा, दुर्गादास नगर, पाली
जो उप पंजीयक, पाली द्वारा पंजिबद्ध विक्रम पत्र संख्या 22
दिनांक 28 फरवरी 1980 में और विस्तृत रूप से विवरणित
है।

एम० एल० चौहान,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जयपुर।

दिनांक: 27 अक्टूबर 1980
मोहर:

प्रलूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कायलिय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 27 अक्टूबर 1980

निदेश मं० राज/सहा/श्रा अर्जन—यतः मुझे एम० एल०
चौहान,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर मंपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है।

और जिसकी सं० एक हवेली है तथा जो सौंगानेर में स्थित
है, (और इससे उपाबद्ध अनुसूची और पूर्ण रूप से बर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सौंगानेर में, रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
दिनांक 23 फरवरी, 1980

को पुर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिकृत के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने हा जारण है कि यथापुर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकृत से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकृत का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और यन्तरह (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरेतियों) के बीच ऐसे यन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
कृति निर्णयिता उड़ेशा ने उक्त यन्तरण निविठा में वास्तविक
बा में अधिक तहीं किया गया है।

(८) यन्तरण ने इई दिवों प्राय को बातत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देते के अन्तरक के दायित्व में कमी
करने या उससे बचने में मुकिधा के लिए; और/या

(९) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
मुकिधा के लिए;

प्रतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपषारा (1) के
अधीन, निम्नलिखित अधिकारी, अर्थात् :—

12—346GI/80

(1) श्री छगनलाल पुत्र वासुदेव खेतान, ऊषा देवी पत्नी हरी
प्रसाद, साक्षी देवी पत्नी वासुदेव, पुरुषोत्तम दास
मकब्रन नाल खेतान 125, हास्पिटल रोड, जयपुर
(अन्तरक)

(2) श्रीमती पुष्पा देवी पत्नि रमेश खन्नी एवं हीरानन्द
पुत्र लीलाधर नाबालिंग द्वारा श्री लीलाधर, 2-ख
25 जवाहर नगर, जयपुर।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पुर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए तार्यादियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राहकः—

- (क) इस सूचना के राजन्त्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तस्वीरन्धी अविक्तियों पर मूचना
की तामील के 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में अमाप्त होती हो, के भीतर पुर्वोक्त अविक्तियों में से
किसी अविक्त द्वारा ;
- (ख) इस सूचना के राजन्त्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
वद्ध निसी अवधि द्वारा अधीक्षाकारी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

संदर्भोक्तरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जगतपुरा, सौंगानेर (तहसील) में स्थित एक हवेली का
भाग जो उक्त पंजिक, सौंगानेर द्वारा कम संख्या 65 दिनांक
23-2-80 पर पंजिक विक्रय पत्र में और विस्तृत रूप से
विवरणित है।

एम० एल० चौहान,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जयपुर।

तारीख : 27 अक्टूबर 1980

मोहर :

प्रसूप बाहर्. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 27 अक्टूबर 1980

निदेश सं० राज/सहा० आ० अर्जन—यसः मुझे एम० एल० चौहान,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विवास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० हवेली का भाग है तथा जो सौंगानेर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सौंगानेर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 23 फरवरी, 1980

को पूर्वांक संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दस्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और भर्ते यह विवास करने का कारण है कि यथापूर्वांक संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दस्यमान प्रतिफल से, ऐसे दस्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्दरेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हट्टे किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अन्मरण में से, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ को उपधारा (1) के शधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थातः:—

(1) श्री छगन लाल पुत्र वासुदेव खेतान, ऊपरा देवी धर्मपत्नी हरीप्रसाद खेतान, सावित्री देवी धर्म पत्नी वासुदेव खेतान, पुरुषोत्तम दाम पुत्र मक्खन लाल खेतान 125, हार्सिटल रोड, जयपुर।
(अन्तरक)

(2) दामोदर लाल पुत्र लोकमल नाबालिंग संरक्षक श्री लोकमल 2-ख 25 जवाहर नगर, जयपुर।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहीयां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांक संपत्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रदर्शित शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहो अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जगतपुरा तहसील सौंगानेर में स्थित एक हवेली का भाग जो उप पंजियक, जयपुर द्वारा क्रम संख्या 66 दिनांक 23-2-80 पर पंजिबद्ध विक्रय पत्र में और विस्तृत रूप में विवरणित है।

एम० एल० चौहान,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जयपुर

दिनांक: 27 अक्टूबर 1980

मोहर:

प्रसूप आई. टो. एन. एस. —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 27 अक्टूबर 1980

सं० राज सहा० आ० अर्जन—यतः मुझे एम० एल०
चौहान,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है।

और जिसकी मं० प्लाट नं० एम०-19 है तथा जो जयपुर
में स्थित है, (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जयपुर
में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन, दिनांक 7 फरवरी, 1980

को पूर्वांकित संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वांकित संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्य में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरीक द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-व के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

(1) शान्ति देवी पत्नी श्री दामोदर प्रसाद अग्रवाल,
शिवालय मार्ग, सेठी कालोनी, जयपुर।

(अन्तरक)

(2) श्री गिरीशचन्द्र जैन पुत्र स्व० श्री मुलतान सिंह
जैन कुन्दीगरों के भैरों का रास्ता, जयपुर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांकित सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यालयों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांकित
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-के में पर्याप्तिशील
हैं, वहो अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्लाट नं० एस० 19, भवानी सिंह मार्ग, जयपुर जो
उप पंजियक, जयपुर द्वारा ऋम संख्या 193 दिनांक 7-2-80
पर पंजिबद्ध विक्रय पत्र में और विस्तृत रूप से विवरणित
है।

एम० एल० चौहान,
सक्षम अधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जयपुर

दिनांक : 27 अक्टूबर, 1980
मोहर :

प्रस्तुत आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 27 अक्टूबर 1980

सं० राजसहा आ अर्जनः—यतः मुझे एम० एल० चौहान, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन संक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है।

और जिसकी सं० मकान है तथा जो जयपुर में स्थित है, (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जयपुर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 7 फरवरी, 1980

को पूर्वांकित संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मैंने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वांकित संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए सब पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया हैः—

(क) अन्तरण से हृदृष्ट किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तीय को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

(1) श्री सौभाग सिंह पूत्र ठाकुर भारत सिंह, निवासी महला जिला जयपुर।

(अन्तरक)

(2) शिमला देवी घीया धर्मपत्नी श्री बामननारायण जी घीया निवासी 1019 बाटीणियों का रास्ता, जयपुर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांकित सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप।—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वीरन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांकित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बहुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभासित हैं, वहो अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

पुरानी आमेर रोड, जयपुर पर स्थित मकान जो उप पंजियक जयपुर द्वारा क्रम संख्या 196 दिनांक 7-2-80 पर पंजियक विक्रय पत्र में और विस्तृत रूप से विवरणित है।

एम० एल० चौहान,
मध्यम प्राधिकारी,
(सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, जयपुर

दिनांक : 27 अक्टूबर 1980

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

(1) श्री प्यारेलाल पुत्र श्री भोमाजी, बनीपार्क जयपुर (अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना(2) श्री श्रवणकुमार नितन कुमार (एन० य० एफ०),
बापूबाईपथ, बनीपार्क, जयपुर।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 27 अक्टूबर 1980

मं० राज/सहार्द अर्जन:—यतः मुझे एम० एल० चौहान,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), जी धारा 269-
ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करते का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक हैऔर जिसकी मं० जी०-४ ए. है तथा जो जयपुर में स्थित
है, (और हमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण स्वयं से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जयपुर में, रजिस्ट्री
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
दिनांक 7 फरवरी, 1980को पूर्वांकित संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मैंने यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वांकित संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पक्ष अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से काँथत नहीं किया गया है:—(क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या(ग) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट भर्ती किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के
बाधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—को यह सूचना जारी करके पूर्वांकित सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तापील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांकित
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभासित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विद्या
गया है।

अनुसूची

प्लाट नं० जी ४ ए०, धापूबाईपथ, बनीपार्क, जयपुर
जो उप पंजियक, जयपुर द्वारा क्रम संख्या 172 दिनांक
7 फरवरी, 1980 विक्रय पत्र में विस्तृत रूप से विवरणित
है।एम० एल० चौहान,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, जयपुर।

दिनांक: 27 अक्टूबर 1980

मोहर:

प्रकल्प प्राई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर [आयुक्त (निरीक्षण)]

अर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 27 अक्टूबर 1980

सं० राज०/सहा० आ० अर्जनः—यतः मुझे एम० एल० चौहान, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० एक शीरूम है तथा जो जयपुर में स्थित है) और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जयपुर में रजिस्ट्री-करण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 7 फरवरी 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः; अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित अधिकारी, अर्थात् :—

(1) श्री किल्सुरचन्द कटारिया बी०-11 मोतीमार्ग बापूतगर, जयपुर।

(अन्तरक)

(2) श्री विनोदकुमार, प्रकाशचन्द एवं श्रीमती मन्देवी, एफ०-33 जमना लाल बजाज मार्ग, सी०-स्कीम, जयपुर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आकेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी अवितरणों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अन्तिमियों में से किसी अवितरण द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य अवितरण द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्वल्पीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

एम० आई० रोड, जयपुर पर स्थित एक शौ रुम जो उप पंजियक जयपुर द्वारा कम संख्या 195 दिनांक 7-2-80 पर पंजिबद्ध विक्रय पत्र में और विस्तृत रूप से विवरणित है ।

एम० एल० चौहान,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जयपुर

दिनांक : 27 अक्टूबर 1980
मोहर :

प्रह्लप आई० ई० एन० एस०-----
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
सार्वात्मक सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जयपुर।

जयपुर, दिनांक 27 अक्टूबर 1980

सं० राज०/सहा० आ० अर्जन:-—यतः मुझे एम० एल० चौहान,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इतके पश्चात् 'उक्ता अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के प्रयोग मन्त्र प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी सं० प्लाट नं० बी०-९३ है तथा जो जयपुर में
स्थित है, (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप
से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जयपुर
में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन, दिनांक 5 फरवरी, 1980 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह
विश्वास हुए का कारण है कि यथापुर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच
ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण निवित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक के
दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा
का लिए; और/या

(ल) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियों
को, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपभारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री पी० के० श्रीवास्तव निवासी प्लाट नं० 242,
राजापांक, जयपुर।
(अन्तरक)

(2) श्रीमती दुर्गदेवी पत्नी श्री एस० के० गुप्ता प्लाट
नं० बी०-११०, सेठी कालोनी, जयपुर।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आभेदः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या सप्तसप्ताही व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोस्ताभारी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे;

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति जिसके प्लाट नं० बी०-९३, तिलक नगर, जयपुर
है तथा जो उप पंजियक, जयपुर द्वारा ऋम संख्या 86
दिनांक 5 फरवरी, 80 पर पंजिवद्ध विश्रय पत्र में और विस्तृत
रूप से विवरणित है।

(एम० एल० चौहान)
सहम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जयपुर

दिनांक : 27 अक्टूबर 1980
मोहरः

प्रूप आइ. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, रोहतक,

रोहतक, दिनांक 21 अक्टूबर 1980

सं० पी० एन० पी०/१८०-८१:—अतः मुझ गो० सि०
गोपाल, निरीक्षी सहायक आयकर आयुक्त अर्जन रज, रोहतक
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपये में अधिक है

और जिसकी सं० मकान नं० 293-आर० है तथा जो माडल
टाउन, पानीपत में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय, पानीपत में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, दिनांक अप्रैल, 1980,
को पूर्वांक संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वांक संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कठित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हूँ हूँ किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्य में
कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तीयों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सहित के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अनुसरन
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. श्री राम दास पुत्र श्री भवानी प्रशाद निवासी मकान
नं० 293-आर० माडल टाउन, पानीपत।
(अन्तरक)

2. (1) श्री बनु राम पुत्र श्री गोविन्द राम (2)
श्रीमती अंगूरी देवी पत्नी श्री बनु राम निवासी
मकान नं० 28, माडल टाउन, पानीपत हाल मकान
नं० 293-आर०, माडल टाउन, पानीपत।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यालयीय करता हूँ।

उक्त गम्भीर के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांक
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति मकान नं० 293-आर माडल टाउन, पानीपत
तथा जिसका और अधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता पानीपत
के कार्यालय में रजिस्ट्री क्रमांक 481 दिनांक 25-4-1980
में दिया गया है।

गो० सि० गोपाल,
सक्षम प्राधिकारी
महायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, रोहतक।

दिनांक: 21 अक्टूबर 1980
मोहर:

प्रकृष्ट प्राई. डी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 21 अक्टूबर, 1980

सं. पी० एन० पी०/2/80-81:—अतः मुझे गो० सि० गोपाल, निरीक्षी सहायक आयकर आयुक्त अर्जन रेंज, रोहतक।

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के प्रधीन सम्बन्ध प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं. मकान नं. 90 आर०, है तथा जो माडल टाउन, पानीपत में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, पानीपत में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, दिनांक अप्रैल, 1980 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमा प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पश्चात् प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (प्रन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक स्पष्ट से कथित नहीं किया गया है:—

(5) भवारग में दूर्दि किसी आय को बाबत, उक्त अधिनियम, के प्रधीन कर देने के प्रतिक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(6) ऐसो किसी आय या किसी धन या अन्य पास्तियों को, जिन्हें भारतीय प्रायकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाये अन्तरिती द्वारा प्रकट महीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मात्रागत लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपलापा (1) के अधिन निम्नलिखित अधिकारी, अधिकारी, अर्जन रेंज, रोहतक।

1. (1) श्री परशोत्तम सिंह पुत्र श्री हाकिम सिंह सेनेटरी मारकीट कमेटी, सफीदों।

(2) श्री इज्जत सिंह पुत्र श्री हुकम सिंह ए० एस० आई०, पोलिस लाइन्ज, मधुबन (कारनाल)।

(अन्तरक)

2. श्री प्रेम सागर पुत्र श्री प्रताप लाल निवासी मकान नं. 90 एल, माडल टाउन, पानीपत।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्बत के अर्जन के लिए कार्यालयिया शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के प्रधीन के उक्तन्त्र में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी अविक्षिर्ण पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अधिकारी में से किसी अविक्षित द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवड़ किमी अन्य अविक्षित द्वारा, अधीक्षित द्वारा, अनुसूचीकरणी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

ल्पस्ट्रीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्रायित हैं, वही पर्यंत होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति मकान नं. 90 आर जो कि माडल टाउन पानीपत में स्थित है तथा जिसका और अधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता पानीपत के कार्यालय में रजिस्ट्री, क्रमांक 501 दिनांक 28-4-1980 में दिया गया है।

गो० सि० गोपाल,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, रोहतक।

दिनांक : 21 अक्टूबर 1980
मोहर :

प्र० प्र० धाई० टी० एन० एस०--

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की व्यावाही
269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 21 अक्टूबर, 1980

सं० बी० डब्ल्यू० के/4/79-80:—अतः मुझे गो० सि० गोपाल, निरीक्षी सहायक आयकर आयुक्त अर्जन रेंज, रोहतक। आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की व्यावाही 269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिस हा उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु से अधिक है।

और जिसकी सं० भूमि रक्वा 101 कनाल 17 मरले है। तथा जो बलयाली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बवानी खेड़ा में, रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक फरवरी, 1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और उक्त अन्तरक (प्रन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रन्तरण के लिए, तथा पाया गया प्रन्तरण निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कठिन नहीं हिला रहा है:—

(क) प्रन्तरण से ही किसी आय की वावत उक्त प्रधिनियम के अधीन कर देने के प्रन्तरक के वायित्व में कमी करने या उपरे वर्चन में सुविधा हो लिए; प्रौद्योगिकी

अनुसूची

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य ग्राहितियों को, जिन्हें भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या बनकर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगवाले प्रन्तरिनी वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

वर्तः, प्रति उक्त प्रधिनियम की व्यावाही 269-ष के अनुसरत जैसे, उक्त प्रधिनियम की व्यावाही 269-ष की उपावाही (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री गुलशन पुत्र तथा भीना पुत्री श्री सुन्दर दास निवासी अजपाली।

(अन्तरक)

2. सवश्री चन्द्र, राम कुमार, महादेव पुत्र श्री दया राम निवासी बनपाली, तहसील बवानी खेड़ा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अधिकारी कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अधिकारी के सम्बन्ध में कोई भी ग्राहकोप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अघोषित व्यक्ति के पास लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों प्रोटर व पटों का, जो उक्त प्रधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्रामित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

संपत्ति भूमि रक्वा 101 कनाल 17 मरले जो कि ग्राम बलयाली में स्थित है तथा जिसका और अधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता बवानी खेड़ा के कार्यालय में रजिस्ट्री क्रमांक 1183 दिनांक 4-2-1980 में दिया गया है।

गो० सि० गोपाल,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, रोहतक।

दिनांक : 21 अक्टूबर 1980
मोहर :

प्रलेप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, रोहतक।

रोहतक, दिनांक 25 अक्टूबर, 1980

सं० बी० जी० आर० 40/79-80:- अतः मुझे गो० सि० गोपाल, निरीक्षी सहायक आयकर आयुक्त अर्जन रेंज, रोहतक आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी स० भूमि रक्कड़ा 114 कनाल 8 मरले हैं तथा जो ग्राम फतेहपुर टोगा में स्थित है (और इससे उप-बद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बल्लबगढ़, में, रजिस्ट्रीकरण, अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक फरवरी, 80

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, यौं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित अवित्योऽर्थात्:—

1. मैसर्स कर्म फारम, मार्फत चरण सिंह, अवतार सिंह करम सिंह राम सिंह बलबन्त सिंह जोगिन्द्र सिंह गुरनाम कौर निवासी देहली।

(अन्तरक)

2. श्री देस राज पुत्र श्री प्रेम सिंह निवासी अनंगपुर डेरी।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वीरधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण:— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अछ्याय 20-6 में परिभाषित हैं, वही अर्थ दोगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति रक्कड़ा 114 कनाल 8 मरले जोकि ग्राम फतेहपुर टोगा में स्थित है तथा जिसका और अधिक विवरण रिजिस्ट्री-कर्ता बल्लबगढ़ के कार्यालय में रजिस्ट्री क्रमांक 8162 दिनांक 25 फरवरी, 1980 में दिया गया है।

गो० सि० गोपाल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, रोहतक।

दिनांक: 25 अक्टूबर 1980
मोहर:

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस० -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 25 अक्टूबर 1980

स० जे० ई० आर०/28/79-80:—अतः मुझे गो० सि० गोपाल, निरीक्षी सहायक आयकर आयुक्त अर्जन रेंज, रोहतक आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी मकान नं० 295 आर है तथा जो माडल टाउन, यमुनानगर में स्थित है (और इससे उपावड़ अनुसूची और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक मार्च, 1980

के पूर्वान्तर संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूसर्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूल्य यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वान्तर संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दूसर्यमान प्रतिफल से, ऐसे दूसर्यमान प्रतिफल का अन्तरित दूसर्यमान प्रतिफल से जाधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कीथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हूँ जिसी आय की बाबत, आयकर अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरीती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

जब: जब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसार में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री हरनाम दास पुन श्री मोतीराम बी—209, गली नं० 2, मजलिस पार्क, आजाधपुर, देहली।

(अन्तरक)

2. श्री जगदीश लाल थापड़ पुन श्री जगत राम थापड़ निवासी 295 आर, माडल टाउन, यमुनानगर

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वान्तर संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करसा हैं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या दृतसम्बन्धी व्यक्तिरां पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वान्तर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधिहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 के में परिभासित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मनुसूची

संपत्ति मकान नं० 295-आर माडल टाउन यमुनानगर तथा जिसका और अधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता जगाधरी के कार्यालय में रजिस्ट्री क्रमांक 5831 दिनांक 25 मार्च 1980 में दिया गया है।

गो० सि० गोपाल,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, रोहतक।

दिनांक: 25 अक्टूबर 1980

मोहर:

प्र० भा० ग्रा० टो० एन० एस० ---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज रोहतक।

रो हत्क, दिनांक 25 अक्टूबर, 1980

सं० के० एन० एल/59/79-80:—अतः मुझे गो० रि० गोपाल, निरीक्षण सहायक आयकर आयुक्त अर्जन रेंज, रोहतक आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानीय सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि रक्का 158 कनाल 2 मरले हैं तथा जो ग्राम जलाला बीरां, तहसील करनाल में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), जिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक मार्च 1980,

को पूर्वोंत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और प्रत्यक्षित (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती हारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के प्रनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री श्रीपाल सिंह पुत्र श्री परमु कुमार निवासी जलाला बीरां तहसील करनाल।

(अन्तरक)

2. (1) सर्वश्री सुखा सिंह गुरपाल सिंह, नसीब सिंह पुत्रान श्री मोहिन्द्र सिंह (2) सर्वश्री शीशा सिंह, मुख्त्यार सिंह, बलजिन्द्र सिंह लखविन्द्र सिंह पुत्रान श्री अनोख सिंह (3) सर्वश्री गुलजार सिंह कस्तूरी सिंह, जसवन्त सिंह पुत्रान श्री दलीप सिंह। निवासी जलाला बीरां, तहसील करनाल।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियों करता है।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्म्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर-सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधिकृताकारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति भूमि रक्का, 158 कनाल 2 मरले जो कि ग्राम जलाला बीरां तहसील करनाल में स्थित है तथा जिसका और अधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता करनाल के कार्यालय में रजिस्ट्री क्रमांक 7339 दिनांक 13-3-1980 में दिया गया है।

गो० सि० गोपाल,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, रोहतक।

दिनांक : 25 अक्टूबर 1980

मोहर :

प्रस्तुत ग्राइंड टो० एच० एस०---

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) को धारा,
269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, रोहतक।

रोहतक, दिनांक 6 नवम्बर, 1980

सं० के० एन० एल०/7/80-81—अतः मुझे गो० सि० गोपाल, निरीक्षण सहायक आयकर आयुक्त अर्जन रेंज, रोहतक आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), को धारा 269-व के अधीन सभी प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर मध्यस्थि द्विभास उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से अधिक है

और जिसकी मं० मकान नं० 555, है तथा जो माडल टाउन, करनाल में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, करनाल में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक मई, 1980 को पूर्योक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के बृश्यमान प्रतिक्रिय के लिए अन्तरिक्ष की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्राप्तक्रत स, ऐने दृश्यमान प्रतिक्रिय का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिक्ष (अन्तरिक्षों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण, लिखित में वास्तविक रूप से अवित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी धार्य की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में मुश्विधा के लिए प्रोटोकॉल

(ख) ऐसी किसी धार्य या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रस्तुतनार्थ अस्तरित दाता प्रकाट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, लिपाने में मुश्विधा के लिए;

अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व (1) के अनुचरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व को उपलब्ध करना (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों पर्याप्त :—

1. (i) कर्नल जनमेजा सिंह गुलर पुत्र श्री चानन सिंह मकान नं० 3052-28-ए०, चण्डीगढ़ मार्फत कैट्टन खुशबिन्द पाल सिंह।
(ii) श्रीमती सतीन्द्र सन्धु पुत्र श्री विंग कमांडर प्रतिपाल सिंह सन्धु निवासी 555 माडल टाउन, करनाल।

(अन्तरक)

2. श्री मोहिन्द्र सिंह पुत्र श्री करतार सिंह निवासी मकान नं० 555, माडल टाउन करनाल।
(अन्तरिक्ष)
3. मब डिविजनल इंजीनियर इलैक्ट्रीकल मब डिवीजन 555, माडल टाउन, करनाल।
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अन्तर्गत कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति ते अन्तर्गत के नम्बर में कोई भी आवेदन :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन को अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा अद्वाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रमुख शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20क में परिभाषित हैं, वही प्रत्येक होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति 1/2 भाग मकान नं० 555, माडल टाउन, करनाल तथा जिसका और अधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता करनाल के कार्यालय में रजिस्ट्री क्रमांक 825 दिनांक 19 -5-1980 में दिया गया है।

गो० सि० गोपाल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, रोहतक।

दिनांक : 6 नवम्बर 1980
मोहर :

प्रूष प्राइंट टी० एन० एस० -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, रोहतक।

रोहतक, दिनांक 3 नवम्बर 1980

सं० जे० ढी० आर०/29/79-80:—अतः मुझे गो० सि० गोपाल, निरीक्षी सहायक आयकर आयुक्त अर्जन रेंज, रोहतक आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लाट रकबा 8 बीघा 12 बिस्ता है तथा जो गढ़ी मुंडो (जगाधरी) में स्थित है (और इससे उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जगाधरी में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक मार्च, 1980 को पूर्वान्तर संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वान्तर संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कार्यत नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाग की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कर्मी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आमिस्तयों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहों किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उण्ठारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अधिति:—

1. श्रीमती मोमांवन्ती मुपुत्री श्री कृष्ण चन्द्र धर्मपत्नी श्री वेद प्रकाश निवासी कम्बेपुर, तहसील करनाल। (अन्तरक)
2. (1) श्री वीरेन्द्र कुमार पुत्र श्री बुध राम
(2) श्री जयगोपाल गुप्ता पुत्र श्री तिलक राज गुप्ता
3. श्री लक्ष्मण दाम पुत्र श्री नन्हामल
4. श्रीमती कमला रानी पत्नी श्री लक्ष्मण दाम निवासी नरवाना जिला जींद।
5. सर्वश्री राम किशन गुप्ता, बाल किशन गुप्ता, विजय कुमार गुप्ता, सुभाष चन्द्र गुप्ता, अशोक कुमार, कुल भूषण पुत्रान श्री रघुबीर प्रशाद।
6. श्री रघुबीर प्रशाद पुत्र श्री मुसदी लाल
7. श्रीमती मधु पत्नी श्री विनोद कुमार, निवासी जगाधरी (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वान्तर सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहीया करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की हारील से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वान्तर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इन सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की हारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बदल किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकरी के पास लिखित में लिए जा सकेंगे।

स्थावरकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्राषित हैं, वही अर्थ द्वारा जो उक्त अध्याय में विद्या गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति अभि रकबा 8 बीघा 12 बिस्ता जोकि गढ़ी मुंडी (जगाधरी) में स्थित है तथा जिसका और अधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता जगाधरी के कार्यालय में रजिस्ट्री क्रमांक 5958 दिनांक 28-3-1980 में विद्या गया है।

गो० सि० गोपाल,
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, रोहतक।

दिनांक : 3 नवम्बर 1980

मोहर :

प्रस्तुप वार्ड. टी. एन्. एस. —————
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को
धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज- , कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 26 सितम्बर 1980

निर्देश सं० 740/एक्वी० आर०-IIJ/80-81/कल० यसः मुझे,
आई० वी० एस० जुनेजा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सकाम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक है।

और जिसकी सं० 102 है तथा जो सदन एवेन्यू, कलकत्ता
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कलकत्ता
में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन, दिनांक 29 फरवरी, 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरीतीयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
हिक्कत, निम्ननिषित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर दने के अस्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
का लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तीयों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
मन्दिर के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण
में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीतः :—

1. लेक एपार्टमेंट कोआपरेटिव हाउसिंग सोसायटी
लि०।
(अन्तरक)

2. श्रीमती मंजुश्री बोस।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के बर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन के अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, जपाहरताक्षणों के
पता लिएँ में वित्र, जारी करें।

स्पष्टोकरण:——इसमें प्रस्तुक्त घट्कों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभासित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्लाट सं० 11, 102, सदन एवेन्यू, कलकत्ता।

आई० वी० एस० जुनेजा,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-III, कलकत्ता

दिनांक : 26 सितम्बर 1980
मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—

श्रावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

आर्जन रेंज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 26 सितम्बर, 1980

सं० 741 प० सी०/रेंजIII/80-81/कल०—यतः मुझे आई० वि० एस० जुनेजा,

श्रावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सभी प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० 102 है तथा जो साउर्दन एवेन्यु कलकत्ता, में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और, पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्सी अधिकारी के कार्यालय, में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 29 फरवरी, 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाशा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण में ही किसी आय की वावत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रावकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम को धारा की 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित अधिकारी, अधीक्षतः—

14—346GL/80

1. मैसर्स लेक एपार्टमेंट कोआपरेटिव हाउसिंग सोमाइटी निं०।

(अन्तरक)

2. श्री शामल कुमार पात्रा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अंतर्न के लिए कार्यालयों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अंतर्न के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तरसंबंधी अविक्तियों पर सूचना की तारीख में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अविक्तियों में से किसी अविक्त द्वारा;
- (ख) इप सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य अविक्त द्वारा, अधीक्षती के नाम लिखित में किए जा सकेंगे।

संशोधन :—इनमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-6 में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उक्त अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट सं० -I, 102, साउर्दन एवेन्यू, कलकत्ता।

आई० वी एस० जुनेजा,
सक्रम प्राधिकारी
(सहायक श्रावकर आयुक्त निरीक्षण)
आर्जन रेंज III कलकत्ता-16

दिनांक : 26 सितम्बर 1980

मोहर :

प्रस्तुप आई. टी. एन. एस.—

1. श्री एन० मि० दत्त एण्ड को०।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

2. श्री सुदीप कुमार चक्रवर्ती।

(अन्तरित)

भारत सरकार

कार्यालय महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज III कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 7 अक्टूबर 1980

ग० 743/प० सी० क्य०/रेज III-80-81/कल:—यतः, मुझे,
के० सिन्हा,

आगकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इनके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
घ के अन्तीन संक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि उक्त रावर रण्णीर जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से उधिक है।

ग्रीष्म जिसकी सं० 1/1 है वहा जो बालिगंज स्टेशन रोड,
कलकत्ता स्थित है, (ग्रीष्म हमने उपावद्ध अनुमूल्यी में ग्रीष्म,
पृष्ठांशु से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन, दिनांक 28 फरवरी 80,

दाने पद्धति के मंपानि के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूँहे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापर्वक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के निए तथा याया याया प्रति-
फल निम्नलिखित उच्चवेद्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

को यह सूचना जारी करके पूर्वांकित सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीयों करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांकित
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में पर्याप्ति
है, वहो अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

(क) अन्तरण से हड्ड किमी आय की वालत उक्त अधि-
नियम के अधीन धर दने के अन्तरक के दायित्व में
किमी धरने या उसमें बचने में सुविधा के लिए;
और/या

अनुमूल्यी

(ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

1/1, बालिगंज स्टेशन रोड, कलकत्ता।

के० सिन्हा,
संक्षम प्राधिकारी,
(सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण)
अर्जन रेज, III कलकत्ता

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

दिनांक : 7 अक्टूबर 1980

मोहर :

प्रूप आई० टी० एन० एस०—

1. श्री डुरगेन्द्र लाल राय।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज III, लुधियाना

कलकत्ता, दिनांक 7 अक्टूबर 1980

सं० 742/ए० सी० कद० रेज-III/80-81/कल०:—यतः मुझे
के० सिन्हा,
आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके
पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), को धारा 269-व के अधीन
सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- इ० से अधिक है
और जिसकी सं० 1/8 है तथा जो गरियादात रोड, कलकत्ता
में स्थित है (और इससे उपावढ़ अनुसूची में और पूर्णस्पृ
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय आलिपुर
में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन, दिनांक 20 फरवरी, 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दूष्यमान प्रतिफल के लिए प्रतिरित की गई है और मुझे यह विवास
करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दूष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दूष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत
अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कषित नहीं
किया गया है :—

2. श्रीमती सुश्रात चक्रवर्ती।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ करना हैं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जाक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजनव में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में भवाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;
- (ख) इस सूचना के राजनव में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधाहस्ताक्षरी के पाण
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और वदां का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

अनुमूला

1/8 गरियादात रोड, कलकत्ता।

(ख) ऐसी किसी आय का किसी धन या अन्य आस्तियों को
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) का उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम,
1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती
द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना
चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

के० सिन्हा,
गठम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज III, कलकत्ता

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण में,
मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपाधाय (1) के अधीन,
निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः :—

दिनांक: 7 अक्टूबर 1980
मोहर:

प्रख्य प्राई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

प्रजन्त रेंज III, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 9 अक्टूबर 1980

सं० 744/ए० सी० क्ष००/रेंज-III 80-४१/कल:- यत०: मुझे
के० सिन्हा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है
और जिसकी सं० 12, 12/2, 13 है, तथा जो गोविन्द चन्द्र
धर देन, कलकत्ता स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची
में और, पूर्णांक से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, दिनांक 25 फरवरी 1980
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे भ्रमतरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

1. श्री महाबीर प्रसाद।

(अन्तरक)

2. श्री विजय कुमार पाटेल

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रजन्त के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के प्रजन्त के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि का तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अधिक बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में
से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बदल किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधिकृताकारी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभासित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत उक्त अधिनियम के अधीन करने के अन्तरक के अन्तरिती के अधिकृताकारी के दायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

मनुसूची

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अस्थ आस्तियों
का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

12, 12/2, और 13, गोविन्द चन्द्र धर देन, कलकत्ता।

के० सिन्हा,

सक्षम प्राधिकारी

(सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण)

प्रजन्त-रेंज, III, कलकत्ता

दिनांक: 9 अक्टूबर 1980

मोहर:

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपाधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

प्रूफ आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-III, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 9 अक्टूबर 1980

सं० 745/एसी० क्ष०/रेज-III/80-81/कल०:-—यतः मुझे को सिन्हा आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर अन्तिम, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है और जिसकी सं 12, 12/2 13 है, तथा जो गोविन्द चन्द्र धर लेन, कलकत्ता स्थित है और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और, पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 25 फरवरी, 1980 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिति (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश से उक्त अन्तरण विविध में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से कुई किसी आय की वावत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के वापित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख)ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थे अन्तरिति द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों पर्याति:—

1. श्री महावीर प्रसाद।

(अन्तरक)

2. श्री उमेदभाई पटेल।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तरसंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि आदि में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर अन्तिम में हितवद्धु किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 के परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

12, 12/2, 13, गोविन्द चन्द्र धर लेन, कलकत्ता।

के० सिन्हा,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज III, कलकत्ता

दिनांक : 9 अक्टूबर 1980
मोहर:

प्रस्तुप प्राई० टो० एन० एस०---

1. श्री महाबीर प्रसाद।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को धारा

2. श्री जासभाई पाटेल।

(अंतरिती)

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 9 अक्टूबर 1980

सं० ८० सी०/रेंजIII/कल/19:—यतः, मुझे, के० सिन्हा, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के प्रधीन सभी प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 12, 12/2, 13 है, तथा जो गोविन्द चन्द्र धर लेन, कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपाबूद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 25 फरवरी 1980 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रस्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कषित नहीं किया गया है : —

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आशेषः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वीरनी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पाय लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

(क) अन्तरण से ही किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/मा

अनुसूची

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या पूँजी प्राप्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन्यकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

22, 12/2, 13 गोविन्द चन्द्र धर लेन, कलकत्ता ।

के० सिन्हा,
सभी प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II 54, रफी अहमद किंदवाई रोड, कलकत्ता-16

प्रतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निर्मातिकृत व्यक्तियों, अर्थातः—

दिनांक 9 अक्टूबर 1980
मोहरः

प्रकृष्ट प्राईटी एनोएसो—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269 ख (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रीजन रेज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 9 अक्टूबर 1980

सं० ए० सी०/रेज IV/कल/19:-—यतः, मुझे, के० सिन्हा,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार
मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 12, 12/2 13 है, तथा जो गोबिन्द चन्द्र
धर लेन, कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपावड़ अनुसूची
में और, पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन, दिनांक 25 फरवरी, 1980 को
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल
के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण
है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक
है और अन्तरक (प्रस्तरकों) और प्रत्यक्षित (अन्तरितियों)
के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है :—

(क) अन्तरण से तुर्दि किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और 'या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, हिसाने में सुविधा
के लिए;

अतः भ्रष्ट, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री महावीर प्रसाद।

(अन्तरक)

2. श्री शशिकान्त पाटेल।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्रमण :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख है 45
दिन की अवधि या तर्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यापक द्वारा अधिवेशनाकारी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो
उक्त अधिनियम के अठाय 20-क में
परिभ्रान्ति है, वही अर्थ होगा, जो उस
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

12, 12/2, 13 गोबिन्द चन्द्र धर लेन, कलकत्ता।

के सिन्हा,
सक्षम प्राधिकारी
(सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण)
श्रीजन रेज-III 54, रफी-अहमद
किदवई रोड कलकत्ता-16

दिनांक : 9-10-1980

मोहर :

प्रकृष्ट प्राइंटी० एम० एस०—

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-प (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 9 अक्टूबर 1980

सं० ए० सी० रेज-IV/कल/19:—यतः, मुझे, के० सिन्हा, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-प के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी द्वा०, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० में अधिक है।

और जिसकी सं० 12, 12/2, 13 है, तथा जो गोविन्द चन्द्र धर लेन, कलकत्ता में स्थित है) और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 25 फरवरी, 1980 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त पन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी घाम की बाबत, उक्त प्रधिनियम के प्रधीन कर देने के प्रत्यक्ष के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

अनुसूची

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आक्षितियों को, जिन्हे भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या उनकर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

के० सिन्हा,

सक्षम प्राधिकारी

(सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण)

अर्जन रेज-III 54, रफी अहमद
किदवर्ई रोड, कलकत्ता-16

अतः प्रब; उक्त प्रधिनियम की धारा 269-प के प्रनुसरण में, मैं, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-प की उपवारा (1) के प्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

दिनांक: 9 अक्टूबर 1980

मोहर:

प्रसूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण)

अर्जन रेज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 9 अक्टूबर 1980

मं० 749/एक्य०-आर०-जा०/80-४१—यन्: मुझे, के० मिन्हा,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिपका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० 12, 12/2, 13 है, तथा जो गोविन्द चन्द्र
धर लेन, कलकत्ता में स्थित है। (और इसमें उपावद्ध अनुसूची
में और पूर्णरूप में वर्णित है), रयजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, दिनांक 25 फरवरी, 1980
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पञ्चव्यंति से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए,
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनाथ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
मर्या था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपवारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

15—346GI/80

1. श्रो महायोर प्रमाद।

(अन्तरक)

2. श्रो शरदाविन पाटेल।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी श्रन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 के परिभाषित है, वही
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

12, 12/2, 13, गोविन्द चन्द्र धर लेन, कलकत्ता।

के० मिन्हा,
सक्षम प्राधिकारी
(सहायक आयकर आयुक्त निरोक्षण)
अर्जन रेज- 54, रफी अद्मद
किलबई रोड, कलकत्ता-16

दिनांक 9 अक्टूबर 1980

मोहर:

प्राप्ति आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 9 अक्टूबर, 1980

सं० 750/एक्स-आर-III/80-81—यतः, मुझे, के० सिन्हा, प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सम्म प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है।

और जिसकी सं० 12, 12/2, 13 है, तथा जो गोविन्द चन्द्र धर लेन, कलकत्ता में स्थित है, और इसमें उपावद्ध अनु-सूची में और, पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 25 फरवरी, 1980 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (प्रतरकों) और अन्तरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के भिन्न तर्थ आया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में राशनक्रिय से किए नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वापत, उक्त प्रधिनियम के अधीन कर देने के प्रतरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में मुश्यमा के लिए ओर/या;

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य मास्तियों को, जिहें भारतीय प्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुश्यमा के लिए;

अतः, अब, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-घ की उपर्याहा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री महाबीर प्रगाढ़ ।

(अन्तरक)

2. श्री प्रविनभाई पाटेल ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए यार्यावाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राहकः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के प्रति लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त प्रधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

12, 12/2, 13, गोविन्द चन्द्र धर लेन, कलकत्ता।

के० सिन्हा

मशम प्राधिकारी

(महायक आयकर आयुक्त निरोक्षण)

अर्जन रेज-III 54, रफी अहमद

किल्वर्ड रोड, कलकत्ता-16

दिनांक 9 अक्टूबर 1980

मोहरः

प्रेरुप आई० टी० एन० एस० ——

1. श्री महावीर प्रसाद।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ष (1) के अधीन सूचना

2. श्री हरमान भाई पाटेल।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 9 अक्टूबर, 1980

सं० 751/एक्यू-आर-III/80-81—यतः, मुझे, के० सिन्हा,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ष के
अधीन सज्ञ प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर संपत्ति जिपका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से
अधिक है

और जिसकी सं० 12, 12/2, 13, है, तथा जो गोविन्द
चन्द्र धर लेन, कलकत्ता में स्थित है। (और इससे उपाबूद्ध अनु-
सूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, दिनांक 25 फरवरी, 1980
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमो
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन
के लिए कार्यवाहियों करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में फोई आवेदन :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भोतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में
से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भोतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास निखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ
होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अनुसूची

12, 2/2, 13, गोविन्द चन्द्र धर लेन, कलकत्ता।

के० सिन्हा,
मध्यम प्राधिकारी
(सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण)
अर्जन रेज-III 54, रफी अहमद
किदावर्द रोड़, कलकत्ता-16

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1) के
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

दिनांक 9 अक्टूबर, 1980
मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 9 अक्टूबर 1980

मं० 752/एक्यू-आर-III/80-81:—यतः मुझे, के०

सिन्हा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/-रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 12, 12/2, 13 है, तथा जो गोविन्द
चन्द्र धर लेन, कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनु-
सूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिकारी
के कार्यालय, कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, दिनांक 25 फरवरी, 1980
का पूर्वांक सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वांक सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कीथुत नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए;

1. श्री महाबीर प्रसाद।

(अन्तरक)

2. श्री भुपेन्द्र पाटेल।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीया करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तासम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांक
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'लक्ष्य
अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

12, 12/2, 13, गोविन्द चन्द्र धर लेन, कलकत्ता।

के० सिन्हा,

सक्षम प्राधिकारी

(सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण)

अर्जन रेज- 54 रफी अहमद

किदवाई रोड, कलकत्ता-16

अस: अध., उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

दिनांक 9 अक्टूबर 1980

मोहर:

प्रस्तुप माई० टी० एन०एस०—
आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-प (1) के अधीन सूचना
भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 9 अक्टूबर, 1980

सं० 753/एक्यू-आर-III//80-81:—यतः मुझे के० सिन्हा,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके
पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-प के
अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यदि विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु
से अधिक है।

और जिसकी सं० 12, 12/2, 13, है तथा जो गोबिन्द
चन्द्र घर लेन, कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपाबद्ध
अनुसूची में श्रीर, पूर्णस्पृष्ठ से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
के कार्यालय कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, दिनांक 25 फरवरी, 1980
को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान
प्रतिफल के लिए प्रस्तुरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत रो अधिक है और अन्तरक (अन्वरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे भन्नरण के लिए तय पाया गया प्रति-
कर निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के
लिए ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए ;

अतः प्रब, उक्त प्रधिनियम, की धारा 269-प के अनुसरण
में, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-प की उप-धारा (1)
के अधीन निम्नलिखित अवक्तियों, अर्थात् :—

11—336GF/80

1. श्री महाबीर प्रसाद।

(अन्तरक)

2. श्री अम्बा लाल

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियाँ करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी व्याप्तिः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धीय अवक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अवक्तियों में
से किसी अवक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख
से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य अवक्ति द्वारा अधोहस्ताकारी के
पास लिखित में किए जा पकोंगे।

स्वाक्षरीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त
प्रधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

12, 12/2, 13, गोबिन्द चन्द्र घर लेन, कलकत्ता।

के० सिन्हा,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-III, 54 एफी अहमद
किदवाई रोड, कलकत्ता-16

दिनांक 19 अक्टूबर 1980
मोहरः

प्रसूप आई० टी० एन० एस०-----
आधिकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रावकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-III, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 9 अक्टूबर, 1980

सं० 754/ए०सी०क्य० आर०-III/80-81-यतः मुझे के०
सिन्हा,
आधिकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थानीय सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी सं० 12, 12/2, और 13 है तथा जो गोविन्द चन्द्र धर लेन, कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपाबद्ध
अनुसूची में और, पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, दिनांक 25 फरवरी, 1980
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए उक्त अधिकारी की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल का नन्दह प्रतिशत अधिक है और
अन्तरक (अन्तररकों) और अभ्यासिती (अभ्यासितियों) के बीच
ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त प्रक्षरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य जास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रावकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अभ्यासिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या छिपाने में सुविधा के लिए;

प्रतः, ग्रब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित अधिकारी, प्रर्थात्:—

1. श्री महाबीर प्रसाद

(अन्तरक)

2. श्री गोरखन भाई पाटेल।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अधैन के लिए
कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अधैन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रवधि या तत्संबंधी अविक्षियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की प्रवधि, जो भी प्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अधिकारी में से किसी अविक्षिय द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थानीय सम्पत्ति में वित्तबद्ध किसी अन्य अविक्षिय द्वारा, अधोइन्स्ट्राक्टरी के पास लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

12, 22/2, गोविन्द चन्द्र धर लेन, कलकत्ता।

के० सिन्हा,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक श्रावकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज III, कलकत्ता

दिनांक : 9 अक्टूबर, 1980

मोहर :

प्रस्तुति आई० टी० एन० एस०----

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेजIII, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 9 अक्टूबर 1980

सं० 755/ए० सी०श०० आर-III 80-81—यतः मुझे के० सिन्हा,

प्रायकर अधिनियम, 1961] (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० 12, 12/2, और 13 है, तथा जो गोविन्द चन्द्र धर लेन, कलकत्ता में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में और, पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 25 फरवरी, 1980 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है श्रीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है श्रीर अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अनुरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसो किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय प्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में मुविधा के लिए;

यतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपयारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री महाबीर प्रसाद।

(अन्तरक)

2. श्री आशाभाई पाटेल।

शान्तार्थिन

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की नामीन से 30 दिन की अवधि और भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य स्वकित द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण ——इसमें प्रयुक्त शब्दों शैरैर पदों का, जो उक्त अधिनियम के प्रधायाय 20-के में परिभाषित है वही अर्थ होगा, जो उस प्रधायाय में दिया गया है।

अनुसूची

12, 12/2 और 13, गोविन्द चन्द्र धर लेन, कलकत्ता ।

के० सिन्हा,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेजIII, कलकत्ता

दिनांक : 9 अक्टूबर, 1980

मोहर :

प्रलेप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 9 अक्टूबर, 1980

सं० 756/ए०सी०क्य०आर०-II/80-81—यतः मुझे, के० सिन्हा, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिपका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी म० 12, 12/2, और 13 है, तथा जो गोबिन्द चन्द्र धर लेन कलकत्ता में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कलकत्ता, में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 25 फरवरी, 1980 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के सिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हूई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने वे अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम था धनकर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रथमतः:—

1. श्री महाबीर प्रसाद।

(अन्तरक)

2. श्री अशा भाई पाटेल।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यादियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेषः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना को तामोर से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोदस्ताक्षरी के पात्र लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इनमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही प्रय॑ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

12, 12/2, और 13, गोबिन्द चन्द्र धर लेन, कलकत्ता।

के० सिन्हा,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-III, कलकत्ता

दिनांक : 9 अक्टूबर, 1980

मोहर :

प्रकृष्ट प्राईंटी० टी० एस०—

1. श्री महावीर प्रसाद।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ(1) के अधीन सूचना

2. श्री सविताबेन पाटेल।

(अन्तरसी)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-III, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 9 अक्टूबर, 1980

सं० 757/ए० सी०क्य०आर०-III/80-81—यतः मुझे के० सिन्हा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें उपरोक्त 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है।

और जिसकी सं० 12, 12/2 और 13 हैं तथा जो गोविन्द चन्द्र धर लेन, कलकत्ता में स्थित हैं। (और इससे उपावद्ध अनु-सूची में और पूर्णरूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 25 फरवरी, 1980 को पूर्णोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरसी (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रत्यरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हूँह किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वार्तित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

अनुसूची

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

12, 12/2 और 13, गोविन्द चन्द्र धर लेन, कलकत्ता

के० सिन्हा,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-III, कलकत्ता

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों वर्धातः—

16—346GI/80

दिनांक : 9 अक्टूबर 1980
मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०———

1. श्री महाबीर प्रसाद।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

2. श्री चन्द्रिकावेन पाटेल

(अन्तरिती)

269-ख (1) के अधीन सूचना

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

कलकत्ता, दिनांक 9 अक्टूबर, 1980

सं० 758 ऐ०सी०अ०आर०-III/८०-८१—यतः मुझे के० सिन्हा, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सभी प्राधिकारी को, यह विवास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिनका उचित बाजार मूल्य 25,000/- इए से अधिक है।

और जिसकी सं० 12, 12/2 और 13 है, तथा जो गोविन्द चन्द्र धर लेन, कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपाख्य अनु-सूची में श्री पूर्णस्तुप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 25 फरवरी, 1980 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विवास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पश्चह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रतिफल के लिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश से उक्त प्रतिफल लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की उक्त प्रतिफल के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

अनुसूची

(ख) ऐसी किसी आय या किसी छन या अन्य प्राप्तियों को जिस्ते भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या छन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

12, 12/2 और 13 गोविन्द चन्द्र धर लेन, कलकत्ता।

के० सिन्हा,
सभी प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-III, कलकत्ता

अतः अब, उक्त अधिनियम कीधारा 269-ग के अनुसरमें, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ख की उपकारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

दिनांक : 9 अक्टूबर 1980
मोहर :

प्रस्तुति आई. टी. एल. एस.—

1. श्री महावीर प्रसाद।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ग (1) के अधीन सूचना

2. श्री भानु भाई पाटेल।

(अन्तरक ती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेंज कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 9 अक्टूबर 1980

Ref. No. 759/Acq. R-III/80-81—यतः, मुझे, के० सिन्हा,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
दृष्टके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
ग के अधीन संधर्म प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 12, 12/2, और 13 है तथा जो गोविन्द
चन्द्र धर लेन, कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन, दिनांक 25 फरवरी, 1980

को पूर्वांकित संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वांकित संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अनुरण लिखित में वास्तविक
रूप से कठित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
अभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ल) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तीनों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

मूल्य

12, 12/2 और 13, गोविन्द चन्द्र धर लेन, कलकत्ता

के० सिन्हा,
संधर्म प्राधिकारी
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-III, कलकत्ता-16।

दिनांक : 9 अक्टूबर 1980

मोहर :

यतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुरण
में, भौ, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग को संपादित (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधार्ता:—

प्रस्तुति आई. टी. एन. एस. —————

1. श्री महाबीर प्रसाद।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-III, 54, रफी अहमद फिदवई रोड, कलकत्ता-16

कलकत्ता-16, दिनांक 9 अक्टूबर, 1980

निर्देश सं. 760/ए०सी०क्य०/आर-III/80-81—यतः मुझे
के० सिन्हा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
से अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है।

ओर जिसकी सं. 12, 12/2 और 13 है तथा जो गोविन्द
चन्द्र धर लेन, कलकत्ता में स्थित है (ओर इससे उपावद्ध अनु-
सूची में ओर, पूर्णता से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
के कार्यालय, कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, दिनांक 25 फरवरी, 1980
को पूर्वान्तर संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वांकित सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरीती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए क्षम पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वान्तर सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियों करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के अवधि या तांत्रिक व्यक्तियों पर सूचना
को तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वान्तर
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यापार;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-के में परिभासित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

अनुसूची

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रथोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

12, 12/2, और 13, गोविन्द चन्द्र धर लेन कलकत्ता।

के० सिन्हा,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-III, 54, रफी अहमद फिदवई रोड,
कलकत्ता-16

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, भौ, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपभारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

दिनांक : 9 अक्टूबर 1980

मोहरः

प्रूप आई० टी० एन० एस० —————

1. श्री महावीर प्रसाद ।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

2. श्री मगनभाई पाटेल ।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-III, 54, रफी अहमद किंवद्वारा रोड, कलकत्ता-16

कलकत्ता, दिनांक 9 अक्टूबर 1980

निर्देश सं० 761/एक्यू-आर-III/80-81—यतः मुझे के० सिन्हा, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन संक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 12, 12/2 और 13 है तथा जो गोविन्द चन्द्र धर लेन, कलकत्ता में स्थित है। इसमें उपावढ़ अनुमूली में और पूर्णलूप से वर्णित है। रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 25 फरवरी, 1980.

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल के, पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाष्ठत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहीयों करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध दिस्री अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

सूचना

12, 12/2 और 13, गोविन्द चन्द्र धर लेन, कलकत्ता

के० सिन्हा,

संक्षम प्राधिकारी

(सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण)
अर्जन रेंज-III, 54, रफीअहमद किंवद्वारा रोड, कलकत्ता-16

दिनांक 9 अक्टूबर 1980

मोहर :

प्रूप वाई० टी० एन० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43), की
धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना
भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-III, 54, रफी अहमद किदवाई रोड, कलकत्ता-16

कलकत्ता-16, दिनांक 9 अक्टूबर, 1980

निर्देश सं० 762/ए० सी० क्य०/आर-III/80-81 : यहः,
मुझे के० सित्त्वा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ष के अधीन सकाम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/ रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 12, 12/2 और 13 है, तथा जो गोविन्द
चन्द्र घर लेन, कलकत्ता स्थित है (और इससे उपाबृद्ध अनु
सूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
के कार्यालय कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16), के अधीन दिनांक 25 फरवरी, 1980,
को पूर्वान्तर सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इयमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वान्तर सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके इयमान प्रतिफल से ऐसे इयमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से की भूत नहीं किया गया है:

1. श्री महाबीर प्रसाद।

(अन्तरक)

2. श्री विपिनभाई पाटेल।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वान्तर सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहीयां कहता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेषः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वान्तर
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

प्रष्टीकरणः——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में गोविन्द
है, वही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आव या बावत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूचिधा
का लिए; और/या

अनुसूची

(ख) ऐसी किसी आव या किसी धन या अन्य आस्तियों
का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सूचिधा के लिए;

12, 12/2 और 13, गोविन्द चन्द्र घर लेन, कलकत्ता

के० सित्त्वा,

सकाम प्राधिकारी

सहायक आय कर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-III,

54, रफी अहमद किदवाई रोड, कलकत्ता-16

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

दिनांक : 9 अक्टूबर 1980

मोहरः

प्र० प्र० आई० टी० एन० एस० —

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-व (1) के अधीन सूचना
भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-III, 54, रफीअहमद किदवाई रोड, कलकत्ता-16

कलकत्ता-16 दिनांक 9 अक्टूबर 1980

निर्देश सं० 763/एस्य०-आर-III/80-81—
यतः, मूझे, के० सिन्हा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 12, 12/2 और 13 हैं तथा जो गोविन्द
चन्द्र घर लेन, कलकत्ता में स्थित हैं और इससे उपावड़-
अनुसूची में और, पूर्णरूप से विभिन्न है, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम
(1908 का 16) के अधीन, दिनांक 25 फरवरी, 1980,
को पूर्वान्तर सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वान्तर सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्थह
प्रतिवात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हूँड़ किसी आय की आवत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

अनुसूची

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए;

12, 12/2, और 13 गोविन्द चन्द्र घर लेन, कलकत्ता।

के० सिन्हा,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-III,
54, रफीअहमद किदवाई रोड, कलकत्ता-16

दिनांक : 9 अक्टूबर 1980

मोहर :

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के, अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

प्रस्तुप आई. टी. एन. एस.-----

1. श्री महावीर प्रसाद।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

2. श्री राजेन्द्र पाटेल।

(अन्तरिती)

भारत सरकार
सार्वजनिक, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 9 अक्टूबर 1980

सं० ए. सी०/रेज-IV/कल/19--यतः मुझे, के० सिन्हा,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
घ के अधीन सक्षम प्राप्तिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/
रु. से अधिक है।

और जिसकी सं० 12, 12/2, 13 है तथा जो गोबिन्द
चन्द्र घर लेन, कलकत्ता में स्थित है। और (इससे उपाबद्ध अनु-
सूची में और, पूर्णांशु से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
के कार्यालय कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, दिनांक 25 फरवरी, 1980
को पूर्वांकित संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम खे दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और भूके ग्रह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वांकित संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्दर्श्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:-

को यह सूचना जारी करके पूर्वांकित सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांकित
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:-—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वहो अर्थ होगा जो उस अध्याय में विद्या
गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक के
दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

मनूस्तची

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

12, 12/2, और 13, गोबिन्द चन्द्र घर लेन, कलकत्ता ।

के० सिन्हा,

सक्षम प्राप्तिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-III, कलकत्ता ।

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अन्तरण
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ को उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :-

दिनांक 9 अक्टूबर 1980

मोहर :

प्रसूप आई.टी.एन.एस.—

1. श्री महाबीर प्रसाद।

(प्रन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ष (1) के पश्चीन सूचना

2. श्री मुकेश पाटिल।

(प्रन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज- I, 54, रफी अहमद किदवर्डी रोड,

कलकत्ता-16

कलकत्ता, दिनांक 9 अक्टूबर, 1980

निर्वेश सं. 765/एक्यू.आर०-III/80-81—यतः, मुझे
के० सिन्हा,आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक हैओर जिसकी सं. 12, 12/2, और 13 है तथा जो गोविन्द चन्द्र
धर लेन कलकत्ता में स्थित है और (इससे उपाबद्ध अनुसूची में
और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन, दिनांक 25 फरवरी, 1980को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यहां पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के बन्दह
प्रतिशत से अधिक है और घन्तरक (घन्तरकों) और घन्तरिती
(घन्तरितियों) के बीच ऐसे घन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त घन्तरण लिखित में वास्त-
विक रूप से नियित नहीं किया गया है :—(क) अन्तरण में ही किसी आय को बाजार स्थित अधि-
नियम के पश्चीन कर देने के प्रत्यक्षके दायित्वमें कमी
करने या उब्से बचने में सुविधा के लिए; और/या(ख) ऐसो किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, पा-
क्षण-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनाच्यं घन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा
(1) के अधीन, निम्नलिखित अधितियों, अर्थात् :—

17-346GI/80

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के घर्जन के
लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्द्धे में कोई भी आक्षेप।—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि पा तसंबंधी अधितियों पर सूचना
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अधितियों
में से किसी अधिक द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य अधिक द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकें।स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के प्रधायाय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो उस प्रधायाय में दिया
गया है।

अनुसूची

12, 12/2 और 13 गोविन्द चन्द्र धर लेन, कलकत्ता।

के० सिन्हा,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-III, 54, रफी अहमद किदवर्डी रोड,

कलकत्ता-16

दिनांक 9 अक्टूबर, 1980

मोहर:

प्रहर, पाई० दी० एन० एस०—
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कायलिय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-III, 54, रफी अहमद किदवर्डी रोड,
कलकत्ता-16

कलकत्ता-16, दिनांक 9 अक्टूबर, 1980

निवेद सं० 766/एकवी-प्रार-III/80-81—यतः मुझे

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इनमें डस्टों पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० 12, 12/2 और 13, है तथा जो गोविन्द चन्द्र धर लेन, कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपायद्वारा अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कायलिय कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 25-2-1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल न, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह हजार प्रतिशत से अधिक है और अन्तररक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं हिया गया है:—

(क) अन्तरण ने द्वारा किसी आय की वाचत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में रुपी हरने या उसमें वचने में सुविधा के लिए; और/या

अनुसूची

(ख) ऐसी छिसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

के० सिन्हा
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-III, 54, रफी अहमद किदवर्डी रोड,
कलकत्ता-16

प्रतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्

(1) श्री महाबिर प्रमाद

(अन्तरक)

(2) कान्तिलाल पाटेल

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किए अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित से किये जा सकेंगे।

साइंटीफिक:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के प्रयोग 20-रुपए में परिभाषित हैं, वही शब्द होंगा, जो उन प्रधानात्र में दिया गया है।

12, 12/2, और 13, गोविन्द चन्द्र धर लेन, कलकत्ता

तारीख : 9-10-1980

मोहर :

प्रूलप आई० टी० एन० एस०—

(1) श्री मुहाम्मद प्रसाद

(अन्तरक)

(2) जासभाई पटेल

(अन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

को यह सूचना जारी करके पूर्वांकित सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता है।

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज III 5 4 रफीग्रहमद किदवाई रोड कलकत्ता-16

कलकत्ता-16, दिनांक 9 अक्टूबर, 1980

निर्देश सं० 767/एक्वी आर-III/80-81—यतः, मुझे
के० सिन्हा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है

और जिसकी मं० 12, 12/2 और 13, है तथा जोगोविन्द चन्द्र
धर लेन, कलकत्ता स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और
पूर्णरूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कलकत्ता
में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के
अधीन, तारीख 25-2-1980

को पूर्वांकित संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और भूमि यह विश्वास
करने का वास्तव है कि यथापूर्वांकित संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत में अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हूई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

अनुसूची

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

के० मिन्हा,

सक्षम प्राधिकारी

महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज III, 54, रफी अहमद किदवाई रोड, कलकत्ता-16

तारीख : 9-10-1980

मोहर :

तः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अनुसरण
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

प्रस्तुप आई० टी० एन०एस०—

(1) श्री महाबिर प्रसाद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

(अन्तरक)

भारत सरकार

(2) श्री मनुभाई पटेल

(अन्तरिती)

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 3, कलकत्ता-16

कलकत्ता, दिनांक 9 अक्टूबर 1980

निदेश सं० 768/एकबी आर-3/80-81—यतः मुझे,
के० सिन्हाआयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक हैऔर जिसकी सं० 12,12/2 और 13 है तथा जो गोबिन्द चन्द्र
धर लेन, कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपाख्य अनुसूची में
और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ट अधिकारी के कार्यालय
कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन, तारीख 25-2-1980को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उपके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिनियन निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—को यह सूचना जारी करने पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये
कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध
किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।संषोधीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम, के प्रध्याय 20क में परिभाषित हैं, वही
ग्रन्थ होगा जो उस प्रध्याय में किया गया है।(क) अन्तरण में दुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देते के अन्तरक के वायित्र में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

अनुसूची

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या ग्रन्थ आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरितो द्वारा प्राप्त नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए;

12, 12/2 और 13, गोबिन्द चन्द्र धर लेन, कलकत्ता।

के० सिन्हा
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-3, कलकत्ता-16यतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधार (1)
के प्रधीन, व्यक्तियों, निम्नलिखित ग्रन्थितः—

तारीख : 9-10-1980

मोहर :

प्रस्तुति आई. टी. एन. एस.-----

(1) श्री महाबीर प्रसाद

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ष (1) के अधीन सूचना

(2) श्री अशोक कुमार पाटिल

(अन्तरिक्षी)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 3, कलकत्ता-16

कलकत्ता-16, शिर्नांक 9 अक्टूबर 1980

निदेण सं० 769/एकवी आर-3/80-81—यतः मुझे,
के० सिन्हा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-
ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. सं अधिक है।

और जिसकी सं० 12, 12/2, 13 है, तथा जो गोविन्द चन्द्र
धर लेन, कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में
और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन, तारीख 25-2-1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत अधिक है और अन्तर (अन्तरकों) और अन्तरिक्षी
(अन्तरिक्षियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
क्रिया निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से दुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरके दायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(घ) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिक्षी द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीयों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिलित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया
है।

अनुसूची

12, 12/2, 13 गोविन्द चन्द्र धर लेन कलकत्ता।

के सिन्हा
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज 3, कलकत्ता-16

यतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीतः—

तारीख: 9-10-1980

मोहर:

प्रसूप आई० टी० एन० एस०—

(1) श्री महावीर प्रसाद

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

(2) श्री शारदा विन पाटिल

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज 3, कलकत्ता-16

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यालयां करता है।

कलकत्ता-16, दिनांक 9 अक्टूबर, 1980

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षणः—

निदेश सं० 770/एकवी आर-3/80-81—यतः मुझे,
के० सिन्हा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक है।

और जिसकी सं० 12, 12/2, 13, है तथा जो गोविन्द चन्द्र
धर नेत, कलकत्ता में स्थित है (और इसमें उपावढ अनुसूची में
और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन 25-2-1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उदेश्य से उचित अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
का लिए; और/या

अनुसूची

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिहें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए;

12, 12/2, 13, गोविन्द चन्द्र धर नेत, कलकत्ता ।

के० सिन्हा

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज 3, कलकत्ता-16

तारीख : 9-10-1980

मोहर :

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

प्रस्तुप श्राई० टी० एन० एस०—

(1) मुहाविर प्रसाद

(अन्तरक)

ग्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

(2) श्री कंचनलाल झा

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज 3, कलकत्ता-16

कलकत्ता-16, दिनांक 9 अक्टूबर 1980

निदेश सं० 771/एकवी आर-3/80-81—यतः मुझे,
के० सिन्हा

ग्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रायिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन पश्च प्राधिकारी को, पहुँच विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित वाजार मूल्य 25,000/- रु० ने अधिक है।

और जिसकी सं० 12, 12/2 और 13 है तथा जो गोविन्द चन्द्र धर लेन कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपावस्थ अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 25-2-1980

को पूर्वोक्त रंगति के उचित वाजार मूल्य ने कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित वाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल तिम्ननिखिल उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में रूपित नहीं किया गया है:—

(क) यन्तरण से ही किसी ग्राय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक (अन्तरकों) के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी हिसो ग्राय या छिसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) का उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अनुसूची

12, 12/2 और 13, गोविन्द चन्द्र धर लेन, कलकत्ता ।

के० सिन्हा
सक्षम प्राधिकारी
सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज 3, कलकत्ता-16

यतः श्रव, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रथित:—

तारीख : 9-10-1980
मोहर :

प्रखण्ड प्राई० टी० एन० एस०-----

(1) श्री महाबीर प्रसाद

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

(2) श्री सुरेश कुमार ज्ञा

269-ष(1) के प्रधीन सूचना

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 3, कलकत्ता-16

कलकत्ता-16, दिनांक 9 अक्टूबर 1980

निदेश सं० 772/एकवी आर-3/80-81—यतः मुझे, के० सिन्हा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ष के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विवास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है।

और जिसकी सं० 12, 12/2, और 13 हैं तथा जो गोविन्द चन्द्र धर लेन, कलकत्ता में स्थित हैं (और इससे उपावद्ध अनुसूची में शौर पूर्णरूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 25-2-1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विवास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए, तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की आवत उक्त अधिनियम के प्रधीन कर देने के प्रत्यक्ष के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय कर नियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, का धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1) अधीन, निम्नलिखित अधिकारी, अवृत् ।—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रबंधन के लिए कार्यालयों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के प्रबंधन के सम्बन्ध में कोई भी आशेषः—

(क) इस सूचना के सम्बन्ध में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी अविक्षियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाट में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अविक्षियों में से किसी अविक्षिय द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र म प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर स्थावर सम्पत्ति में शिवाय किसी अन्य अविक्षिय द्वारा, प्रधोदसाक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्रायित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुमूल्य

12, 12/2 और 13 गोविन्द चन्द्र धर लेन, कलकत्ता ।

के० सिन्हा
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज 3, कलकत्ता-16

तारीख : 9-10-1980
मोहरः

प्ररूप आई. टी. एन. एस.—

(1) श्री महाबीर प्रसाद।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ए (1) के अधीन सूचना

(2) श्री किशोर कुमार जा।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, कलकत्ता

कलकत्ता, विनांक 9 अक्टूबर 1980

निदेश सं० 773/एक्डी० आर-3/80-81—यतः, मुझे,
के० सिन्हा,आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
ए के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक हैऔर जिसकी सं० 12, 12/2, 13 है तथा जो गोविन्द चन्द्र
धर लेन, कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में
और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय
कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन, 25-2-1980को पूर्वान्तर संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दस्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वान्तर संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दस्यमान प्रतिफल से, ऐसे दस्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पादा गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—(क) अन्तरण से हुए किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर दिने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या(ल) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना आविष्ट था, छिपाने में सुविधा
के लिए;को यह सूचना जारी करके पूर्वान्तर सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वान्तर
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिचालित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

12, 12/2, 13, गोविन्द चन्द्र धर लेन, कलकत्ता।

के० सिन्हा

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, कलकत्ता-16।

तारीख : 9-10-1980

मोहर :

प्राप्त : आई० टी० एन० एस०—

(1) श्री महाबीर प्रसाद ।

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा

(अन्तरक)

269-घ (1) के अधीन सूचना

(2) विपिन कुमार शा ।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

सार्वजनिक यात्रकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-3, कलकत्ता

कलकत्ता-16, दिनांक 9 अक्टूबर 1980

निदेश सं० 774/एस्वी० आर-3/80-81—यतः, मुझे,
के० सिन्हा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थानीय उत्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये
से अधिक है

और जिसकी सं० 12, 12/2, 13, है तथा जो गोविन्द चन्द्र
धर लेन, कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में
और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिकारी के कार्यालय
कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन, 25-2-1980 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल
के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है
कि यथापूर्योक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पश्चह प्रतिशत से अधिक है
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित
उद्धय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं
किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;

अनुसूची

(ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनाथं
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिये था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

के० सिन्हा,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-3, कलकत्ता-16।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

तारीख : 9-10-1980
मोहर :

प्रस्तुत आई. टी. एन. एस. —————

(1) श्री भवादिर प्रसाद

(अन्तरक)

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ए (1) के अधीन सूचना

(2) श्री अशोक कुमार शा

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 3, कलकत्ता

कलकत्ता-16, दिनांक 9 अक्टूबर 1980

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता है।

निदेश सं० 775/एकबी आर-3/80-81—यतः मुझे,
के० सिन्हा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० 12, 12/2, 13 है तथा जो गोविन्द चन्द्र लेन,
कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में,
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख 25-2-1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया या या किया जाना चाहिए या, छिपाने
में सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपभारा (1)
को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अनुथातः :—

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर-सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकरी के पास
लिखित में किये जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में
दिया गया है ।

अनुसूची

12, 12/2, 13, गोविन्द चन्द्र धर लेन, कलकत्ता ।

के० सिन्हा
सक्षम प्राधिकारी
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज 3, कलकत्ता-16

तारीख: 9-10-1980

मोहर :

प्रसूप माई० टी० एन० एस०——

(1) श्री महाविर प्रसाद

ग्रामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ष(1) के अधीन सूचना

(अन्तरक)

(2) श्री राजेश कुमार शा

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय सहायक ग्रामकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 3, कलकत्ता-16

कलकत्ता-16, दिनांक 9 अक्टूबर 1980

निदेश सं० 776/एकवी आर-3/80-81—यतः मुझे,
के० सिन्हाग्रामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख
के अधीन सभी प्राधिकारी को यह विष्वास घरने का कारण है कि
स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये
से अधिक है।और जिसकी सं० 12, 12/2, 13 है तथा जो गोबिन्द चन्द्र
धर लेन, कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपाख्य अनुसूची में
और पूरीरूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कायीलय
कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन, तारीख 25-2-1980 कोपूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल
के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विष्वास घरने का कारण है
कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का फन्दह प्रतिशत से अधिक है
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के
बीच तेर अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है :—(क) अन्तरण से हुँदे किसी ग्राम की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे चरने में मुश्विषा के लिए;
और/या(ख) ऐसी किसी ग्राम या किसी धन या अन्य आस्तियों को,
जिन्हें भारतीय ग्रामकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या घनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या छिपाने में मुश्विषा के लिए;यतः यद्य, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपवारा (1) के अधीन,
निम्नलिखित अधिकारी, अर्थात् :—को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी अवधियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अधिकारी में
से किसी अधिकता द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितखड़ किसी
अन्य अधिकता द्वारा अधीकृताधारी के पास लिखित में
किये जा सकें।स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

12, 12/2, 13, गोबिन्द चन्द्र धर लेन, कलकत्ता।

के० सिन्हा
सभी प्राधिकारी
सहायक ग्रामकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज 3, कलकत्ता-16

तारीख : 9-10-1980

मोहर :

प्रलूप भाई० टी० एन० एस०——

(1) श्री महाबीर प्रसाद

(अन्तरक)

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-प (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-, कलकत्ता

कलकत्ता-16, दिनांक 9 अक्टूबर 1980

निदेश सं० 777/एकवी० प्रार-III/80-81/कलकत्ता—यतः
मुझे के० सिन्हाआयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-प के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी सं० 12, 12/2, 13, है तथा जो गोविन्द चन्द्र
धर लेन कलकत्ता स्थित है (और इससे उपाख्य अनुमूल्य में
और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन, तारीख 25-2-1980को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे
दृष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच
ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कठित
नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से दुई हिन्दी प्राप्त की जाना उक्त प्रविन्यम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अस्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-प की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित अस्तियों, अर्थातः:—

(2) श्री कासिबिन पाटिल

(अन्तरक)

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहिया शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी अविक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अविक्तियों में से किसी अविक्त द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य अविक्त द्वारा, अत्रोदस्ताक्षरी के पास लिखित में किया जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है वही
प्रयृ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुमूल्य

12, 12/2, 13 गोविन्द चन्द्र धर लेन, कलकत्ता।

के० सिन्हा
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-III, कलकत्ता-16

तारीख: 9-10-1980

मोहर:

प्रस्तुप प्राई० टी० एन० एस०—

(1) महाबीर प्रसाद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ष (1) के अधीन सूचना

(अन्तरक)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज 3, कलकत्ता - 16

(2) चन्द्रलिङ्ग पाटिल

(अन्तरिती)

कलकत्ता-16, दिनांक 9 अक्टूबर, 1980

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंकत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

निवेश सं० 778/एकड़ी आर-3/80-81—यरा: मुझे
के० सिन्हा

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसने
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की प्राग
269-ष के प्रशीन सबम प्राधिकारी को, यह विश्वास करते
का जारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है
धर लेन, स्थित है (और इससे उपादान अनुसूची में और पूर्णरूप
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में,
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
25-2-1980

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधिया तर्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंकत व्यक्तियों में में
किमी व्यक्ति द्वारा;

को पूर्वोंकत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंकत सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल के अवधू प्रतिशत में अधिक है और
प्रन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच
ऐसे अन्तरग के तिए तर पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित
उद्देश से उक्त अन्तरग निम्नित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है:—

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किए
प्रन्त व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताधारी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभासित हैं, वही
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के
लिए; और/या

अनुसूची

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
घनमत्र अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया या या किया जाना चाहिए या छिपाने में
सुविधा के लिए;

12, 12/2, 13 गोविन्द चन्द्र धर लेन, कलकत्ता

के० सिन्हा
सम्म प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज 3, कलकत्ता-16।

प्रतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रर्ति :-

तारीख : 9-10-1980

मोहर :

प्रस्तुति आई० टी० एन० एस०—

(1) महाबीर प्रसाद।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

(2) अनसुयाबिन पाटेल।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-III, कलकत्ता-16

कलकत्ता-16, दिनांक 9 अक्टूबर 1980

निर्देश सं० 779/एकवी० रेंज-III/80-81—यतः मुझे,
के० सिन्हा,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ष
के अधीन सक्रम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० 12, 12/2, 13 है तथा जो गोविन्द चन्द्र-
धर लेन, कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपाख्य अनुसूची में
और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन, तारीख 25-2-1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूष्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दूष्यमान प्रतिफल से ऐसे दूष्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या ग्रन्थ आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
घनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए।

यतः ग्रन्थ, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपाधारा (1) के
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रन्थात :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्याद्वाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तस्मान्यी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताभरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही
श्रेणी होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

12, 12/2, 13, गोविन्द चन्द्रधर लेन, कलकत्ता।

के० सिन्हा
सक्रम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-III, कलकत्ता-16

तारीख : 9-10-1980

मोहर :

प्रसूत आई. टी. एन. एस. —————
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को
धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

(1) श्री महाबीर प्रसाद।

(अन्तर्क)

(2) श्री ग्रवुल भाई पाटेल।

(अन्तर्लिंगी)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-III, कलकत्ता-16

कलकत्ता-16, दिनांक 9 अक्टूबर 1980

निर्देश सं० 780/एकवी० रेज-III/80-81/कलकत्ता—यतः
मुझे, के० सिन्हा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. में अधिक है

और जिसकी सं० 12, 12/2 और 13 हैं तथा जो गोविन्द चन्द्र-
धर लेन, में कलकत्ता स्थित हैं (और इससे उपावद्ध अनुसूची में
और पूर्ण रूप से वर्णित है, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन तारीख 25-2-1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ग्रेसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
निकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुए किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
बायक्ष में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
का लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अन्तरण
में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपभारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा, अपोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :——इसमें प्रत्युक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

12, 12/2, 13 गोविन्द चन्द्रधर लेन, कलकत्ता ।

के० सिन्हा
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-III, कलकत्ता-16

तारीख : 9-10-1980
मोहर :

प्रश्न प्राई० टी० एन० एस०-----

1. (1) श्री हानुका खातून और अपर (2) म०

द्विम खान (3) मालिका बेगम

(ग्रन्तरक)

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

2. श्री मलती सेलेन्ड्र कोयारि ।

(ग्रन्तरित)

269-ष (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज 1, कलकत्ता-16

कलकत्ता-16, दिनांक 7 अक्टूबर 1980

निदेश सं० 551/टी० आर०-219/80-81—यतः मुझे, के० सिन्हा

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ष के प्रधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से प्रधिक है

और जिसकी सं० 58 है तथा जो रीपन स्ट्रीट, कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपावढ़ अनुसूची में और पूर्ण स्पष्ट से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, तारीख 25-2-80

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत, उक्त अधिनियम, के प्रधीन कर देने के अन्तरक के अधिस्थ में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

अनुसूची

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या ग्रन्त आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रमोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

58 रीपन स्ट्रीट कलकत्ता में अवस्थित 9 कट्ठा 8 छटाक जमीन पर अविभक्त मकान का 1/3 हिस्सा जो ईड नं० 1052 अनुसार 25-2-80 तारीख में रजिस्ट्रार आफ एस्पोरेंस के दफ्तर में रजिस्टर हुआ ।

के० सिन्हा

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-I, कलकत्ता-16

तारीख : 7-10-80

मोहर :

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपशारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

प्रसूप आइ. टी. एन. एस.—

- (1) हानुका खातुन और अदर (2) म० इंद्रिस खान
(3) मालेका बेगम

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-थ (1) के अधीन सूचना

- (2) श्री विविक सलेन्द्र कोशारि

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकृत (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, कलकत्ता-16

कलकत्ता-16, दिनांक 7 अक्टूबर 1980

निवेश सं० 552/टी० आर० 220/80-81—यतः, मुझे,
के० सिन्हा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिससे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 58 है तथा जो रिप्ट स्ट्रीट, कलकत्ता में स्थित है
(और इससे उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
25-2-1980

कां पूर्वांकित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वांकित संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का
पञ्चव प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कीथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, आयकर
अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक के दायित्व
में कभी करने या उससे बचने में संविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में संविधा
के लिए;

असः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपथाग (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वांकित सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या हत्तम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांकित
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20 के में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

मनूसूची

58 रोपण स्ट्रीट, कलकत्ता में अवस्थित 9 कट्टा 8 छटाक
जमीन पर अविभक्त मकान का 1/3 हिस्सा जो डील नं० 105
दिनांक 25-2-80 तारीख में रजिस्ट्रार आफ एस्युरेन्स का
दफतर में रजिस्टर है।

के० सिन्हा,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयकृत (निरीक्षण)
अर्जन रेज-1, कलकत्ता-16

तारीख: 7-10-80

मोहर:

प्रलेप आई० टी० एन० एस०————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज 1, कलकत्ता-16

कलकत्ता-16, दिनांक 7 अक्टूबर, 1980

निदेश सं० 553/टी० आर०-221/80-81—यतः, मुझे,
के० सिन्हा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार
मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी मं० 58 है तथा जो रिपन स्ट्रीट, कलकत्ता में स्थित है
(और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण स्प से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख

25-2-80

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृष्ट्यान्त प्रतिफल के तिग अन्तरित की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्ट्यान्त प्रतिफल से, ऐसे
दृष्ट्यान्त प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और
अन्तरह (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच
ऐसे अन्तरण के तिग ता पांग गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उन्नेश से उक्ता अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से दूरी किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के
लिए ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या जिया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपलब्धारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1 (1) श्री हानुका खातुन और अपर
(2) म० इद्रिस खान
(3) मालेका बेगम

(अन्तरक)

(2) श्री राजीव सैनैन्द्र कोथारि

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कायेवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
ममाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और वार्ताओं जा, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में
दिया गया है ।

अमृसंची

58 रिपन स्ट्रीट, कलकत्ता में अवस्थित 9 कट्ठा 8 छटाक
जमीन पर एक तल्ला मकान का अविभक्त 1/3 हिस्सा जो डी०
नं० 1054 अनुसार रजिस्टर आफ एसुरेंस के दफ्तर में रजिस्ट्र
हुआ 25-2-80 तारीख में ।

के० सिन्हा
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-I, कलकत्ता-16

तारीखः 7-10-1980

मोहरः

प्रकृष्ट प्राई० टी० एन० एस० —

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-व(1) के अधीन सूचना

(1) श्रीमती गीता राणी घोष

(अन्तरक)

(2) श्रीमुशील कुमार बनार्जी

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-II, कलकत्ता-16

कलकत्ता-16, दिनांक 10 अक्टूबर 1980

निवेश सं० ए० सी०/रेज-4/कलकत्ता/1980—यतः, मैंने,
के० सिन्हा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० 18ए है तथा जो सेवन टैक्स लेन, कलकत्ता
में स्थित है (और इससे उपाखद अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में, रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
6-2-80

के० पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरक से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए,
ओर/या;

(छ) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयन्कर अधिनियम 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनन्कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए;

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बचन के
लिए कार्यालयांकित करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आधेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

संहोकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही
अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

18ए, सेवन टैक्स लेन, कलकत्ता में दोमंजिला कोठी,
पी० एस० काशीपुर, फरिया 1 के० 8 छटांक।

के० सिन्हा,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-II, कलकत्ता

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः :—

तारीख : 10-10-80

मोहर :

प्रारूप वाई० टी० एन० एस०—
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को
धारा 269-घ (1) के प्रधीन सूचना
भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I, कलकत्ता-16
कलकत्ता-16, दिनांक 10 अक्टूबर 1980

निकेश सं० एव्हिं० रेंज 554/टी० आर० 208/79-80-
यतः मुझे, के० सिन्धा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० 25 बी और 25 सी है तथा जो रफी अहमद
किंदवई रोड, कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची
में और पूर्ण स्पष्ट से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन तारीख 5-2-1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल का फँदह प्रतिशत से अधिक है और
अन्तर (अन्तररो) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच
ऐसे अन्तरण के लिए तारीख गया प्रतिक्रिया, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तर के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था तिनाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित अवित्तियों पर्याप्ति:—

(1) श्री होमि दोसाभाई जिया

(अन्तरक)

(2) मिसेस आटेकाबाई फिदाहुसेन एंड अवर्स

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहिया करता हूँ:—

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी अवित्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि आदि में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अवित्तियों में से किसी अवित्त द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अद्योहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

संदेश:—इनमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उन अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

25 बी और 25 सी रकी अहमद किंदवई रोड कलकत्ता
में अवस्थित 6 कट्ठा 1 छटांक 17 वर्ग फिट जमीन पर अविभक्त
मकान का 1/3 हिस्सा जो 5-2-80 तारीख में रजिस्ट्रार आफ
एस्योरेंस के दफ्तर में डीड नं० I-632 अनुसार रजिस्टर
हुआ।

के० सिन्धा
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I, कलकत्ता-16

तारीख : 10-10-80

मोहर :

प्रस्तुति आईटी०एन०एस०-----

(1) श्री हामि एलियास होमाई दोसाभाई जिया

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

(2) मिसेस आदेकावाई फिदाहुसैन

(अन्तरिटी)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रेंज 1, कलकत्ता

कलकत्ता-16, दिनांक 10 अक्टूबर 1980

निदेश सं० 555/टी० आर०-209/79-80—यतः, मुझे,
के० सिन्हा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० से अधिक है।

और जिसकी सं० 25वीं और 25 सी है तथा जो रफी अहमद
किदवाई रोड, स्थित है (और इससे उपावद अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय कलकत्ता
में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन, तारीख 5-2-80

को पूर्वांकित संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वांकित संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उल्लेख से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कठित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हर्दू किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
किसी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण
में, भौं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

को यह सूचना जारी करके पूर्वांकित सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यालय करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांकित
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिचालित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

25वीं और 25सी रफी अहमद किदवाई रोड, कलकत्ता
में अवस्थित, 6 कट्ठा 1 छटांक, 17 वर्ग फिट जमीन पर
प्रविभक्त मकान का 1/3 हिस्सा जो 5-2-80 तारीख को
रजिस्ट्रार आफ एस्योरेंस कलकत्ता के दफतर में रजिस्टर हुआ।

के० सिन्हा
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I, कलकत्ता-16

तारीख : 10-10-1980
मोहर :

प्रकृष्ट प्राइंट डॉ॰ एन॰ एव॰-----
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 1, कलकत्ता-16

कलकत्ता-16, दिनांक 10 अक्टूबर 1980

निदेश सं० 556/टी० आर०-210/सी-154/79-80--
यतः मुझे के० सिन्हा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, वह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी म० 25 बी० और 25 सी० है तथा जो रफी अहमद किदवई रोड कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण दस्ते से वर्णित है) और रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 5-2-80

को पूर्णोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे वह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का एवं उक्त प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(1) श्री बेदराम, दोसाभाई जिला

(अन्तरक)

(2) मिसेस आतेकाबाई फिदाहुसैन (एक आदमी)

(अन्तरिती)

को वह सूचना जारी करके पूर्णोक्त सम्पत्ति के घर्जन के लिए कायदाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्णोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, घबोइस्ताशरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:-—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बड़ी अर्थ होगा, जो उस प्रधाय में दिया गया है

(क) अन्तरण से हुई किसी ग्राम की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के नस्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

अनुसूची

(ख) ऐसी किसी ग्राम या किसी घन या अन्य अस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

25 बी० और 25 सी० रफी अहमद किदवई रोड कलकत्ता में अवस्थित 6 कट्ठा 1 छटांक 17 वर्ग फिट जमीन पर मकान का अविभक्त 1/3 हिस्सा जो डीड नं० 1-631 अनुसार 5-2-80 तारीख रजिस्ट्रार आफ एस्पोरेंस का दफ्तर में रजिस्टर हुआ।

के० सिन्हा
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज I, कलकत्ता

तारीख : 10-10-80

मोहर:

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नान्वित व्यक्तियों अर्थात् :—

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रेणीनं रेंज-III, कलकत्ता-16

कलकत्ता-16, दिनांक 10 अक्टूबर 1980

निदेश मं० 785/एकदी आर-3/80-81—यतः मुझे, के० सिन्हा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० 7 है तथा जो पार्क साइड रोड, कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 10-10-1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य के उक्त अन्तरण विवित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यवितयों पर्याप्ति:—

(1) श्री सरन लता गुप्ता

(अन्तरक)

(2) पार्क साइड कनस्ट्रक्शन को०

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अंतर्गत लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अंतर्गत के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भोतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोदृश्यकारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

मुमुक्षु

7, पार्क साइड रोड, कलकत्ता

के० सिन्हा

(सक्षम प्राधिकारी)

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

[श्रेणीनं रेंज-III, कलकत्ता-16]

तारीख: 10-10-1980

मोहर:

प्रलेप आई० टी० एन० एस०

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-III, कलकत्ता-16

कलकत्ता-16, दिनांक 10 अक्टूबर 1980

निदेश सं० 780/एकवी आर-3/80-81/कलकत्ता—यतः
मुझे के० सिन्हा,

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० 7 हैं तथा जो पार्क साइड रोड, कलकत्ता में स्थित
है (ग्रीष्म इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्णसूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण
प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 8-2-1980
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल के
पद्धति प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त
प्रधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर प्रधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या
धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, उसने में
सुविधा के लिए;

अस: अब, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण
में, मैं उक्त प्रधिनियम, की धारा 269-व की उपचारा (1)
के अधीन निम्नलिखित अविक्तियों अस्ति:—

20—346GI/80

(1) श्री अमल मुख्या

(अन्तरक)

(2) पार्क साइड कंस्ट्रक्शन को।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यान्वयिता करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी अविक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
अविक्तियों में से किसी अविक्त द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में
हितबद्ध किसी अन्य अविक्त द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित रूप में किए जा सकेंगे।

ल्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
प्रधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

7 पार्क साइड रोड, कलकत्ता।

के० सिन्हा
(सक्षम प्राधिकारी)
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-III, कलकत्ता-16

तारीख: 10-10-1980

मोहर:

प्रस्तुप आई. टी. एन. एस. ——————

.....(1) श्री सति गुप्ता

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ग (1) के अधीन सूचना

(2) पार्क साइड कंस्ट्रक्शन को।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 3, कलकत्ता

कलकत्ता-16, दिनांक 10 अक्टूबर 1980

निदेश सं० 783/एक्वी० आर-3/80-81/कलकत्ता—यतः,
मुझे, के० सिन्हा,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है।

और जिसकी सं० 7 है तथा जो पार्क साइड रोड, कलकत्ता में स्थित
है (और इसे उपाद्व अनुसूची में और पूर्ण हप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख
8-2-1980

को पूर्णांक गंपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वांक सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरित
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है:—

को यह सूचना जारी करके पूर्वांकित सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यालयीय करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में क्रेई भी आवेदन:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वांकित
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टोकरण:——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्रामित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में "दिया
गया है"।

(क) अन्तरण से हूँ इ किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए;

अनुसूची

7 पार्क साइड रोड, कलकत्ता।

के० सिन्हा

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 3, कलकत्ता-16

तारीख: 10-10-1980

मोहर:

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

प्रसूप आई. टी. एन. एस.-----

(1) श्री अशोक गुप्ता

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

(2) पार्क साइड कंस्ट्रक्शन को।

(अन्तरिली)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 3, कलकत्ता

कलकत्ता-16, दिनांक 10 अक्टूबर, 1980

निदेश सं. 782/एक्वी० आर-80-81/कल०---यतः
मुझे, के० सिन्हा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है

और जिसकी सं. 7 है तथा जो पार्क साइड रोड, कलकत्ता में
स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में, रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख

8-2-1980

का पूर्वांक संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वक संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एंसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरीतियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए संघ पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से किया नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर दने के अन्तरक के दायित्व में
कियी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरीती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा 1/1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

को यह सूचना आरी करके पूर्वांक सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की सामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांक
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिस्से
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में नीरापेत
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विद्या
गया है।

अनुसूची

7, पार्क साइड रोड, कलकत्ता।

के० सिन्हा
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज 3, कलकत्ता-16

दिनांक: 10-10-1980

मोहर:

प्रृष्ठ प्राईटी ३० दूर ० एस ० —————

(1) श्री अनंजलि मजुमदार

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा

(2) पारक साइड कंस्ट्रक्शन को०

(अन्तरिती)

269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज III, कलकत्ता-16

कलकत्ता-16, दिनांक 10 अक्टूबर 1980

निवेश सं० सी 781/एकवीआर-III/80-81/कलकत्ता—यस:

मुझे, के० सिन्हा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-
ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है।और जिसकी सं० 7 है तथा जो पारक साइड रोड, कलकत्ता में
स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में, रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख

8-2-1980

को पूर्वांकत संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और भूमि यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वांकता संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के शीघ्र एसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—(क) अन्तरण से हर्दि किसी आय की बावत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती इकारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

महासूची

7, पार्क साइड रोड, कलकत्ता ।

के० सिन्हा
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)
54 रफी अहमद किलवई रोड
अर्जन रेंज III, कलकत्ता-16अतः इब, उक्त अधिनियम, की भारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की उपधारा (1)
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अवैत—

तारीख : 10-10-1980

मोहर :

प्रस्तुप आइ. टी. एन. एस. —————

(1) श्री नन्दलाल मित्र

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा
269-ष (1) के अधीन सूचना

(2) 1. श्री नित्यानन्द दे

2. श्री अशोक कुमार साधुखान

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज III, कलकत्ता

कलकत्ता-16, दिनांक 15 अक्टूबर 1980

निदेश सं० 786/एकबी आर-3/कलकत्ता/80-81—यतः
मुझे के० सिन्हा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धन्दा 269-
ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 4 है तथा जो 3 मेघ नाथ साहा सरनी कलकत्ता में
स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और, पूर्णरूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में, रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख
9-2-80

के पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दस्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दस्यमान प्रतिफल से, ऐसे दस्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उच्चवेश से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कठित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हृदृष्ट किसी आय की आवत्ता उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में
कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरिती इवार प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, को धना 269-ग के अनुसरण
में, भै, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अधिति:—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोइ भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर उक्त
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताभारी के
पास लिखित में किए जा सकते।

स्थलीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

सूचना

4, मेघनाथ साहा सरनी, कलकत्ता ।

के० सिन्हा
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज 3, कलकत्ता-16

तारीख : 15-10-80

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 3, कलकत्ता-16

कलकत्ता-16, दिनांक 15 अक्टूबर 1980

निदेश सं० 787/एक्वी आर-3/80-81—यतः मुझे
के० सिन्हा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 67/1 है तथा जो गोविन्दपुर रोड, कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपाख्य अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय आलिपुर में, रजिस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 28-2-1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उनके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावजूद उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री अब्दुल गफकार मनडल और दूसरे।

(अन्तरक)

(2) देवेन्द्र मिश्र और दूसरे।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अजन्त के लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वीरन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधिकार में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में शृंत बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही प्रथम होगा, जो उप प्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

67/1, गोविन्दपुर रोड, कलकत्ता।

के० सिन्हा
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज 3, कलकत्ता-16

तारीख : 15-10-1980

मोहर :

प्रसूप आई० टी० एन० एस०—

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 30 अक्टूबर, 1980

निदेश सं० ए० सी० 55/आर-IV/69/80-81—यतः मुझे
के० सिन्हा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की घारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
ए० से अधिक है

और जिसकी सं० दाग सं० 3146 है तथा जो खतियान सं०
1503 कस्ता, 24-परगना स्थित है (और इससे उपगढ़ अनुसूची
में और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
अलीपुर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन, तारीख 23-2-1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से
कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की
गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण
है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से ऐसे, दृश्यमान प्रतिफल का फट्टह प्रतिशत से अधिक है,
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्लिप्पल,
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से दुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के बम्बरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में
सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों
को, जिन्हें भारतीय प्रायकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की घारा 269-घ के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की घारा 269-घ की उपघारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित अवित्यों, अर्थात्:—

(1) श्री आभा राणी सरकार

(अन्तरक)

(2) सोनामनी को-श्रापरेटिव हार्डिंग सोसाइटी

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
मूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अद्योहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो 'उक्त
अधिनियम', के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

दाग सं० 3146, खतियान सं० 1503, कस्ता, 24-परगना
में अवस्थित 7 कट्ठा 2 छांक जमीन का सबकुछ जैसे और
पूर्णरूप से वर्णित है सं० 1980 का इलील सं० 1182 है।

के० सिन्हा
सक्षम प्राधिकारी
सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2, अहमदाबाद

तारीख : 10-10-1980
मोहर :

प्रसूप आई० टी० एन० एस०—
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के प्रधीन सूचना

(1) श्रीमती सुलन्दा सल्लिक
(अन्तरक)
(2) श्रीमती अश्वपुनी बनार्जी
(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 2, कलकत्ता-16

कलकत्ता-16, दिनांक 31 अक्टूबर, 1980

निदेश सं० ए० सी०/रेंज-3/कलकत्ता-1980—यतः मुझे
के० सिन्हा
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
हमके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब
के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० से अधिक है।

और जिमकी सं० 228/1/2, एम० के० है तथा जो देवी रोड,
कलकत्ता स्थित है (और उसमें उपावद्व अनुसूची में और पूर्ण रूप
से वर्णित है), रजिस्ट्रिकर्ट प्राधिकारी के कार्यालय काशीपुर
डम डम में, रजिस्ट्रिकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के प्रधीन, तारीख 6-2-80

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझ यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

अनुसूची

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनात्मक अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए।

One st. Bldg. at Pr. No. S. K. Deb Rd. P.S. Lake four,
Cal-48, Vide Deed No. 750 dt. 6-2-80.

के० सिन्हा
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज 2, कलकत्ता-16।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसारण
में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब की उपधारा (1)
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

तारीख : 31-10-80
मोहर :

प्रकृष्ट प्राई० टी० एन० एस०—

(1) श्रीमती करीदा जाफर

(अन्तरक)

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

(2) श्रीमती जीनात आरा

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 2, कलकत्ता

कलकत्ता-16, दिनांक 8 अक्टूबर, 1980

निवेद सं० ए० सी०/रेंज-4/कलकत्ता-1980—यतः मुझे
के० सिन्हा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
हपए से अधिक है।

और जिसकी सं० मोजा गारडन रीच है तथा जो स्थित है (और
इससे उपाख्य अनुसूची में और पूर्ण स्प से वर्णित है, रजिस्ट्री-
कर्ता अधिकारी के कार्यालय ए० आर० अलीपुर 24 परगना
में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन, तारीख

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
सिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की बावत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सविधा के लिए;

अनुसूची

खाली जमीन गारडन रीच मौजा पर एरिया ६के० २ छटांक
५ फुट धी० एस० मेट्रियोलैज।

के० सिन्हा
(सक्षम प्राधिकारी)
सहायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2, कलकत्ता-16

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, भै, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, यथात् :—

21—346GI/80

तारीख : 8-10-1980

मोहर :

प्रकृष्ट आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-प(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 2, कलकत्ता-16

कलकत्ता-16, दिनांक 31 अक्टूबर 1980

निदेश सं० ए० मी० रेज-4/कलकत्ता-1980—यसे: मुझे
के० सिन्हा०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
हमके परचात् 'उक्त प्रथिनियम' कहा गया है), की धारा
269-प(1) के अधीन सक्रम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 63, सील ठाकुरबारी रोड, कलकत्ता है तथा
जो स्थित है (और इससे उपावड़ अनुसूची में और
पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
सब-रजिस्टर अस्तीपुर बिहाला में, रजिस्ट्री करण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 22-2-1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों)
और प्रस्तरिती (प्रस्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावजूद उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

अनुसूची

दो तला कोठी 63 सील ठाकुरबारी रोड पर अवस्थित।
मोट जमीन 2 K 12 छाटांक स्थित बहाला

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ प्रस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए;

के० सिन्हा०
सक्रम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज 2, अहमदाबाद

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-प के
अनुसार ये मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-प की
उपरांत (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अवृत्ति:—

तारीख: 3-10-1980
मोहर:

प्रकृष्ट प्राइंटीडी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, विनांक 10 नवम्बर 1980

निदेश सं० आरए०सी० नं० 1076/काकिनाडा स्कवाउ—

यतः मुझे एस० गोविन्द राजन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सकाम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० 32/6 है, जो गजुवाका स्थित है (और इससे उपाबन्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय विशाखपत्तनम में भारतीय रजिस्ट्र-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन मार्च 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के बृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रभावित हो गई है पौर पूजे यह विश्वास करने का कारण है कि यथात् उक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके बृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे बृश्यमान प्रतिफल का अनुद्वय प्राप्ति अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रस्तरण के लिये तब पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत उक्त अधिनियम के पधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए: और/या

(घ) ऐसो किसी आय या किसी धन मा अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय प्राय-कर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या बन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रवाजन अन्तरितो हारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

यतः पर्व, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, ये, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री गोलगानि सिहार्डि, पिता कलकत्ता गाजुवाका

(अन्तरक)

(2) श्री गोगुल सत्यानारायण

पिता वेंकट सत्यनारायण गाजुवाका

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अंजन के लिए कायंबाहिया करता है।

उक्त सम्पत्ति के अंजन के सम्बन्ध में कोई भी आक्रमण :—

(क) इस सूचना के राजगत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर मूचन की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि तारीख में मापान होती हो, के भीन्तर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से हिती व्यक्ति द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजगत्र में राजगत्र की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्धि किसी अन्य अधिकृत द्वारा, भाषेद्वासान्तरी के पास लिखित में हित जा सँदेहे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों ता. और उक्त अधिनियम के प्रदर्शन 20-घ में परिचायित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अधाग में दिया गया है।

अनुसूची

इस सम्पत्ति 1352/80 दस्तावेज में मार्च 1980 में विशाखपत्तनम एस० प्रार० ओ० के पास पंजीकृत किया गया है।

एस० गोविन्द राजन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 10-11-80

मोहर :

प्रकल्प घाई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 10 नवम्बर 1980

निदेश सं० आर० ए० सी० 1077/काकिनाडा स्क्वाड
—यतः, मुझे, एस० गोविन्द राजन
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० क्रम सं० 32/6 जमीन 1 और 3 है, जो
विशाखटटणम में स्थित है (और इससे उपावद अनुसूची में और
पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
विशाखटटणम में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन मार्च 1980
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-
कल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-
विक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से दूर्दि किसी माय की बाबत उक्त अधि-
नियम के पड़ीन कर देने के अन्तरक के वायिव में 6%
करने या उपरे बढ़ने में सुविधा के लिए; और/वा

अनुसूची

(ल) ऐसी किसी माय या किसी बन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
प्रबन्धकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया या या किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा
के लिए।

अतः उक्त प्रबन्धित अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब (1) की उपशासा (1)
के अधीन निम्नलिखित अधितियों, अर्थात्:—

(1) श्री जी० सिंहाद्री, पिता की० शे० कम्पटया श्रीमती
जी० मुन्यालम्मा, पति की० शे० कम्पटया गाजुवाका।
(अन्तरक)

(2) श्री जी० वी० सत्यनारायण,
पिता सत्यनारायण, गाजुवाका।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई और आवेदन:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की प्रवृत्ति या तत्संबंधी अविकल्पों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी प्रवृत्ति
द्वारा में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अविकल्पों
में से किसी अक्षित द्वारा;

(ल) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में
दितबद किसी अन्य अविकल्प द्वारा, प्रबोहस्ताक्षरी
के पास लिखित में किए जा सकें।

संघीकरण:— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में
परिभ्रान्ति हैं, वही पर्यंत होगा जो उस
अध्याय में विद्या गया है।

इस सम्पत्ति 1360/80 दस्तावेज में मार्च 1980 में विशाखा-
पट्टणम एस० आर० श्री० के पास पंजीकृत किया गया है।

तारीख: 10-11-1980
मोहर:

एस० गोविन्द राजन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

प्रसूप आई० टी० एन० एस०—

जायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-प (1) के अधीन सच्चा

मारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 10 नवम्बर, 1980

(1) सर्वश्री (1) बात्सवाई अत्युनरामराज्, पिता
 तिहपति राज् (2) बान्सवाई तिहपति राज् (3)
 बात्सवाई वैकट सूर्यनारायण राज् (4) बान्सवाई
 वैकट अत्युतराम राज् मैनर पिता वैकट तिहपति
 राज् (5) बात्सवाई श्रीधर राज्—मैनर पिता
 वैकट सूर्यनारायण राज्, सब का पता सहा पुरम
 काफिनाडा ताल का

(ग्रन्तिरक)

(2) सर्वश्री (1) महादालि राघवराव, पिता पिच्चय्या
देवल मार्ग, काकिनाडा

(2) मददालि पितृचर्या, पिता, अनेन्यर्या, देवल मार्ग,
काकिनाडा

(अन्तरितः)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रंथन के लिए कार्यवाहियाँ करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी व्याप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्णक्षण व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(अ) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवद्ध किसी अग्न व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रधिनियम के अध्याय 20-के परिमाणित हैं, वही प्रथं होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

संदर्भ

इस सम्पत्ति 1572/80 और 1773/80 दस्तावेज में
मार्च और जुलाई 1980 में काकिनाडा एस० आर० ओ० के
पास पंजीकृत किया गया है।

एस० गोविन्द राजन
सक्षम प्राधिकारी
कर आयुक्त (निरीक्षण)
प्रर्जन रेजे. कैटरिंग

तारीख : 10-11-80

मोहरः

अतः, अब, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के अनुसारण में, मैं, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

प्रलूप प्राई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, भारतीय आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, हैदराबाद
हैदराबाद, दिनांक 10 नवम्बर 1980

निवेश मं० आर० ए० सी० नं०/0804-1081/काकिनाडा
स्क्वाड—यतः मुझे एस० गोविन्द राजन
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के
अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित शाजार मूल्य 25,000/- रु०
से अधिक है

और जिसकी सं० 5-87-90 है, जो लक्ष्मीपुरम, 2 लेन गुन्टूर,
स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची; और पूर्णरूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय गुन्टूर में भारतीय
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
मार्च और अप्रैल 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए पन्तरित को गढ़ है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल में ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पञ्चवृष्टि अन्तर से
अधिक है और अन्तर (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच ऐसे अन्तरमें के लिए तथा पाया गया प्रतिफल,
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से
कथित नहीं किया गया है : -

(6) अन्तरण से तुझे निम्नों आय को बाष्पत, उक्त अधिनियम
के अधीन कर देने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने
या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

अनुसूची

(ब) द्वितीय आव या किसी वत या अन्य आस्तियों को,
जिन्हें मार्टोय आयकर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम,
1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती
द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए
था, छिपाने में सुविधा के लिए।

यतः अब; उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में,
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपस्थापा (1) के अधीन,
निम्नलिखित अधिकारी, अर्थात् : -

(1) 1 श्रीमती अंडकि रमा देवी,
2 रो० निर्मला (3) बी० गिरिजा कुमारी,
लक्ष्मीपुरम, गुन्टूर
(अन्तरक)

(2) श्रीमती एम० राजकुमारी
पिता नरसिंहा राव, कम्बावारिनोट, गुन्टूर
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहीहीयां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आशेष : -

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45
दिन की अवधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती है के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी
व्यक्ति द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख ने 15
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रबोधस्ताकारी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के प्रध्याय 20-क में विस्तृत
है, वही पर्याप्त द्विग्राम या उस प्रध्याय में दिया
गया है।

इस सम्पत्ति 1568/80 और 4909/80 दस्तावेज में
मार्च और जुलाई 1980 में गुन्टूर एस० आर० ओ० के पास
पंजीकृत किया गया है।

एस० गोविन्द राजन
सक्षम प्राधिकारी
भारतीय आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, हैदराबाद

तारीख : 10-11-1980
मोहर :

प्रृष्ठ प्राईटी•एन•एस--

(1) (1) डा० बी० यररम राजू,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को धारा
269-व (1) के प्रधीन सूचना(2) बी० पल्लप राजू रिंजेनेटेड बाईं जीपीए,
श्रीमती के० नागमणि, पति कृष्णा राम, वकील,
काकिनाडा।

(अन्तरक)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 10 नवम्बर 1980

(2) (1) श्री ए० पोला राव, पिता कोट्या, रामाराव
पेट, काकिनाडा।(2) श्रीमती मुनिकान्तम, पति पोला राव, रामाराव पेट,
काकिनाडा।

(अन्तरिती)

निदेश सं० आर० ए० सी० नं० 1082/काकिनाडा स्क्वाड—

यतः मुझे, एस० गोविन्द राजन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की
धारा 269-व के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास
करने का कारण है कि स्वावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार
मूल्य 25,000/- रु० से अधिक हैऔर जिसकी सं० 10-4-44 है, जो रामराव पेट, काकिनाडा में
स्थित है (और इससे उपाख्य अनुसूची में और पूर्णोरुप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीर्टी अधिकारी के कार्यालय काकिनाडा में भारतीय
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
मार्च 1980को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिकल का पक्कह प्रतिकल से अधिक है और अन्तरक
(प्रस्तरकों) और प्रस्तरिसी (प्रस्तरिसियों) के बीच ऐसे
अन्तरण के लिए तथ याया यथा प्रतिकल, निम्नलिखित
निम्नाय से उक्त अन्तरण निषित में वास्तविक रूप से नियत
नहीं किया यथा है।—(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम
के अधीन कर देने के अन्तरक के द्वायित्व में कर्मी
करने या इससे बचने में सुविधा के लिए; और/याको यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अंतर के
लिए कार्यवाहिया करता है।

उक्त सम्पत्ति के अंतर के संबंध में कोई भी आक्षेप।—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख
से 45 दिन की अवधि या तस्वीरद्वयी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि,
जो भी अवधि बाद में समाप्त होनी हो, के भीतर
पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्वावर सम्पत्ति में
हितवद किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अघोहस्ताकारी
के पास निषित में किये जा सकेंगे।स्वाक्षरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त
अधिनियम के घट्याय 20-क में परिभ्राषित
है, वही अर्थ देगा जो उस घट्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तिवर्षों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम,
या छन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, उपराने में
सुविधा के लिए;इस सम्पत्ति सं० 1761, 1762 और 1763 दस्तावेज
में मार्च 80 में एस० आर० ए० काकिनाडा के पास पंजीकृत
किया गया है।एस० गोविन्द राजन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, हैदराबाद

तारीख : 10-11-1980

मोहर :

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)
के अधीन, निम्ननिषित व्यक्तियों

प्रस्तुप आई० टी० एस० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा
269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद
हैदराबाद, दिनांक 10 नवम्बर 1980

निदेश सं० आर० ए० सी० न० 1085 से 1089/का
किनाडा स्क्वाड—यतः मुझे एस० गोविन्द राजन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-
व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 13-1-40 है, जो 14-वार्ड काकिनाडा स्थित
है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय काकिनाडा में भारतीय
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
मार्च 80

को पूर्वांक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूसरमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि दूसरमान प्रतिफल का
मूल्य, उसके दूसरमान प्रतिफल से, ऐसे दूसरमान प्रतिफल का
पञ्चवटी प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कठित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वापत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायिक्ष में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था
या किया जाना आहिए था, छिपाने में सुविधा के
लिए;

यतः यद्युपर्याप्त अन्तरण की भारा 269-व के अनुसरण
में, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित वर्णितियों, अर्थात् :—

(1) श्री उप्पुलूरि प्रेमस्वरूप और लोग
रिप्रेजेन्टेड बाई जीपीए उप्पुलूरि श्रीराम मूर्ति,
13-1-40, 14-वार्ड, काकिनाडा
(अन्तरक)

(2) (1) सर्वेश्वरी मुम्मडी धर्मय्या, पिता नागेश्वर राव,
(2) श्रीमति मुम्मडि नूकारन्नम, पति नागेश्वर राव
(3) मुम्मडि नागेश्वर राव, पिता धर्मय्या (4)
मुम्मडि गणेश, पिता नागेश्वर राव (5) श्रीमति
बाना सत्यवति, पति नागराज

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
भूष्ठ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ द्वारा जो उस अध्याय में विद्या
गया है।

अन्तर्कृति

इस सम्पत्ति 1843, 1844, 1845, 1846 और 1847
में दस्तावेज में मार्च में काकिनाडा एस० आर० ओ० के पास
पंजीकृत किया गया है।

एस० गोविन्द राजन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 10-11-80
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 10 नवम्बर, 1980

निदेश सं० आर० ए० सी० नं० 1090/काकिनाडा स्क्वाड—
यतः मुझे एम० गोविन्द राजन

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उत्तिवातार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० जमीन 117/3 सी०/1 है, जो नल्लूर गांव
मंगलगिरि पंचायत स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में
और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
मंगलगिरि में भारतीय रजिस्ट्रेशन अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन मार्च 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूष्यमान प्रति-
फल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का
कारण है कि विधायकों द्वारा अनुसूची में
पूर्ण रूप से दूष्यमान प्रतिफल का पढ़दृष्ट प्रतिशत से
प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और प्रस्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच ऐसे प्रत्यरण के लिये तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अनुसूची में वाहानिक रूप से रूपित नहीं
किया गया है:—

(क) अनुसूची में दूष्यमान की तारीख से
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम, या घनन्कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अनुसूची द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
आना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः यह, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनु-
सूची में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपस्थापा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

22—346GI/80

(1) श्री मुख्य कोटेश्वर राव

पिता वेंकटया, कटिलाईजर डोलर, नाला मार्ग,
विजयवाडा

(अन्तरक)

(2) श्री गुण्डपु हेमाभ्वर धर राव

पिता मानिकयाल राव, आलू व्यापारी कालेप्परराव
मार्केट, विजयवाडा

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
निखित में किए जा सकते।

स्पष्टोकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम, के अध्याय 20-क में परिभ्रामित हैं, वही
अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

इस सम्पत्ति सं० 538/80 दस्तावेज में मार्च महीने
में मंगलगिरि ए० आर० ओ० के पास पंजीकृत किया गया
है।

ए० गोविन्द राजन
सक्षम अधिकारी

महायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 10-11-80

मोहर :

प्रलेप आई. टी. एन. एस.—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 18 नवम्बर 1980

निवेदण सं० ए० सी० नं० 2336—यतः मुझे आर० गिरधर
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), जो भारा 269-
घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर मंपात्ति जिसका उन्नित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो गली
नं० 15 की० मण्डी अबोहर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध
अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
के कार्यालय अबोहर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908
का 16) के अधीन फरवरी 1980

को पूर्वांकित संपत्ति के उन्नित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वांकित मंपात्ति का उन्नित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एंसे दृश्यमान प्रतिफल का
एन्दह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के नीचे गोमे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हृहृ किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट महीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त आधीनियम, की धारा 269-ग के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

- (1) श्रीमती प्रकाश वती पत्नी प्रिथ्वी राज
निवासी गली नं० 14-15 मण्डी अबोहर (अन्तरक)
- (2) श्रीमती निरंजन कौर पत्नी निरंजन मिह पूत्र प्रताप
सिंह गांव जींदवाला तहसील फाजिलपा (अन्तरिती)
- (3) जैसा कि ऊपर नं० 2 में है।
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
- (4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में हवाँ रखता है
(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांकित सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यालयों करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेषः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीख से 45
दिन की अवधि या हत्तेमन्त्री व्यक्तियों पर सूचना
को तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वांकित
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-के में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 2863 दिनांक
फरवरी 1980 के रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी अबोहर में लिखा है।

आर० गिरधर
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज जालन्धर।

तारीख: 18-11-80

मोहर:

प्रारूप आई० टो० एन० एस० —————

आयकर श्राविनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ(1) के प्रधान सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, स्थायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बम्बई-I

बम्बई, दिनांक 10 अक्टूबर 1980

स० ए० आर०-१/४३७४-१५/फरवरी ८०:—श्रतः मुझे,
सुधाकर वर्मा,

आयकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रधिनियम, कहा गया है), की धारा
269-घ के प्रीति सम्पत्ति प्रधिकारी को, यह विष्वास करने
का लागत है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार
मूल्य 25,000/- रुपए में अधिक है

और जिसकी स० ए० एस० 1198 है तथा जो भुर अब्दुल
रहमान स्ट्रीट में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची
में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन, तारीख 26 फरवरी, 1980
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूँहे यह
विष्वास करत कि कारग है कि यथावूर्वोक्त सम्पत्ति के
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे
इष्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच
ऐसे अन्तरण के लिए नप यादा गया प्रतिफल, निम्ननिखित
उद्देश्य से उक्त प्रत्यरुप निखित में वास्तविक रूप से कथित
तरी किया गया है।

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत आयकर
श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) 'उक्त श्रधि-
नियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के
लिए; और/या

(ख) ऐसो किसी आय या दिसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिहें भारतीय आयकर श्रधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) या घनकर
श्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए या छिपाने में
मन्दिर के लिए;

अतः, अब, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-ग के अनु-
सार में, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित अविक्तियाँ श्रावित हैं।

1. वाई खानीजाबू बिडो आफ नूमनभाई नाबूदभाई।
2. मिं खानीजाबू एन० दावूदभाई।
3. मिं दाउदि नूमनभाई।
4. वाई बजिरा नमन भाई।
5. मनह नूमनभाई।
6. मिं दाउदिभाई मोहम्मदभाई।
7. वाई खानिजा मोहम्मद भाई।

8. मिं ताजेर मोहम्मदभाई।

9. मिं हृतीम इसुफग्रालि

10. तैयबजी इसुफग्रालि।

11. वाई खानिजा इनाहिम अब्दुल कायुम।

12. मिसेस अलेका अलिभाय मलवारी।

13. मिसेस फतेमा तोराब मोतिवाला।

14. मिसेस मफिया युसूफ खास्ला

15. वाई रुक्या इस्माईल मोतेमाई

16. मिं दाउदि इसुफग्रालि

(अन्तरक)

2. मोइस मुल्ला इनायत अति

(अन्तरिती)

1. मोहसिन एण्ड क०।

2. किशनचन्द दोलतराम

3. इन्डो अ.शीव दुडसं

4. ब्रज लाल पी० पारेख

5. एम० एल० मिरचन्दनानी

6. देसराज बसन्तराव

7. अब्दुल कायुम इस्माईल

8. झैनुल लेंगाली

9. तैयबअली अरसीवाला।

10. मनुभाई माचेसवाला।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है।)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रजंत के
लिए कार्यवाहियाँ करता है।

उक्त सम्पत्ति के प्रजंत के मन्त्रवन्ध में कोई भी ग्राहकः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तस्वीरधो अविक्तियों पर सूचना की
तामील में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अविक्तियों में से
किसी अविक्त द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर इकत स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य अविक्त द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसने प्रयुक्त गद्दों प्रौदों का, जो उक्त श्रधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

अनुसूची जैसा कि विलेख नं० 645/79/बम्बई उप
रजिस्ट्रार अधिकारी द्वारा दिनांक 26 फरवरी, 1980 को
रजिस्टर्ड किया गया है।

सुधाकर वर्मा

सक्षम प्राधिकारी

स्थायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-१, बम्बई।

दिनांक : 10 अक्टूबर 1980

मोहर :

महत्वपूर्ण

सभी पत्र-व्यवहार सचिव, संघ लोक सेवा आयोग को सम्मीलित करना चाहिए। अपने आवेदन-पत्र के संबंध में भेजे जाने वाले हर पत्र में उम्मीदवार को परीक्षा का नाम अर्थात् “सम्मिलित रक्षा सेवा परीक्षा, मई, 1981” रोल नम्बर या रोल नम्बर नहीं मिला हो तो उम्मीदवार की जन्म की तारीख, अपना नाम (पूरा और साफ साफ) और आवेदन पत्र में दिया गया पत्र-व्यवहार का पूरा पता स्पष्ट रूप से लिख देना चाहिए।

संघ लोक सेवा आयोग

नोटिस

सम्मिलित रक्षा सेवा परीक्षा—मई, 1981

नई दिल्ली, दिनांक 29 नवम्बर, 1980

सं. एफ. 8/3/80 प. 1 (ख) — संघ लोक सेवा आयोग द्वारा निम्नांकित पाठ्यक्रमों में प्रवेश हेतु 10 मई, 1981 से एक सम्मिलित रक्षा सेवा परीक्षा आयोजित की जायेगी :—

पाठ्यक्रम का नाम	रिक्तियों की संभावित सं.
(1) भारतीय सेना अकादमी, देहरादून (जनवरी, 1982 में प्रारम्भ होने वाला 72 वां पाठ्यक्रम)	120 [एन. सी. सी. 'ग' प्रमाणपत्र] (सेना स्कंध)
(2) नी सेना अकादमी, कोचीन (जनवरी, 1982 में प्रारम्भ होने वाला पाठ्यक्रम)	55 (नी सेना विमानन के लिये 20 रिक्तियां सम्मिलित हैं)
(3) बायु सेना अकादमी ए. एफ. ए. सी. १, कोइम्बतूर [जनवरी, 1982 में प्रारम्भ होने वाले 131 वें एफ. (पी.) पाठ्यक्रम के लिए पाठ्यक्रम-पूर्व प्रशिक्षण]	50
(4) अधिकारी प्रशिक्षण गाला मद्रास (मई, 1982 में प्रारम्भ होने वाला 35 वां सत्र)	160 [इसमें एन. सी. सी. "सी." प्रमाण-पत्र (सीनियर डिवीजन बायु स्कंध) धारियों के लिए 15 आरक्षित रिक्तियां सम्मिलित हैं]

ध्यान दें :— उम्मीदवार को आवेदन-पत्र के कालम 8 (ख) में यह स्पष्ट रूप से बतलाना होगा कि वह किन सेवाओं के लिए वरीयता क्रम में विचार किए जाने का इच्छुक है। उसे यह भी सलाह दी जाती है कि वह अपनी इच्छानुसार जितना चाहे

उतनी वरीयताओं का उल्लेख करे ताकि योग्यता क्रम में उसके रैंक को व्यान में रखते हुए मियुक्ति करने समय उसकी वरीयताओं पर भली-भांति विचार किया जा सके।

उम्मीदवारों द्वारा निर्दिष्ट उन सेवाओं के वरीयता क्रम में परिवर्तन में संबंध किसी अनुरोध पर तब तक विचार नहीं किया जाएगा जब तक ऐसा अनुरोध लिखित परीक्षा के परिणामों के रोजगार समाचार में प्रकाशन की तारीख से 30 दिन के अन्दर संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय में प्राप्त नहीं हो जाता।

नोट I—एन. सी. सी. 'सी.' प्रमाण-पत्र (सेना स्कंध)/(बायु सेना स्कंध का वरिष्ठ प्रभाग) प्राप्त उम्मीदवार नीसेना अकादमी तथा अल्पकालिक सेवा कमीशन (गैर तकनीकी) पाठ्यक्रमों की रिक्तियों के लिए भी प्रतियोगिता में बैठ सकते हैं। चूंकि अभी तक उनके लिए इन पाठ्यक्रमों में कोई आरक्षण नहीं है अतः पाठ्यक्रमों में रिक्तियों को भरने के लिए उन्हें सामान्य उम्मीदवारों की तरह समझा जाएगा। जिन उम्मीदवारों को अभी भी एन. सी. सी. 'सी.' प्रमाण पत्र (सेना स्कंध) / (बायु सेना स्कंध का वरिष्ठ प्रभाग) की परीक्षा अभी उत्तीर्ण करनी है, किन्तु अन्यथा वे आरक्षित रिक्तियों के लिए प्रतियोगिता में बैठने के पात्र हों, तो वे भी आवेदन कर सकते हैं किन्तु उन्हें एन. सी. सी. 'सी.' प्रमाण-पत्र (सेना स्कंध)/(बायु सेना स्कंध का वरिष्ठ प्रभाग) की परीक्षा उत्तीर्ण करने का प्रमाण प्रस्तुत करना होगा जो कि आयोग के आई० एम० ए०/एस० ए० सी० (एन० टी०) प्रथम विकल्प वाले उम्मीदवारों के मामले में भेना मुख्यालय भर्ती 6 (एस० पी०) (ग) नई दिल्ली-110022 तथा नी सेना के प्रथम विकल्प वाले उम्मीदवारों के मामले में नी सेना मुख्यालय/आर० एण्ड आर०, सेना भवन, नई दिल्ली-110011 को और बायु सेना के प्रथम विकल्प वाले उम्मीदवारों के मामले में बायु सेना मुख्यालय पी० ओ०-३, बायु सेना भवन, नई दिल्ली-110011 को 26 दिसम्बर, 1981 तक पंहुच जाएं।

आरक्षित रिक्तियों के लिए प्रतियोगिता की पात्रता के लिए उम्मीदवार को राष्ट्रीय कैडेट कोर के सेना स्कंध के वरिष्ठ प्रभाग में भेना के कम से कम 2 शैक्षणिक वर्षों/बायु सेना स्कंध के वरिष्ठ प्रभाग में कम से कम 3 शैक्षणिक वर्षों का अनुभव होना चाहिए और आयोग के कार्यालय में आवेदन-पत्र स्वीकार करने की अंतिम तारीख को उम्मीद-

बार को राष्ट्रीय केंटे कोर मे सुकृत हुए 12 महीने मे अधिक न हुए हों।

नोट II—भारतीय सेना अकादमी/वायु सेना प्रकादमी पाठ्य-क्रमों में आरक्षित रिक्तियों को भरने के लिये परीक्षा परिमाण के आधार पर अर्हता प्राप्त एन० सी० सी० 'सी०' प्रमाण-पत्र थल सेना स्कंध/वायु-सेना स्कंध वर्लिंग प्रभाग प्राप्त उम्मीदवारों के पर्याप्त संख्या मे न मिलने के कारण न भरी गई आरक्षित रिक्तियों को अनारक्षित समझा जायेगा और उन्हें सामान्य उम्मीदवारों मे भरा जायेगा।

आयोग द्वारा आयोजित होने वाली लिखित परीक्षा तथा उसके बाद सेवा चयन बोर्ड द्वारा लिखित परीक्षा मे योग्यता प्राप्त उम्मीदवारों के लिये आयोजित बीड़िक और व्यक्तित्व परीक्षण के परिणाम के आधार पर उपर्युक्त पाठ्यक्रमों मे प्रवेश दिया जायेगा। (क) परीक्षा की योजना, स्तर और पाठ्यचर्या (ख) अकादमी/शाला मे प्रवेश हेतु शारीरिक क्षमता स्तर तथा (ग) भारतीय सेना अकादमी, नी सेना अकादमी अधिकारी प्रशिक्षण शास्त्र और वायु सेना अकादमी मे प्रवेश पाने वाले उम्मीदवारों की सेवा आदि की संक्षिप्त मूल्यना के सम्बन्ध मे क्रमशः परिशिष्ट I, II, और III मे विस्तार मे समझाया गया है।

नोट :—परीक्षा के ममस्त विषयों के प्रश्न पत्रों मे केवल वस्तुपूरक प्रश्न पूछे जायेंगे। नमूने के प्रश्नों महिन विस्तृत विवरण कृपया परिशिष्ट V पर "उम्मीदवारों को सूचनार्थ विवरणिका" मे देखिये।

2. परीक्षा के केन्द्र :—अगरतला, अहमदाबाद, एजल, इलाहाबाद, बंगलौर, भोपाल, बम्बई, कलकत्ता, चण्डीगढ़, कोचिन, कटक, दिल्ली, दिस्पुर (गोहाटी), हैदराबाद, हम्फाल, ईटानगर, जयपुर, जम्मू, जोरहाट, कोहिमा, लखनऊ, मद्रास, नागपुर, पणजी (गोवा), पटियाला, पटना, पोर्ट ब्लेअर, शिलांग, श्रीनगर और त्रिवेन्द्रम।

3. पात्रता की शर्तेः

(क) राष्ट्रिकता :

उम्मीदवार या तो

- (i) भारत का नागरिक हो, या
- (ii) भूटान की प्रजा हो, या
- (iii) नेपाल की प्रजा हो, या
- (iv) तिब्बती ग्रणार्थी, जो स्थाई रूप मे भारत मे रहने के दरादे मे 1 जनवरी, 1962 मे पहले आ गया हो, या
- (v) भारतीय मूल का व्यक्ति हो जो भारत मे स्थाई रूप मे रहने के उद्देश्य से पाकिस्तान, बर्मा, श्रीलंका, और पूर्वी अफ्रीकी देश जैसे कीन्या,

उगांडा तथा तंजानिया का संयुक्त गणराज्य या जाम्बिया, मालावी, जेरे तथा इथियोपिया और वियतनाम मे प्रव्रज्जन कर आया हो।

परन्तु उपर्युक्त वर्ग (iii), (iv), और (v) के शर्तनाले वाला उम्मीदवार ऐसा व्यक्ति हो जिसको भारत सरकार ने पात्रता प्रमाण-पत्र प्रदान किया हो।

पर नेपाल के गोरखा उम्मीदवारों के लिये यह पात्रता प्रमाण-पत्र आवश्यक नहीं होगा।

जिस उम्मीदवार के लिये यह पात्रता-प्रमाण-पत्र आवश्यक होगा, उसको इस शर्त पर परीक्षा मे प्रवेश दिया जा सकता है और अकादमी या शाला मे भी, जैसी भी स्थिति हो, प्रवेश दिया जा सकता है कि बाद मे भारत सरकार द्वारा वह उक्त प्रमाण-पत्र प्राप्त करे।

(ख) ग्राम-सीमायें, नदी या पुस्त या वैवाहिक स्थिति :

- (i) भा० मे० अकादमी, नी सेना अकादमी और वायु सेना के लिये : केवल अविवाहित पुरुष उम्मीदवार पात्र हैं जिनका जन्म 2 जनवरी, 1960 से पहले और पहली जनवरी, 1963 के बाद न हुआ हो।
- (ii) अधिकारी प्रशिक्षण शाला के लिये : केवल वही पुरुष उम्मीदवार (विवाहित या अविवाहित) पात्र हैं जिनका जन्म 2 जनवरी, 1959 से पहले और पहली जनवरी, 1963 के बाद न हुआ हो।

नोट : जन्म की नार्तिक्ष केवल वही मान्य होगी जो भैट्रिक्युलेशन/ हायर सेकेन्डरी या समकक्ष परीक्षा के प्रमाणपत्र मे लिखी गई हो।

(ग) जैक्षिक योग्यताएँ :—

- (i) भारतीय सेना अकादमी, नी सेना अकादमी और अधिकारी प्रशिक्षण शाला के लिए किसी मान्यता-प्राप्त विश्वविद्यालय की डिग्री या समकक्ष योग्यता,
- (ii) वायु सेना अकादमी के लिए भौतिकी और या गणित के साथ किसी मान्यता-प्राप्त विश्वविद्यालय की डिग्री या समकक्ष योग्यता।

जो उम्मीदवार अभी डिग्री परीक्षा मे उत्तीर्ण होने वाले हैं, वे भी आवेदन कर सकते हैं, परन्तु उनकी डिग्री परीक्षा मे उत्तीर्ण होने का प्रमाण आई० एम० ए०/एस० ए० सी० (एन० टी०) प्रथम विकल्प वाले उम्मीदवारों के मामले मे सेना मुख्यालय भर्ती 6 (एस० पी०) (ग) नई दिल्ली-110022 तथा नी-सेना के प्रथम विकल्प वाले उम्मीदवारों के मामले मे नी सेना भुख्यालय/श्रार० एण्ड श्रार०, सेना भवन, नई दिल्ली-110011 को और वायु सेना के प्रथम विकल्प वाले उम्मीदवारों के मामले मे वायु सेना मुख्यालय पी० श्रो०-३, वायु सेना भवन, नई दिल्ली-110011 को

निम्नलिखित तारीख तक पहुंच जाए जिसके न पहुंचने पर उनकी उम्मीदवारी रद्द कर दी जाएगी।

(i) भा० से० अकादमी, नौ सेना और वायु सेना अकादमी में प्रवेश के लिए 26 दिसम्बर, 1981 को या उससे पहले।

(ii) अधिकारी प्रशिक्षणशाला में प्रवेश के लिए 25 अप्रैल, 1982 को या उससे पहले।

जिन उम्मीदवारों के पास व्यावसायिक और तकनीकी योग्यताएँ हों, जो सरकार द्वारा व्यावसायिक और तकनीकी डिग्री के समकक्ष मान्यताप्राप्त हों वे सभी परीक्षा में प्रवेश के लिए पात्र होंगे।

अपवृद्ध की परिस्थितियों में आयोग किसी भी ऐसे उम्मीदवार को इस नियम में निर्धारित योग्यताओं में से किसी से यूक्त न होने पर भी, शैक्षिक रूप से योग्य मान सकता है जिसके पास ऐसी योग्यताएँ होंं जिनका स्तर, आयोग के विचार में, इस परीक्षा में प्रवेश पाने योग्य हो।

नोट I—ऐसे उम्मीदवार जिन्हे डिग्री परीक्षा में अभी अर्हता प्राप्त करनी है और जिनको संघ लोक सेवा आयोग की परीक्षा में बैठने की अनुमति दे दी है, उन्हें नोट कर लेना चाहिए कि उनको दी गई यह विशेष छूट है। उन्हें डिग्री परीक्षा उनीण करने का प्रमाण निर्धारित तारीख तक प्रस्तुत करना है और बुनियादी अर्हक विश्वविद्यालय परीक्षा के देश से आयोजित किये जाने, परिणाम की घोषणा में विलम्ब या अन्य किसी कारण से इस तारीख को और आगे बढ़ाने से सम्बद्ध किसी भी अनुरोध को स्वीकार नहीं किया जाएगा।

नोट II—जो उम्मीदवार रक्षा मंत्रालय द्वारा रक्षा सेवाओं में किसी प्रकार के कमीशन से अपवर्जित हैं, वे इस परीक्षा में प्रवेश के पात्र नहीं होंगे। अगर प्रवेश दिया गया तो उनकी उम्मीदवारी रद्द की जायेगी।

नोट III—विशेष सेवा नाविकों को छोड़कर बाकी नाविक (जिनमें किशोर और कारीगर, प्रशिक्षु सम्मिलित हैं), जिनकी अपने नियत कार्य पूरे करने में छह महीने से कम समय बाकी है, इस परीक्षा में बैठने के पात्र नहीं होंगे। जिन विशेष सेवा नाविकों को अपने नियत कार्य पूरे करने में छह महीने से कम समय बाकी है, उनके आवेदन पत्र तभी लिये जायेंगे जब वे उनके कमांडिंग अफसरों के द्वारा निर्धारित अनुशंसित हों।

4. **आवेदन के साथ देय शुल्क**: ₹० 28.00 (अनुसूचित जातियों/अनुसूचित जन जातियों के लिए ₹० 7.00)

जिन आवेदन-पत्रों के साथ यह निर्धारित शुल्क नहीं भेजा जायेगा उनको एकदम अस्वीकार कर दिया जाएगा।

5. **शुल्क से छूट**: आयोग, यदि चाहे तो, निर्धारित शुल्क से छूट दे सकता है जब उनको इस बात का आवासन हो कि आवेदक भूटान, पूर्वी पाकिस्तान (अब बंगला देश) से वस्तुतः विस्थापित व्यक्ति है जो 1-1-1964 और 25-3-1971 के बीच की अवधि में भारत में प्रव्रजन कर आया है या वह बर्मा से वस्तुतः प्रत्यावर्तित भारतीय मूल का व्यक्ति है जो 1-6-1963 को या उसके बाद भारत में प्रव्रजन कर आया है या वह श्रीलंका से वस्तुतः प्रत्यावर्तित भारतीय मूलतः व्यक्ति है जो अक्टूबर, 1964 के भारत श्रीलंका समझौते के अन्तर्गत 1 नवम्बर, 1964 को या उसके बाद भारत आया है या आने वाला है और निर्धारित शुल्क दे सकने की स्थिति में नहीं है।

6. **आवेदन कैसे किया जाए**: केवल सम्मिलित रक्षा सेवा परीक्षा मई, 1981 के लिए निर्धारित पत्र में छपे हुए आवेदन-पत्र ही लिये जायेंगे जो इस परीक्षा के नोटिस के साथ लगे हुए हैं। आवेदन-पत्र भरकर सचिव, संघ लोक सेवा आयोग, धौलपुर हाउस, नई दिल्ली-110011 को भेजे जाने चाहिए। आवेदन प्रपत्र और परीक्षा के पूरे विवरण निम्नांकित स्थानों से प्राप्त किये जा सकते हैं:—

(i) दो रुपए का मतीश्वार्ड या संघ लोक सेवा आयोग के सचिव को नई दिल्ली प्रधान डाकघर पर देय रेखांकित भारतीय पोस्टल आर्डर भेजकर सचिव, संघ लोक सेवा आयोग, धौलपुर हाउस, नई दिल्ली-110011 के यहां से डाक द्वारा।

(ii) दो रुपए नकद देकर आयोग के कार्यालय के काउंटर पर।

(iii) निकटतम भर्ती कार्यालय, मिलिट्री प्रिंसिप्स/सब-एसिया मुद्रालय, एन० सी० सी० एकक, नौ सेना तथा वायु सेना प्रतिष्ठानों के यहां से निःशुल्क।

आवेदन प्रपत्र तथा पात्री कार्ड उम्मीदवार के हाथों से ही भरे जाने चाहिए। सभी प्रविष्टियां शब्दों में होनी चाहिए, रेखाओं या बिन्दुओं में नहीं। अधूरा या गलत भरा हुआ आवेदन पत्र तभी रद्द किया जा सकता है।

सभी उम्मीदवारों को, चाहे वे पहले से ही सरकारी नौकरी में हों, या सरकारी स्वामित्व वाले श्रीदायिक उपक्रमों या इसी प्रकार के संगठनों में काम कर रहे हों या गैर सरकारी संस्थाओं में नियुक्त हों, आयोग को सीधे आवेदन-पत्र भेजने चाहिए। अगर किसी उम्मीदवार ने अपना आवेदन-पत्र अपने नियोक्ता के द्वारा भेजा हो और वह संघ लोक सेवा आयोग में देश से पहुंच जाये तो उस आवेदन-पत्र पर विचार नहीं किया जायेगा, भले ही वह नियोक्ता को आखिरी तारीख के पहले प्रस्तुत किया गया हो।

जो व्यक्ति पहले में ही सरकारी नौकरी में आकस्मिक या दैनिक दर कर्मचारी से इतर स्थाई या अस्थाई हैंसियत से या कार्यभारित कर्मचारियों की हैंसियत से काम कर रहे हैं उन्हें यह परिवर्तन (आण्डरेटिंग) प्रस्तुत करना होगा कि उन्होंने लिखित रूप से अपने कार्यालय/विभाग के अध्यक्ष को सूचित कर दिया है कि उन्होंने इस परीक्षा के लिए आवेदन किया है।

मस्सत्त मेना में काम कर रहे उम्मीदवार अपने आवेदन-पत्र अपने कार्मांडिंग अफसर के माध्यम से प्रस्तुत करें जो पृष्ठांकन (देखिए, आवेदन प्रपत्र के भाग "ख") को भर करके आयोग को भेजेंगे।

7. आयोग के कार्यालय में आवेदन की प्राप्ति की अन्तिम तारीख—19 जनवरी 1981

विदेश स्थित या अण्डमान और निकोबार द्वीपसमूह लक्ष्मीपुर, अमृत, मंधानलग, अरुणाचल प्रदेश, मिजोरम, मणि पुर, नाशानैपुर, त्रिपुरा, सिक्किम तथा जम्मू और काश्मीर गण्य के लद्दाख डिवीजन में रहने वाले उम्मीदवारों से 2 फरवरी, 1981।

8. प्रलेख जो आवेदन के साथ भेजे जायें।

(क) सभी उम्मीदवारों द्वारा:

(i) रु 28.00 (अनुसूचित जातियों/जन जातियों के उम्मीदवारों के लिए रु 7.00, का शुल्क जो मन्त्रिव, संघ लोक सेवा आयोग को नई दिल्ली प्रधान डाकघर पर देय रेखांकित भारतीय पोस्टल आईंडर द्वारा रुप में ही या सचिव, संघ लोक सेवा आयोग के नाम भारतीय स्टेट बैंक, मुख्य शाखा, नई दिल्ली पर देय भारतीय स्टेट बैंक को किसी भी शाखा से जारी हिस्ये गए रेखांकित बैंक ड्रापट के रूप में हो।

विदेश में रहने वाले उम्मीदवारों को चाहिए कि वे अपने यहाँ के भारत के उच्चायुक्त या राजदूत या विदेशी प्रतिनिधि के कार्यालय में निर्धारित शुल्क जमा दरें जिससे वह "051 लो० संभा आयोग" परंपरा शुल्क के खाते में जमा हो जाये और उसके रसाद आवेदन-पत्र के साथ भेज दे।

(ii) उपस्थिति पत्रक (आवेदन-प्रपत्र के साथ संलग्न) विधिवत् भरा हुआ।

(iii) उम्मीदवार के हाल ही के पास पोर्ट आकार (लग-भग 5 सें. मी० X 7 सें. मी०) के फोटो की एक जैसी दो प्रतियाँ जिनके ऊपरी हिस्से पर उम्मीदवार के हस्ताक्षर विधिवत् अंकित हों।

फोटो के एक प्रति आवेदन-प्रपत्र के पहले पृष्ठ पर और दूसरे प्रति उपस्थिति पत्रक में दिये निर्धारित स्थान पर चिपका देना चाहिए।

(iv) लगभग 11.5 सें. मी० X 27.5 सें. मी० आकार के बिना टिकट लगे दो लिफाफे, जिन पर आपका पता लिखा हो।

(ख) अनुसूचित जातियों/अनुसूचित जनजातियों के उम्मीदवारों द्वारा—अनुसूचित जाति/अनुसूचित जन जाति के होने के दावे के नमर्थन में, जहाँ उम्मीदवार या उसके माता-पिता (या जीवित माता या पिता) आम तौर पर रहते हों, उस ज़िले के (किस, प्रमाण-पत्र के नीचे उल्लिखित) सक्षम प्राधिकार में परिशिष्ट IV में दिये गये प्रपत्र में लिये गये प्रमाण पत्र को अभिप्राणित/प्रमाणित प्रतिलिपि।

(ग) शुल्क से छूट चाहने वाले उम्मीदवारों के द्वारा:

(i) किसी ज़िला अधिकारी या राजपित्र अधिकारी या संघ या राज्य विधान मंडल के सदस्य से लिए गए प्रमाण-पत्र के अभिप्राणित/प्रमाणित प्रतिलिपि जिसमें यह प्रमाणित किया गया हो कि उम्मीदवार निर्धारित शुल्क देने के स्थिति में नहीं है।

(ii) बस्तुतः विस्थापित/प्रत्यावर्तित व्यक्ति होने के दावे के समर्थन में निम्नलिखित प्राधिकारियों से लिये गए प्रमाण-पत्र के अभिप्राणित/प्रमाणित प्रतिलिपि:

(क) भूतपूर्व पूर्वी पाकिस्तान से विस्थापित व्यक्ति:

(i) दण्डकारण परियोजना के ट्रांजिट केन्द्रों या विभिन्न राज्यों के राहत शिविरों का शिविर संचालक।

अथवा

(ii) उस इलाके जा जिला मजिस्ट्रेट जहाँ पर वह, फिलहाल, रह रहा हो।

अथवा

(iii) अपने जिले के शरणार्थी पुनर्वास का प्रभारी अनिरिक्त जिला मजिस्ट्रेट।

अथवा

(iv) सब-डिवीजनल अकमर अपने अधोन्तस्थ सब-डिवीजनल के समा तक।

अथवा

(v) शरणार्थी पुनर्वास उपायुक्त, पश्चिमी बंगाल/तदेशक (पुनर्वासन) कलकत्ता।

(ख) श्री लंका से प्रत्यावर्तित:

श्री लंका में भारत का उच्चायुक्त।

(ग) बर्मा से प्रत्यावर्तित :—

भारतीय दूतावास, रंगून या जहाँ का वह रहने वाला हो,
उस क्षेत्र का जिला मजिस्ट्रेट।

(घ) भा० मे० अ० और वायु सेना अकादमी पाठ्यक्रम
में अतिरिक्त रिक्तियों के लिए प्रतियोगिता में भाग
लेने वाले एन० सी० सी० (मी०) प्रमाण-पत्र (सेना
सम्बन्ध) (वायु सेना स्कंध का वरिष्ठ प्रभाग) प्राप्त
उम्मेदवारों द्वारा :

यह दिखाने के लिए कि उनके पास एन० सी० मे० 'सी०'
प्रमाण-पत्र (सेना स्कंध) (वायु सेना स्कंध का वरिष्ठ प्रभाग)
है अथवा वह एन० सी० सी० 'मी०' प्रमाण-पत्र (सेना
सम्बन्ध) वायु सेना स्कंध आ वरिष्ठ प्रभाग परक्षा में प्रवेश
ले रहा है। प्रवेश ले चुका है, इस आण्य के प्रमाण-पत्र की
अभिप्राणित/प्रमाणित प्रनिलिपि।

9. शुल्क की वापसी :—आवेदन के साथ आयोग को
अदा किया गया शुल्क वापस करने के लिए अनुरोध एवं
नाचे को परिस्थितियों को छोड़कर विचार नहीं किया जा सकता
और न वह फिसी दूसरी परीक्षा या नयन के लिए सुरक्षित
रखा जा सकता है।

(i) किसी उम्मीदवार ने निर्धारित शुल्क दे दिया है,
पर किसी आयोग में परीक्षा में बैठने नहीं दिया
उसको रु० 15.00 (अनुमति जातियों/अनुमति
जन जातियों के उम्मेदवारों के मामले में रु०
4.00) वापस कर दिया जाएगा। परन्तु यदि कोई
आवेदन यह दूसरी प्राप्त होने पर अमीदवार कर
दिया गया हो कि उम्मेदवार डिग्री परीक्षा में अनुत्तीर्ण
हुआ है या छिपा परेक्षा में उत्तर्ण होने का प्रमाण
निर्धारित तारीख तक प्रस्तुत नहीं कर पाएगा तो
उसके लिए शुल्क का वापस मंजूर नहीं कर
जाएगा।

(ii) जो उम्मीदवार नवम्बर, 1980 को सम्मिलित रक्षा
सेवा परीक्षा में बैठा हो और उस परेक्षा के परिणाम
के अधार पर किसी पाठ्यक्रम के लिए उसका
नाम अनुरूपित हुआ हो तो उसके मामले में रु०
28.00 (अनुमति जातियों/अनुमति जन जातियों
के मामले में रु० 7.00) का शुल्क वापस किया
जा सकता है पर यह जम्हरी है कि मई, 1981 को
सम्मिलित रक्षा सेवा परीक्षा के लिए अपनी उम्मीद-
वारी रद्द करने और शुल्क वापस पाने के लिए उस
उम्मीदवार का अनुरोध आयोग के आयोग
में 15 अक्टूबर, 1981 को पा उम्मेदवार पहुंच
जाए।

(10) आवेदन प्राप्ति की सूचना :—इस पराक्षा के लिए
निर्धारित फार्म में यिले मध्ये आवेदनों के पहुंचने की सूचना भेजी
जाएगी। अगर किसी उम्मीदवार को अपने आवेदन पहुंचने की

सूचना इस परोक्षा के आवेदन पहुंचने की अन्तिम तारीख से
एक महीने के अन्दर न यिले तो उसले प्राप्ति सूचना गाने के
लिए तत्काल आयोग में सम्पर्क करना चाहिए।

11. आवेदन का परिणाम :—अगर किसी उम्मीदवार को
अपने आवेदन के परिणाम की सूचना परीक्षा शुल्क होने की
तारीख से एक महीने पहले तक आयोग से प्राप्त न हुई हो
तो उसे परिणाम के लिए आयोग से तत्काल
सम्पर्क करना चाहिए। अगर डस बात का पालन नहीं हुआ
तो उम्मीदवार अपने मामले में विचार किए जाने के अधिकार
में वंचित हो जाएगा।

12. परेक्षा में प्रवेश :—किसी उम्मीदवार की पात्रता
या अपावृत्ता के सम्बन्ध में संघ लोक सेवा आयोग का निर्णय
अन्तिम होगा। आयोग से प्राप्त प्रवेश प्रमाण-पत्र के बिना किसी
भी उम्मीदवार को परेक्षा में प्रवेश नहीं दिया जाएगा।

13. कदाचार के दोषों उम्मेदवारों के खिलाफ कार्रवाई :—
उम्मेदवारों को चेतावना दी जाती है कि वे आवेदन-पत्र भरते
समय कोई गलत विवरण न दें और न किसी महत्वपूर्ण सूचना
को छिपाएं उम्मीदवारों को यह भी चेतावना दी जाती है कि
उनके द्वारा प्रस्तुत किसी प्रलेख या उसको अभिप्राणित/
प्रमाणित प्रति में किसी भी हालत में वे किसी तरह का संशोधन
या परिवर्तन या कोई फेर बदल न करें और न हाँ फेर
बदल किए गए गढ़े हुए प्रलेख को वे प्रस्तुत करें। अगर इस
प्रकार के दो अधिक प्रलेखों में या उनकी अभिप्राणित/प्रमाणित
प्रतियों में कोई अशुद्धि या असंगति हो तो इस असंगति के
बारे में स्पष्टोचरण प्रस्तुत करना चाहिए।

जो उम्मीदवार आयोग द्वारा निम्नांकित कदाचार का
दोषः घोषित होता है या हो चुका है—

- (i) किसी प्रकार में अपना उम्मेदवारों का समर्थन
प्राप्त करना; या
- (ii) किसी व्यक्ति के स्थान पर स्वयं प्रस्तुत होना;
या
- (iii) अपने स्थान पर किसी दूसरे को प्रस्तुत करना;
या
- (iv) जाली प्रलेख या फेर-बदल किए गए प्रलेख प्रस्तुत
करना; या
- (v) अशुद्ध या अनन्य वक्तव्य देना या महत्वपूर्ण सूचना
को छिपा कर रखना; या
- (vi) पराक्षा के लिए अपनी उम्मीदवारों के सम्बन्ध में
किसी अनियत या अनुचित लाभ उठाने का प्रयास
करना; या
- (vii) परीक्षा के समय अनुचित तरीके अपनाए हों;
या

- (viii) उत्तर पुस्तिका (ओं) पर असंगत वातें लिखी हों जो अश्लील भाषा या अबद्र आशय की हों; या
- (ix) परीक्षा भवन में और फिर प्रकार का दृष्टव्यावाह किया हो; या
- (x) परीक्षा चलाने के लिए आयोग द्वारा नियुक्त कर्मचारियों को परेशान किया हो; या अन्य प्रकार को शारीरिक क्षति पहुँचाई हो; या
- (xi) ऊपर के खण्डों में उल्लिखित सभी या किसी कदाचार की ओर प्रत्युत्त होता या ऐसा करने के लिए किसी को उत्तेजित करता। वह अपने को दण्ड अभियोजन का शिकार बनाने के अतिरिक्त—
- (क) वह जिस परीक्षा का उम्मीदवार है उसके लिए आयोग द्वारा अयोग्य ठहराया जा सकता है; अथवा
- (ख) (i) आयोग द्वारा उनकी किसी भी परीक्षा का चयन के लिए।
- (ii) केन्द्र सरकार द्वारा उनके अधीन किसी नियुक्ति के लिए स्थाई रूप से या कुछ निर्दिष्ट अवधि के लिए अपवर्जित किया जा सकता है; और
- (ग) अगर वह पहिले से सरकारी नौकरी में हो या उचित नियमावली के अनुसार अनुशासनिक कार्रवाई का पात्र होगा।

किन्तु शर्त यह है कि इस नियम के अधीन कोई शास्त्र तब तक नहीं दो जाएगी जब तक

- (i) उम्मीदवार को इस सम्बन्ध में लिखित अभ्यावेदन जो वह देना चाहे प्रस्तुत करते का अवसर न दिया गया हो, और
- (ii) उम्मीदवार द्वारा अनुमति समय में प्रस्तुत अभ्यावेदन पर, यदि कोई हो, विचार न कर लिया गया हो।

मूल प्रमाणपत्रों का प्रस्तुतीकरण—सेवा चयन बोर्ड के साक्षात्कार में अर्हता प्राप्त करने वाले उम्मीदवारों में से, आई० एम० ए०/एम० ए० सी० (एन० टी०) प्रथम विकल्प वाले उम्मीदवारों के मामले में सेना मुख्यालय/भर्ती ८(एम० पी०) (ग), नई दिल्ली-110022 को तथा नी सेना के प्रथम विकल्प वाले उम्मीदवारों के मामले में नी सेना मुख्यालय आर० ए० आर०, सेना भवन, नई दिल्ली-110011 को तथा वायु सेना के प्रथम विकल्प वाले उम्मीदवारों के मामले में वायु सेना मुख्यालय/पो० ओ०-३, वायु सेना भवन, नई दिल्ली 110011 को, अपनी शैक्षणिक योग्यताओं आदि के समर्थन में अपने मूल प्रमाणपत्र प्रस्तुत करने होंगे। उक्त प्रमाणपत्र की सत्य अभिप्रमाणित प्रतिलिपियां या फोटोस्टैट प्रतियां किसी भी स्थिति में स्वाक्षार नहीं की जाएंगी।

15. “आवेदन के सम्बन्ध में पत्र व्यवहार” आवेदन के सम्बन्ध में नभी पत्र व्यवहार मन्त्रिव, संघ लोक सेवा आयोग, धीनुर हाउस, नई दिल्ली-110011 के पते पर उठना चाहिए और उसमें निम्नांकित विवरण अवश्य होना चाहिए:—

- (1) परीक्षा का नाम।
- (2) परीक्षा का वर्ष और महाना।
- (3) रोल नम्बर या जन्म की तारीख (अगर रोल नम्बर नहीं मिला हो)।
- (4) उम्मीदवार का नाम (प्रग और साफ लिखा हुआ)।
- (5) पत्र व्यवहार का पता, जैसा आवेदन पत्र में दिया है।

ध्यान दें—(i) जिन पत्रों के साथ ऊपर का व्यौरा नहीं होगा, हो सकता है, उस पर कोई कार्रवाई न हो।

(ii) यदि किसी परीक्षा की समाप्ति के बाद किसी उम्मीदवार से पत्र/पत्रादि प्राप्त होता है तथा इसमें उसका पूरा नाम और अनुक्रमांक नहीं दिया गया है तो उस पर ध्यान नहीं दिया जाएगा और उस पर कोई कार्रवाई नहीं की जाएगी।

16. पते में परिवर्तन:—उम्मीदवार को इस बात की व्यवस्था कर लेनी चाहिए कि उसके आवेदन पत्र में दिए पते पर भेजे जाने वाले पत्र आदि आवश्यक होने पर उनके नये पते पर भिजवा दिए जायें। पते में जो भी परिवर्तन हो उसे ऊपर के पैरा 15 में उल्लिखित विवरण के साथ आयोग को यथाशीघ्र सूचित कर देना चाहिए।

सेवा चयन बोर्ड के साक्षात्कार के लिये आयोग द्वारा अनुशंसित उम्मीदवारों ने अगर परीक्षा के लिए आवेदन करने के बाद अपना पता बदल लिया हो तो उन्हें परीक्षा के लिखित भाग के परिणाम घोषित हो जाते ही अपना नया पता तत्काल सेना मुख्यालय, ए० जी० आंच रिकॉर्डिंग, ६ (एस० पी०) (ई०) (ii) वेस्ट ब्लाक ३, विंग १, रामबृणपुरम, नई दिल्ली-110022 और वायु सेना मुख्यालय (पी० ओ० ३), नई दिल्ली-110011 को सूचित कर देना चाहिए। जो उम्मीदवार इन आदेशों का पालन नहीं करेगा वह सेवा चयन बोर्ड के साक्षात्कार के लिए सम्मत पत्र न मिलने पर अपने मामले में विचार किये जाने के दावे से बंचित हो जायेगा।

यद्यपि प्राधिकारी इस प्रकार के परिवर्तनों पर पूरा-पूरा ध्यान देने हैं फिर भी इस सम्बन्ध में वह अपने ऊपर कोई जिम्मेदारी नहीं ले सकते।

17. लिखित परीक्षा में योग्य उम्मीदवारों के साक्षात्कार के सम्बन्ध में पूछताछ—जिन उम्मीदवारों के नाम सेवा चयन बोर्ड के साक्षात्कार के लिये अनुशंसित हैं, उनको अपने साक्षात्कार के सम्बन्ध में सभी पूछताछ और अनुरोध सीधे सेना मुख्यालय,

ए.० जी० ब्रांच रिकॉर्टिंग, ६ (एस० पी०) (ई) (ii) वेस्ट ब्लाक ३, विंग १, रामाकृष्णपुरम, नई दिल्ली-११००२२, और वायु सेना उम्मीदवारों के लिए वायु सेना मुख्यालय (पी० एस०) नई दिल्ली ११००११ के पते पर लिखने चाहिए।

उम्मीदवारों को साक्षात्कार के लिये भेजे गये सम्मन-पत्र द्वारा सूचित की गई तारीख को सेवा चयन बोर्ड के समक्ष साक्षात्कार हेतु रिपोर्ट करनी है। साक्षात्कार को स्थिति करने से सम्बद्ध अनुरोध पर केवल यथार्थ परिस्थितियों में अंग श्रावण-निक सुविधा को ध्यान में रखकर ही विचार किया जायेगा जिसके लिये निर्णयिक प्राधिकरण सेना मुख्यालय वायु सेना मुख्यालय होगा।

विभिन्न सेवा चयन केन्द्रों पर सेवा चयन बोर्ड के समक्ष साक्षात्कार हेतु बुलाये गए उम्मीदवार अपने साथ निम्नलिखित वस्तुएँ लाएँगे:—

- (क) सफेद कमीज में पासपोर्ट आकार फोटो की ६ प्रतियाँ।
- (ख) विस्तर और कम्बल (मौसम के अनुसार)।
- (ग) सफेद कमीजों और हाफ पेटो के दो जोड़े।
- (घ) एक जोड़ी, पी० ई० के सफेद जूते और दो जोड़े सफेद मोज़े।
- (ङ) पैटों और कमीजों के दो जोड़े।
- (च) फाउटेन पेन, स्याही और पेसिल।
- (छ) बूट पानिस और सफेद ब्लैकों।
- (ज) एक मच्छरदानी।

18. लिखित परीक्षा के परिणाम की घोषणा, योग्यता प्राप्त उम्मीदवारों का साक्षात्कार, अन्तिम परिणाम की घोषणा और अन्तिम रूप में योग्य पाये गये उम्मीदवारों का प्रशिक्षण पाठ्यक्रम में प्रवेश:—

संघ लोक सेवा आयोग अपनी विवक्षा से लिखित परीक्षा के लिए निर्धारित न्यूनतम अर्हक अंक प्राप्त करने वाले उम्मीदवारों की एक सूची तैयार करेंगा। वे उम्मीदवार उन सभी प्रविशिष्टियों के लिए जिन के लिये उन्होंने अर्हता प्राप्त की है औद्योगिक तथा व्यक्तित्व परीक्षाओं के लिये सेवा चयन बोर्ड के समने हाजिर होंगे।

जो उम्मीदवार आई० एस० ए० (डी० ई०) कोर्स और/या नौसेना (एस० ई०) और/या वायु सेना अकादमी कोर्स की लिखित परीक्षा में अर्हता प्राप्त करने हैं, वे एस० एस० मी० (एन० ई०) कोर्स के लिये अर्हता प्राप्त करने या नहीं, उनको भित्तचर/अवृत्तचर, 1981 में सेवा चयन बोर्ड के परीक्षणों के लिये भेजा जायेगा और जो उम्मीदवार कंवल एस० एस० सी० (एन० ई०), कोर्स के लिये अर्हता

प्राप्त करते हैं, उनको दिसम्बर, 1981/जनवरी, 1982 सेवा चयन बोर्ड के परीक्षणों के लिये भेजा जायेगा।

उम्मीदवार सेवा चयन बोर्ड के समने हाजिर होकर अपनी ही जोखिम पर वहाँ के परीक्षणों में शामिल होंगे और सेवा बोर्ड में उनका जो परीक्षण होता है उनके दोरान या उसके फलस्वरूप अगर उनको कोई चोट पहुंचती है तो उसके लिये सरकार की ओर से कोई क्षतिपूरित या सहायता पाने के बेकदार नहीं होंगे, चाहे वह किसी व्यक्ति की लापरवाही से हो या दूसरे किसी कारण से हो। उम्मीदवारों को आवेदन पत्र के साथ संलग्न प्रपत्र में इस आशय के एक प्रमाण पत्र पर हस्ताक्षर करने होंगे।

स्वीकृति हेतु उम्मीदवारों को (i) लिखित परीक्षा तथा (ii) सेवा चयन बोर्ड के परीक्षणों में प्रलग-अलग न्यूनतम अर्हक अंक प्राप्त करने होंगे जो कि आयोग द्वारा उनके निर्णय के अनुसार, निश्चित किये जायेंगे। लिखित परीक्षा तथा स० च० बोर्ड के परीक्षणों में प्राप्त कुल अंकों के आधार पर उम्मीदवारों को योग्यता क्रम में रखा जायेगा। प्रलग-अलग उम्मीदवारों को परीक्षा के परिणाम किस रूप में श्रीग किसी प्रकार सूचित किये जायें, इस बात का निर्णय आयोग आपने आप करेगा और परिणाम के सम्बन्ध में उम्मीदवारों से कोई पत्र व्यवहार नहीं करेगा।

परीक्षा में सफल होने मात्र से भारतीय सेना अकादमी, नौसेना अकादमी, वायु सेना अकादमी या अधिकारी प्रशिक्षण-शाला में, जैसी स्थिति हो, प्रवेश का कोई अधिकार नहीं मिलेगा। अन्तिम चयन शारीरिक क्षमता और अन्य सभी बातों में उपरक्षता के अतिरिक्त उपलब्ध रिक्तियों की संख्या को दृष्टि में रखते हुए योग्यता के क्रम से किया जायेगा।

19. प्रशिक्षण पाठ्यक्रम में प्रवेश के लिये अनंतराएँ—जो उम्मीदवार राष्ट्रीय रक्षा अकादमी, भारतीय सेना अकादमी, वायुसेना उड्डयन महाविद्यालय, नौसेना अकादमी, कोचीन और अधिकारी प्रशिक्षणशाला, मड्रास में पहले प्रवेश पा चूके हैं, पर अनुसारनिक आधार पर वहाँ से निकाल दिये गये हैं, उनकी भारतीय सेना अकादमी, नौसेना अकादमी, वायु सेना अकादमी या थलसेना में अल्पकालिक सेना कमीशन में प्रवेश देने की बात पर विचार नहीं किया जायेगा।

जिन उम्मीदवारों को एक अधिकारी में अपेक्षित लक्षणों के अभाव के कारण पहले भारतीय सेना अकादमी में वापस लिया गया हो उनसे भारतीय सेना अकादमी में प्रवेश नहीं दिया जायेगा।

जिन उम्मीदवारों को स्पेशल एण्टी नेवल कैडेट्स के रूप में पहले चून लिया गया हो पर बाद में एक अधिकारी में अपेक्षित लक्षणों के अभाव के कारण राष्ट्रीय रक्षा अकादमी या नौसेना प्रशिक्षण प्रतिभावों में वापस लिया गया हो, वे भारतीय नौसेना में प्रवेश के पाव नहीं होंगे।

जिन उम्मीदवारों को एक अधिकारी में अपेक्षित लक्षणों के अभाव के कारण भारतीय सेना अकादमी, अधिकारी प्रशिक्षणशाला, एन० सी० सी० तथा स्नातक पाठ्यक्रम से वापस लिया गया हो, उनके बारे में थल सेना में अल्पकालिक सेवा कमीशन देने की बात पर विचार नहीं किया जायेगा।

जिन उम्मीदवारों को एक अधिकारी में अपेक्षित लक्षणों से अभाव के कारण, एन० सी० सी० तथा स्नातक पाठ्यक्रम से पहले वापस लिया गया हो, उनको भारतीय सेना अकादमी में प्रवेश नहीं दिया जायेगा।

20. भारतीय सेना अकादमी या नौ सेना अकादमी या वायु सेना अकादमी में प्रशिक्षण के समय विवाह पर प्रतिबन्धः— भारतीय सेना अकादमी और नौ सेना अकादमी या वायु सेना अकादमी के पाठ्यक्रमों के उम्मीदवारों को इस बात का वचन देना है कि जब तक उनका सारा प्रशिक्षण पूरा नहीं होगा, तब तक वे शादी नहीं करेंगे। जो उम्मीदवार अपने आदेवन की तारीख के बाद शादी कर लेता है। उसको प्रशिक्षण के लिए चुना नहीं जायेगा, जहाँ वह इस परीक्षा में या अगली किसी परीक्षा में भले ही सफल हो। जो उम्मीदवार प्रशिक्षणकाल में शादी कर लेगा, उसे वापस भेजा जायेगा और उस पर सरकार ने जो पैसा खर्च किया है, वह सब उससे वसूल किया जायेगा। अल्पकालिक सेवा कमीशन (एन० टी०) के पाठ्यक्रम का कोई उम्मीदवारः

(क) जिसने किसी ऐसे व्यक्ति के साथ शादी की हो या शादी के लिए संविदा कर ली हो जिसकी पहले से कोई जीवित पति है या था

(ख) जिसने, पहले से जीवित पति-पत्नि होते हुए भी, किसी व्यक्ति से शादी की हो या शादी के लिए संविदा कर ली हो।

अधिकारी प्रशिक्षणशाला में प्रवेश/अल्पकालिक सेवा कमीशन की प्रवृत्ति का पात्र नहीं होगा।

परन्तु, यदि केन्द्रीय सरकार इस बात से सन्तुष्ट हो कि इस तरह की शादी ऐसे व्यक्तियों के लिए और शादी की दूसरी तरफ के व्यक्तियों के लिए लागू व्यक्तिगत कानून के अनुसार अनुमोदनीय है और ऐसा करने के अन्य ठोस कारण हैं तो किसी व्यक्ति को वह इस नियम के अनुपालन से छूट दे सकती है।

21. भारतीय सेना अकादमी या नौ सेना अकादमी या वायु सेना अकादमी में प्रशिक्षण के समय अन्य प्रतिबन्धः— भारतीय सेना अकादमी, नौ सेना अकादमी या वायु सेना अकादमी में प्रवेश प्राप्त करने के बाद उम्मीदवार किसी दूसरे कमीशन के लिए विचार योग्य नहीं होंगे। भारतीय सेना अकादमी या नौ सेना अकादमी या वायु सेना अकादमी में प्रशिक्षण को

लिए, अन्तिम रूप में उसका चयन हो जाने के बाद उनको और किसी भी साक्षात्कार या परीक्षा में उपस्थित होने की अनुमति नहीं दी जायेगी।

22. बौद्धिक परीक्षण मन्बन्धी सूचना, रक्षा मंत्रालय, (मनोवैज्ञानिक अनुसंधान निदेशालय) ने “सेवा चयन बोर्ड” में उम्मीदवारों की बौद्धिक परीक्षण उपलब्धियों का अध्ययन” (एस्टडी आफ इन्टेलीजेंस टेस्ट कोर्स आफ कॉर्जीडेट्स एट सर्विसेज सेनेक्षन बोर्ड्स) शीर्षक पुस्तक प्रकाशित की है। इस पुस्तक को प्रकाशित करने का उद्देश्य यह है कि उम्मीदवार सेवा चयन बोर्ड के बौद्धिक परीक्षण के स्वरूप और स्वभाव से परिचित हो जाएँ।

यह समूल्य पुस्तक प्रकाशन है और बिक्री के लिए प्रकाशन नियंत्रण, सिविल लाइसेंस, दिल्ली-110054 के यहाँ मिल सकती है। इक द्वारा आंदेश देकर या नकद भुगतान के द्वारा उनसे यह सीधे प्राप्त की जा सकती है। केवल नकद भुगतान के द्वारा यह (i) किताब महल, रिवोली सिनेमा के सामने, एम्पोरियम बिल्डिंग, सी० ब्लाक, बाबा खड़कसिंह मार्ग, नई दिल्ली-110001, (ii) उद्योग भवन की प्रकाशन शाखा, उद्योग भवन, नई दिल्ली-110001 के बिक्री केन्द्र पर तथा, (iii) भारत सरकार पुस्तकालय, 8 के० एस० राय रोड, कलकत्ता-700001 पर भी मिल सकती है।

23. जिन पुस्तिकाओं में नियमावली तथा पिछली परीक्षाओं के प्रश्न पत्रों का व्यौग सम्मिलित होता है उसके बारे में सूचना।

सम्मिलित रक्षा सेवा परीक्षा, मई 1978 से इस परीक्षा की योजना में सम्मिलित सभी प्रश्न-पत्रों के लिए वस्तुपूरक प्रश्न के लागू किये जाने पर इस परीक्षा के लिए नियमावली और प्रश्न पत्रों सहित पुस्तिका का मुद्रण बन्द कर दिया गया है। किन्तु जिन पुस्तिकाओं में नियमावली तथा नवम्बर, 1977 में हुई, सम्मिलित रक्षा सेवा परीक्षा तक पिछली परीक्षाओं के प्रश्न पत्रों का व्यौग सम्मिलित है, उनकी बिक्री प्रकाशन नियंत्रक, सिविल लाइसेंस, दिल्ली-110054 के द्वारा की जाती है और उन्हें वहाँ से मेल आर्डर अथवा नकद भुगतान द्वारा सीधे प्राप्त किया जा सकता है। उन्हें (i) किताब महल, रिवोली सिनेमा के सामने एम्पोरियम बिल्डिंग ‘सी’ ब्लाक, बाबा खड़क सिंह मार्ग, नई दिल्ली-110001, (ii) प्रकाशन शाखा का बिक्री काउन्टर, उद्योग भवन, नई दिल्ली-110001 और (iii) गवर्नरमेट आफ इंडिया बुक डिपो, 8 के० एस० राय रोड, कलकत्ता-700001 से भी नकद पैसा देकर खरीदा जा सकता है। ये पुस्तिकाएं विभिन्न मुफ्कसिल नगरों में भारत सरकार के प्रकाशन एजेंटों से प्राप्त की जा सकती हैं।

परिशिष्ट I

(परीक्षा की योजना, स्तर और पाठ्यविवरण)

क. परीक्षा की योजना

1. प्रतियोगिता परीक्षा में निम्नलिखित सम्मिलित होगा—

(क) नीचे के वैरा 2 में निर्दिष्ट रीति से लिखित परीक्षा,

(ख) उन उम्मीदवारों का बुद्धि और व्यक्तिगत परीक्षण (इस परिशिष्ट के भाग ख के अनुसार) के लिए साक्षात्कार जिन्हें किसी भी एक सर्विसेज सलैक्शन सेंटर में साक्षात्कार के लिये बुलाया जाये।

2. लिखित परीक्षा के विषय, उनके लिए दिया जाने वाला समय और प्रत्येक विषय के लिए नियत अधिकतम निम्नलिखित होगा :—

(क) —भारतीय सेना अकादमी में प्रवेश के लिए

विषय	अवधि	अधिकतम अंक
1. अंग्रेजी	2 घंटे	100
2. सामान्य ज्ञान	2 घंटे	100
3. प्रारंभिक गणित	2 घंटे	100

(ख) नौ सेना अकादमी में प्रवेश के लिए

विषय	नियत समय	अधिकतम अंक
------	----------	------------

अनिवार्य

1. अंग्रेजी	2 घंटे	100
* 2. सामान्य ज्ञान	2 घंटे	100

वैकल्पिक

* 3. प्रारंभिक गणित या प्रारंभिक भौतिकी	2 घंटे	100
* 4. गणित या भौतिकी	2 घंटे	150

*जो उम्मीदवार प्रारंभिक गणित लेंगे उन्हें चौथे प्रश्न पत्र में भौतिकी विषय लेना होगा तथा जो उम्मीदवार प्रारंभिक भौतिकी लेंगे उन्हें चौथे प्रश्न पत्र में गणित विषय लेना होगा।

(ग) अधिकारी प्रशिक्षण यात्रा में प्रवेश के लिए

विषय	नियत समय	अधिकतम अंक
1. अंग्रेजी	2 घंटे	100
2. सामान्य ज्ञान	2 घंटे	100

(घ) वायु सेना अकादमी में प्रवेश के लिए

विषय	अवधि	अधिकतम अंक
1. अंग्रेजी	2 घंटे	100
2. सामान्य ज्ञान	2 घंटे	100
3. प्रारंभिक गणित	2 घंटे	100
4. गणित या भौतिकी	2 घंटे	150

लिखित परीक्षा और साक्षात्कार के लिए जो अधिकतम अंक नियत किये गए हैं वे प्रत्येक विषय के लिए समान होंगे अर्थात् भारतीय सेना अकादमी, नौ सेना अकादमी, अफसर ट्रेनिंग स्कूल, और वायु सेना अकादमी में भर्ती के लिए लिखित परीक्षा और साक्षात्कार के लिए नियत अधिकतम अंक क्रमशः 300, 450 और 200 और 450 होंगे।

3. समस्त विषयों के प्रश्नपत्रों में केवल वस्तुपूरक प्रश्न पूछे जायेंगे। नमूने के प्रश्नों सहित विस्तृत विवरण कृपया परिशिष्ट V पर उम्मीदवारों को सुचनार्थ विवरणिका में देखिये।

4. प्रश्न पत्रों में जहां भी आवश्यक होगा केवल तोल और माप की मीटरी पद्धति से सम्बन्धित प्रश्नों को ही पूछा जायेगा।

5. उम्मीदवारों को प्रश्न पत्रों के उत्तर अपने हाथ से लिखने चाहिये किसी भी दशा में उन्हें प्रश्नों के उत्तर लिखने के लिए लिखने वाले की सहायता मुलभ नहीं की जायेगी।

6. परीक्षा के एक या सभी विषयों के अर्हक अंकों का निर्धारण आयोग की विवादा पर है।

ख. परीक्षा का स्तर और पाठ्य विवरण

स्तर :

प्रारंभिक गणित के प्रश्न पत्रों का स्तर मंट्रिकुलेशन परोक्षा का होगा, प्रारंभिक भौतिकी के प्रश्न पत्रों का स्तर उच्चतर माध्यमिक परीक्षा जैसा होगा।

अन्य विषयों में प्रश्न-पत्रों का स्तर लगभग वही होगा जिसको किसी भारतीय विश्वविद्यालय के स्नातक से अपेक्षा की जा सकती है।

इनमें से किसी भी विषय में प्रायोगिक परीक्षा नहीं होगी।

पाठ्य विवरण

अंग्रेजी

प्रश्न पत्र इस प्रकार होगा जिससे उम्मीदवार की अंग्रेजी और अंग्रेजी के शब्दों के बोध की परीक्षा ली जा सके।

सामान्य ज्ञान

सामान्य ज्ञान तथा साथ में समसामयिक घटनाओं और दिन प्रतिदिन देखे और अनुभव किए जाने वाले इसी तरह के मामलों के वैज्ञानिक पक्ष को जानकारी, जिसकी किसी ऐसे शिक्षित व्यक्ति से अपेक्षा की जा सकती है, जिसने किसी वैज्ञानिक विषय का विशेष अध्ययन न किया हो प्रश्न पत्र में भारत के इतिहास और भूगोल से मंबंधित ऐसे प्रश्न भी होंगे जिनका उत्तर उम्मीदवारों को, उन विषयों का विशेष अध्ययन किए बिना देना चाहिये।

प्रारम्भिक गणितअंक गणित

संख्या पद्धतियाँ:—धनपूर्ण संख्यायें, पूर्णांक, परिमेय और वास्तविक संख्यायें, मूल संक्रियायें—जोड़, घटाना, गुणन, और विभाजन, वर्ग मूल, दशमलव भिन्न।

ऐकिक विधि—समय तथा दूरी, समय तथा कार्य प्रतिशतता साधारण तथा चक्रवृद्धि व्याज में अनुप्रयोग, लाभ तथा हानि, अनुपात और समानुपात विवरण।

प्रारम्भिक संख्या सिद्धान्त:—विभाजन की कलन विधि, अभाज्य और भाज्य संख्यायें, 2, 3, 4, 5, 9, और 11 द्वारा विभाज्यता के परीक्षण अपवर्त्य और गुणन खण्ड/गुणन खण्डन प्रमेय/महत्तम समापवर्तक तथा लघुतम समापवर्तक, युक्तिलङ्घ की कलन विधि।

आधार 10 तक लघुगुणक, लघु गुणक के नियम, लघु-गणकीय सारणियों का प्रयोग।

बीज गणित

आधारभूत संक्रियायें: साधारण गुणन खण्ड। योपकल प्रमेय, बहुपदों का महत्तम समापवर्तक और लघुतम समापवर्त्य सिद्धान्त। द्विघत समीकरणों का हल इसके मूलों और गुणांकों के बीच सम्बन्ध (केवल वास्तविक भूल पर विचार किया जाये)। दो अक्षांश राशियों में युगपत रेखिक समीकरण—विश्लेषण और ग्राफ सम्बन्धी हल। दो चरों में युगपत रेखिक असमिकायें और उनके हल प्रायोगिक प्रश्न जिनसे दो चरों में दो युगपत रेखिक समीकरण या असमिकायें बनती हैं या एक चर में द्विघात, समीकरण तथा उनके हल, समुच्चय भाषा तथा समुच्चय अंकन पद्धति, परिमेय व्यंजक तथा सप्रतिबन्ध तत्समक घातांक नियम।

त्रिकोणमिति:

ज्या X, कोटिज्या X, स्पर्श रेखा X जब $90^\circ \leq X \leq 90^\circ$ ज्या X, कोटिज्या X, स्पर्श लेखा X का मान क्योंकि X— $0^\circ, 30^\circ$,

$45^\circ, 60^\circ$, और 90° सरल त्रिकोणमितीय तत्समक। त्रिकोणमितीय सारणियों का प्रयोग। ऊंचाइयों और दूरियों के सरल कोण।

ज्यामिति:

रेखा और कोण, समतल और समतल आकृति : निम्न-लिखित पर प्रमेयः—(i) किसी बिन्दु पर कोणों के गुण धर्म, (ii) समानांतर रेखायें, (iii) किसी विभुज की भुजायें और कोण, (iv) विभुजों की ममवीगसमता, (v) समस्पष्ट विभुज, (vi) माध्यिकाओं और शीर्ष, लम्बों का संभन्न, (vii) समानांतर चतुर्भुजों आयत और वर्गों के कोणों, भुजाओं के विकर्णों के गुण धर्म, (viii) वृत्त और उनके गुण धर्म जिसमें, स्पर्श रेखा तथा अभिलम्ब भी शामिल हैं, (ix) स्थानिक संघ क।

विस्तार कलन:

वर्गों, आयतों, समानांतर चतुर्भुजों, विभुजों और वृत्तों के क्षेत्रफल। उन आकृतियों के क्षेत्रफल जो इन आकृतियों में विभाजित की जा सकती हैं। (क्षेत्रवही) घनामों का पृष्ठीय क्षेत्रफल तथा आयतन/लम्ब वृत्तीय शंकुओं और बेलनों का पार्श्व-पुठाय तथा आयतन/गोलकों का पृष्ठीय क्षेत्रफल तथा आयतन।

सांकेतिकी:

मांडियकीय तथ्यों का संग्रहण तथा सारणीयन। शालेखी निरूपण-बारम्बारता बहुभुज आयत चित्र शलाका चार्ट पाई चार्ट आदि केन्द्रीय प्रवृत्ति के माप रेखाओं के बीच कोण।

प्रारम्भिक भौतिकी

(क) विस्तार कलन:—मापन के मात्रक, सी० जी० एस० और एम० के० एस० मात्रक। आदेश और संदिश। बल और वेग का संयोजन तथा नियोजन। एक समानत्वरण। एक समानत्वरण के अधीन अद्वितीय गति। न्यूटन का गति नियम। बल की संकल्पन: बल के मात्रक। मात्रा और भार।

(ख) पिंड का बल विज्ञान:—गुरुत्व के अधीन/समानांतरण बल। गुरुत्व केन्द्र सम्पर्कस्था/साधारण मशीन/वेग अनुपात आनंद समतल/पेंच और गियर सहित विभिन्न साधारण मगाने/वर्षण, वर्षण कोण, वर्षण, गुणांक कार्य, शक्ति, और ऊर्जा/स्थिति और गतिज ऊर्जा।

(ग) तरल गुणधर्म:—दाव और प्रणोद/पास्कल का नियम। आर्किमिडीज का नियम। घनत्व और विशिष्ट गुरुत्व पिंडों और द्रव्यों के विशिष्ट गुरुत्वों को निर्धारित करने के लिये आर्किमिडीज के नियम का अनुप्रयोग। प्लवन का नियम के गैस द्वारा प्रयोग में लाये गये दाव का मापन। बोली नियम/वायु पम्प।

(घ) ताप:—पिंडों का रेखिक विस्तार और द्रव्यों का घनाकार विस्तार। द्रव्यों का वास्तविक तथा आभासी विस्तार। द्रव्याल्प, नियम परमशून्य वायरल और चाल्स नियम, पिंडों और द्रव्यों का विशिष्ट ताप, कैलो-रीमित/ताप का संचरण,

धातुओं को ताप संवाहकता। स्थिति परिवर्तन। संलयन और वाप्पन की गुप्त ऊप्पा। एम० बो० पी० नसी (आद्रेता ओप्सांक और आपेक्षिक आद्रेता)।

(इ) प्रकाश—अट्जुरेखीय संचरण। परावर्तन के नियम। गोलीय दर्पण, अपवर्तन, अपवर्तन के नियम, लैन्स, प्रकाशित यंत्र कैमरा, प्रक्षेपित, पारापार, चित्रदर्शी दूरबीन, मूक्षमदर्शी; बांडनीक्युलर तथा परिदर्शी। प्रिज़म, प्रकीर्ण के माध्यम से अपवर्तन।

(च) ध्वनि—ध्वनि संचरण, ध्वनि परावर्तन, अनुनाद/ध्वनि दामोकोन का अभिलेखन।

(छ) चुम्बकत्व तथा विद्युत—चुम्बकत्व के नियम, चुम्बकीय क्षेत्र चुम्बकीय बल रेखायें, पार्थिक चुम्बकत्व। चालक और रोधी। ओमिनियम, पी० डी० प्रतिरोधक विद्युत चुम्बकीय बल, श्रेणी पार्श्व में प्रतिरोधक। विभवमापी विद्युत चुम्बकीय बल की तुलना। विद्युत धारा का चुम्बकीय प्रभाव, चुम्बकीय क्षेत्र में संवाहकता। फ्लोमिंग का बाम हस्तनियम। मापक यंत्र—धारामापी ऐमीटर, बोल्ट/सीटर, बाटमीटर, विद्युत धारा का रासायनिक प्रभाग, विद्युत, लपन, विद्युत, चुम्बकीय प्रेरण, फेराउन नियम, बेसिक ए० सी० तथा डी० सी० जनित्र।

भौतिकी

1. पद्धार्थ के मामान्य गुण और यांत्रिकी

यूनिटें और विभाएं, स्केलर और वैक्टर, मात्रायें, जड़त्व, आबूर्ण, कार्य ऊर्जा और संवेग। यांत्रिकी के मूल नियम, शूर्णी गति; गुरुत्वाकर्षण। सरल आवर्त गति, सरल और असरल लोलक, प्रत्यास्थता; प्रष्ठ तनाव, द्रव की शयानता, रोटरी पम्प।

2. ध्वनि

अवमंदित, प्रणोदित और मुक्त कम्पन, तरंग-गति, डाप्लर प्रभाव, ध्वनि तरंग बेग, किसी गैस में ध्वनि के बेग पर दाव, तापमान और/आद्रेता का प्रभाव, डोरियों, स्लिलियों और गैस स्तम्भों का कम्पन, अनुनाद विस्पंद, स्थिर तरंगें। ध्वनि का आवृत्ति बेग तथा तीव्रता। पराश्रव्य के मूल तत्व। ग्रामोफोन, टाकीज और लाउड स्पीकरों के प्रारम्भिक सिद्धान्त।

3. ऊप्पा और ऊप्पा गतिविज्ञान

तापमान और उसका मापन; तापीय प्रसार, गैसों में समतापी तथा रदोप्पम परिवर्तन। विशिष्ट ऊप्पा और ऊप्पा चालकता; द्रव्य के अनुगति सिद्धान्त के तत्व; बोल्टसमन के वितरण नियम का भौतिक बोध, बांडरबाल का अवस्था समीकरण, जूल, थाम्पसन प्रभाव, गैसों का द्रवण; ऊप्पा इंजन; कार्नेटप्रेय, ऊप्पानति-विज्ञान के नियम और उनका सरल अनुप्रयोग। कृतिका विकिरण।

4. प्रकाश

ज्यामितीय प्रकाशिकी। प्रकाश का बेग, समतल और गोलीय दूष्टों पर प्रकाश का परावर्तन और अपवर्तन। प्रकाशिय प्रतिबिम्बों में गोलीय और वर्णिक दोष और उनका निवारण। नेत्र और अन्य प्रकाशिक यंत्र। प्रकाश का तरंग सिद्धान्त, व्यतिकरण।

5. विद्युत और चुम्बकत्व

विद्युत क्षेत्र के कारण ऊर्जा, द्रव्य के वैद्युत और चुम्बकीय गुण धर्म, हिस्टोरिसस चुम्बकशीलता और चुम्बकीय प्रवृत्ति; विद्युत धारा से उत्पन्न चुम्बकीय क्षेत्र; मूर्विंग मेन्नेट एण्ड मूर्विंग क्षायन गलवेनीमीटर; द्वारा और प्रतिरोध का मापन; रिएक्टिव सर्किट एलिमेंट्स के गुण धर्म और उनका निर्धारण; ताप विद्युत प्रभाव, विद्युत चुम्बकीय प्रेरण, प्रत्यावर्ती धाराओं का उत्पादन। ट्रांसफार्मर और मोटर; इलैक्ट्रानिक बाल्ब और उनके सरल अनुप्रयोग।

6. आधुनिक भौतिकी

बोर के परमाणु सिद्धान्त के तत्व, इलैक्ट्रांस, गैसों द्वारा विद्युत का विसर्जन, कथोडर। रेडियोएक्टिवता, क्लिकिम रेडियो एक्टिवता; आइसोरीप विलेंडण और सलयन को प्रारम्भिक धारणा।

गणित

1. बीजगणित :

समुच्चयों का बीजगणित, सम्बन्ध और फलन, फलन का प्रतिलोभ, संयुक्त फलन, तुल्यता सम्बन्ध; परिमेयसूचकांक के लिए दमोयन का प्रमेय और उसका सरल अनुप्रयोग।

2. मैट्रिसेस :

मैट्रिसेस की बीजक्रिया, सारणिक सारणिकों के सरल गुण, सारणिकों के गुणतफल, सहखण्डजआव्यूह; मैट्रिसेसों का प्रतिलोभन, मैट्रिक्स की जाति। रेखिक समीकरण के हल निकालने के लिए मैट्रिसेसों का अनुप्रयोग (तीन अज्ञात संज्ञाओं में)।

3. विश्लेषिक ज्यामिति :

द्विविम की विश्लेषिक ज्यामिति: सरल रेखाएं, सरल रेखाओं की जोड़ी, वृत्त, वृत्त निकाय, परकलय, दीर्घवृत्त अतिपरिकलय (मुख्य अंशों के सन्दर्भ में) द्वितीय अंश समीकरण का मानक रूप में लघुकरण। स्पर्श-रेखायें और अभिलम्ब।

त्रिविम की विश्लेषिक ज्यामिति :

समतल, सीधी रेखाएं और गोलक (केवल कार्तीय निर्देशांक)

4. कलन (केलकुलम) और विभिन्न समीकरण :

अवकल गणित : सीमान्त की संकल्पना, वास्तविक चर फलन का सांतत्य और अवकलनियता, मानक फलन का अवकलन, उत्तरोत्तर अवकलन रोल का प्रमेय। मध्याभान प्रमेय; मैक्सिमिन और टेलर सीरिज (प्रमाण आवश्यक नहीं है) और उनका अनुप्रयोग परिमेय। मूचकाओं के लिए द्विपदप्रसरण चरघातांकी प्रमरण, लघुगणकीय त्रिकोण-वित्तीय और अति परकल्पिक फलन। अनिधारित स्पष्ट। एकल चर फलन का उच्चिष्ठ और अल्पिष्ठ, स्पष्टरेखा, अभिलम्ब, अध: स्पर्शी अधीलम्ब, अनन्तस्पर्शी वक्रका (केवल कार्तीय निर्देशांक) जैसे ज्यामितीय अनुप्रयोग एनक्लेप, आंशिक अवफलन। समांगी फलनों के सम्बन्धित आयलर प्रमेय।

समाकलन-गणित :—समाकलन की मानक प्रणाली। सतत फलन के निश्चित-समाकलन की रीमान—परिभाषा। समाकलन गणित के मूल सिद्धान्त। परिशोधन, क्षेत्रकलन, आयतन और परिक्रमण धनाकृति का पृष्ठीय क्षेत्रफल। संख्यात्मक समाकलन के बारे में सिम्प्सन का नियम।

अवकल समीकरण : प्रथम कोटि के मानक अवकल समीकरण का हल निकालना। नियम गुणांक के साथ द्वितीय और उच्चतर कोटि के रैखिक समीकरण का हल निकालना। बुद्धि और क्षय की समस्याओं का सरल अनुप्रयोग, सरल हारमोनिक रूपान्तरण। साधारण पेन्डलम और समीदिश।

5. यांत्रिक (बेक्टर पद्धति का उपयोग किया जा सकता है)

स्थिति विज्ञान : समतलीय तथा समांगी बलों की साम्यवस्था की स्थिति। साधारण तत्वों के गुरुत्व केन्द्र। स्थितिक घर्षण, साम्यघर्षण और सीमान्त घर्षण। घर्षण कोण। इक्ष आनंद-समतल पर के कण की साम्यावस्था। कल्पित कार्य (दो आयामों में)।

गति विज्ञान : शुद्ध गति विज्ञान—कण का त्वरण, बेग, चाल और क्रिस्थापन, आपेक्षित, वग। निरन्तर त्वरण की अवस्था; सीधी रेखा की गति। न्यूटन गति संबंधी सिद्धांत। केन्द्र कक्षा। सरल प्रसवदा गति; (निर्भाति में) गुरुवावस्था में गति। आवेग कार्य और ऊर्जा, रैखिक संवेग और ऊर्जा का प्रंरक्षण। समान वर्तुल गति।

6. सांखिकी—प्राथिकता : प्राथिकता की ज्ञास्त्रीय और प्रांखियकीय परिभाषा, संचयात्मक प्रणाली की प्राथिकता का परिकलन, योग एवं गणन प्रमेय, सप्रतिबन्ध प्राथिकता। यांत्रिक चर (विवित और अवित), घनत्व, फलन, गणितीय गत्याशा।

मानक वितरण : द्विपद वितरण, परिभाषा, माध्य और सरण, वैषम्य सीमान्त स्पष्ट सरल अनुप्रयोग। प्वामों वितरण, रिमोपामध्य और प्रसरण योग्यता, उपलब्ध आंकड़ों में वास्तवों वटन का समंजन। सामान्य वितरण, सरल समान-

पात और सरल अनुप्रयोग, उपलब्ध आंकड़ों में सामान्य में प्रगामान्य बटन का समंजन।

द्विचर वितरण : यह संबंध, दो चरों का रैखिक समाश्वेषण, सीधी रेखा का समंजन, परवलयिक और चतुर्धात्सांकी, बक्र, मह संबंधित गुणांक के गुण।

सरल प्रतिदर्श वितरण और परिकल्पनाओं का सरल परीक्षण यादृच्छिक प्रतिदर्श (सांखिकी, प्रतिदर्शी बटन और मानक कुटि)। मध्य पदों के अन्तर की अर्थवत्ता के परीक्षण में प्रसामान्य टी० सी० ए० ए० शार्ड० (CH_2) और ए० का सरल वितरण।

टिप्पणी: उम्मीदवारों की दो विषयों—सं० ५ यांत्रिकी और सं० ६ सांखिकी में से किसी एक विषय पर प्रश्नों के उत्तर लिखने पर विकल्प होगा।

बुद्धि तथा व्यक्तित्व परीक्षण

उम्मीदवारों की बुनियादी बुद्धि की जांच करने के लिये साक्षात्कार के प्रतिरिक्त सौंदर्यक तथा लिखित बुद्धि परीक्षा ली जायेगी। उनके ग्रुप परीक्षण भी किये जायेंगे जैसे ग्रुप परिचर्चा, ग्रुप योजना, बहिरंग ग्रुप कार्यकलाप तथा उन्हें निर्दिष्ट विषयों पर संक्षिप्त व्याख्यात देने के लिये कहा जायेगा। ये सभी परीक्षाएँ उम्मीदवारों की मेघाशक्ति की जांच के लिये हैं। भोटे तौर पर यह परीक्षण वास्तव में न केवल उसके बौद्धिक गुणों की जांच के लिये है अपिनु इससे उनकी सामाजिक विशेषताओं तथा सामयिक घटनाओं के प्रति दिलचस्पी का भी पता चलेगा।

परिशिष्ट II

सम्मिलित रक्षा मेवा परीक्षा के लिये उम्मीदवारों के मानक

टिप्पणी:—उम्मीदवारों को निर्धारित शारीरिक मानकों के अनुसार शारीरिक रूप से स्वस्थ होना आवश्यक है। स्वस्थता सम्बन्धी मानक नीचे दिये जाते हैं।

बहुत में अहेतुप्राप्त उम्मीदवार बाद में स्वास्थ्य के प्राधार पर अस्वीकृत कर दिये जाते हैं। अतः उम्मीदवारों को उनके अपने हित में मलाह दी जानी है कि वे अनिम अवस्था पर निराशा से बचने के लिये आवेदन पढ़ भेजने से पहले अपने स्वास्थ्य की जांच करा लें।

1. मेवा चयन बोई द्वारा अनुशंसित उम्मीदवार को सेना के चिकित्सा अधिकारियों के बोई द्वारा स्वास्थ्य परीक्षा करानी होगी। अकादमी या प्रशिक्षणाशाला में केवल

उन्हीं उम्मीदवारों को प्रवेश दिया जायेगा जो चिकित्सा बोर्ड द्वारा स्वस्थ घोषित कर दिये जाते हैं। चिकित्सा बोर्ड की कार्यशाही गोपनीय होती है जिसे किसी को नहीं दिखाया जायेगा। किन्तु अयोग्य/अस्थाई रूप में अयोग्य घोषित उम्मीदवारों को उनके परिणाम की जानकारी चिकित्सा बोर्ड के अध्यक्ष द्वारा दी जायेगी तथा उम्मीदवारों को चिकित्सा बोर्ड से अपील का अनुरोध करने की प्रक्रिया भी अता दी जायेगी। उम्मीदवारों के लिये नीचे संक्षिप्त रूप में दिये गये निर्धारित शारीरिक मानकों के अनुसार स्वस्थ होना आवश्यक है :—

- (क) उम्मीदवार का शारीरिक तथा मानसिक स्वास्थ्य ठीक होना चाहिये तथा उन्हें ऐसी बीमारी अव्यक्तता में मुक्त होना चाहिये जिससे उनके कुशलता पूर्वक कार्य करने में बाधा पड़ सकती हो।
- (ख) उनमें कमजोर शारीरिक गठन दैहिक दोष या स्थूलता नहीं होनी चाहिये।
- (ग) कद कम से कम 157.5 सें. मी० का हो (नौसेना के लिये 157 सें. मी० तथा वायु सेना के लिये 162.5 सें. मी०) गोरखा और भारत के उत्तर पूर्व क्षेत्र के पर्वतीय प्रदेशों, गढ़वाल तथा कुमायुं के व्यक्तियों का 5 सें. मी० कम कद स्वीकार्य होगा। लक्ष्णीप के उम्मीदवारों के मामले में न्यूनतम कद में 2 सें. मी० की कमी भी स्वीकार की जा सकती है। कद और वजन के मानक नीदे दिये जाते हैं।

कद और वजन के मानक

सेंटीमीटरों में कद (बिना जूता)	किलोग्राम में वजन		
	18 वर्ष	20 वर्ष	22 वर्ष
1	2	3	4
152	44	46	47
155	46	48	49
157	47	49	50
160	48	50	51
162	50	52	53
165	52	53	55
168	53	55	57
170	55	57	58
173	57	59	60
175	59	61	62

1	2	3	4
178	61	62	63
180	63	64	65
183	65	67	67
185	67	69	70
188	70	71	72
190	72	73	74
193	74	76	77
195	77	78	78

उपर्युक्त सारणी में दिये गये औसत वजन से 10% कम ज्यादा (नौसेना के लिये 6 किं० ग्रा० कम ज्यादा) वजन सामान्य सीमा के अन्दर माना जायेगा। किन्तु भारी हड्डियों वाले लम्बे औड़े व्यक्तियों तथा पतले पर अन्यथा स्वस्थ व्यक्तियों के मामले में गुणवत्ता के आधार पर इसमें कुछ छूट दी जा सकती है।

(घ) छाती भली प्रकार विकसित होनी चाहिये तथा पूरा सांस लेने के बाद इसका न्यूनतम फैलाव 5 सें. मी० होना चाहिये। माप इस तरह फीता लगाकर की जायेगी कि इसका निचला किनारा सामने छूचक से लगा रहे और फीते का ऊपरी भाग पीछे स्कन्थ फलक (शोल्डर ब्लैड) के निम्न कोण (लोअर एंगिल) को छुते रहना चाहिये। छाती का एकसरे जरूरी है इसे यह जानने के लिये किया जायेगा कि छाती का कोई रोग तो नहीं है।

(इ) शरीर में हड्डियों और जोड़ों का कोई रोग नहीं होना चाहिये। कहीं रीढ़ की हड्डी का विकास ठीक न हुआ हो उसके लिये मेरू का एक्सरे किया जायेगा। ऐसे जनजात दोष गुणवत्ता पर स्वीकार किये जा सकते हैं जिनमें सेना कर्तव्यों के निष्पादन में बाधा पड़ने की संभावना न हो।

(ख) उम्मीदवार के सम्बन्ध में मानसिक विकृति या दौरा पड़ने का पूर्ववृत्त नहीं होना चाहिये।

(छ) उम्मीदवार सामान्य रूप से सुन सके। उम्मीदवार को इस योग्य होना चाहिये कि वह शांत कमरे में प्रत्येक कान से 610 सें. मी० की दुरी से जोर की कानफूसी सुन सके। कर्ण नाभिका-कंठ की पिछली या अबकी बीमारी का कोई प्रमाण न हो।

(ज) हृदय या रक्त वाहिकाओं के सम्बन्ध में कोई क्रियात्मक या आंगिक रोग नहीं होना चाहिये। रक्त दाता सामान्य हो।

- (म) उदरपेशियां सुविकसित हों तथा जिगर या तिली बड़ी हुई न हों। उदर के आंतरिक प्रग की कोई बीमारी होने पर उम्मीदवार अस्वीकृत कर दिया जायेगा।
- (ज) यदि किसी उम्मीदवार को हर्निया है और उसकी शल्य चिकित्सा न की गई हो, तो वह उम्मीदवार अनुपयुक्त होगा। यदि हर्निया की शल्य चिकित्सा हो गई हो तो वह वर्तमान परीक्षा से कम से कम एक वर्ष पहले हुई हो जिसका जखम भी पूरी तरह ठीक हो चुका हो।
- (ट) हाइड्रोसील बैरिकोसील या पाइल्स का रोग नहीं होना चाहिये।
- (ठ) मूत्र की परीक्षा की जायेगी और यदि इसमें कोई असमान्यता मिलती है तो इसमें उम्मीदवार अस्वीकृत हो जायेगा।
- (उ) उम्मीदवार को दूर दूषित चार्ट में प्रत्येक आंख से ऐनक सहित या ऐनक बिना (नौसेना तथा वायु सेना के लिये केवल ऐनक बिना) 6/6 पढ़ने में समर्थ होना चाहिये। मायोपिया 2.5 डी तथा हाइपरमट्रोपिया 3.5 डी (एस्टिग्मेटिज्म सहित) से अधिक नहीं होना चाहिये। यह जानने के लिये कि आंख में कोई रोग तो नहीं है आंख की आंतरिक परीक्षा ओपथलमोस्कोप से की जायेगी। उम्मीदवार के दोनों नेत्रों की दृष्टि अच्छी होनी चाहिये। वर्ण दृष्टि का मानक सी पी-3 होगा। उम्मीदवार में लाल व हरे रंगों पहचानने की क्षमता होनी चाहिये। नौसेना के उम्मीदवारों की रात्रि दृष्टि तीक्ष्णता सामान्य होनी चाहिये तथा उनको इस आशय का प्रमाणपत्र देना होगा कि उसे या उसके परिवार के किसी सदस्य को जन्मजात रत्नोंधी आने का रोग नहीं हुआ है।
- (इ) उम्मीदवार के पर्याप्त संख्या में कुदरती व मजबूत दांत होने चाहिये। कम से कम 14 दांत बिन्दु वाला उम्मीदवार स्वीकार्य है। जब 32 दांत होते हैं। तब कुल 22 दांत बिन्दु होते हैं। उम्मीदवार को तीव्र पायरिया का रोग नहीं होना चाहिये।
- (ण) सब मामलों में निम्नलिखित एक्स-रे परीक्षा की जायेगी:—
- छाती का एक्स-रे पी० ए० 38.1 सें० मी० 30.5 में० मी० (पी० वी०-26120) एक फिल्म।
 - एक्स-रे सुखी क्रेल्सपाइन ए० पी० और एल-ए० टी० 38.1 सें० मी० \times 3.5 में० मी० (पी० वी०-26120)-2 फिल्म।

छाती की एक्स-रे परीक्षा में ग्रेव पशुका की उपस्थिति हेतु ग्रेव मेहदांड के निचले भाग की परीक्षा भी शामिल होगी। सेना चिकित्सा बोर्ड द्वारा जरूरी समझने पर मेहदांड के अन्य भागों की एक्स-रे परीक्षा की जायेगी।

2. केवल वायु सेना के उम्मीदवारों के लिये उपर्युक्त के साथ-साथ निम्नलिखित चिकित्सा मानक भी लागू होंगे:—

(क) वायुसेना के लिये स्वीकार्य मानव देह सम्बन्धी माप निम्न प्रकार है:—

कद: 162.5 सें० मी०।

दांग की लम्बाई: कम से कम 99 सें० मी०

और अधिक से अधिक 120 सें० मी०

अरु की लम्बाई: अधिक से अधिक 64 सें० मी०

बैठकर ऊंचाई: कम से कम 81.5 सें० मी०

और अधिक में अधिक 96 सें० मी०

(ख) निम्नलिखित अपसामान्यताओं का पता लगाने के लिये सभी उम्मीदवारों के भेदभाव का एक्सरे करना जरूरी है:—

(i) काब की पद्धति द्वारा 7 से अधिक का स्कालियोसिस।

(ii) एस० वी०-१ को छोड़कर स्पाइना वाईफिडा

(iii) एल० वी०-५ का एक पार्वे का सेक्रेलोइजेशन

(iv) एवेरमैन रोग: एवेरमैन नोड्स, स्पैशिलोसिस या स्पैशिलोसिसथियोसिस।

(v) मेहदांड का कोई अन्य प्रमुख रोग।

(ग) छाती का एक्स-रे जरूरी है।

(घ) दृष्टि

दूर की दृष्टि: 6/6, 6/6 तक सुधार योग्य 6/9 पास की दृष्टि: प्रत्येक आंख की एन-5

वर्ण दृष्टि: सी० पी०-१ (एम० आई० एल०) मेनीफेस्ट हाइपरमट्रोपिया—2.00 डी से अधिक न हो।

नेत्र पेशी सन्तुलन

मेडोक्स रोड टेस्ट के साथ हैट्रोफोरिया निम्नलिखित से अधिक न हो:—

(i) 6 मीटर पर—एक्सोफोरिया	6 प्रिज्म डायोप्ट्रेस
एसोफोरिया	6 प्रिज्म डायोप्ट्रेस

(ii) 33 सेंटीमीटर एक्सोफोरिया	16 प्रिज्म डायोप्ट्रेस
पर	

एसोफोरिया	6 प्रिज्म डायोप्ट्रेस
हाइपरफोरिया	1 प्रिज्म डायोप्ट्रेस
मायोपिया,	कुछ नहीं
तेन्टिग्मेटिज्म +	0.75 डी० मिर्क

द्विनेत्री दृष्टि:—अच्छा द्विनेत्री दृष्टि का होना अनिवार्य है (प्यूजन तथा स्टर्टोपिस से तथा साथ में अच्छा आयाम व गहनता।

(क) मानक

(i) वाक्परीक्षणः प्रत्येक कान से 610 सें. मी. से कानाफूसी सुनाई दे।

(ii) श्रव्यतामितिक परीक्षणः 250 एच० एक्स० तथा 4000 एच० जैड के बीच की आवत्तियों में श्रव्यतामितिक कमी 10 डी० बी० से अधिक न हो।

(च) रूटिन ई० सो० जी० तथा ई० ई० जी सामान्य सीमा में हो।

3. नौसैनिक विमानन शाखा के उम्मीदवारों हेतु स्वास्थ्य मानक वहो होंगे जो वायुसेना के उड़ान इयूटी हेतु उम्मीदवारों के हैं।

परिशिष्ट III

सेवा आदि के संक्षिप्त विवरण नीचे दिये गये हैं:—
भारतीय सेना अकादमी देहरादून में प्रवेश लेने वाले उम्मीदवारों के लिये:—

1. भारतीय सेना अकादमी में भर्ती करने से पूर्व:—

(क) उसे इस आशय का प्रमाण पत्र देना होगा कि वह यह समझता है कि किसी प्रशिक्षण के दौरान या उसके परिणामस्वरूप मन्दि उसे कोई कोट लग जाये या उपर प्रिंटिंग विस्तृत कारण से या अन्यथा आवश्यक किसी संक्रिया ग्रापरेशन या संवेदनाहरण दबाओं के परिणामस्वरूप उसमें कोई शारीरिक अशवतता आ जाने या उसकी मृत्यु हो जाने पर वह या उसके बैंध उत्तराधिकारी को सरकार के विलुप्त किसी मुआवजे या अन्य प्रकार की राहत का दावा बरने का हक न होगा।

(ख) उसके माता पिता या संरक्षण को इस आशय के बन्ध-पत्र पर हस्ताक्षर करने होंगे कि यदि किसी ऐसे कारण से जो उसके नियन्त्रण में समझे जाते हैं, उम्मीदवार या ठायक्रम पूरा होने से पहले वापस आना चाहता है या कमीशन अस्थीकार कर देता है तो उस पर शिक्षा शुल्क, भोजन, वस्त्र, पर किये गये व्यय तथा दिये गये बेतन और भत्ते को कुल राशि या उतनी राशि जो सरकार निश्चित करे उसे वापस करनी होगी।

2. अन्तिम रूप से चुने गये उम्मीदवारों की लगभग 18 महीनों का प्रशिक्षण दिया जायेगा। इन्हीं उम्मीदवारों के नाम सेना अधिनियम के अधीन “जेन्टलमैन कडेट” के रूप में दर्ज किये जायेंगे। “जेन्टलमैन कडेट” पर साधारण अनुशासनात्मक प्रयोजनों के लिये भारतीय सेना अकादमी के नियम और विनियम लागू होंगे।

3. यद्यपि, ग्रावास, पुस्तकों, वर्दी, बोर्डिंग, और चिकित्सा सहित, प्रशिक्षण के खर्च का भार सरकार बहन करेगी लेकिन यह आंशा की जाती है कि उम्मीदवार अपना खर्च खुद बदायत करेगे। भारतीय सेना अकादमी में (उम्मीदवार का न्यूनतम मासिक आय-व्यय 55.00 रु० से अधिक होने की संभावना नहीं है)। यदि किसी कडेट के माता पिता या संरक्षक इस खर्च को भी पूरा या आंशिक रूप में बदायत करने में असमर्थ हो तो सरकार द्वारा उन्हें वित्तीय सहायता दी जा सकती है। लेकिन जिन उम्मीदवारों के माता पिता या संरक्षक को मासिक आय 450.00 रु० या इससे अधिक हो, वे इस वित्तीय सहायता के पात्र नहीं होंगे वित्तीय सहायता को पात्रता निर्धारित करने के लिये अचल सम्पत्तियों और सभी साधनों से होने वाली आय का भी ध्यान रखा जायेगा।

यदि उम्मीदवार के माता पिता/संरक्षक विसी प्रकार की वित्तीय सहायता प्राप्त करने के इच्छुक हों तो उन्हें अपने पुत्र/संरक्षक के भारतीय सेना अकादमी में प्रशिक्षण के लिये अन्तिम रूप से चुने जाने के तुरन्त बाद अपने जिले के जिला मजिस्ट्रेट के माध्यम से एक आवेदन पत्र देना चाहिये जिसे जिला मजिस्ट्रेट इष्टनी इन्स्पेक्टर हित अर्तम सेना अकादमी देहरादून के कमांडेंट को प्रस्तुत कर देगा।

4. भारतीय सेना अकादमी में प्रशिक्षण के लिये अन्तिम रूप से चुने गये उम्मीदवारों को आने पर, कमांडेंट के पास निम्नलिखित राशि जमा करानी होगी:—

(क) प्रतिमास 55.00 के हिसाब से पांच महीने का जेब खर्च	275.00 रु०
(ख) वस्त्र तथा उपस्कर की भत्तों के लिये	800.00 रु०
	—————
योग	1075.00 रु०

उम्मीदवारों को वित्तीय सहायता मंजूर हो जाने पर उपर्युक्त राशि में से नीचे लिखी राशि आपिस कर दी जायेगी:—

55.00 रु० प्रतिमाह के हिसाब से पांच महीने का जेब खर्च	275.00 रु०
---	------------

5. भारतीय सेना अकादमी में निम्नलिखित छात्रवृत्तियाँ उपलब्ध हैं:—

(1) पर्शर्शराम भाऊ पटवर्धन छात्रवृत्ति:—यह छात्रवृत्ति महाराष्ट्र तथा कनाटक के कडेटों को दी जाती है। इस छात्रवृत्ति की राशि अधिक से अधिक 500.00 रु० प्रति वर्ष है जो कि कडेटों को

भारतीय सेना अकादमी में रहने की अधिकारी के दौरान वी जाती है वशतें कि उसकी प्रगति सन्तोषजनक हो। जिन उम्मीदवारों को यह छात्रवृत्ति मिलती है वे किसी अन्य सरकारी वित्तीय सहायता के हकदार न होंगे।

(2) कर्नल कैडल फैक्ट मेमोरियल छात्रवृत्ति:—इस छात्रवृत्ति की राशि 360/- रुपया प्रति वर्ष है और यह किसी ऐसे वाले मराठा कैडेट को वी जाती है जो किसी भूतपूर्व सैनिक का पुत्र हो। यह छात्रवृत्ति सरकार से प्राप्त होने वाले किसी वित्तीय सहायता के अतिरिक्त होती है।

6. भारतीय सेना अकादमी के प्रत्येक कैडेट के लिये सामान्य शर्तों के अन्तर्गत समय-समय पर लाभ होने वाली दरों के अनुसार परिधान भत्ता अकादमी के कमांडेंट को सौंप दिया जायेगा। इस भत्ते की जो रकम खर्च होगी वह :

- (क) कैडेट को कमीशन दिया जाने पर वी जायेगी।
- (ख) यदि कैडेट को कमीशन नहीं दिया गया तो भत्ते की यह रकम राज्य को वापस कर वी जायेगी।

कमीशन प्रदान किये जाने पर इस भत्ते से छारीदे गये वस्त्र तथा अन्य आवश्यक चीजें कैडेट की व्यक्तिगत सम्पत्ति बन जायेगी। किन्तु यदि प्रशिक्षणाधीन कैडेट त्यागपत्र दे दे या कमीशन से पूर्व उसे निकाल दिया जाये था वापस भुक्ता लिया जाये तो उपर्युक्त वस्तुओं को उससे वापस ले लिया जायेगा। इन वस्तुओं का सरकार के सर्वोत्तम हित का दृष्टिगत रखते हुए निपटान कर दिया जायेगा।

7. सामान्यतः किसी उम्मीदवार को प्रशिक्षण के दौरान त्यागपत्र देने की अनुमति नहीं दी जायेगी। लेकिन प्रशिक्षण के दौरान त्यागपत्र देने वाले जेंटलमैन कैडेटों को थल सेना मुख्यालय द्वारा उनका त्यागपत्र स्वीकार होने तक घर जाने की आज्ञा दे वी जानी चाहिये। उनके प्रस्थान से पूर्व उनके प्रशिक्षण, भोजन तथा सम्बन्ध सेवाओं पर होने वाला खर्च उनसे कम्सूल किया जायेगा। भारतीय सेना अकादमी में उम्मीदवारों को भर्ती किये जाने से पूर्व उनके माला-पिला अधिकारियों को इस आशय के एक बांड पर हस्ताक्षर करने होंगे। जिस जेंटलमैन कैडेट को प्रशिक्षण का सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पूर्य करने के योग्य नहीं समझा जायेगा उसे सेना मुख्यालय की अनुबत्ति से प्रशिक्षण से हटाया जा सकता है। इन परिस्थितियों में सैनिक उम्मीदवार को अपनी रेजिमेंट या कोर में वापस भेज दिया जायेगा।

8. यह कमीशन प्रशिक्षण को सफलतापूर्वक पूरा करने पर ही दिया जायेगा। कमीशन देने की तारीख प्रशिक्षण वी सफलतापूर्वक पूरा करने की तारीख अगले दिन से शुरू होती। यह कमीशन स्थाई होगा।

9. कमीशन देने के बाद उन्हें सेना के नियमित अफसरों के समान वेतन और भत्ते, पेशन और छुट्टी वी जायेगी तथा सेवा को अन्य शर्तें भी वही होंगी जो सेवा के नियमित अफसरों पर समय-समय पर लाभ होंगी।

प्रशिक्षण:—

10. भारतीय सेना अकादमी में आर्मी कैडेट को “जेंटलमैन कैडेट” का नाम दिया जाता है तथा उन्हें 18 मास के लिये कड़ा सैनिक प्रशिक्षण दिया जाता है ताकि वे इन्फैन्ट्री के उप यूनिटों का नेतृत्व करने के योग्य बन सकें। प्रशिक्षण को सफलतापूर्वक पूरा करने के उपरान्त जेंटलमैन कैडेटों को सैकिंड लैफिटनेंट के रूप में कमीशन प्रदान किया जाता है वशतें कि इस ० एच० ५० पी० ई० एम० शारीरिक रूप से स्वस्थ हों।

II. सेवा की शर्तें:—

(i) वेतन

रेक	वेतनमान (रुपये)
सैकिंड लैफिटनेंट	750-790
लैफिटनेंट	830-950
फैट्टन	1100-1550
मेजर	1450-1800
लैफिटनेंट कर्नल (चयन द्वारा)	1750-1950
लैफिटनेंट कर्नल (समय वेतनमान)	1900 नियत
कर्नल	1950-2175
सियेन्टिफिकर	2200-2400
मेजर जनरल	2500-125/2-2750
सैकिंड जनरल	3000 प्रतिमास

(ii) योग्यता वेतन और अनुदान

लैफिटनेंट कर्नल और उससे नीचे के रेक के कुछ निष्पादित योग्यता रखने वाले अधिकारी अपनी योग्यताओं के अधार पर 1600 रु०, 2400 रु०, 4500 रु० अथवा 6000 रु० के एक मुश्त अनुदान के हकदार हैं। उड़ान प्रशिक्षण (वर्ग ‘ख’) रु. 70 की दर पर योग्यता वेतन के अधिकारी होंगे।

III. भत्ते :—

(iii) वेतन के अतिरिक्त अफसरों को इस समय निम्न-लिखित भत्ते मिलते हैं:—

(क) सिविलियन राजपत्रित अफसरों पर समय-समय पर लाभ दरों और शर्तों के अनुसार इन्हें भी नगर प्रतिकर तथा मंहगाई भत्ते दिये जाते हैं।

(ख) 50 रु० प्रतिमास की दर से किट अनुरक्षण भत्ता।

(ग) भारत के बाहर सेवा करने पर ही प्रवास भत्ता दिलेगा। यह विदेश भत्ते की तदनुरूपी एकल दर का 25 प्रतिशत से 40 प्रतिशत तक होगा।

(ब) नियुक्ति भत्ता जब विवाहित अफसरों को ऐसे नौसेना पर तैनात किया जाता है जहां परिवार महिला नहीं रखा जा सकता है, तब वे अफसर 70/- रु० प्रतिमास की दर से नियुक्ति भत्ता प्राप्त करने के हकदार होते हैं।

(ट) सज्जा भत्ता:—प्रारम्भिक सज्जा भत्ता रु० 1400 है। प्रथम कमीशन की तारीख से प्रत्येक मात्र वर्ष के बाद एक नये सज्जे भत्ते का दावा किया जा सकता है।

(iv) तैनाती

यह सेना अफसर भारत में या विदेश में कही भी तैनात किये जा सकते हैं।

(v) पदोन्नति:

(क) स्थाई पदोन्नति:

उच्चतां रैकों पर स्थाई पदोन्नति के लिये निम्नलिखित सेवा सीमायें हैं:—

समय वैतनमान में

लैफिटनेंट	2 वर्ष कमीशन प्राप्त सेवा
कैप्टन	6 वर्ष कमीशन प्राप्त सेवा
मेजर	13 वर्ष कमीशन प्राप्त सेवा
मेजर में लैफिटनेंट कर्नल यदि चयन	चयन
द्वारा पदोन्नति न हुई हो	25 वर्ष कमीशन प्राप्त सेवा

चयन द्वारा

लैफिटनेंट कर्नल	16 वर्ष कमीशन प्राप्त सेवा
कर्नल	20 वर्ष कमीशन प्राप्त सेवा
ब्रिगेडियर	23 वर्ष कमीशन प्राप्त सेवा
मेजर जनरल	25 वर्ष कमीशन प्राप्त सेवा
लैफिटनेंट जनरल	28 वर्ष कमीशन प्राप्त सेवा
जनरल	कोई प्रतिबन्ध नहीं।

(ख) कार्यकारी पदोन्नति:

निम्नलिखित न्यूनतम सेवा सीमायें पूरी करने पर, अफसर उच्चतर रैकों पर कार्यकारी पदोन्नति के लिये पात्र होंगे बशर्ते को रिक्तियां उपलब्ध हों:—

कैप्टन	3 वर्ष
मेजर	5 वर्ष
लैफिटनेंट कर्नल	6-1/2 वर्ष
कर्नल	8-1/2 वर्ष
ब्रिगेडियर	12 वर्ष
मेजर जनरल	20 वर्ष
लैफिटनेंट जनरल	25 वर्ष

(छ) नौसेना अकादमी कौचीन में भर्ती होने वाले उम्मीदवार के लिये:—

1. (क) जो उम्मीदवार अकादमी में प्रशिक्षण के लिये अन्तिम रूप में चुन लिये जायेंगे, उन्हें नौसेना की कार्यकारी

पात्रा में कैडेटों के रूप में नियुक्त किया जायेगा। उन उम्मीदवारों को नौसेना अकादमी कौचीन के प्रभारी अफसर के पास निम्नलिखित राणी जमा करानी होगी:

(1) जिन उम्मीदवारों ने सरकारी विभीत सहायता के लिये आवेदन पत्र नहीं दिया हो:—

(i) 45.00 रुपये प्रतिमास की दर से पांच साल के लिये जेब खर्च	225.00 रु०
(ii) कपड़ों और सज्जा सामग्री के लिये	460.00 रु०
जोड़	685.00 रु०

(2) जिन उम्मीदवारों ने सरकारी वित्तीय सहायता के लिये आवेदन पत्र दिया हो:—

(i) 45.00 रु० प्रतिमास की दर से दो मास के लिये जेब खर्च	90.00 रु०
(ii) कपड़ों और सज्जा सामग्री के लिये	460.00 रु०
जोड़	550.00 रु०

(ख) चुने हुए उम्मीदवारों को कैडेटों के रूप में नियुक्त किया जायेगा तथा उन्हें नौसेना जहाजों और प्रतिष्ठानों में नीचे दिया गया प्रशिक्षण प्राप्त करना होगा:—

(क) कैडेट प्रशिक्षण तथा 6 मास का नौकार्य प्रशिक्षण 1 वर्ष	
(ख) मिडल शिपमैन नौकार्य प्रशिक्षण	6 मास
(ग) कार्यकारी मब-लैफिटनेंट तकनीकी पाठ्य	
क्रम	12 मास

(घ) मब-लैफिटनेंट :

उपर्युक्त प्रशिक्षण पूरा होने के बाद, अधिकारियों को नौवहन निगरानी मन्त्रालयी पूर्ण प्रमाण पत्र लेने के लिये भारतीय नौसेनिक जहाजों पर नियुक्त किया जायेगा, जिसके लिये कम से कम 6 मास की अवधि आवश्यक है।

(i) नौसेना अकादमी में कैडेटों के प्रशिक्षण, आवास और सम्बद्ध सेवाओं, पुस्तकों, वर्द्ध भोजन सथा डाकटरी इलाज का खर्च सरकार बहन करेगी। किन्तु कैडेटों के माता-पिता अभिभावकों को उनका जेब खर्च और निजी खर्च बहन करना होगा। यदि कैडेट के माता-पिता/अभिभावकों की मासिक आय 450 रु० से कम हो और वह कैडेट का जेब खर्च पूर्णनया अथवा आंशिक रूप में पूरा न कर सकते हों तो, सरकार कैडेट के लिये 55 रु० प्रतिमास वित्तीय सहायता स्वीकार कर सकती है। वित्तीय सहायता लेने का इच्छुक उम्मीदवार अपने बच्चे जाने के बाद शीघ्र ही अपने जिला मजिस्ट्रेट के माध्यम से आवेदन पत्र दे सकता है। जिला

मजिस्ट्रेट उस आवेदन पत्र को अपनी अनुशंसा के साथ निदेशक, कामिक सेवा, नौसेना मुख्यालय, नई दिल्ली के पास भेज देगा।

यदि किसी माता पिता/अभिभावक के द्वारा अथवा उससे अधिक पुत्र या आश्रित नौसेना जहाजों/प्रतिष्ठानों में नाथ-साथ प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे हों तो उन सभी को साथ-साथ प्रशिक्षण प्राप्त करने की अवधि के लिये उपर्युक्त विनियम सहायता दी जा सकती है बताने कि माता पिता अभिभावक की मासिक आय 500/- रु. में अधिक न हो।

() बाद का प्रशिक्षण भारतीय नौसेना के जहाजों और स्थापनाओं में भी उन्हें सरकारी खर्च पर दिया जाता है। अकादमी छाइने के बाद उनके पहले छह मास के प्रशिक्षण के दौरान उन्हें उपर्युक्त पैरा (i) के अनुसार अकादमी में प्रशिक्षण प्राप्त करने वालों को मिलने वाली वित्तीय सहायता के समान सहायता दी जायेगी। भारतीय नौसेना के जहाजों और उनके प्रतिष्ठानों में छह मास का प्रशिक्षण प्राप्त कर लेने के बाद जिन कैडेटों की मिडशिपमैन के रैंक में पदोन्नति कर दी जायेगी और वे बेतन प्राप्त करने लगें, तब उनके माता पिता को उनका कोई खर्च नहीं देना होगा।

(iv) कैडेटों को सरकार से निशुल्क वर्दी मिलेगी किन्तु उन्हें इसके अन्वाना कुछ और कपड़े भी लेने होंगे। इन कपड़ों के सही नमूने और उनकी एकलूपता की सुनिश्चित करने के लिये, ये कपड़े नौसेना अकादमी में लैयार किये जायेंगे तथा उनका खर्च कैडेटों के माता पिता/अभिभावकों को बहन करना होगा वित्तीय सहायता के लिये आवेदन पत्र देने वाले कैडेटों को कुछ कपड़े निशुल्क या उत्तरादित नहीं सकते हैं। उन्हें कुछ विशेष करड़े ही खरीदन होंगे।

(v) प्रशिक्षण के दौरान सर्विस कैडेटों का अपने मूल रैंक के बही बेतन और बही भत्ते मिलेंगे जो वे कैडेटों के बहुने जाने के समय नाविक या सेवक या अप्रैटिस के पद पर काम करते हुए प्राप्त कर रहे होंगे। यदि उन्हें उस रैंक में बेतन वृद्धि दी जानी हो तो वे उस बेतन वृद्धि को पाने के भी हकदार होंगे यदि उनके मूल रैंक का बेतन और भत्ते, सीधे भर्ती होने वाले कैडेटों को मिलने वाली वित्तीय सहायता से कम हों तथा वे उस सहायता को प्राप्त करने के पात्र हों तो उन्हें उपर्युक्त दोनों राशियों के अन्तर की राशि भी मिलेगी।

(vi) सोमान्यम्: किसी कैडेट को प्रशिक्षण के दौरान न्याय पत्र देने की अनुमति नहीं दी जायेगी। जिस कैडेट को भारतीय नौसेना जहाजों और प्रतिष्ठानों में कोर्स पूरा करने के योग्य नहीं ममझा जायेगा उसे सरकार के अनुमोदन से प्रशिक्षण से बापस बुलाया जा सकता है तथा उसे प्रशिक्षण से हटाया भी जा सकता है। इन परिस्थितियों में किसी सर्विस कैडेट को उसकी मूल सर्विस पर बापस भेज दिया जायेगा। जिस कैडेट को इस प्रकार प्रशिक्षण से हटाया जायेगा या मूल सर्विस पर बापस भेजा जायेगा, वह परवर्ती कोर्स में दुबारा दाखिल होने का पात्र नहीं रहेगा। किन्तु जिन कैडेटों को कुछ कर्णाजन्य कारणों के आधार पर त्यागपत्र देने की अनुमति दी जाती है उनके मामलों पर गुणावणुण के आधार पर विचार किया जाता है।

1. किसी उम्मीदवार के भारतीय नौसेना में कैडेट चुने जाने से पूर्व भाता पिता/अभिभावक को:

(क) इस आशय के प्रमाण-पत्र पर हस्ताक्षर करने होंगे कि वह भली भाति समझता है कि यदि उसके पुत्र को या आश्रित को प्रशिक्षण के दौरान या उनके कारण कोई चोट लग जाये या शारीरिक दुर्बलता हो जाये या उपर्युक्त कारणों या अन्य कारणों से चोट लगने पर किये गये आपरेशन से या आपरेशन के दौरान मूर्छित करने की श्रीष्ठि के प्रयोग के कलस्वरूप मृत्यु हो जाये तो उसे या उसके पुत्र या आश्रित को सरकार से मुआवजा मांगने के दावे का या सरकार से अन्य सहायता मांगने का कोई हक नहीं होगा।

(ख) इस आशय के बांड पर हस्ताक्षर करने होंगे कि किसी ऐसे कारण से जो उनके नियंत्रण के अधीन हो, यदि उम्मीदवार कोई पूरा होने से पहले बापस जाना चाहे या यदि कमीशन दिये जाने पर स्वीकार न करे तो शिक्षा, शुल्क, भोजन, वस्त्र, बेतन तथा भत्ते, जो कैडेटों से प्राप्त किये हैं, उनका मूल्य या उनका वह अंश जो सरकार निर्णय करे, चुकाने की जिम्मेदारी वह लेता है।

3. बेतन और भत्ते

	बेतनमान
रैंक	सामान्य सेवा
मिडशिपमैन	560.00 रुपये
एकिटिंग सब-लेफिटनेंट	750.00 रुपये
सब-लेफिटनेंट	830-870 रुपये
लेफिटनेंट	1100-1450 रुपये
लेफिटनेंट-कमोडोर	1450-1800 रुपये

रैक	वेतनमान सामान्य सेवा
कमांडर (चयन मान द्वारा)	1750-1950 रुपये
कमांडर (समय वेतनमान द्वारा) फैट्न	1900.00 रुपये (नियत) 1950-2400 रुपये (कमो- डोर वह वेतन प्राप्त करता है जिसके लिये वह कैप्टन के रूप में वरिष्ठता के माध्यम पर हकदार होता है।)
रियर एडमिरल	2500-125/2-2750 रुपये
वाइस एडमिरल	3000 रुपये

(अ) भूमि

वेतन के अतिहिक्त प्रफसरों को मिम्नसिद्धि भूमि मिलते हैं :—

- (i) सिविलियन राजपत्रित प्रफसरों पर समय समय पर लागू वरों और शतों के अनुसार उन्हें भी नगर प्रतिकर तथा महाई भूमि दिलाता है।
- (ii) 50/- रु. प्रतिमास की दर से किट अनुरक्षण भूमि (कमोडोर रैक के तथा उनसे नीचे के रैक के प्रफसरों को)।
- (iii) जब प्रफसर भारत के बाहर सेवा कर रहा हो, तब आरिस रैक के अनुसार 50/- रुपये से 250/- रुपये तक प्रतिमास प्रदास भूमि।
- (iv) 75/- ह० प्रति मास के विवाद से इन प्रफसरों को नियमित भूमि दिलेगा :—
 - (i) जिन विवाहित प्रफसरों को ऐसे स्थानों पर तैनात किया जायेगा जहाँ वे परिवार सहित नहीं रह सकते।
 - (ii) जिन विवाहित प्रफसरों को आई० एन० जहाजों पर तैनात किया जायेगा अर्थवा जितनी अवधि के लिये वे वेस पसनों से दूर जहाजों पर रहेंगे।
 - (iii) जितनी अवधि के लिये वेस पसनों से दूर जहाजों पर रहेंगे, उत्तमी अवधि के लिये उन्हें मुफ्त राशन मिलेगा।

टिप्पणी :—उपर्युक्त के आलावा संकट के समय काम करने की रास्ती पनडुब्बी भूमि, पनडुब्बी वेतन, सर्वेक्षण आनुवृत्तिक/अर्हता वेतन/अनुवान तथा गोताखोरी वेतन जैसी कुछ विशेष रियायत भी प्रफसरों को दी जा सकती है।

टिप्पणी II—प्रफसर पनडुब्बी तथा विमानन सेवाओं के लिये अपनी सेवायें प्राप्ति कर सकते हैं। इन सेवाओं में सेवा के लिये चुने गये प्रफसर वह द्वाएँ वेतन तथा भूमि को पाने के हकदार होते हैं।

4. वदोन्नति

(क) समय वेतनमान द्वारा मिड-शिपमैन से एक्टिंग सब-लैफिट-नेट तक	1/2 वर्ष
एक्टिंग सब-लैफिटनेट से सब-लैफिटनेट तक	1 वर्ष
सब लैफिटनेट से लैफिटनेट	एक्टिंग और स्थायी सब-लैफिटनेट (वरिष्ठता के लाभ/समर्थन के अधीन) रूप में 3 वर्ष
लैफिटनेट से लैफिटनेट कमोडोर और तक	लैफिटनेट के रूप में 8 वर्ष की वरिष्ठता
लैफिटनेट कमोडोर से कमोडोर और तक	24 वर्ष की संगणीय
(म) यदि चयन द्वारा पदोन्नति न हुई हो)	कमीशन प्राप्त सेवा
(ख) चयन द्वारा	
लैफिटनेट कमोडोर से कमोडोर तक	लैफिटनेट कमोडोर के रूप में 2—8 वर्ष की वरिष्ठता
कमोडोर से कैप्टन तक	कमोडोर के रूप में 4 वर्ष की वरिष्ठता
कैप्टन से रियर एडमिरल और उससे ऊपर तक	कोई सेवा प्रतिबन्ध नहीं।

5. तैनाती

अक्षयर भारत और विदेश में कहीं भी तैनात किये जा सकते हैं।

टिप्पणी :—यदि किसी और सूचना की आवश्यकता हो तो वह निदेशक, कार्मिक सेवा नौसेना मुख्यालय, नई दिल्ली-110011 से प्राप्त की जा सकती है।

(ग) अक्षयर ट्रेनिंग स्कूल मद्रास में भर्ती होने वाले उम्मीदवार के लिये :—

1. इससे पूर्व कि उम्मीदवार अक्षयर ट्रेनिंग स्कूल मद्रास, में भर्ती होने :—

(क) उसे इन आशय से प्रमाण-पत्र पर हस्ताक्षर करने होने कि वह भली भांति समझता है कि उसे या उसके बैध वारिसों को सरकार से मुआवजे या अन्य किसी सहायता के दावे का कोई हक नहीं होता, यदि उसे प्रशिक्षण के दौरान कोई चोट या शारीरिक दुर्बलता हो जाए या मृत्यु हो जाये या उपर्युक्त कारणों से घोट लगने पर किये गये आपरेशन या आपरेशन के दौरान मृष्टि करने की औषधि के प्रयोग के फलस्वरूप ऐसा हो जाये।

(ख) उसके माता-पिता या अभिभावक को एक बांध पर हस्ताक्षर करने होंगे कि किसी कारण से जो छात्रके नियंत्रण के अधीन मान लिया जाए यदि उच्चीदावर कोर्स पूरा करने से पूर्व वापिस जाना चाहे या यदि दिए जाने पर कमीशन स्वीकार न करेया अक्सर ट्रेनिंग स्कूल में प्रशिक्षण प्राप्त करते हुए शावी कर ले तो उसे शिक्षा, खाना, वस्त्र और वेतन तथा भर्ते जो उसने प्राप्त किए हैं, उनको लागत या उनका वह अंश जो सरकार निर्णय करे, चुकाने के जिम्मेदार होंगे।

2. जो उच्चीदावर अन्तिम रूप से जुमे जाएगे उन्हें अफसर ट्रेनिंग स्कूल में लगभग 9 महीने का प्रशिक्षण कीर्ति पूरा करना होगा। इन उच्चीदावारों को 'सेना अधिनियम के अंतर्गत जैटलमैन कैडेट' के रूप में नामांकित किया जाएगा। सामान्य अनुशासन की वृत्ति से ये जैटलमैन कैडेट अफसर ट्रेनिंग स्कूल के नियमों तथा विनियमों के अंतर्गत रहेंगे।

3. प्रशिक्षण की लागत जिसमें आवास, पुस्तकें, वर्द्धी व भोजन तथा चिकित्सा सुविधा शामिल है, सरकार वहन करेगी और उच्चीदावारों को अपना जेब खर्च स्वयं वहन करना होगा। कमीशन पूर्व प्रशिक्षण के दौरान न्यूनतम 55 रु 40 प्रतिमास से अधिक खर्च की संभावना नहीं है। किन्तु यदि उच्चीदावार कोई फोटोग्राफी, शिकार खेलना, सैरस्पाई इत्यादि का शौक रखता हो, तब उसे अतिरिक्त धन की आवश्यकता होगी। यदि कोई कैडेट यह न्यूनतम व्यय भी पूर्ण या आंशिक रूप में वहन नहीं कर सके तो उसे समय समय पर परिवर्तनीय दरों पर इस हेतु वित्तीय सहायता दी जा सकती है बश्यतें कि कैडेट और उसके माता पिता/अभिभावक की आय 450 रुपये प्रति मास से कम हो। वर्तमान आदेशों के अनुसार वित्तीय सहायता की दर 55 रुपये प्रति मास है। जो उच्चीदावार वित्तीय सहायता प्राप्त करने का इच्छुक हो, उसे प्रशिक्षण के लिये अन्तिम रूप से जुने जाने के बाव निर्धारित रूपता पर एक आवेदन अपने जिले के जिला भजिस्ट्रेट को भेजना होगा जो अपनी सत्यापन रिपोर्ट के साथ आवेदन पत्र को कमांडेट, अफसर ट्रेनिंग स्कूल, मद्रास को भेज देगा।

4. अफसर ट्रेनिंग स्कूल में अन्तिम रूप से प्रशिक्षण के लिये चुने गये उच्चीदावारों को वहाँ पहुंचने पर कमांडेट के पास निम्नलिखित राशि जमा करनी होगी:—

	रुपये
(क) 55.00 रु 40 प्रतिमास की दर से	550.00
दस महीने के लिये जेब खर्च	500.00
(ख) वस्त्र तथा उपकरण के लिये	1050.00
योग	

यदि कैडेटों की वित्तीय सहायता स्वीकृत हो जाती है तो उपर्युक्त राशि में से (ख) के सामने वी गई राशि वापस कर दी जायेगी।

5. समय-समय पर जारी किये गये आदेशों के अन्तर्गत परिधान भर्ता मिलेगा।

कमीशन मिल जाने पर इस भर्ते से खरीदे गये वस्त्र, तथा अन्य आवश्यक चीजें कैडेट को व्यक्तिगत सम्पत्ति बन जायेंगे। यदि कैडेट प्रशिक्षणाधीन अवधि में त्यगपत्र दे देया उसे निकाल दिया जावे तो कमीशन ले चूर्च वापस बुला लिया जाये तो इस वस्तुओं को उसके वाक्स ले लिया जायेगा। इन वस्तुओं का सरकार के सर्वोत्तम हित को विधिगत रूप से हुए लियाजात कर दिया जायेगा।

6. सामान्यतः किसी उच्चीदावार को प्रशिक्षण वे दौरान त्याग-पत्र देने की अनुमति नहीं दी जायेगी। लेकिन प्रशिक्षण प्रारम्भ होने के बाव त्याग-पत्र देने वाले जैटलमैन कैडेटों को अल लेना नुकसानपूर्ण होता उनका लाभ इस वस्त्रीकृत होने तक वह जाने की आवश्यकी जा सकती है। अस्त्राव से पूर्व उससे प्रशिक्षण भोजन तथा त्याग-पत्र देने वाले वर्ती वस्तु किया जायेगा। अफसर प्रशिक्षण स्कूल में उच्चीदावारों को भर्ती किए जाने से पूर्व उन्हें तथा उनके माता पिता अभिभावकों को इस आक्षय का एक बाइ भरता होता है।

7. जिस/जेटलमैन को प्रशिक्षण का सम्पूर्ण कोर्स उसके क्षेत्रमें नहीं सम्भव जायेगा जैसे सरकार की अनुमति से प्रशिक्षण से हटाया जा सकता है। इन परिस्थितियों में सैनिक उच्चीदावार को उसकी रेजिमेंट कोर में वापस भेज दिया जायेगा।

8. कमीशन प्रदान कर दिये जाने के बाद देतन तथा भर्ते पैंशन छुट्टी तथा अन्य सेवा शर्तें निम्न प्रकार होंगी।

9. प्रशिक्षण

1. जुने गए उच्चीदावारों को सेना प्रधिनियम के अन्तर्गत जैटलमैन कैडेटों के रूप में नामांकित किया जाएगा तथा वे अफसर ट्रेनिंग स्कूल में लगभग 9 मास तक प्रशिक्षण कोर्स पूरा करने के उपर्युक्त जैटलमैन कैडेट को प्रशिक्षण के सफलतापूर्वक पूरा करने की तारीख से सेकेंड लेफिलेन्ट के पद पर अल्फाल्फा सेवा कमीशन प्रदान किया जाता है।

10. सेवा की शर्तें:—

(क) परिवीक्षा की अवधि

कमीशन प्राप्त करने की तारीख से अफसर 6 मास की अवधि तक परिवीक्षा अवधि के अन्तर्गत अनीशन आवश्यकताओं के अनुपयुक्त बताया गया तब उसकी परिवीक्षा अवधि के अन्तर्गत होने से पूर्व यह उसके बाब यदि किसी भी स्थिर उसका कमीशन समाप्त किया जा सकता है।

(क) तैमाती

अल्पकालिक सेवा कमीशन प्राप्त करने पर उन्हें भारत या विवेश में कही भी नौकरी पर तैतान किया जा सकता है।

(ग) नियमित की अवधि तथा पदोन्नति

नियमित थल सेना में अल्पकालिक सेवा कमीशन पांच वर्ष की अवधि के लिये प्रदान किया जाएगा जो अफसर सेना में पांच वर्ष के अल्पकालिक सेवा कमीशन की अवधि के बाद सेना में सेवा करने के इच्छुक होंगे, वे यदि हर प्रकार से पात्र तथा उपयुक्त पाए गए, तो संबंधित नियमों के अनुसार उनके अल्पकालिक सेवा कमीशन के अंतिम वर्ष में उनको स्थायी कमीशन प्रदान किये जाने पर विचार किया जाएगा। जो पांच वर्ष की अवधि के दौरान स्थाई कमीशन प्रदान किये जाने की अर्हता प्राप्त नहीं कर पायेंगे उन्हें पांच वर्ष की अवधि पूरी होने पर निर्भवत कर दिया जाएगा।

(घ) वेतन और भत्ते

अल्पकालिक सेवा कमीशन प्राप्त अफसर वही वेतन और भत्ते प्राप्त करेंगे जो सेना के नियमित अफसरों को प्राप्त होता है।

सैकेन्ड लेफिटनेन्ट और लेफिटनेन्ट के वेतन की दर इस प्रकार है:—

सैकेन्ड लेफिटनेन्ट—750-790 रु० प्रति मास।

लेफिटनेन्ट—830-950 रु० प्रति मास।

तथा प्रत्येक भत्ते जो नियमित अफसरों को मिलते हैं।

(इ) छुट्टी

छुट्टी के संबंध में ये अफसर अल्पकालिक सेवा कमीशन अफसरों के लिये, लागू नियमों से नासित होंगे जो सेना अवकाश नियमावली छंड-1 थल सेना, के प्रध्याय पांच में उल्लिखित है। वे अफसर ट्रेनिंग स्कूल के पासिंग आउट करने पर तथा ड्यूटी ग्रहण करने से पूर्व उक्त नियम 91 में दी गई व्यवस्थाओं के अनुसार भी छुट्टी के हकदार होंगे।

(ज) कमीशन की समता

अल्पकालिक सेवा कमीशन प्राप्त अफसर को पांच वर्ष सेवा करनी होगी किन्तु भारत सरकार निम्नलिखित कारणों से किसी भी समय उसका कमीशन समाप्त कर सकती है:—

- (i) अपचार करने या असतोषजनक घप से या सेवा करने पर; या
- (ii) स्वास्थ्य की दृष्टि से अयोग्य होने पर;
- (iii) उसकी सेवाओं की और अधिक अवश्यकता होने पर; या
- (iv) उसके किसी निर्धारित परीक्षण या कोर्स में अर्हता प्राप्त करने में असफल रहने पर।

तीन महीने का नोटिस देने पर किसी अफसर की कहणाजन्य कारणों के आधार पर कमीशन से त्याग-पत्र देने की अनुमति दी जा सकती है। किन्तु इसकी पूर्णतः निर्णयक भारत सरकार ही होगी। कहणाजन्य कारणों के आधार पर कमीशन से त्याग-पत्र देने की अनुमति प्राप्त कर सेवा पर कोई अफसर सेवानां उपदान पाने का पात्र नहीं होगा।

(क) पेंशन लाभ

(i) ये अभी विचाराधीन हैं।

(ii) अल्पकालिक सेवा कमीशन अफसर 5 वर्ष की सेवा पूरी करने पर 5000.00 रु० का सेवानां उपदान पाने के हकदार होंगे।

(ज) रिजर्व में रहने का दायित्व

5 वर्ष की अल्पकालिक सेवा कमीशन सेवा या बढ़ाई गई कमीशन सेवा पूर्ण करने के बाद से 5 वर्ष की अवधि के लिये या 40 वर्ष की आयु तक, जो भी पहले हो, रिजर्व में रहेंगे।

(म) विविध:—

सेवा संबंधी अन्य सभी शर्तें, जब तक उनका उपयुक्त उपबंधी के साथ ऐसे नहीं होता है, वही होंगी जो नियमित अफसरों के लिये लागू है।

(घ) वायु सेना अकादमी में प्रवेश लाने वाले उम्मीदवारों के लिये**1. चयन :—**

भारतीय वायु सेना की उड़ान शाखा (पाइलट) में वो प्रकार से भर्ती की जाती है। अर्थात् संघ लौक सेवा आयोग के माध्यम से डायरेक्ट एन्ट्री और वायु स्कंध वर्गिष्ठ प्रभाग के माध्यम से एन० सी० सी०।

(क) **डायरेक्ट एन्ट्री**—आयोग लिखित परीक्षा, के आधार पर चयन करता है, ये परीक्षायें एक वर्ष सामान्यतः वर्ष में वो बार मई और नवम्बर नी जाती हैं। सफल उम्मीदवारों को वायु सेना चयन बोर्ड के सामने परीक्षण और साक्षात्कार के लिये भेजा जाता है।

(ख) **एन० सी० सी०** के माध्यम से प्रवेश :—राष्ट्रीय कैडेट कोर महानिदेशक द्वारा विभिन्न एन० सी० सी० यूनिटों के माध्यम से एन० सी० सी० उम्मीदवारों से आवेदनपत्रों को आमंत्रित कर उन्हें वायु सेना मुख्यालय को अग्रसारित कर दिया जाता है। पात्र उम्मीदवारों को परीक्षण और साक्षात्कार के लिये वायु सेना चयन बोर्ड सामने प्रस्तुत होने का निदेश दिया जाता है।

2. प्रशिक्षण पर भेजना:—वायु सेना चयन बोर्ड द्वारा अनुशंसित और उपयुक्त चिकित्सा प्राधिकरण द्वारा शारीरिक रूप से स्वस्थ्य पाये जाने वाले उम्मीदवारों को वरीयता तथा उपलब्ध रिक्तियों की संख्या के आधार पर प्रशिक्षण के लिये भेजा जाता है। डायरेक्ट एंट्री उम्मीदवारों की वरीयता मूची संघ लोक सेवा आयोग द्वारा तैयार की जाती है और एन० सी० सी० उम्मीदवारों की वरीयता मूची अलग से तैयार की जाती है। डायरेक्ट एंट्री उड़ान (पाइलट) उम्मीदवारों की वरीयता मूची सं० लो० से० आ० द्वारा लिखित परीक्षण में उम्मीदवारों के प्राप्तकों तथा वायु सेना चयन बोर्ड में प्राप्त अंकों को जोड़ कर तैयार की जाती है। राष्ट्रीय कैडेट कॉर के उम्मीदवारों की वरीयता मूची उनके द्वारा वायु सेना चयन बोर्ड में प्राप्त अंकों के आधार पर तैयार की जाती है।

3. प्रशिक्षण: वायु सेना अकादमी में उड़ान शाखा (पाइलट) के लिये प्रशिक्षण की अवधि लगभग 75 सप्ताह होगी।

4. भविष्य में पदोन्नति की संभावनायें:—प्रशिक्षण को सफलतापूर्वक पूरा करने के बाद उम्मीदवारों को पायलट अफसर का रैक दिया जाता है और वे उसी रैक के बेतन तथा भत्ते प्राप्त करने के हकदार हो जाते हैं, वर्तमान दर के आधार पर, उड़ान शाखा के अधिकारियों को लगभग रु० 1575/- प्रति माह भत्ता मिलते हैं जिसमें उड़ान बेतन रु० 375/- प्रति माह भी मम्मिलित है। वायु सेना का भविष्य बहुत उज्ज्वल होता है यद्यपि विभिन्न शाखाओं में इम प्रकार की संभावनायें अलग-अलग होती हैं।

भारतीय वायु सेना में दो प्रकार में पदोन्नति होती है। अर्थात् कार्यकारी रैक प्रदान करके और स्थाई रैक प्रदान करके प्रत्येक उच्च रैक के लिये अतिरिक्त परिलिंग्धियां निर्धारित हैं। रिक्तियों की संख्या पर आधारित हर एक को उच्च कार्यकारी रैक में पदोन्नति प्राप्त करने के अच्छे अवसर मिलते हैं। स्क्वेड्रन लीडर और विंग कमांडर के रैक में समय बेतन मान पदोन्नति उड़ान (पाइलट) शाखा में क्रमशः 11 वर्ष की तथा 24 वर्ष की सफल सेवा पूरी करने के बाद की जाती है। विंग कमांडर और उससे ऊपर के उच्चतर पदों में पदोन्नति विधिवत् गठित पदोन्नति बोर्ड द्वारा चयन के आधार पर की जाती है। उदीयमान अधिकारियों के लिये पदोन्नति के अच्छे अवसर होते हैं।

5. बेतन तथा भत्ते :—

मूल रैक	उड़ान शाखा
1	2
	रु०
पाइलट अफसर	825-865
फ्लाइंग अफसर	910-1030
फ्लाइंग लैपिटनेंट	1150-1550

1	2
स्क्वेड्रन लीडर	1450-1800
विंग कमांडर	1550-1950
ग्रुप कॉष्टन	1950-2175
एंप्रर कमोडोर	2200-2400
एंप्रर वाइस मार्शल	2500-2750
एंप्रर मार्शल	3000

महाराई तथा प्रतिकर भत्ते :—अधिकारियों को ये भत्ते भारत सरकार के सिविलियन कर्मचारियों को लागू होने वाली शर्तों के अनुरूप निश्चित की गई दरों पर मिलते हैं।

किट अनुरक्षण भत्ता :—रु० 50 प्रति माह; उड़ान बेतन; उड़ान शाखा के अधिकारी निम्नलिखित दरों पर उड़ान बेतन प्राप्त करने के हकदार होते हैं।

विंग कमांडर और उससे नीचे रु० 375.00 प्रति माह
ग्रुप कॉष्टन और एंप्रर कमोडोर रु० 333.33 प्रति माह
एंप्रर वाइस मार्शल और उससे ऊपर रु० 300.00 प्रति माह

योग्यता बेतन :—कमीशन सेवा के दो या दो से अधिक बर्च पूरा करने वाले विंग कमांडर और उससे नीचे के रैक के अधिकारियों को विशिष्ट योग्यताओं के लिए निर्धारित दरों पर योग्यता बेतन/अनुदान प्रदान किया जाता है। योग्यता बेतन की दर रु० 70/- और रु० 100/- है और अनुदान रु० 6000/- रु० 4500/- 2400/- और रु० 1600/- है।

प्रवास भत्ता :—जहां वायु सेना अधिकारियों को टुक-डिंगों के रूप में रखा जाना अपेक्षित होता है। उन देशों में नियुक्त एक तृतीय सचिव, द्वितीय सचिव, प्रथम सचिव कन्सलर को दिए जाने वाले किंद्रेण भत्ते का 25 प्रतिशत से 40 प्रतिशत तक (पारित रैक के अनुसार) प्रवास भत्ता देय होता है।

नियुक्ति भत्ता :—ऐसे विवाहित अधिकारी जिनकी नियुक्ति यूनिट में होती है। गैर परिवार स्टेजन स्थित/सरकार द्वारा अधिमूलित ऐसे स्थान जहां अधिकारियों को परिवार को साथ रखने की अनुमति नहीं होती है उन्हें रु० 70/- प्रतिमास की दर से वियुक्त भत्ता दिया जाएगा।

परिधान भत्ता :—वर्दी/उपस्कर जो कि प्रत्येक अधिकारी को अवश्य रखनी पड़ती है उसके मूल्य के बदले में दिया जाने वाला प्रारम्भिक परिधान भत्ता रु० 1400/- है (समय-समय पर इसमें मंशोधन किया जाता है) नवीकरण के लिए हर सात साल के बाद रु० 1200/- दिए जाएंगे। कैम्प किट, कमीशन प्रदान करने समय मुफ्त दी जाती है।

6. छुट्टी और अवकाश यात्रा रियायत भत्ता :—

वार्षिक अवकाश : वर्ष : 60 दिन

आकस्मिक अवकाश : वर्ष में 20 दिन : एक बार में 10 दिन से अधिक नहीं।

कमीशन प्राप्त करने के एक वर्ष के बाद जब भी अधिकारी वार्षिक आकस्मिक अवकाश लेंगे वे तथा उनके परिवार के सदस्य मुफ्त सवारी के हकदार होंगे जहाँ अवकाश की अवधि कुछ भी क्यों न हो। जनवरी, 1971 से प्रारम्भ होने वाले दो वर्षों के अन्तर्काल में एक बार अधिकारी अपने इयूटी स्थान (युनिट) से घर तक आने के लिए निःशुल्क सवार बाह्य के हकदार होंगे। जिस वर्ष इस रियायत का उपयोग नहीं किया जाएगा तो उस वर्ष उसे पत्ती सहित 965 कि० मि० के रास्ते के लिए आने और आने दोनों तरफ की सुविधा पाने के हकदार होंगे।

इसके अतिरिक्त उड़ान शाखा के अधिकारियों को, जो प्राधिकृत स्थापना में गिरियोंको भरने के लिए नियमित उड़ान इयूटी पर तैनात होते हैं, अवकाश लेने पर वर्ष में एक बार बारंट पर 1600 कि० मि० की दूरी को तय करने के लिए नेल द्वारा उपयुक्त क्लास में मुफ्त यात्रा करने की सुविधा होगी इसमें आने और जाने की यात्रा सम्मिलित होगी।

जो अधिकारी छुट्टी लेकर अपने खर्च से यात्रा करने के इच्छुक हैं वे कैलेण्डर वर्ष में तीन बार पत्ती तथा बच्चों के रेल द्वारा प्रथम श्रेणी के किराए का 60 प्रतिशत भुगतान करके यात्रा करने के हकदार होंगे। इसमें एक बार पूरे परिवार के माथ यात्रा की सुविधा दी जाएगी। परिवार में पत्ती तथा बच्चों के अनावा अधिकारी पर पूर्णतया आश्रित माता, पिता, बहनें और नाबालिक भाई शामिल होंगे।

7. पेंशन लाभ :—

सेवा निवृत्ति के समय रैक (स्थायी)	अर्हक की न्यूनतम अवधि	निवृत्ति पेंशन की मानक दर
--------------------------------------	-----------------------------	------------------------------

रु० प्रतिमाह

पाइलट अफसर फ्लाइंग

अफसर	20 वर्ष	525	“
पाइलट लेफिटेंट	20 वर्ष	750	“
स्कैप्टन लीडर	22 वर्ष	875	“
विंग-कमांडर (समय बेतनमात्र)	26 वर्ष	900	“
विंग-कमांडर सलैक्विं	24 वर्ष	950	“
ग्रुप कैप्टन	26 वर्ष	1100	“
एश्वर कमोडोर	28 वर्ष	1125	“
एश्वर वाइस मार्शल	30 वर्ष	1275	“
एश्वर मार्शल	30 वर्ष	1375	“
एश्वर चीफ मार्शल	30 वर्ष	1700	“

8. सेवा निवृत्ति उपदान

राष्ट्रपति की विविध पर सेवा निवृत्ति उपदान निम्नलिखित हैं :—

(क) 10 वर्ष की सेवा के लिए—रु० 12,000/- जिसमें से पिछले रैक के ड्रेड महीने का बेतन घटाकर।

(ख) प्रत्येक अतिरिक्त वर्ष के लिए—रु० 1200/- जिसमें से पिछले रैक के 1/4 महीने का बेतन घटाकर।

पेंशन या उपदान के अतिरिक्त प्रत्येक छः महीने की अवधि की अर्हक सेवा के लिए कुल परिलिखियों के चीथाई के बराबर मृत्यु और मेज़ानिवृत्ति उपदान देय हैं जो कि परिलिखियों का 16 1/2 गुण होगा और रु० 30,000 से अधिक नहीं होगा।

सेवा में रहते हुए मृत्यु हो जाने पर मृत्यु और सेवा निवृत्ति उपदान निम्नलिखित स्पष्ट से होंगे :—

(क) सेवा के पहले वर्ष यदि मृत्यु हो जाए तो दो महीने का बेतन;

(ख) यदि एक वर्ष की सेवा के बाद तथा पांच वर्ष की सेवा में पहले यदि मृत्यु हो जाए तो छः महीने का बेतन; और

(ग) पांच वर्ष की सेवा के बाद यदि मृत्यु हो जाए तो कम से कम 12 महीने का बेतन।

विवलांगता पेंशन और बच्चों और आश्रितों (माता, पिता, बहिन तथा भाई) को विशेष परिवार पेंशन पुरस्कार भी निर्धारित नियमों के अनुसार देय है।

परिशिष्ट

भारत सरकार के अधीन पदों पर नियुक्त होने आवेदन करने वाले अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जन जातियों के उम्मीदवारों द्वारा प्रस्तुत किए जाने वाले प्रमाण-पत्र का फार्म :—

प्रमाणित किया जाता है कि श्री सुपुत्र श्री जो गांव/कस्बा* जिला/मण्डल* राज्य/संघ राज्य क्षेत्र* के निवासी हैं जाति/जनजाति* के हैं जिसे निम्नलिखित के अधीन अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति* के स्पष्ट में भान्यता दी गई है :—

संविधान (अनुसूचित जातियां) आदेश, 1950*

संविधान (अनुसूचित जनजातियां) आदेश, 1950*

संविधान (अनुसूचित जातियां) (संघ राज्य क्षेत्र) आदेश, 1951*

संविधान (अनुसूचित जनजातियां) (संघ राज्य क्षेत्र) आदेश, 1951*

[अनुसूचित जातियां और अनुसूचित जन जातियां सूचियां (आणोधन) आदेश, 1956, बम्बई पुनर्गठन अधिनियम, 1960, पंजाब पुनर्गठन अधिनियम, 1966, हिमाचल प्रदेश गज्ज अधिनियम, 1970 और उत्तरपूर्वी क्षेत्र (पुनर्गठन) अधिनियम, 1971, और अनुसूचित जातियां तथा अनुसूचित जनजातियां आदेश (संशोधन) अधिनियम, 1976 द्वारा यथा संशोधित]

संविधान (जम्मू और काश्मीर) अनुसूचित जातियां आदेश, 1956।

संविधान (अंडमान और निकोबार द्वीप समूह) अनुसूचित जनजातियां आदेश, 1959* अनुसूचित जातियां तथा अनुसूचित जनजातियां आदेश (संशोधन) अधिनियम, 1976 द्वारा यथा संशोधित।

संविधान (दादरा और नाशर हवेली) अनुसूचित जातियां आदेश, 1962*

संविधान (दादरा और नाशर हवेली), अनुसूचित जनजातियां आदेश, 1962*

संविधान (पांडिचेरी) अनुसूचित जातियां आदेश, 1964*

संविधान (अनुसूचित जन जातियां) (उत्तर प्रदेश), आदेश, 1967*

संविधान (गोआ, दमन और दीव) अनुसूचित जातियां आदेश, 1968*

संविधान (गोआ, दमन और दीव) अनुसूचित जनजातियां आदेश, 1968*

संविधान (नाश्तलैण्ड) अनुसूचित जन जातियां आदेश, 1970*

श्री.....
और/या* उनका परिवार आम तौर से गांव/कस्ता*.....
.....जिला/मंडल*.....
राज्य/संघ* राज्य क्षेत्र*..... में रहता है।

हस्ताक्षर

**पदनाम

(कार्यालय की मोहर के साथ
राज्य/संघ* राज्य क्षेत्र)

स्थान

तारीख

* जो शब्द लागू हो उसे कृपया काट दें।

नोट :—यहां “आम तौर से रहता है” का अर्थ वही होगा जो “रिपोजेटेशन आफ दि पीपुल एक्ट, 1950” की धारा 20 में है।

**जाति/जनजाति प्रमाणपत्र जारी करने के लिए सक्षम अधिकारी।

(i) जिला मजिस्ट्रेट/अतिरिक्त जिला मजिस्ट्रेट/कलक्टर/डिप्टी कमिशनर/एडिशनल डिप्टी कमिशनर/डिप्टी कलेक्टर/प्रथम श्रेणी का स्टाइपेंडरी मजिस्ट्रेट/सिटी मजिस्ट्रेट *सब छिवीजनल मजिस्ट्रेट/ताल्लुक मजिस्ट्रेट/एक्जीक्यूटिव मजिस्ट्रेट/एक्स्ट्रा अमिस्ट्रेट कर्मचार।

*(प्रथम श्रेणी के स्टाइपेंडरी मजिस्ट्रेट से कम आहदे का नहीं)।

(ii) चौक प्रेसिडेंसी मजिस्ट्रेट/एडिशनल चौक प्रेसी-डेंसी मजिस्ट्रेट/प्रेसिडेंसी मजिस्ट्रेट।

(iii) रेवेन्यु अफसर जिनका ओहदा तहसीलदार से कम न हो।

(iv) उम इलाके का यब-डिवीजनल अफसर जहां उमीदवार और/या उमका परिवार आमतौर से रहता हो।

(v) एडमिनिस्ट्रेटर/एडमिनिस्ट्रेटर का सचिव/डेवलपमेंट अफसर (लक्ष्मीपुरी)।

परिणिष्ट- V

संघ लोक सेवा आयोग

उमीदवारों को सूचनार्थ विवरणिका

क. वस्तु परक परीक्षण

आप जिस परीक्षा में बैठने वाले हैं उमको “वस्तुपरक परीक्षण” कहा जाता है। इस प्रकार के परीक्षण में आपको उत्तर फैसाकर लिखने नहीं होते। प्रत्येक प्रश्न (जिसको आपे प्रश्नांश कहा जाएगा) के लिए कई संभाव्य उत्तर दिए जाते हैं। उनमें से प्रत्येक के लिए एक उत्तर (जिसको आपे प्रत्युत्तर कहा जाएगा) आपको चुन लेता है।

इस विवरणिका का उद्देश्य आपको इस परीक्षा के बारे में कुछ जानकारी देना है जिससे कि परीक्षा के स्वास्थ्य से परिचित न होने के कारण आपको कोई हानि न हो।

ख. परीक्षण का स्वरूप

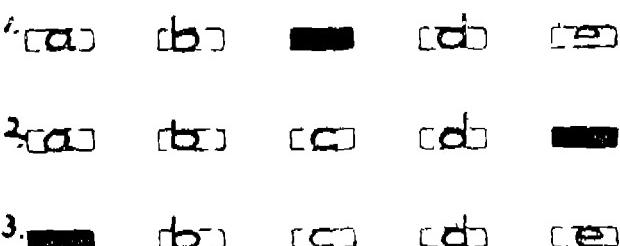
प्रश्न-पत्र “परीक्षण पुस्तिका” के रूप में होते हैं। इस पुस्तिका में क्रम संख्या 1, 2, 3 के क्रम में प्रश्नांश होते हैं। हर प्रश्नांश के नीचे, a, b ,c, क्रम में संभावित प्रत्युत्तर

लिखे होंगे। आपको काम प्रयोग प्रण के लिए एक सही या यदि एक से अधिक प्रत्युत्तर हैं मही हैं तो उनमें से सर्वोत्तम प्रत्युत्तर का चुनाव करना होगा। (अत में दिए गए नमूने के प्रश्नांश देखें) किसी भी स्थिति में, प्रत्येक प्रश्नांश के लिए आपको एक ही प्रत्युत्तर का चुनाव करना होगा। यदि आप एक से अधिक चुन लेते हैं तो आपका उत्तर गलत माना जाएगा।

ग. उत्तर देने के विधि

उत्तर देने के लिए आपको श्रलग से एक उत्तर पत्रक परीक्षा भवन में दिया जाएगा। आपको अपने उत्तर इस उत्तर पत्रक में लिखने होंगे। परीक्षण पुस्तिका में या उत्तर पत्रक को छोड़कर अन्य किसी कागज पर लिखे गए उत्तर जांच नहीं जाएंगे।

उत्तर पत्रक में प्रश्नांशों की संख्याएं 1 से 200 तक चार छाँड़ों में छापी गई हैं। प्रत्येक प्रश्नांश के सामने a, b, c, d, e, के त्रैम से प्रत्युत्तर छपे होंगे। परीक्षण पुस्तिका के प्रत्येक प्रश्नांश को पढ़ लेने और यह निर्णय करने के बाद कि कौन सा मही प्रत्युत्तर या सर्वोत्तम हैं, आपको उस प्रत्युत्तर के अधिकार को दर्शाने वाले आयात को पेन्सिल से काला बनाकर उसे अंकित कर देना है, जैसा कि संलग्न उत्तर पत्रक नमूने पर दिखाया गया है। उत्तर पत्रक के आयात को काला बनाने के लिए स्थाही का प्रयोग नहीं करना चाहिए।



इसलिए यह जरूरी है कि

1. प्रश्नांशों के उत्तरों के लिए केवल अच्छी किसी की एच० बी० पेंसिल (पेंसिलों) ही लाएं और उन्हीं का प्रयोग करें।

2. अगर आपने गलत निशान लगाया है तो उसे पूरा मिटाकर फिर से सही उत्तर का निशान लगा दें। इसके लिए आप अपने साथ एक रबड़ भी लाएं।

3. उत्तर पत्रक का उपयोग करने समय कोई ऐसी असावधानी न हो जिसमें वह खराब हो जाए या उसमें मोड़ व मलबट आदि पड़ जाएं और वह टेढ़ा हो जाए।

घ. कुछ महत्वपूर्ण नियम

1. आपको परीक्षा आरंभ करने के लिए निर्धारित समय से बीस मिनट पहले परीक्षा भवन में पहुंचना होगा और पहुंचते ही अपना स्थान ग्रहण करना होगा।

2. परीक्षण शुरू होने के 30 मिनट बाद किसी को परीक्षा में प्रवेश नहीं दिया जाएगा।

3. परीक्षा शुरू होने के बाद 45 मिनट तक किसी को परीक्षा भवन छोड़ने की अनुमति नहीं मिलेगी।

4. परीक्षा समाप्त होने के बाद परीक्षण पुस्तिका और उत्तर पत्रक निरीक्षक/पर्यवेक्षक को सौंप दें। आप को परीक्षण पुस्तिका परीक्षा-भवन से बाहर ले जाने की अनुमति नहीं है। इन नियमों का उल्लंघन करने पर कड़ा दंड दिया जाएगा।

5. उत्तर पत्रक पर नियत स्थान पर परीक्षा/परीक्षण का नाम, अपना रोल नम्बर, केन्द्र, विषय, परीक्षण की तारीख और परीक्षण पुस्तिका की क्रम संख्या स्थाही में साफ़-नाफ़ लिखें। उत्तर पत्रक पर आप कहीं भी अपना नाम न लिखें।

6. परीक्षण पुस्तिका में दिए गए सभी अनुदेश आपको सावधानी से पढ़ने हैं। चूंकि मूल्यांकन मशीन के द्वारा होता है इसलिए संभव है कि इन अनुदेशों का सावधानी से पालन न करने से आपके नंबर कम हो जाएं। अगर उत्तर पत्रक पर कोई प्रविष्टि संदिग्ध है तो उस प्रश्नांश के लिए आपको कोई नम्बर नहीं मिलेगा। पर्यवेक्षक के दिए गए अनुदेशों का पालन करें। जब पर्यवेक्षक किसी परीक्षण या उसके किसी भाग को आरंभ या समाप्त करने को कह दें तो उनके अनुदेशों का तत्काल पालन करें।

7. आप अपना प्रबंध प्रमाण-पत्र साथ लाएं। आपको अपने साथ एक एच० बी० की पेंसिल, एक रबड़, एक पेंसिल शार्पनर और नीली या काली स्थाही वाली कलम भी लानी होगी। आपको यह भी सलाह दी जाती है कि आप अपने साथ एक किलप बोर्ड या एक हार्ड बोर्ड या एक कार्ड बोर्ड भी लाएं जिस पर कुछ भी न लिखा हो। यदि आपको दी गई मेज की सतह समतल नहीं है तो इसकी सतह समतल होने के कारण आपको परीक्षण पुस्तिका में उत्तर अंकित करने में सुविधा होगी। आपको परीक्षा भवन में कोई कच्चा कागज या कागज का टुकड़ा, पैमाना या आरेखन उपकरण नहीं लाने हैं क्योंकि इनकी जरूरत नहीं होगी। कच्चे काम के लिए आपको एक श्रलग कागज दिया जाएगा। आप कच्चा काम शुरू करने से पहले उस पर परीक्षा का नाम, अपना रोल नम्बर, और तारीख लिखें और परीक्षण समाप्त होने के बाद उसे अपने उत्तर पत्रक के साथ पर्यवेक्षक को वापस कर दें।

ड. विशेष अनुदेश

जब आप परीक्षा भवन में अपने स्थान पर बैठ जाते हैं तब निरीक्षक से आपको उत्तर पत्रक मिलेगा। उत्तर पत्रक पर अपेक्षित सूचना अपनी कलम से भर दें। यह काम पूरा होने के बाद निरीक्षक आपको परीक्षण पुस्तिका देंगे। जैसे ही आपको परीक्षण पुस्तिका मिल जाए तुरन्त आप देख लें कि उस पर पुस्तिका की संख्या लिखी हुई है अन्यथा उसे

बदलता लें। जब यह हो जाए तब आपको उत्तर पत्रक के संबद्ध खाने में अपनी परीक्षण पुस्तिका की त्रैम संख्या लिखनी होगी।

च. कुछ उपयोगी सुझाव

यद्यपि इस परीक्षण का उद्देश्य आपकी गति की श्रेष्ठता शुद्धता को जांचना है फिर भी यह जरूरी है कि आप अपने समय का दक्षता से उपयोग करें। संतुलन के साथ आप जितनी जल्दी आगे बढ़ सकते हैं वहाँ पर लापरवाही न हो। अगर आप सभी प्रश्नों का उत्तर नहीं दे पाते हैं तो चिन्ता न करें। आपको जो प्रश्न अत्यन्त कठिन मालूम पड़े उन पर समय व्यर्थ न करें। दूसरे प्रश्नों की ओर बहुत और उन कठिन प्रश्नों पर बाद में विचार करें।

सभी प्रश्नों के अंक समान होंगे। सभी प्रश्नों के उत्तर दें। आपके द्वारा अंकित मही प्रत्युत्तरों की संख्या के आधार पर आपको अंक दिए जाएंगे। गलत उत्तरों के अंक नहीं काटे जाएंगे।

छ. परीक्षण का समाप्त

जैसे ही पर्यवेक्षक आपको लिखना बंद करने को कहें आप लिखना बन्द कर दें। जब आप का उत्तर लिखना समाप्त हो जाए तब आप अपने स्थान पर तब तक बैठे रहें जब तक निरीक्षक आपके यहाँ आकर आपकी परीक्षण-पुस्तिका, उत्तर पत्रक और कच्चा कार्य करने का पत्रक परीक्षा भवन में बाहर ले जाने की अनुमति नहीं है।

नमूने के प्रश्नांश (प्रश्न)

1. मौर्यवंश के पतन के लिए निम्नलिखित कारणों में से कौन-सा उत्तरदायी नहीं है?
 - (a) अशोक के उत्तराधिकारी सबके सब कमज़ोर थे।
 - (b) अशोक के बाद साम्राज्य का विभाजन हुआ।
 - (c) उत्तरी सीमा पर प्रभावशाली सुरक्षा की व्यवस्था नहीं हुई।
 - (d) अशोकोत्तर युग में आर्थिक रिक्तता थी।

2. समदीय स्वरूप की सरकार में

- (a) विधायिका न्यायपालिका के प्रति उत्तरदायी है।
- (b) विधायिका कार्यपालिका के प्रति उत्तरदायी है।
- (c) कार्यपालिका विधायिका के प्रति उत्तरदायी है।
- (d) न्यायपालिका विधायिका के प्रति उत्तरदायी है।
- (e) कार्यपालिका न्यायपालिका के प्रति उत्तरदायी है।

3. पाठ्यशाला के छात्र के लिए पाठ्यतर कार्य कलाप का मुख्य प्रयोजन

- (a) विकास की मुविधा प्रदान करना है।
- (b) अनुशासन की समस्याओं की रोकथाम करना है।
- (c) नियत कक्षा-कार्य से राहत देना है?
- (d) शिक्षा के कार्यक्रम में विकल्प देना है।

4. सूर्य के सबसे निकट ग्रह है

- (a) शुक्र
- (b) मंगल
- (c) बृहस्पति
- (d) बुध

5. बन और बाढ़ के पारस्परिक सम्बन्ध को निम्नलिखित में से कौन-सा विवरण स्पष्ट करता है?

- (a) पेड़ पौधे जितने अधिक होते हैं मिट्टी का क्षरण उसना अधिक होता है जिससे बाढ़ होती है।
- (b) पेड़ पौधे जितने कम होते हैं नदियाँ उतनी ही गाद से भरी होती हैं जिससे बाढ़ होती है।
- (c) पेड़ पौधे जितने अधिक होते हैं, नदियाँ उतनी ही कम गाद भरी होती हैं जिससे बाढ़ रोकी जाती है।
- (d) पेड़ पौधे जितने कम होते हैं उतनी ही धीमी गति से बर्फ पिंवल जाती है जिससे बाढ़ रोकी जाती है।

UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

New Delhi-110011, the 21st October 1980

No. A.3501/1/80-Admn.II.—The Chairman, Union Public Service Commission, hereby appoints Shri S. K. Mishra, a permanent Section Officer of the C.S.S. cadre of the Union Public Service Commission to officiate on an *ad-hoc* basis as Senior Analyst for the period from 16th October 1980 to 15th January 1981, or until regular arrangements are made, or until further orders, whichever is earlier.

2. Shri S. K. Mishra will be on deputation to an *ex-cadre* post of Senior Analyst, Union Public Service Commission and his pay will be regulated in accordance with the provision contained in the Ministry of Finance O.M. No. F.10(24)-E.III/60 dated 4th May 1961, as amended from time to time.

The 23rd October 1980

No. A.32013/1/80-Admn.II.—The Chairman, UPSC, hereby appoints Shri M. K. Bhalla, permanent Senior Investigator of the Department of Statistics, Ministry of Planning and officiating Programmer in the Office of the Union Public Service Commission to officiate as Senior Programmer on an *ad hoc* basis with effect from 16th October 1980, till further orders or till regular appointments is made, whichever is earlier.

2. Shri M. K. Bhalla should note that his appointment to the post of Senior Programmer is purely on temporary and *ad hoc* basis and will not entitle him to claim seniority or absorption in the said post of Senior Programmer.

The 24th October 1980

No. A.32014/2/80-Admn.II.—The Chairman, Union Public Service Commission hereby appoints Shri S. P. Bansal, a permanent Assistant Superintendent (Holl.) and at present *ad-hoc* Superintendent (Data Processing) in the office of the Union Public Service Commission to officiate on *ad hoc* basis as Assistant Controller (Data Processing) in the Commission's office for the period from 23rd October 1980 to 28th February 1981 or until further orders whichever is earlier.

2. Shri S. P. Bansal should note that his appointment to the post of Assistant Controller (Data Processing) is purely temporary and on *ad hoc* basis and will not entitle him to claim seniority or absorption in the grade of Assistant Controller (Data Processing).

P. S. RANA
Section Officer
for Chairman
Union Public Service Commission.

New Delhi-110011, the 30th October 1980

No. A.12024/1/79-Admn.I.—The President is pleased to appoint the following officers, officiating as Under Secretaries in the office of the Union Public Service Commission, to officiate in the grade of Deputy Secretary, on an *ad-hoc* basis, in the same office, for the periods shown against each:—

S.No.	Name of the officer	Period
1.	Shri M.A. Alahan (IOFS)	3 months from 28.5.80 to 27.8.80
2.	Shri D.K. Das (IRS) (IT)	3 months from 28.5.80 to 27.8.80
3.	Shri Herdayal Singh (IRS) (IT)	3 months from 28.5.80 to 27.8.80
4.	Shri S. Balachandran (IRAS)	3 months from 21.7.80 to 20.10.80
5.	Smt. Prem VP Singh (IRS) (IT)	3 months from 1.6.80 to 31.8.80

H. C. JATAV,
Jt. Secy. (Admn.)
Union Public Service Commission

New Delhi-110011, the 13th October 1980

No. A.32014/1/80-Admn.I(ii).—The President is pleased to appoint Shri P. P. Sikka, a permanent Personal Assistant (Grade C of CSSS) and officiating in the Sel. Grade for Grade C Stenographer in the cadre of Union Public Service Commission to officiate as Sr. P.A. (Gd. B of CSSS) in the same cadre on purely provisional, temporary and *ad hoc* basis for a period from 29th September 1980 to 31st December 1980 or until further orders, whichever is earlier.

Shri P. P. Sikka should note that his appointment as Sr. P.A. (Grade B of CSSS) is purely temporary and on *ad-hoc* basis and will not confer on him any title for absorption in Grade B of CSSS or for seniority in that Grade. Further the aforesaid *ad hoc* appointment is also subject to the approval of the Deptt. of Personnel & A.Rs.

S. BALACHANDRAN
Dy. Secy. (Admn.)
Union Public Service Commission

MINISTRY OF HOME AFFAIRS

(DEPTT. OF PERSONNEL & AR)

CENTRAL BUREAU OF INVESTIGATION

New Delhi, the 28th October 1980

No. F-2/74-AD-V.—In modification of Notification of even number dated 21st August 1980, the services of Shri F. C. Sharma, IPS (Tamil Nadu-1964), Superintendent of Police, CBI Special Police Establishment have been placed back at the disposal of the Government of Tamil Nadu with effect from 27th July 1980 forenoon on repatriation after availing of 14 days Earned Leave from 1st July 1980 to 14th July 1980 and 12 days joining time from 15th July 1980 to 26th July 1980.

The 3rd November 1980

No. H17/74-AD-V.—Shri H. K. Saluja an officer of Haryana Government has relinquished the office of Public Prosecutor CBI at Chandigarh in the afternoon of 23rd October 1980 on repatriation to his Parent Department.

Q. I. GROVER
Administrative Officer (E)
Central Bureau of Investigation

DIRECTORATE GENERAL, CRPF FORCE

New Delhi, the 31st October 1980

No. O.II-1484/80-Estt.—The President is pleased to appoint Dr. (Mrs.) Swati Arvind Devikar as General Duty Officer Grade II (Deputy Supdt of Police/Company Commander) in the CRPF Force in a temporary capacity w.e.f. 6th October 1980 (FN) subject to being medically fit.

A. K. SURI
for Deputy Director (Estt.)

New Delhi, the 13th October 1980

No. O.II-1478/80-Estt.—Reference this Directorate General notification of even number dated 18th August 1980.

2. The name of officer at Sl. No. 2 is amended to read as "Dr. M. Kishan Rao" instead of "Dr. M. Krishna Rao".

The 31st October 1980

No. D.I-19/80-Estt.—Consequent on his appointment as Deputy Chief Security Officer, on deputation, in the MHA, Shri G. S. Dahiya relinquished charge of the post of Dy. SP (Coy. Commander), 49 Bn., CRPF, New Delhi on the afternoon of 22nd October 1980.

The 4th November 1980

No. O.II.921/73-ESTT.—The President is pleased to appoint Dr. Surendra Prasad Mishra as a General Duty Officer Grade-I (Assistant Commandant) in the CRPF Force in a temporary capacity with effect from the forenoon of 24th September 1980 until further orders.

2. Consequent on his appointment as a General Duty Officer Grade-I, Dr. Surendra Prasad Mishra relinquished charge of the post of GDO; Gd-II in Base Hospital-J, CRPF New Delhi on the forenoon of 20th September 1980.

A. K. SURI
Assistant Director (Adm.)

OFFICE OF THE INSPECTOR-GENERAL
CENTRAL INDUSTRIAL SECURITY FORCE
New Delhi-19, the 30th October 1980

No. E-16013(2)/1/78-PERS.—On his service being replaced with the State Government, Shri S. K. Chatterjee, IPS (MT : 69) relinquished the charge of the post of Comdt, CISF Unit, HFC Durgapur w.e.f. the 10th Oct 1980 (afternoon).

No. E-38013(3)/9/80-PERS.—On transfer to South Zone HQs, Madras Shri R. Jankiraman relinquished the charge of the post of Assistant Commandant, CISF Unit, SHAR Centre, Srinikota Range (AP) w.e.f. the afternoon of 10th October 1980.

The 3rd November 1980

No. E-16013(2)/1/80-Pers.—On transfer on deputation Shri V. K. Balan Nair, IPS (UP : 71) assumed the charge of the post of Commandant, CISF Unit, FACT (UdI) w.e.f. the afternoon of 30th September 1980 *vice* Shri M. K. Raju, Commandant who on transfer to CISF Unit, Cochin Post Trust, Cochin w.e.f. the charge of the said post w.e.f. the same date.

No. E-38013(3)/9/80-Pers.—On transfer to Durgapur, Shri N. C. Sengupta relinquished the charge of the post of Assistant Commandant, CISF Unit, Haldia Dock Project, Haldia w.e.f. the forenoon of 4th October 1980.

Sd/- ILLEGIBLE
Inspector-General

OFFICE OF THE REGISTRAR GENERAL, INDIA

New Delhi, the 31st October 1980

No. 11/113/79-Adm.—The President is pleased to appoint Shri N. Thong, an officer belonging to the Government of Nagaland, as Deputy Director of Census Operations in the office of the Director of Census Operations, Nagaland, Kohima, by transfer on deputation, with effect from the forenoon of the 8th October 1980, until further orders.

The headquarters of Shri Thong will be at Kohima.

P. PADMANABHA
Registrar General, India

INDIAN AUDIT AND ACCOUNTS DEPARTMENT
OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL, JAMMU & KASHMIR, SRINAGAR

Srinagar, the 28th October 1980

No. Admn-I/60(76), 80-81/3067-71.—The Accountant General Jammu & Kashmir, has promoted Shri Kanhaiya Lal Kaul, a permanent section officer, as Accounts Officer in an officiating capacity with effect from the afternoon of 23rd October 1980.

H. P. DAS
Senior Deputy Accountant General (Admn.)

OFFICE OF THE JOINT CHIEF CONTROLLER OF
IMPORTS AND EXPORTS,
(CENTRAL LICENSING AREA)

New Delhi, the 26th September 1979

CANCELLATION ORDER

No. Plastic-2/JM-78/FP.III/EP-1/CL.A/587.—M/s. Chawla Plastic Works Pvt. Ltd. A-4, Mayapuri, Phase-I, New Delhi was granted Imports Licence No. P.I./2860892/C, dated 29th September 1978 for Rs. 2,78,081 for imports of Raw Materials, Components, Consumable Stores and Packing Materials in accordance with the provisions made in para 30(1), 32(2), 38 and 63 of Part-B, Section-I of Red Book (Vol. II) for 1977-78. They have reported that Customs Purpose copy of the licence has been lost/misplaced after having been utilised for Rs. 33,933/- only.

2. The party has filed an affidavit in support of the above statement as required under para 333-334 of Hand Book of Imports & Exports Procedure, 1979-80. I am satisfied that the original Customs purpose copy of the above said licence has been lost/misplaced.

3. In exercise of the powers conferred on me under Section 9(cc) of Imports Trade Control Order, 1955 dated 7th December 1955 as amended, I order the cancellation of the said original Customs Purpose copy of the said licence.

4. The party's case will now be reconsidered for the issue of the duplicate licence (Customs Purpose copy) in accordance with the para 333-334 of Hand Book of Imports and Exports Procedure, 1979-80.

K. B. CHAUDHARY
Dy. Chief Controller of Imports & Exports
for Lt. Chief Controller of Imports and Exports

MINISTRY OF COMMERCE

OFFICE OF THE TEXTILE COMMISSIONER

Bombay-20, the 3rd November 1980

No. EST.I.2(604)/3193.—Smt. R. H. McHenti, Assistant Director Grade I in the office of the Textile Commissioner Bombay has retired from service from the afternoon of 31st October 1980 on attaining the age of superannuation.

ANJANEYA
Dy. Director (Admn.)

MINISTRY OF INDUSTRY

(DEPARTMENT OF INDUSTRIAL DEVELOPMENT)

OFFICE OF THE DEVELOPMENT COMMISSIONER
SMALL SCALE INDUSTRIES

New Delhi-110011, the 3rd November 1980

No. 12(193)/61-Adm.(G).—The President is pleased to appoint Shri G. G. Sutaone, Director (Gr. II) (Chemical) in the Office of the Development Commissioner (Small Scale Industries), New Delhi as Director (Gr. I) (Chemical) on *ad hoc* basis in the same office with effect from the forenoon of 27th September 1980 until further orders.

No. 12(260)/61-Adm.(G).—The President is pleased to appoint Shri P. N. Banerjee, Assistant Director (Gr. I) (Industrial Management and Training), Small Industries Service Institute, Calcutta as Deputy Director (Industrial Management and Training) in Small Industries Service Institute, Bombay, on *ad hoc* basis for the period from 25th June 1979 (F.N.) to 15th July 1980.

2. The President is further pleased to appoint Shri P. N. Banerjee as Deputy Director (Industrial Management and Training) in Small Industries Service Institute, Bombay, with effect from 16th July 1980 until further orders.

No. A.19018/493/80-Adm.(G).—The Development Commissioner (Small Scale Industries) is pleased to appoint Shri Sukhpal Swami, Small Industry Promotion Officer (Chemical), Small Industries Service Institute, Jaipur as Assistant Director (Gr. II) (Chemical) on *ad-hoc* basis in the same Institute with effect from the forenoon of 22nd September 1980 until further orders.

The 4th November 1980

No. A.19018/151/79-Adm.(G).—Shri R. C. Sachdeva has relinquished charge of the post of Assistant Director (Gr. I) (Electronics) in the Small Industries Service Institute, New Delhi in the afternoon of 29th September 1980.

2. The services of Shri R. C. Sachdeva are placed at the disposal of the Department of Electronics, New Delhi with effect from the afternoon of 29th September 1980 for appointment as Senior Scientific Officer on deputation basis for a period of two years.

No. A.19018/435/79-Adm.(G).—In partial modification of this office notification of even number dated the 19th September 1980, the President is pleased to appoint Shri K. S. Natarajan as Deputy Director (Mechanical) in Small Industries Service Institute, Madras with effect from the forenoon of 21st August 1980, until further orders.

M. P. GUPTA
Deputy Director (Admn.)

ARCHAEOLOGICAL SURVEY OF INDIA

New Delhi, the 23rd October 1980

No. 11/23/80-M(T).—In exercise of the powers conferred under the Rule 6 of the Ancient Monuments and Archaeological Sites and Remains Rules, 1959, I, K. V. Soundara Rajan, Director (Monuments), hereby direct that no fee shall be charged for entry into Tajmahal, and Red Fort, Agra from 30-10-1980 to 2-11-1980 on account of celebrations of yadgare Suleh-e-Kul of Emperor Akbar The Great.

The 25th October 1980

No. 11/23/80-M(T).—In exercise of the powers conferred under the rule 6 of the Ancient Monuments and Archaeological Sites and Remains Rules 1959, I, K. V. Soundara Rajan, Director (Monuments), hereby direct that no fee shall be charged for entry into Akbar's Tomb, Sikandara at Agra and monuments at Fatehpur Sikri from 30-10-1980 to 2-11-1980 on account of celebrations of Yadgare Suleh-e-Kul of Emperor Akbar The Great.

K. V. SOUNDARA RAJAN
Director (Monuments)

MINISTRY OF INFORMATION AND BROADCASTING
FILMS DIVISION

Bombay-26, the 29th October 1980

No. A-12026/4/79-Est.I.—The Chief Producer, Films Division, hereby appoints Shri B. Khosla, Permanent Cameraman to officiate as Cameraman (Cartoon film unit) in the Films Division, Bombay with effect from the forenoon of 8th October 1980 until further orders.

The 31st October 1980

No. A.12026/5/79-Est.I.—On the recommendation of the Union Public Service Commission, Chief Producer, Films Division, Bombay hereby appoints Shri K. S. Bansod to officiate as Lay-out Artist in the Films Division at New Delhi with effect from the forenoon of 6th October 1980, until further orders.

N. N. SHARMA
Administrative Officer
for Chief Producer

DIRECTORATE OF ADVERTISING AND VISUAL
PUBLICITY

New Delhi-110001, the 4th November 1980

No. A.12025/2/80-Est.—On attaining the age of superannuation, Shri Mati Mazumdar, a permanent Senior Artist retired from Government Service on the afternoon of 31st October 1980.

J. R. LIKHI
Deputy Director (Admn.)
For Director of Advertising & Visual Publicity

MINISTRY OF RURAL RECONSTRUCTION
DIRECTORATE OF MARKETING & INSPECTION

Faridabad, the 3rd November 1980

No. A.19025/56/80-A.III.—On the recommendations of the Union Public Service Commission Shri Ram Kishan Meena has been appointed to officiate as Asstt. Marketing Officer (Group I) in this Directorate at Bombay with effect from 20-9-1980 (FN), until further orders.

B. L. MANIWAR,
Directorate of Administration
for Agricultural Marketing Advisor

DEPARTMENT OF ATOMIC ENERGY
DIRECTORATE OF PURCHASE AND STORES

Bombay-400 001, the 3rd November 1980

No. DPS/23/4/79/18862/Est.—The Director, Directorate of Purchase and Stores, Department of Atomic Energy

appoints Shri S. G. JAMSHENDEKAR Purchase Asstt. of this Directorate to officiate as Asstt. Purchase Officer in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000 EB-40-1200 on an *ad-hoc* basis in the same Directorate with effect from 6-9-80 (FN) to 24/10/80 (AN) vice Shri I. Ramakrishnan granted leave.

R. P. DE SOUZA,
Assistant Personnel Officer

(HEAVY WATER PROJECTS)

Bombay-400 008, the 1st November 1980

No. 05012/R3/OP/4879.—Officer-on-Special Duty, Heavy Water Projects, appoints Shri M. L. Varma, a temporary Upper Division Clerk in Heavy Water Project (Kota) to officiate as Assistant Personnel Officer in the same project, in a temporary capacity on *ad-hoc* basis from the forenoon of June 11, 1980 to July 19, 1980 (AN) vice Shri K. T. Jesc, Assistant Personnel Officer, appointed to officiate as Administrative Officer.

No. 05012/G-109/4880.—Officer-on-Special Duty, Heavy Water Projects, appoints Shri Pran Nath Ganju, a permanent Auditor and officiating Section Officer of Accountant General's office, Himachal Pradesh, Chandigarh, Simla to officiate as Assistant Accounts Officer in the Heavy Water Project (Baroda), in a temporary capacity, w.e.f. the forenoon of September 17, 1980 until further orders.

SMT. K. P. KALLYANIKUTTY,
Administrative Officer

OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF CIVIL
AVIATION

New Delhi, the 4th November 1980

No. A.32013/2/80-EC.—The President is pleased to appoint Shri S. Ramaswamy, Assistant Technical Officer, Aeronaautical Communication Station, Rourkela to the grade of Technical Officer on an *ad-hoc* basis with effect from 19-9-1980 (FN) and upto 30-9-80 and to post him at Aeronaautical Communication Station, Port Blair.

No. A.38013/1/80-EC.—Shri V. Alagiri, Technical Officer in the Office of the Controller of Communication, Aeronaautical Communication Station, Madras Airport, Madras relinquished charge of office on 30-9-80 (A.N.) on retirement on attaining the age of superannuation.

R. N. DAS,
Assistant Director of Administration

New Delhi, the 5th October 1980

No. A.32013/2/80(ii)E.I.—The President is pleased to appoint Shri R. S. Goel, Dy. Director of Communication, Civil Aviation Department to the post of Director of Communication (PE) in the same Department on *ad-hoc* basis w.e.f. 24-5-80 and upto 8-7-80.

2. This cancels this office Notification No. A.32013/2/80(ii)E.I. dated the 1st July, 1980.

No. A.32013/2/80-E.I.—In continuation of this Department Notification No. A.32013/2/80-E.I. dated the 5-10-80 the President is pleased to continue the *ad-hoc* appointment of Shri R. S. Goel, to the post of Director of Communication (PE) in the Civil Aviation Department for the period from 9-8-80 to 2-9-80.

The 6th October 1980

No. A.12025/3/71-E.I.—The Director General of Civil Aviation is pleased to continue the *ad-hoc* appointment of Shri K. K. Sharma to the post of Hindi Officer in the Civil Aviation Department on *ad-hoc* basis upto 31-12-80 or till the same is filed on regular basis, whichever is earlier.

C. K. VATSA,
Assistant Director of Administration

OVERSEAS COMMUNICATIONS SERVICE

Bombay, the 1st November 1980

No. 1/112/80-EST.—The Director General, Overseas Communications Service, hereby appoints Shri R. Dattatri, Q. P. Technical Assistant, Arvi Branch as Assistant Engineer, in an officiating capacity, in the same Branch, for the period from 16-6-80 to 26-7-80, against short-term vacancy, purely on *ad-hoc* basis.

The 1st November 1980

No. 1/263/80-EST.—Shri M. R. Meshram, Assistant Engineer, O.C.S., New Delhi Branch retired from service with effect from the afternoon of the 31st August, 1980, on attaining the age of superannuation.

H. J. MALHOTRA,
Dy. Director (Admn.),
for Director General

Bombay, the 1st November 1980

No. 1/331/80-FST.—The Director General, Overseas Communication Service, hereby appoints Shri H. J. Karmally, Supervisor, Bombay Branch as Dy. Traffic Manager, in an officiating capacity, in the Madras Branch with effect from the forenoon of the 3rd October, 1980 and until further orders.

P. K. G. NAYAR,
for Director General

PREINVESTMENT SURVEY OF FOREST RESOURCES

Dehradun-248001, the 5th November 1980

No. 4-3/79-Adm.—Consequent on promotion of Shri S. D. Joshi, Assistant Conservator of Forests of Maharashtra State on deputation to Preinvestment Survey of Forest Resources, Central Zone, Nagpur, to Maharashtra Forest Service Class I Shri S. D. Joshi was relieved of his duties from Preinvestment Survey of Forest Resources, Central Zone, Nagpur in the afternoon of 9th October, 1980 and his services have been placed at the disposal of the Government of Maharashtra.

C. L. BHATTIA
Chief Coordinator

COLLECTORATE OF CENTRAL EXCISE AND CUSTOMS

Nagpur, the 31st October 1980

No. 15/80.—Shri J. N. Awasthy, Superintendent (Leave Reserved), Central Excise, Hqrs. Office, Nagpur having attained the age of superannuation has retired from Government service in the afternoon of the 30th September, 1980.

K. SANKARARAMAN,
Collector

CENTRAL WATER COMMISSION

New Delhi-110022, the 5th November 1980

CORRIGENDUM

No. A-32014/1/80-Adm.V.—Reference this Commission's Notification No. A-32014/1/80-Adm. V. dated 31st October, 1980, the name of Shri N. R. C. Das appearing at Sl. No. 4 may be read as under :—

S/Shri

4. N. R. C. Rao, 21-10-80 (forenoon).

K. L. BHANDUJA,
Under Secy.

MINISTRY OF LAW JUSTICE AND COMPANY AFFAIRS
(DEPARTMENT OF COMPANY AFFAIRS)
(COMPANY LAW BOARD)

OFFICE OF THE REGISTRAR OF COMPANIES,

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
M/s. Mahadev Commercial Trading Co. Pvt. Ltd.*

Bombay, the 29th October 1980

Co. No. 13127/Liq.—Notice is hereby given pursuant to section 445(2) of the Companies Act, 1956 that *M/s. Mahadev Commercial Trading Co. Pvt. Ltd.* has been ordered to be wound up by an order dated 3-11-76, passed by the High Court of Maharashtra and that the Official Liquidator attached to the High Court of Maharashtra has been appointed as the Official Liquidator of the Company.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
M/s. Amalgamated Exports Corporation Limited.*

The 10th October 1980

No. 11372/560(5).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of *M/s. Amalgamated Exports Corporation Limited* has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
M/s. Abhinava Rasashala Pvt. Ltd.*

Bombay-2, the 10th October 1980

No. 5643/560(5).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of *M/s. Abhinava Rasashala Private Limited* has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
M/s. The Evangelical Baptist Fellowship, Achalpur*

Bombay-2, the 10th October 1980

No. 13751/560(5).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of *M/s. The Evangelical Baptist Fellowship Achalpur* has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
M/s. Underwriters Private Limited*

Bombay-2, the 10th October 1980

No. 3112/560(5).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of *M/s. Underwriters Private Limited*, has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
M/s. Hartias Saving and Chit Fund Pvt. Limited*

Bombay-2, the 10th October 1980

No. 15612/560(5).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of *M/s. Hartias Saving & Chit Fund Pvt. Ltd.* has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
M/s. Delight Pictures Private Limited*

Bombay-2, the 10th October 1980

No. 9492/560(5).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of *M/s. Delight Pictures Private Limited* has

this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
M/s. Gulam Hussain Alibhoy & Sons Limited*

Bombay-2, the 10th October 1980

No. 1857/560(5).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of M/s. Gulam Hussain Alibhoy & Sons Limited, has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
M/s. Noble People Private Limited*

Bombay-2, the 10th October 1980

No. 11395/560(5).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of M/s. Noble People Pvt. Ltd. has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
M/s. Rajan Mehta Co. Private Limited*

Bombay-2, the 10th October 1980

No. 10035/560(5).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of M/s. Rajan Mehta Co. Pvt. Ltd. has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
M/s. Amrit Trading & Investment Company Ltd.*

Bombay-2, the 10th October 1980

No. 18193/560(3).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of the M/s. Amrit Trading & Investment Company Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
M/s. Swadhin Construction Company Pvt. Limited.*

Bombay-2, the 29th October 1980

No. 8629/560(5).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of M/s. Swadhin Construction Company Pvt. Ltd. has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
M/s. Kirloskar Bearing Ltd.*

Bombay-2, the 29th October 1980

No. 13055/560(5).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of M/s. Kirloskar Bearing Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
M/s. Magnetics Pvt. Limited*

Bombay-2, the 29th October 1980

No. 11917/560(5).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of M/s. Magnetics Pvt. Ltd. has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
M/s. Sound Finance Private Limited*

Bombay-2, the 29th October 1980

No. 16985/560(5).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of M/s. Sound Finance Private Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
M/s. Captain Tourists Services Private Limited.*

Bombay-2, the 29th October 1980

No. 14987/560(5).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of M/s. Captain Tourists Services Private Ltd. has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
M/s. M. C. Mehta & Company Private Limited.*

Bombay-2, the 29th October 1980

No. 7789/560(5).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of M/s. M. C. Mehta & Company Private Ltd. has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
M/s. Natya Niketan Private Limited*

Bombay-2, the 29th October 1980

No. 8782/560(3).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date thereof the name of the M/s. Natya Niketan Private Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
M/s. Rocky Chemicals Private Limited*

Bombay-2, the 29th October 1980

No. 15154/560(3).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration three months from the date hereof the name of the M/s. Rocky Chemicals Private Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
M/s. Bombay Wood Craft Private Limited*

Bombay-2, the 29th October 1980

No. 12736/560(5).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of M/s. Bombay Wood Craft Pvt. Ltd., has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
M/s. C. R. Patel & Company Private Limited*

Bombay-2, the 29th October 1980

No. 15542/560(5).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of M/s. C.R. Patel & Co. Pvt. Ltd., has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
M/s. Ashwini Chit Fund Pvt. Limited.*

Bombay-2, the 29th October 1980

No. 14104/560(3).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956

that at the expiration of three months from the date thereof the name of the M/s. Ashwini Chit Fund Private Limited, unless causes is shown to the contrary, will be struck off the Registrar and the said company will be dissolved.

*In the matter of the Companies Act 1956 and of
M/s. Cine Lab. & Studios Pvt. Ltd.*

Bombay-2, the 29th October 1980

No. 12551/560(5).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of M/s. Cine Lab. & Studios Pvt. Ltd., has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

*In the matter of the Companies Act 1956 and of
M/s. Moosa Haji Patrawala Pvt. Limited.*

Bombay-2, the 29th October 1980

No. 17462/560(3).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of the M/s. Moosa Haji Patrawala Private Limited, unless causes is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

*In the matter of the Companies Act 1956 and of
M/s. Bhopal Non-Ferrous Metal Industries Pvt. Ltd.*

Bombay-2, the 29th October 1980

No. 15186/560(5).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of M/s. Bhopal Non-Ferrous Metal Industries Pvt. Ltd., has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

*In the matter of the Companies Act 1956 and of
M/s. The Forward Chit Fund Pvt. Ltd.*

Bombay-2, the 29th October 1980

No. 14280/560(5).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of M/s. The Forward Chit Fund Pvt. Ltd., has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

R. A. SINGH,
Asstt. Registrar of Companies,
Maharashtra, Bombay.

*In the matter of the Companies Act 1956 and of
G. C. Das and Sons Private Limited.*

Orissa, the 6th November, 1980

No. SO/280/80.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that

the name of G. C. Das and Sons Private Limited has this day been struck off the Register and the said Company is dissolved.

S. SEAL,
Registrar of Companies, Orissa.

OFFICE OF THE REGISTRAR OF COMPANIES,
KARNATAKA

*In the matter of the Companies Act 1956 and of
Prakash Poly Extrusions Private Ltd.*

Bangalore-9, the 6th November 1980

No. 2147/560/80.—Notice is hereby given pursuant to sub-Section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of M/s. Prakash Poly Extrusions Private Ltd. unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

*In the matter of the Companies Act 1956 and of
Sree Venkateswara Industries Agencies Private Ltd.*

Bangalore-9, the 6th November 1980

No. 2393/560/80.—Notice is hereby given pursuant to sub-Section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of M/s. Sree Venkateswara Industries Agencies Private Ltd. unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

V. N. JAGANATH,
Registrar of Companies,
Karnataka, Bangalore.

OFFICE OF THE COMMISSIONER OF INCOME-TAX
DELHI-V.

New Delhi, the 30th October 1980

INCOME TAX

No. JUR.LDI/V/80-81/27063.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) and (2) of Section 124 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) and in partial modification of the notification issued earlier on the subject, Commissioner of Income-tax, Delhi-V, New Delhi hereby directs that the ITO Distt. III (27) New Delhi shall have, and the ITO Distt. VII (2) New Delhi shall not have, concurrent jurisdiction with TO Distt. VII (5) New Delhi in respect of the persons/cases assessed/assessable by them excepting the cases assigned u/s 127 or which hereafter be assigned.

For the purpose of facilitating the performance of the functions CIT Delhi-V also authorises the IAC Range V-B, New Delhi to pass such orders as contemplated in sub-section 2 of Section 124 of the I.T. Act, 1961.

This notification shall take effect from 1/11/80.

R. D. SAXENA,
Commissioner of Income-tax
Delhi-V.

FORM ITNS

**NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA
**OFFICE OF THE INSPECTING
ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX**
ACQUISITION RANGE,
HYDERABAD

Hyderabad, the 30th September 1980

Ref. No. R.A.C. No. 261/80-81.—Whereas I, S. GOVINDARAJAN,
 being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 12-2-286, situated at Muradnagar, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Khairatabad on February, 1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Sri Mohd. Ibrahim s/o Mohd. Hussain, Sri Gulam Dastagir s/o Mohd. Hussain Sri Mohd. Hasham, Smt. Bibijan and Majan Bee, Father Mohd. Hussain, all residing at Muradnagar, Hyderabad.

(Transferors)

(2) Sri Mohd. Akbar, s/o Mohd Ibrahim, 5-7-369, Agapura, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Property bearing No. 12-2-286 admeasuring 690 sq. yards or 576.84 sq. mts. situated at Muradnagar, Hyderabad registered with S.R.O. Khairatabad vide Document No. 291/80.

S. GOVINDARAJAN
 Competent Authority
 Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
 Acquisition Range, Hyderabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 29-9-1980
 Seal :

FORM ITNS—

- (1) 1. Smt. Rachala Tirupathamma, w/o
r/o Kothakota village, Wanaparthy Taluk,
Mahaboobnagar Dt.
2. Rachala Balraj Goud, s/o
R. Narayanagoud.
3. Rachala Sayanna Goud, s/o
R. Narayanagoud.

(Transferors)

- (2) 1. Smt. Chennamaneni Anantha Laxmi, w/o
C. Muralidhar Rao,
r/o Mannegudem Village, Metpalli Taluk,
Karimnagar Dt.

2. Allineni Ashok Rao s/o
A. Laxmi Narayan Rao,
r/o Mothe Village Jagtia Taluk,
Karimnagar Dt.

(Transferors)

Objections, if any, to the acquisition of the said property,
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Portion of building bearing No. 3-6-760, 13th Street
Himayathnagar, Hyderabad admeasuring 120 sq. yards
registered vide Document No. 814/Feb 80 with the Sub-
Registrar, Wanaparthy.

S. GOVINDARAJAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 30-9-80

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,
HYDERABAD

Hyderabad, the 30th September 1980

Ref. No. RAC No. 263/80-81.—Whereas I, S. GOVINDARAJAN,
being the Competent Authority under Section 269B of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot 10-3-313/8A,

situated at Vijayanagar Colony, Hyderabad
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer
at Khairatabad on February, 1980

for an apparent consideration which is less than the
fair market value of the aforesaid property and I have
reason to believe that the fair market value of the property
as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than fifteen per cent of such apparent consideration
and that the consideration for such transfer as agreed to
between the parties has not been truly stated in the said
instrument of transfer with the object of :—

(1) Miss K. Sarala Devi, d/o
Late K. Kondala Rao,
H. No. 10-2-289/72 Shantinagar,
Hyderabad-50 0028.

(Transferor)

(2) Dr. Mrs. Saleem Athar, w/o
Dr. Hasan Mohsin Sayeed
(at present residing at Tabouk, Saudi Arabia)
By G.P.A. Mr. Mohd. Anwar Hussain, s/o
Late Mohd. Meherban Hussain,
H. No. 11-3-875, New Mallepally,
Hyderabad.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Plot bearing No. 10-3-313/8A measuring 403 sq. yards
or 338.6 sq. mts, situated at Vijayanagar Colony, Hyderabad
Registered with Sub-Registrar, Khairatabad, Hyderabad vide
Document No. 335/Feb 1980.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid
property by the issue of this notice under sub-section (1)
of Section 269D of the said Act, to the following persons,
namely :—

S. GOVINDARAJAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad
Date : 30-9-80
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Sri T. Ram Singh, s/o
Sri T. Laxman Singh,
3-6-150 Himayath nagar,
Hyderabad.

(Transferor)

(2) The Andhra Pradesh Commercial Taxes Employees
Co-operative House building Society,
Hyderabad
(Tab. No. 227)
Secretary Sri D. Sukhdev Singh.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

**ACQUISITION RANGE.
HYDERABAD**

Hyderabad, the 30th September 1980

Objections, if any, to the acquisition of said property may be made in writing to the undersigned :—

Ref. No. RAC No. 264/80-81.—Whereas I, S. GOVINDARAJAN,
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Land S. No. 136, 137, 139 to 142 at Kothapet Village, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Hyderabad on February, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this Notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Land of 3 Acres out of Survey No. 136, 137, 139 to 142 at Kothapet village, grampanchayat Nagole, Taluk East and Rangareddy District Registered with Sub-Registrar, Hyderabad vide Document No. 1430/Feb 1980.

S. GOVINDARAJAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 30-9-80

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
HYDERABAD

Hyderabad, the 3rd October 1980

Ref. No. RAC No. 265/80-81.—Whereas I, S. GOVINDARAJAN,
being the Competent Authority under Section 269B
of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs.
25,000/- and bearing No.

Plot No. 90, situated at Saidabad, Hyderabad
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908), in the office of the Registering Officer at
Azampura on February, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of—

(1) Sri R. Ramamo s/o Raghavendra Rao,
B-4/36 Safdarjung Enclave, Nowroji Nagar,
New Delhi.

(Transferor)

1. Smt. R. Sunanda Reddy, w/o
R. Damodar Reddy.
2. Sri R. Malla Reddy s/o Narasimha Reddy,
Yacharam Village, Ibrahimpatnam Taluk,
Rangareddy District.
Rangareddy District.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax, Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

House plot No. 90 admeasuring 949 sq. yards, situated
at Saidabad, Hyderabad, Registered with Sub Registrar,
Azampura, Hyderabad vide Document No. 277/Feb 80.

S. GOVINDARAJAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 3-10-1980

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

- (1) Smt. Pushpalata,, Partner
M/s. Associated Builders & Real Estate Agents,
Abids, Hyderabad.
(Transferor)
- (2) Master Vikas Goel.
B-1/F-6 Poonam apartments,
Abids, Hyderabad.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,
HYDERABAD

Hyderabad, the 30th September 1980

Ref. No. RAC No. 266/80-81.—Whereas I, S. GOVINDARAJAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Office No. 30, 31, 32

2nd floor, Abid Shopping centre, Hyderabad
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on February, 1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Office Nos. 30, 31, 32 in 2nd floor Abid Shopping centre, Hyderabad. Registered with Sub-Registrar, Hyderabad vide Document No. 957/80.

S. GOVINDARAJAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
27—346 GI/80

Date : 30-9-80

Seal :

FORM ITNS

- (1) Smt. Pushpalatha, Partner,
M/s Associated Builders & Real Estate Agents,
Abid Road, Hyderabad.
(Transferors)
- (2) Master Manish Goel,
B-/F6 Poonam apartments,
Abids, Hyderabad.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

**GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,**

**ACQUISITION RANGE,
HYDERABAD**

Hyderabad, the 30th September 1980

Ref. No. RAC No. 267/80-81.—Whereas I, S. GOVINDARAJAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Office 33, 34, 35,
situated at 2nd floor, Abid Shopping Centre, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on February, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Office Nos. 33, 44, 35 in 2nd floor Abid Shopping Centre, Hyderabad, Registered vide Document No. 958/Feb 80 with the Sub-Registrar, Hyderabad.

S. GOVINDARAJAN
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 30-9-80
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,
HYDERABAD

Hyderabad, the 30th September 1980

Ref. No. RAC No. 268/80-81.—Whereas I, S. GOVINDARAJAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Office premises No. 41, 42, 43 situated at Abids Shopping Centre, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Hyderabad on February, 1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Smt. Pushpalatha, Partner,
M/s Associated Builders & Real Estate Agents,
Abid Road, Hyderabad.
(Transferor)

(2) Master Sunil Goel,
Barkatpura, Hyderabad.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Office premises No. 41, 42, 43 at abids shopping centre, Hyderabad Registered vide Document No. 956/Feb 80 with Sub-Registrar, Hyderabad.

S. GOVINDARAJAN
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 30-9-80
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
HYDERABAD

Hyderabad, the 30th September 1980

Ref. No. RAC No. 269/80-81.—Whereas I, S. GOVINDARAJAN,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bring No.
Office premises No. 44, 45, 46,
situated at 2nd floor, Abid Shopping Centre.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer at
Hyderabad on February, 1980
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

- (1) Smt. Pushpalatha, Partner,
M/s Associated Builders & Real Estate Agents,
Abid Road, Hyderabad.
(Transferor)
- (2) Master Sanjay Goel,
4-4-856/1, Hyderabad.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transfer to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or which
ought to be disclosed by the transferee for the purposes
of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957
(27 of 1957);

THE SCHEDULE

Office premises No. 44, 45, 46 at 2nd floor Abid Shopping
Centre, Hyderabad, Registered vide Document No. 963/
Feb 80 Registered with Sub-Registrar, Hyderabad.

S. GOVINDARAJAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

Date : 30-9-80
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
HYDERABAD

Hyderabad, the 29th September 1980

Ref. No. RAC No. 270/80-81.—Whereas I, S. GOVINDARAJAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot 10-3-313/8C,
situated at Vijayanagar Colony, Hyderabad
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Kharibabad on March, 1980
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons; namely :—

(1) Dr. K. Nalini Kumari
d/o Late K. Kondala Rao,
H. No. 10-2-289/72 Shantinagar,
Hyderabad.

(Transferor)

(2) Mrs Bilquis Begum w/o
Mr. A. A. Zubair,
R/o 11-3-875 New Mallepally,
Hyderabad
G.P.A. Mohd. Anwar Hussain,
s/o Late Mohd. Maherban Hussain,
r/o 11-3-875 Mallepally,
Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot bearing No. 10-3-313/8C measuring 496 sq. yards or 416.6 sq. mts. Part 'A' measuring 296.4 sq. yards or 249 sq. mts and Part 'B' measuring 199.7 sq. yards or 167 sq. mts, situated at Vijayanagar Colony, Hyderabad registered vide Document No. 401/March 80 with S.R.O Kharibabad, Hyderabad.

S. GOVINDARAJAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 29-9-1980
Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX,****ACQUISITION RANGE,
HYDERABAD**

Hyderabad. the 30th September 1980

Ref. No. RAC. 271/80-81.—Whereas I, S. GOVINDARAJAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Plot No. 1, situated at Masab tank, Hyderabad (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Khairstabad on April 1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Sri Syed Shabbir Hussain Bukhari,
s/o Syed Abdul Raheem Bukhari,
2-6-392 Gansi Bazar,
Hyderabad.

(Transferor)

(2) Smt. Azamath Quiyam w/o
Sri Ahmed Quiyamuddin,
H. No. 10-2-300/3, Vijayanagar colony,
Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Plot No. 1 ward No. 6 Block No. 5 at Masab Tank, Hyderabad, admeasuring 435.69 sq. yards, registered vide document No. 697/Apl 80 with Sub-Registrar Khairstabad.

S. GOVINDARAJAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 30-9-80

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
HYDERABAD

Hyderabad, the 30th October 1980

Ref. No. RAC 272/80-81.—Whereas I, S. GOVINDARAJAN,
being the Competent Authority under Section 269B of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing
Land S. No. 136 to 142,
situated at Kothapet village, Hyderabad
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the office of the Registering Officer at
Hyderabad on April, 1980
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property, and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

(1) Sri T. Bhimsingh s/o
Late Laxman Singh,
Kothapet Village, Hayatnagar,
Rangareddy District.

(Transferor)

(2) The Andhra Pradesh Commercial Taxes Employees Co-operative Housing Society Ltd.
by Secretary Sri D. Sukhdev Singh,
Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

Land of 1 acre 30 guntas at Kothapet village, Survey
No. 136 to 142 registered vide Document No. 3803/Apl 80
with Sub Registrar, Hyderabad.

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

S. GOVINDARAJAN,
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

Date : 30-9-80
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE.

HYDERABAD

Hyderabad, the 6th October 1980

Ref. No. RAC 273/80181.—Whereas I. S. GOVINDARAJAN, being the Competent Authority under Section 269 B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Survey No. 234,
situated at Guddi Malkapur, Hyderabad urban,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the office of the Registering Officer at
Hyderabad on February, 1980
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property, and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

(1) Smt. Kamineni Sarojini Devi, w/o
Venkataarasaiyah,
16-11-1/5/8 Salcomnagar Colony,
Hyderabad.

(Transferor)

(2) M. s. The Seisel Co-operative Housing Society Ltd.
(Reg. No. TAB 59) P & T Colony,
Hyderabad.

(Transferee)

| Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land measuring 1 acre 8 guntas in Survey No. 234, situated at Guddimalkapur, Hyderabad urban taluk, registered vide Document No. 1195/80 with the Sub-Registrar Hyderabad.

S. GOVINDARAJAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 6-10-1980

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS

(1) Sri Rayani Malliah s/o Rajaiah,
Development Officer, L.I.C. of India,
Post Office Lane, Bhadrachalam.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT.
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
HYDERABAD

Hyderabad, the 6th October 1980

Ref. No. RAC 274/80-81.—Whereas I, S. GOVINDARAJAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

6-3-662/16/2,

situated at Vadi-E-Iram Somajiguda, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Khairatabad on February 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (2) 1. Smt. Tipiresetty Veera Mani, w/o Kanakaiah,
2. Sri Tipiresetty Kanakaiah, s/o Venkaiah,
Somaram village, Bhongir Taluk,
Nalgonda Distt.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

House built on plot No. 6, admeasuring 400 sq. yards bearing M. No. 6-3-662/16/2, situated at Vadi-E-Iram Somajiguda, Hyderabad, registered vide document No. 252/80 with the Sub-Registrar, Khairatabad.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

S. GOVINDARAJAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

28-346GI/80

Seal :

Date : 6-10-1980

FORM I.P.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 6th October 1980

Ref. No. RAC 275/80-81.—Whereas I, S. GOVINDARAJAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25 000/- and bearing Land No. 4&5A, situated at Panjagutta, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Khairatabad on February, 1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Sh. Arif Muhammad Aqil Ansari, s/o Late Mohd. Abdul Hakeem Ansari, r/o 745, B, Spl C.I.B. Quartier near A.U. College, Mallepally, Hyderabad
G.P.A. Sri Mumtaz Ahmed 6-3-666/A, Pumjagutta, Hyderabad.
(Transferees)

(2) M/s Virgo Constructions, Raj Bhavan Road, Hyderabad.
Managing partner Sri B. N. Reddy,
s/o B. Ramachandra Reddy,
8-2-467/4 Road No. 5 Banjara Hills,
Hyderabad.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot of land No. 4 & 5A measuring 535 sq. yards at Panjagutta, Hyderabad registered vide Document No. 279/80 with Sub-Registrar, Khairatabad.

S. GOVINDARAJAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 6-10-1980
Seal :

FORM JTNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
HYDERABAD

Hyderabad, the 6th October 1980

Ref. No. RAC No. 276/80-81.—Whereas I, S. GOVINDARAJAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 6-3-894, situated at Somajiguda, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Hyderabad on February, 1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Ali Akbar s/o Mr. Ali Ahmed,
6-3-894 Somajiguda,
Hyderabad.

(Transferor)

(2) Smt. Rizwana w/o Ali Asgar,
11-5-295/1, Red Hills,
Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Open plot in premises No. 6-3-894 Somajiguda, Hyderabad, admeasuring 500 sq. yards, registered vide Document No. 1654/Febr 80 with the Sub-Registrar, Hyderabad.

S. GOVINDARAJAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 6-10-1980

Seal :

FORM ITNS

(1) Sri V. Ch. Malleshwar Rao, s/o
Lakshminarayana,
9-4-84/23, Kakateeyanagar,
Hyderabad-500 008.

(Transferor)

(2) Smt. V. Anjani Devi w/o
G.P.C. Muralidhar Rao,
9-4-84/23 Kakateeyanagar,
Hyderabad-500 008.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE.
HYDERABAD

Hyderabad, the 6th October 1980

Ref. No. RAC No. 277/80-81.—Whereas I, S.
GOVINDARAJAN,
being the Competent Authority under Section 269B of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the im-
movable property, having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing No.

9-4-84/23, situated at Kakateeyanagar, Hyderabad
(and more fully described in the Schedule Annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the office of the Registering Officer at
Hyderabad on February, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason
to believe that the fair market value of the property as afore-
said exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as
given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act,
in respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

House No. 9-4-84/23 Kakateeyanagar, Hyderabad ad-
measuring 311 sq. yards Registered vide document No.
1568/Febr 80 with the Sub-Registrar, Hyderabad.

S. GOVINDARAJAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

Date : 6-10-80.
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE,
HYDERABAD

Hyderabad, the 6th October 1980

Ref. No. RAC 278/80-81.—Whereas I, S. GOVINDARAJAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Land 6343 sq. ft., situated at Atmakur Kurnool Dist. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Atmakur on February, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) 1. Grandhi Nagappa,
2. Grandhi Veeramma
3. N. Ramachandrudu
4. N. Narasappa,
Atmakur Village,
Kurnool Distt.

(Transferees)

- (2) 1. R. Venkata Ranga Reddy
2. R. Bali Reddy
3. R. Krishna Madhav Reddy
4. R. Rangaswamy Reddy Parmatur village,
Kurnool Distt.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immoveable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land 6343 sq. ft. where in Veerabhadra Talkies was constructed at Atmakur village, Kurnool district registered vide document No. 219/80 with Sub-Registrar, Atmakur.

S. GOVINDARAJAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 6-10-1980

Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,

HYDERABAD

Hyderabad, the 8th October 1980

Ref. No. RAC No. 279/80-81.—Whereas J. S. GOVINDARAJAN, being the Competent Authority under Section 269 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Open land 3-6-200, situated at Himayathnagar, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Hyderabad on March, 1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) 1. Sri Kundur Venkata Rama Rao, s/o K. Lakshmi Narasimha Rao,
2. Smt. Kundur Venkata Krishnakumari, w/o K. Venkata Rama Rao,
3. Sri Kundur Lakshmi Narasimha Reddy,
4. Kundur Venkat Ramesh Reddy, sons of K. Venkata Rama Rao,
3-6-200 Himayathnagar,
Hyderabad.

(Transferors)

- (2) M/s Saradaw Constructions Private Ltd.
3-6-200 Himayathnagar, Hyderabad
Managing Director Sri Siddarth P. Hindocha
No. 11 Nehru Nagar, Secunderabad.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publications of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Open land admeasuring 645 sq. yards at M. No. 3-6-200 Himayathnagar, Hyderabad, Registered vide document No. 2151/March 80 with the Sub-Registrar, Hyderabad.

S. GOVINDARAJAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 8-10-1980
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
HYDERABAD

Hyderabad, the 9th October 1980

Ref. No. RAC No. 280 80-81.—Whereas I, S. GOVINDARAJAN, being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason or believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Agl. land, situated at Thokatta Village, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Secunderabad on February, 1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Sri B. Ashok Reddy,
s/o B. Pulla Reddy,
Turbund, Secunderabad.

(Transferor)

(2) M/s Soujany Co-operative Housing Society Ltd.
6-6-37/3 Kavadiguda, Secunderabad,
President M. V. Pandarinath and Secretary,
S. Venkateshiva

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Agricultural land 1 acre at Thokatta Village, Secunderabad registered vide document No. 240/80 Feb with The Sub-Registrar, Secunderabad.

S. GOVINDARAJAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 9-10-1980
Scal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
HYDERABAD

Hyderabad, the 9th October 1980

Ref. No. RAC No. 281/80-81.—Whereas I, S. GOVINDARAJAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Lund S.Y. No. 578, situated at Peda Amberpet R.R. Dt. Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on February, 1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object or :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Sri Prem s/o Suryaprakash
R/o Naples 6th Road Sobini Road,
Colaba, Bombay.

(Transferor)

(2) Mr. Ashok s/o Atmaram,
r/o 11 Bay view Malabar mills,
Bombay.

(Transferee)

(3) As at Sr. No. 2 above and tenant(s) if any.
[Person in occupation of the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land in Survey No. 578 area 17 acres 3 guntas at Peda Amberpet East Taluk, Ranga Reddy District, Hyderabad Document No. 1077/80 registered with Sub-Registrar, Hyderabad.

S. GOVINDARAJAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 9-10-1980
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE,

HYDERABAD

Hyderabad, the 9th October 1980

Ref. No. RAC 282/80-81.—Whereas I, S. GOVINDARAJAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Land S. N. 581, situated at Pedda Amberpet, R. R. District (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on February, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) 1. Prem s/o Suryaprakash Naples 6th Road, Sobani Road, Colaba, Bombay.
- 2. Mrs. Ratna w/o Suryaprakash, 22 Bay view 18/A Ridge Road, Bombay.
- 3. Mrs. Shakuntala w/o Ramchand 14th Road, Bandra, Bombay.

(Transferors)

- (2) Sri Anup s/o Sachanand, 11 Bay view Malabar Hills, Bombay.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land in Survey No 581 area 19 acres 36 guntas at Peda Amberpet East Taluk, Ranga Reddy Distt., Hyderabad Document No. 1078/80 registered with Sub-Registrar, Hyderabad.

S. GOVINDARAJAN
Competent Authority.
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

29—346GI/80

Date : 9-10-1980
Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,
HYDERABAD

Hyderabad, the 10th October 1980

Ref. No. RAC. No. 283/80-81.—Whereas, I, S. GOVINDARAJAN,
being the Competent Authority under Section
269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)
(hereinafter referred to as the 'said Act'),
have reason to believe that the immovable property, having
a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing
No. 125/B, situated at Municipal No. 7-1-395/20, Sanjivareddy
Nagar Colony, Khairtabad
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer at
Khairtabad on February, 1980
for an apparent consideration which is
less than the fair market value of the aforesaid property and
I have reason to believe that the fair market value of the
property as aforesaid exceeds the apparent consideration
therefor by more than fifteen per cent of such apparent con-
sideration and that the consideration for such transfer as
agreed to between the parties has not been truly stated in the
said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act,
in respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act,
1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-sec-
tion(1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

(1) Sri Chandrakantha Rao, s/o
Bapu Rao, Advocate, Adilabad G.P.A.
Sri Shyama Rao, s/o Late Ramaiyah,
Addl. Asst. Engineer, A.P. State Elec. Board,
r/o 9-2-234, Gonjalapuram, Regimental Bazaar,
Secunderabad.

(Transferors)

(2) Smt. Gumparthy Prabavathi, w/o
Sri Gumparthy Ramamurthy, r/o
125/B MIGH, M. No. 7-1-395/20,
Sanjivareddy Nagar,
Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

House and premises bearing No. 125/B, Municipal No.
7-1-395/20-Sanjeeva Reddy Nagar Colony, Hyderabad regis-
tered with the SRO, Khairtabad vide document No. 177/80
during the month of February, 1980.

S. GOVINDARAJAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 10-10-1980
Seal :

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,
HYDERABAD

Hyderabad, the 10th October 1980

Ref. No. RAC No. 284/80-81.—Whereas, I, S.

GOVINDARAJAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Plot Sv. No. 321, situated at Somajiguda, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on February, 1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Sri N. Sri Sailam
3-4-663/22/1 Narayanguda,
Hyderabad.

(Transferor)

(2) Smt. K. Padmaja w/o Vijaya Mohan
Daru-salam, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Open plot 831.9 sq. yards in Survey No. 321 (Plot No. 13) at Somajiguda, Hyderabad registered vide Document No. 1590/80 with Sub-Registrar, Hyderabad.

S. GOVINDARAJAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 10-10-1980

Seal :

FORM I.T.N.S.—

(1) Polipex & Fibrex Pvt. Ltd., Village Salalpur, Distt.
Junagadh.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, AHMEDABAD

Ahmedabad-380 009, the 18th September 1980

Ref. P.R. No. 1179/Acq.23-J/80-81.—Whereas, I,
MANGI LAL,
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. 48—Open land and Factory buildings situated at Village Sabalpur, Distt. Junagadh
(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Junagadh on February, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Open land & Factory Buildings in S. No. 48 of village Sabalpur Dist. Junagadh area 8599 sq. metres, duly registered by Registering Officer, Jenagadh, vide Sale-dec. No. 192/80, February, 1980 i.e. property as fully described therein.

MANGI LAL,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-1,
Ahmedabad.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Dated : 18-9-80.
Seal :

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, AHMEDABAD

Ahmedabad-380 009, the 18th September 1980

Ref. No. P.R. No. 1180 Acq. 23-I 80-81—Whereas, I, MANGI LAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing S. No. 48 of Village Sabalpur, situated at Sabalpur, Dist. Junagadh (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Junagadh on February, 1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the **said** Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Polipex & Fibrex Pvt. Ltd., Village Salalpur, Distt. Junagadh.

(Transferor)

(2) M/s. Rajhans Gum Industries; Fulwadi, Jetpur, Dist. Rajkot.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Open land with construction upto plinth size—land admeasuring 8599 sq. metres bearing S. No. 48, situated at village Sabalpur, Dist. Junagadh vide sale-deed No. 193/80, Feb. 80 i.e. property as fully described therein.

MANGI LAL,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
Ahmedabad.

Dated : 18-9-80.

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-I, AHMEDABAD

Ahmedabad-380009, the 26th September 1980

Ref. No. P.R. No. 1182 Acq. 23-I/80-81.—Whereas, I, MANGI LAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 2121-A and 2121-B, Kalupur Ward 1, situated at Kalupur, Kalupur Tower Road, Opp. Khiskola Pole, Kalupur, Ahmedabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on February, 1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) 1. Shushilaben Kantilal,
Good-Luck Bungalow, Navrangpura, Ahmedabad.
2. Urmilaben Dhirajlal
3. Surekhaben Mahendrabhai;
4. Kanubhai Rasiklal
Through : Their Power of Attorney
Holder : S/Shri Bhupendra Rasiklal
Dhaneshbhai Rasiklal,
Bhupendra Rasiklal, Hasmukhlal
Rasiklal, of
'Lilikunj' Swastik Char-Rasta,
Ahmedabad.

(Transferors)

- (2) Smt. Bilkis C. Momin;
306, Raza Apartment Gackward's Haveli,
Raikhad, Ahmedabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property bearing S. No. 2121-A & 2121-B adm. 132 sq. yds and 21 sq. yds, respectively situated at Kalupur Tower Road, Opp. Khiskola's Pole, Kalupur, Ahmedabad duly registered by Registering Officer, Ahmedabad vide sale-deed No. 2402 & 2403/February, 1980 i.e. property as fully described therein.

MANGI LAL,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income tax
Acquisition Range-I
Ahmedabad.

Dated : 18-9-80.
Seal :

FORM I.T.N.S.—

(1) M/s. Mathuresh Corporation;
through : Managing Partner :
Shri Babubhai Dashrathbhai Patel;
111, Sarkiwad, Surangpur,
Ahmedabad.

(Transferor)

(2) Smt. Sitadevi Ratanlal Khemka;
C/o. Jabulal Navalkishore.
Patel Market, Sakar Bazar,
Ahmedabad.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-I, AHMEDABAD

Ahmedabad-380 009, the 26th September 1980

Ref. No. P.R. No. 1183 Acq. 23-I/80-81.—Whereas, I,
MANGI LAJ,
being the Competent Authority under Section 269B of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing

FP No. 8 paiki T. P. S. 18, S. No. 2-A
situated at Sher Kotda—Near Maghdut Hotel, Ahmedabad
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act,
1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at
Ahmedabad on February, 1980
for an apparent consideration which is less than the
fair market value of the aforesaid property and I have
reason to believe that the fair market value of the property
as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than fifteen per cent of such apparent consideration
and that the consideration for such transfer as agreed to
between the parties has not been truly stated in the said
instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons, whichever
period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act. In
respect of any income arising from the transfer;
and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Shop No. 16 of D. C. C. Market, situated near Meghdut
Hotel, Outside Raipur Gate, Ahmedabad, TPS 18-F. P. No.
8, paiki—duly registered by Registering Officer, Ahmedabad
vide sale-deed 2191/4-2-80 i.e. property as fully described
therein.

MANGI LAJ,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I,
Ahmedabad.

Dated : 26-9-1980.

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

FORM ITN/5. -- ---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE-I, AHMEDABAD

Ahmedabad-380 009, the 26th September 1980

Ref. No. P.R. No. 1184 Acq. 23-I/80-81.—Whereas, I,
MANGI LAL,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing
FP No. 8 paiki T. P. S. 18, S. No. 2-A
situated at Sher Kotdar—Near Meghdut Hotel, Ahmedabad
(and more fully described in the Schedule
annexed hereto), has been transferred under the Registration
Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer
at Ahmedabad on February, 1980
for an apparent consideration which is less than the fair market
value of the aforesaid property, and I have reason to believe
that the fair market value of the property as aforesaid exceeds
the apparent consideration therefor by more than fifteen per-
cent of such apparent consideration and that the consideration
for such transfer as agreed to between the parties has not been
truly stated in the said instrument of transfer with the object
of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the 'said Act' in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income
or any moneys or other assets which have
not been or which ought to be disclosed by
the transferee for the purposes of the Indian Income-
tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the
Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under
sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the
following persons, namely :—

(1) M. Matluresh Corporation,
through : Managing Partner
Shri Babubhai Dashrathbhai Patel;
111, Sarkiwad, Sarangpur,
Ahmedabad.

(Transferor)

(2) Smt. Situdevi Ratanlal Khemka;
C/o. Jabulal Navalkishore,
Patel Market, Sakar Bazar,
Ahmedabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of 30 days
from the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expression used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in that
Chapter

THE SCHEDULE

Shop No. 16 of D. C. C. Market, situated near Meghdut
Hotel, Outside Raipur Gate, Ahmedabad, TPS, 18—F. P. No.
8, paiki—duly registered by Registering Officer, Ahmedabad
vide sale-deed No. 2190/4-2-80 i.e. property as fully described
therein,

MANGI LAL,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
Ahmedabad.

Dated : 26-9-1980.

Seal :

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I,
AHMEDABAD

Ahmedabad-380 009, the 26th September 1980

Ref. No. P. R. No. 1185. Acq. 23-I/80-81.—Whereas, I, MANGI LAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. F.P. No. 109, S.P. No. 2, Northern side TPS.4 (Paiki) situated at Maninagar Gollimda, Ahmedabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on February, 1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Shri Mevalram Varandmal Bachani & others;
C/o Shri Govindram Kevalram & others;
413-G, Vasant Vadi, Kalbadevi Road,
Bombay-400002.

(Transferor)

(2) Shri Bhagchand Kanaiyalal;
Gollimda, Maninagar, Ahmedabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Property bearing F. P. No. 109, Sub-plot No. 2, paiki TPS. 6—Northern side paiki—Second Floor, situated at Maninagar, Col Limda, Ahmedabad standing on land 597.50 sq. yds. duly registered by Registering Officer, Ahmedabad, vide sale deed No. 2222/Feb., 1980 i.e. property as fully described therein.

MANGI LAL,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I,
Ahmedabad.

Dated : 26-9-1980.
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
30—346 GI/80

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I

ACQUISITION RANGE-I, AHMEDABAD-30009

Ahmedabad-380 009, the 26th September 1980

Ref. No. P. R. No. 1186 Acq. 23-I/80-81.—Whereas, I, MANGI LAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. F. P. 109, S. P. No. 2, Northern side Paiki TPS 4 situated at Maninagar Gollimda, Ahmedabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Rajkot on 13-2-1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (1 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Mehdipuri Varandmal Bachani & others;
C/o. Shri Govindram Kevlaram & others;
413-G, Vasant Vadi, Kalbadevi Road,
Bombay-400002.

(Transferor)

(2) Shri Radhakishan Kanaiyalal;
Gollimda, Maninagar, Ahmedabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property bearing F. P. No. 109, Sub-plot No. 2, TPS. 4 paiki Northern side paiki ground floor, situated at Maninagar, Gollimda, Ahmedabad standing on land 597.50 sq. yds. duly registered by Registering Officer, Ahmedabad, vide sale deed No. 2224/Feb., 1980 i.e. property as fully described therein.

MANGI LAL,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
Ahmedabad.

Date : 26-9-1980

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Mevalram Varandmal Bachani
C/o. Shri Govindram Kevalram & others;
413-G, Vasant Vadi, Kalbadevi Road,
Bombay-400002.

(Transferor)

(2) Smt. Dhaupadi Valiram
Gollimda, Maninagar, Ahmedabad.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,**

ACQUISITION RANGE-I**ACQUISITION RANGE-I, AHMEDABAD-30009**

Ahmedabad-380 009, the 26th September 1980

Ref. No. P. R. No. 1187 Acq. 23-I/80-81.—Whereas, J. MANGI LAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act', have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. F. P. 109, S. P. No. 2, Northern paiki TPS. 4

situated at Maninagar Gollimda, Ahmedabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Ahmedabad on February, 1980.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Property bearing F. P. No. 109, Sub-plot No. 2, TPS 4 paiki Northern side paiki situated Maninagar, Gol Limada, Ahmedabad standing on land 597.50 sq. yds. duly registered by Registering Officer, Ahmedabad vide sale deed No. 2225 Feb., 1980 i.e. property as fully described therein.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

MANGI LAL,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range-I,
Ahmedabad.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 26-9-1980

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380 009, the 26th September 1980

Ref. No. P. R. No. 1188. Acq. 23-I/80-81.—Whereas, I, MANGI LAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. F. P. 109, S. P. No. 2, North Wing TPS, 4 paiki, situated at Maninagar, Gol Limda, Ahmedabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on February, 1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Mevalram Varandmal Bachani & others; C/o. Shri Govindram Kevalram & others; 413-G, Vasant Vadi, Kalbadevi Road, Bombay-400002.

(Transferor)

(2) Shri Kanaiyalal Valiram; Gol Limda, Maninagar, Ahmedabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property bearing F. P. No. 109, Sub-plot No. 2, TPS.4, paiki Northern side paiki 1st Floor (Eastern side) situated at Maninagar, Gol Limda, Ahmedabad standing on land 597-50 sq. yds. duly registered by Registering Officer, Ahmedabad, vide sale deed No. 2226/Feb., 1980 i.e. property as fully described therein.

MANGI LAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I,
Ahmedabad.

Date : 26-9-1980
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380 009, the 26th September 1980

Ref. No. P. R. No. 1189 Acq.23-I/80-81.—Whereas, I, MANGI LAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. F. P. 109, S. P. No. 2, paiki Northern TPS. 4 situated at Maninagar, Gol Limda, Ahmedabad and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the Office of the Registering Officer at Ahmedabad on February, 1980. for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Shri Mevalram Varandmal Bachani & others;
C/o. Shri Govindram Kevalram & others;
413-G, Vasant Vadi, Kalbadevi Road,
Bombay-400002.

(Transferor)

(2) Shri Parpayomal Jagumal
Gol Limda, Maninagar, Ahmedabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Property bearing F. P. No. 109, Sub-plot No. 2, paiki TPS. 4—Northern side paiki—1st Floor, situated at Maninagar, Gol Limda, Ahmedabad standing on land 597.50 sq. yds. duly registered by Registering Officer, Ahmedabad, vide sale deed No. 2223/Feb., 1980 i.e. property as fully described therein.

MANGI LAL
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I.
Ahmedabad.

Date : 26-9-1980
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS

(1) Shri Harshvadan Hatheesingh Shah;
Ahmedabad

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Aditya Apartments Co-operative Housing Society Ltd., Near Pinakin Society, Sarkhej Road, Ahmedabad.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I,
2ND FLOOR HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 30th September 1980

Ref. No. P.R. No. 1190 Acq. 23-1/80-81.—Whereas, I, MANGI LAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing F.P. No. 88/1 T.P.S. 22, situated at Paldi, Ahmedabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on February, 1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have in the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

THE SCHEDULE

Land (with structure) adm. 2509 sq. yds. bearing TPS No. 22, F.P. No. 88-1, situated at Paldi, Ahmedabad, duly registered by Registering Officer, Ahmedabad vide sale-deed No. 2737/11-2-1980 i.e. property as fully described therein. Ahmedabad.

MANGI LAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance in Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date : 30-9-1980.

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I,
2ND FLOOR HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 9th October 1980

Ref. No. P.R. No. 1191 Acq. 23-T '80-81.—Whereas, I,
MANGI LAL,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act') have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing
S. No. 358, 642/1 & 642/2 Sub-plot No. 9 & 3 situated at
Wadaj, Ahmedabad
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the Office of the Registering Officer at
Ahmedabad on 23-2-1980
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

(1) Shri Sarabhai Mane Lal Chinai,
Khanum Pole, Kalupur,
Ahmedabad.

(Transferor)

(2) New Akhand Anand Nagar,
Co-operative Housing Society Ltd.,
Wadaj, Ahmedabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of the notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable
property within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act,
in respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

An open land admeasuring (1474 + 597 + 14.31 sq. yds.)
2085.31 sq. yds. bearing S. No. 258, 642/1 & 642/2, Sub-
plot No. 9 & 3, situated at Wadaj, Ahmedabad and as fully
described in the sale deed registered vide Regn. No. 1849
dated 23-2-1980.

MANGI LAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

Date : 9-10-1980
S. n. 1

FORM ITNS—

(1) 1. Smt. Ranbhaben Magantal Majithia,
2. Shri Magantal Vallabhdas Majithia,
Shantacruz, West, Bombay-54.

(Transferor)

(2) 1. Shri Vrajlal Dalapatram Mehta,
2. Shri Rameshchandra Vrajlal Mehta,
44, Prahlad Plot, Rajkot.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I,
2ND FLOOR HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 9th October 1980

Ref. No. P. R. No. 1192 Acq. 23-I/80-81.—Whereas, I, MANGI LAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Karanpara Sheri No. 12, situated at Rajkot (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Rajkot on 27-2-1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

THE SCHEDULE

A building standing on land admeasuring 321-2-0 sq. yds. situated at Canal Road, Sheri No. 12, Rajkot and as fully described in the sale deed registered vide Regn. No. 1147 dated 27-2-1980.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

MANGI LAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Ahmedabad.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 9-10-1980
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I,
2ND FLOOR HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD.
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 9th October 1980

Ref. No. P. R. No. 1193 Acq. 23-I/80-81.—Whereas, I,

MANGI LAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 26, Prahlad Plot, situated at 26, Prahla Plot, Rajkot (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at

Rajkot on 7-2-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferor; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

31—346G/1/80

(1) Shri Pranjivan Anandaji Doshi,
Danapith, Rajkot.

(Transferor)

(2) 1. Shri Rameshchandra Harilal,
2. Shri Nalin Harilal,
3. Shri Jitendra Harilal,
4. Shri Narendra Harilal,
5. Smt. Vimala Harilal,
26. Prahla Plot, Rajkot.

(Transferee)

(3) 1. Lavji Amarshi,
2. Jitendra Himatlal,
3. Ramniklal R. Ghosali.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of **45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons**, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A building standing on land admeasuring 183 sq. yds. situated at 26, Prahla, Plot on main Digvijaya Road Rajkot and as fully described in the sale deed registered vide Registration No. 767 dated 7-2-1980.

MANGI LAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Ahmedabad

(Date : 9-10-1980

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I,
2ND FLOOR HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 9th October 1980

Ref. No. P.R. No. 1194/Acq. 23-I/80-81.—Whereas, I, MANGI LAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 25/38 Jagnath Ward No. 15, situated at 25/38, Jagnath Rajkot (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Rajkot on 13-2-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) 1. Smt. Madhurika C. Upadhyay,
2. Smt. Naliniben P. Upadhyay,
3. Smt. Smitaben Ramniklal Upadhyay,
4. Smt. Bhavanaben Vipinkumar Upadhyay,
5. Smt. Vidhyaben Harishkumar Upadhyay,
State Bank of Saurashtra Coop. Housing Society Ltd., Opp. Aerodram, "Gayatri", Rajkot.
(Transferors)

- (2) Shri P. K. Pattni,
25/38, (Giriraj Kunj),
Jagnath, Rajkot.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A building standing on land admeasuring 125-00 sq. yds known as Giriraj Kunj, situated at 25/38 near Jagnath Plot Rajkot and as fully described in the sale deed registered vide Regn. No. 857 dated 13-2-1980.

MANGI LAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range-
Ahmedabad

Date : 9-10-1980
Seal :

FORM NO. I.T.N.S.—

(1) M/s. Dipak Crude Products,
Ranjit Sagar Road,
Jamnagar.

(Transferor)

(2) M/s. Shah Tin Products,
through partners :
17, Dilipkumar Keshavlal Shah;
Oshwal Colony, Jamnagar.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I,
2ND FLOOR HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 9th October 1980

Ref. No. P.R. No. 1195/Acq. 23-I/80-81.—Whereas, I, MANGI LAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. R.S. No. 211, 212, 213, 214 & 215-1 situated at Saru Section Road, Jamnagar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Jamnagar on 4-2-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A shed standing on land admeasuring 383.21 sq. metres bearing R.S. No. 211, 212, 213, 214 & 215-1; situated at Saru Section Road, Jamnagar and as fully described in the sale-deed registered vide Regn. No. 283 dated 4-2-1980.

MANGI LAL,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
Ahmedaba¹

Date : 9-10-1980
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I,
2ND FLOOR HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 9th October 1980

Ref. No. P.R. No. 1196/Acq. 23-I/80-81.—Whereas, J.

MANGI LAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

R.S. No. 211-212-213-214 & 215/1 situated at Saru Section Road, Jamnagar

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jamnagar on 4-2-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) M/s. Dipak Crude Products;
through partners :
1. Idandas Lahorimal & Co.
2. Bhagchand Maherchand,
3. Kanaiyalal Maherchand,
4. Parmanand Maherchand,
5. Isandas Maherchand,
6. Uttamchand Nandiram,
Ranjitnagar Road, Jamnagar.

(Transferors)

- (2) Neeta Tin Factory;
through partner :
Shri Valajibhai Shivajibhai Patel;
M.P. Udhayognagar-C-I; Jamnagar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the days from the service of notice on the respective Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

A factory shed standing on land, admeasuring 383.21 sq. mts. bearing S. No. 211, 212, 213, 214 & 215/1 situated at Sharu-Section Road, Jamnagar and as fully described in the sale deed registered vide Regn. No. 283 dated 4-2-1980.

MANGI LAL,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range
Ahmedabad.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 9-10-1980

Seal :

FORM ITNS

- (1) M/s. Paras Cement Pipe Factory; through Partners :
 1. Patel Bhailalbhai Jethabhai; Balsar Kampa, Tal. Himatnagar.
 2. Patel Devrambhai Karsanbhai; Himatnagar.
 3. Patel Narsinghbhai Jethabhai; Balsar Kampa, Tal. Himatnagar.
 4. Patel Jethabhai Rajabhai; Balsar Kampa, Tal. Himatnagar.

(Transferors)

- (2) 1. Dr. Bipin Motibhai Patel;
 2. Mehul Bipin Patel;
 3. Minor Utpal Bipin Patel; Nirali Hospital, Himatnagar.

(Transferee)

Ahmedabad-380 009, the 9th October 1980

Ref. No. P.R. No. 995/Acq. 23-II/80-81.—Whereas, I
MANGI LAL,
 being the Competent Authority under Section 269B of the **Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)** (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Sim S. No. 87/12/2 of Kankarol village situated at Himatnagar Taluka (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Himatnagar on 5-2-1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land bearing Kankarol village sim S. No. 87/12/2 and all construction thereon situated on the Himatnagar-Udaipur High-Way and fully described as per sale deed bearing Registration No. 251 registered in the office of Sub-Registrar, Himatnagar on 5-2-1980.

MANGI LAL
 Competent Authority
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
 Acquisition Range-II
 Ahmedabad

Date : 9-10-1980

Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II,
2ND FLOOR HANDLOOM HOUSE; ASHRAM ROAD.
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 9th October 1980

Ref. No. P.R. No. 996/Acq. 23-II/80-81.—Whereas, I,

MANGI LAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Nondh No. 4147-4148 situated at Anavil Sheri, Sagrampura, Surat

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Surat on February, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Shri Dhansukhlal Rupram Bhatt;
Sagrampura, Anavil Sheri,
Surat.

(Transferor)

(2) Shri Hasmukhrai Thakarshi Thakkar;
Anavil Sheri, Sagrampura, Surat.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Property at Nondh No. 4147-4148 situated at Anavil Sheri, Sagrampura, Surat duly registered at Surat on 22-2-1980.

MANGI LAL,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Ahmedabad.

Date : 9-10-1980

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS—

- (1) Shri Bhupendra Ishvarlal Gajivala;
Rampur, Dudhara Sheri, Surat.
(Transferor)
- (2) Shri Shantilal D. Patel;
C/o Gujarat Maharashtra Housing &
Industrial Finance Corporation;
12/297, Limda Chowk, Surat.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II,
2ND FLOOR HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,

AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 9th October 1980

Ref. No. P.R. No. 997 Acq. 23-II/80-81.—Whereas, I

MANGI LAL,
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Survey No. 12/1 paiki property situated at Navagam, Surat (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Surat on 11-2-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Property at Navagam bearing S. No. 12/1, duly registered at Surat on 11-2-1980.

MANGI LAL,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 9-10-1980
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II,
2ND FLOOR HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 9th October 1980

Ref. No. P.R. No. 998/Acq. 23-II/80-81.—Whereas, I, MANGI LAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

R.S. No. 90 land situated at Ali, Bharuch (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Bharuch on 13-2-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) 1. Bai Laxmi Wd/of Budhabhai Jelabhai; Ali Harijan Vas, Broach.
- 2. Minor Hasu, represented by his guardian Bai Laxmi; Ali Harijan Vas, Broach.
- 3. Minor Nayna, —do—
- 4. Minor Hina, —do—
- 5. Bai Hansa daughter of Jela Mahoji; Ali Harijanvas, Broach.
- 6. Bai Jasu Wd/of Mohan Madhav; Ali Harijanvas, Broach.
- 7. Shri Rameshbhai Mohanbhai; Ali Harijanvas, Broach.
- 8. Shri Kanubhai Mohanbhai; Ali Harijanvas, Broach.
- 9. Shri Manuben Mohanbhai daughter of Mohan Madhav, Ali Harijanvas, Broach.
- 10. Shri Amrutbhai Mohanbhai; Ali Harijanvas, Broach.
- 11. Shri Harishbhai Mohanbhai; Ali Harijanvas, Broach.
- 12. Shri Dipak Mohanbhai; Ali Harijanvas, Broach.
- 13. Induben daughter of Mohan Madhav; Harijanvas, Broach.
- 14. Shri Ramilaben daughter of Mohan Madhav, Vapi.
- 15. Hasuben daughter of Mohan Madhav; Harijanvas, Broach.

(Transferors)

(2) Secretary:
Bharuch Textile Mills Ltd.,
Mahatma Gandhi Road,
Bharuch.

(Transferee)

Objection, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immoveable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Open plot situated at Ali, duly registered on 13-2-1980 at Bharuch.

MANGI LAL
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date : 9-10-1980

Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,**

ACQUISITION RANGE II, 2ND FLOOR
HANDLOOM HOUSE; ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 10th October 1980

Ref. No. P.R. No. 999/Acq. 23-II/80-81.—Whereas, I, MANGI LAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Survey No. 418 situated at Budasan village, Kadi Taluka (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

at Kadi on 4-2-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) 1. Shri Sipay Imam Miya Nannumiya;
2. Patel Ramanbhai Manordas;
stayign at Budasan, Kadi Taluka.
Power of Attorney Holder of
(2) Rameshbhai Babulal Sheth, Kalol.
(Transferor)
- (2) Gopal Glass Works (Pvt.) Ltd.,
Managing Director : Krishnavadan Ambalal
Taktavala; Regd. Office : 1933; Bala Hanuman Lane
Gandhi Road, Ahmedabad-380001.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land bearing Budasan village Survey No. 418 situated at Budasan Kadi Taluka and as fully described as per sale deed No. 112 registered in the office of Sub-Registrar, Kadi on 4-2-1980.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
32—346GI[80.

MANGI LAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date : 10-10-1980

Seal :

FORM ITNS

(1) Shah Chandulal Gokuldas;
Pundhra Village, Vijapur Taluka.

(Transferors)

NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE II, 2ND FLOOR
HANDILOOM HOUSE; ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380 009

- (2) 1. Patel Madhabhai Kachrabhai;
2. Patel Mangalbhai Buldevbhai;
3. Patel Mahendrabhai Jivabhai;
4. Patel Chunilal Shankardas;
5. Patel Kanubhai Govindbhai;
6. Patel Sendhabhai Kederbhai;
7. Patel Mangalbhai Dhelabhai;
8. Patel Manilal Hargovindas;
9. Patel Kamubhai Govindbhai;
10. Patel Somabhai Dwarkadas;
11. Patel Somabhai Motidas;
12. Patel Yashwati Kumar Bholabhai.

(Transferees)

Ahmedabad-380 009, the 10th October 1980

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

Ref. No. P.R. No. 1000/Acq. 23-II/80-81.—Whereas I, MANGI LAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Survey No. 57/7 situated at Pundhra village, Vijapur Taluka (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Vijapur on 22-2-1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Land bearing Survey No. 57/7 situated in village Pundhra and as fully described as per sale deed No. 228 registered in the office of Sub-Registrar, Vijapur on 22-2-1980.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

MANGI LAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 10-10-1980

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shah Chandulal Gokakdas;
Pundhra Village Vijapur Taluka.

(Transferors)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR
HANDILOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 10th October 1980

Ref. No. P.R. 1001/Acq. 23-II/80-81.—Whereas, I,
MANGI LAL,
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.
Survey No. 56 (Paiki), situated at
Pundhra village, Vijapur Taluka.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at
Vijapur on 22-2-1980
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I
have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (2) 1. Patel Bholabhai Harjeevandas;
2. Patel Arvindbhai Jeevabhai;
3. Patel Jeevanbhai Baldevbhai;
4. Patel Somabhai Dhelabhai;
5. Patel Ramanbhai Ambalal;
6. Patel Ambalal Magandas;
7. Patel Mangalbhai Motidas;
8. Patel Varvabhai Chhagandas;
9. Patel Amritbhai Baldevdas;
10. Patel Babubhai Dhelabhai;
11. Shashiben J.
12. Patel M. Motidas;
13. Patel Lakshmanbhai Dwarkadas;

All staying at Pundhra, Vijapur (Tal.).
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of **45 days from the date of publication of this notice** in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within **45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette**.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Land bearing Survey No. 56 (Paiki) situated in village Pundhra and as fully described as per sale deed No. 230 registered in the office of Sub-Registrar, Vijapur on 22-2-1980.

MANGI LAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 10 10 1980

Seal .

FORM ITNS

(1) Shri Rameshbhai Ghodabhai Patel;
Anklav, BORSAD.

(Transferor)

**NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

(2) Vimlaben Jasbhai Patel;
Utiya, Baroda Taluka,
At Present staying at Napad village, Anand.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE II, 2ND FLOOR
HANDLOOM HOUSE; ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 10th October 1980

Ref. No. P.R. 1002/Acq. 23-II/80-81.—Whereas, I,
MANGI LAL,
being the Competent Authority under
Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)
(hereinafter referred to as the said Act), have reason to
believe that the immovable property, having a fair market
value exceeding Rs. 25,000/- and bearing
Survey No. 7, Nizampura, situated at
Plot No. 237, "The Sardarnagar Coop. Hsg. Socy. Ltd.,
Nizampura, Baroda
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer at
Baroda on 26-2-1980
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason
to believe that the fair market value of the property as
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than fifteen per cent of such apparent consideration
and that the consideration for such transfer as agreed to
between the parties has not been truly stated in the said
instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

THE SCHEDULE

Land and building bearing Plot No. 237 of "The Sardarnagar Coop. Housing Society Ltd., situated in the Nizampura area bearing S. No. 7 of Baroda City and as fully described as per sale deed No. 708 registered in the office of Sub-Registrar, Baroda on 26-2-1980.

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for the
purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of
1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957
(27 of 1957);

MANGI LAL
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

Date : 10-10-1980

Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE II, 2ND FLOOR
HANDLOOM HOUSE; ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380 009**

Ahmedabad-380 009, the 9th October 1980

Ref. No. P.R. 1003/Acq. 23-II/80-81.—Whereas, I, MANGI LAL, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Nondh No. 2546, Dholakuva Road, situated at Bhaga Talav, Surat (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Surat on 1-2-1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) 1. Shri Jasvantiben Chimnalal Vankawala; Manmandir, Timaliawad, Nanpura, Surat.
2. Shri Kishorchanlal Chimnalal Vankawala; P.A. Holders; R.T. Wakawala, Soni Falia, Main Road, Surat.

(Transferees)

- (2) 1. Minor Mohad Yusuf Abdul Aziz Kapadia; Chowk Bazar, Surat.
2. Minor Mohmad, Iqbal Abdulkadar, Chowk Babar, Surat.
3. Minor Abubker Ismail, Opp. Liberty Dairy, Surat.
4. Minor Mohmad Usman Miya Mohmad, Opp. Liverty Dairy, Surat.

Guardians :

1. Abdul Aziz Ibrahim;
2. Abdul Kadar Ibrahim;
3. Ismail Abdul Kadar;
4. Miya Mohmad Abdul Kadar.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as and defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property at Nondh No. 2546 Wd. No. 10, Surat duly registered on 1-2-1980 at Surat.

MANGI LAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date : 9-10-1980
Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE II, 2ND FLOOR
HANDLOOM HOUSE; ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 9th October 1980

Ref. No. P.R. 1044/Acq. 23-II/80-81.—Whereas, I,

MANGI LAL,
being the Competent Authority under Section
269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)
(hereinafter referred to as the 'said Act')

have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Nondh No. 2546 Bhaga Talav, situated at Dholakuva Road, Surat,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Surat on 1-2-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) 1. Shri Chunilal Chhabildas Vankawala;
Pestanji Street, Shahpur, Surat.
2. Shri Venilal Chunilal Vankawala;
Shree Apartment, Nanpura, Surat.
3. Shri Thakordas Chunilal;
Pestanji Street, Shahpur, Surat.
4. Shri Arvindlal Chunilal;
Pestanji Street, Shahpur, Surat.

(Transferors)

- (2) 1. Minor Yusuf Abdul Aziz Kapadia;
Chok Bazar, Main Road, Surat.

Guardians :

- Abdul Aziz Ibrahim;
- 2. Minor Mohmad Iqbal Abdulkadar,
Chok Bazar, Main Road, Surat.

Guardians :

- Kadar Ibrahim;
- 3. Minor Abubkar Ismail,
Opp. Liberty Dairy, Surat.

Guardian :

- Ismail Abdul Kadar;
- 4. Minor Mohmad Usman Miya Mohammad;
Opp. Liberty Dairy, Surat.

Guardian :

- Miya Mohmad Abdul Kadar.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property at Nondh No. 2546 at Dholakuva Road, Wd. No. 10, Surat duly registered at Surat on 1-2-1980.

MANGI LAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax,
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date : 9-10 1980

Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX**

ACQUISITION RANGE II, 2ND FLOOR
HANDLOOM HOUSE; ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 9th October 1980

Ref. No. P.R. 1005 Acq. 23-II/80-81.—Whereas, I, MANGI LAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25000/- and bearing Nondh No. 2546, Dholakuva, Bhaga Talav situated at Surat (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Surat on 1-2-1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) 1. Shri Hiralal Chhabildas Vankawala, Amrakunj Society, Ghoddod Road, Surat.
2. Shri Kantilal Hiralal, Muni, Tenaments, Opp. Kinnari Cinema, Surat.
3. Gordhanbhai Hiralal; Khatodara, Surat.
4. Shri Arvind Kumar Hiralal; Amrakunj Society, Ghoddod Road, Surat.
(Transferors)
- (2) 1. Minor Mohmad Usuf Abdul Aziz Kapadia; Guardian : Abdul Aziz Ibrahim;
2. Minor Mohmad Iqbal Abdul Kadar; Guardian : Abdul Kadar Ibrahim; Chok Bazar, Main Road Surat.
3. Minor Abubkar Ismail; Guardian : Ismail Abdul Kadar; Bhaga Talav, Opp. Liberty Dairy, Surat.
4. Minor Mohmad Usman Miya Mohmad; Miya Mohmad Abdul Kadar; Bhaga Talev, Opp. Liberty Dairy, Surat.
(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Property at Nondh No. 2546 at Dholakuva Road, Wd. No. 10, Surat duly registered at Surat on 1-2-1980.

MANGI LAL
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date : 9-10-1980
Seal :

Now, therefore in, pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

**GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE II, 2ND FLOOR
HANDI OOM HOUSE; ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380 009**

Ahmedabad-380 009, the 10th October 1980

Ref. No. P.R. 1006/Acq. 23-II/80-81.—Whereas, I.

MANGI LAL,
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Khatodra S. No. 33-1-B, C.S. No. 444 situated at Khatodra, Surat

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the Office of the Registering Officer at Surat in February, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the instrument of transfer with the object of :—

(1) Shri Shantilal Kalyandas;
Chhelo Mohollo, Rustampura, Surat,

(Transferor)

(2) 1. Shri Somabhai Bhagwandas;
2. Shri Parhubhai Bhagwandas;
3. Shri Bhailal Bhagwandas;
4. Shri Sunderlal Bhagwandas;
5. Shri Jayantilal Bhagwandas;
6. Shri Uttamram Bhagwandas;
Chogan Sheri, Sagrampura, Surat.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Land at Khatodra S. No. 3301(B) C.S. No. 444, duly registered at Surat on 12-2-1980.

MANGI LAL
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 10-10-1980
Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Somabhai Naranbhai Patel;
Mahidhpura, Vania Sheri, Surat.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE II, 2ND FLOOR
HANDI OOM HOUSE; ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 10th October 1980

Ref. No. P.R. 1077/Acq. 23-II/80-81.—Whereas, I,
MANGI LAL,
being the Competent Authority under Section 269B of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the im-
movable property, having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing
Plot No. B-Ind. 241 in New Udhna Udyognagar situated at
Estate Udhna, Surat,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the Office of the Registering Officer at
Surat in February, 1980
for an apparent consideration which is less than the
fair market value of the aforesaid property and I have
reason to believe that the fair market value of the property
as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than fifteen per cent of such apparent consideration and
that the consideration for such transfer as agreed to between
the parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

(2) Shri M. M. Patel;
Trustee;
C/o, Indian Electrodes and Allied Products;
Plot No. 241, New Udhna Udyognagar, Udhna.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the publi-
cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in that
Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Property bearing Plot No. B-Ind. 241 in the New Udhna
Udyognagar Estate, Udhna, duly registered at Surat at Regn.
No. 893 of 1980.

MANGI LAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely:—

3-345 GL/80

Date : 10-10-1980
Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Duraiya Ahmed Basrai;
Jupiter Textiles, Nani Begamwadi,
Salabatpura, Surat.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE II, 2ND FLOOR
HANDLOOM HOUSE; ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 9th October 1980

Ref. No. P.R. 1008/Acq. 23-II/80-81.—Whereas, I,

MANGI LAL,

being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Nondh No. 3373 Bhajivali Pole, situated at Begampura, Surat (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering at Surat on 21-2-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

- (2) 1. Shri Sabbirbhau M. Mogal;
90, Ripen Street, Calcutta.
2. Shri Abdul Hussein M. Mogal;
90, Ripen Street, Calcutta.
3. Shri Khozema M. Mogal.
90, Ripen Street, Calcutta.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in Chapter.

THE SCHEDULE

Property at Nondh No. 3373 at Begampura, Bhaji Vali Pole, Surat, duly registered at Surat on 21-2-1980.

MANGI LAL
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date : 9-10-1980
Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA
 OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
 ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR
 HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
 AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 9th October 1980

Ref. No. P.R. No. 1009 Acq.23-II/80-8J.—Whereas, I,

MANGI LAL

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Nondh No. 2919/51A/3 Wd. No. 3,
 situated at Mahatma Wadi, Salabatpura, Surat
 (and more fully described in the Schedule annexed hereto),
 has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908); in the office of the Registering Officer at
 Surat on 19-2-1980
 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any Moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

- and/or
 (1) 1. Nirmalaben Gulabdas;
 2. Minor Dharmisthaben Gulabdas;
 3. Ramchandra Gulabdas;
 4. Gitaben Gulabdas;
 5. Khusmatben Gulabdas;
 Chokey Sheri, Salabatpura,
 Surat.

(Transferees)

- (2) Shri Rameshchandra Mohanlal Dawawala;
 Salabatpura, Sidhi Sheri,
 Surat.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property registered at Mahatma Wadi, Salabatpura, Nondh No. 2919/5/A/3 at Surat on 19-2-1980.

MANGI LAL
 Competent Authority
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
 Acquisition Range-II, Ahmedabad.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 9th October, 1980
 Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR
HANDLOOM HOUSE; ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 10th October 1980

Ref. No. P.R. No. 1010 Acq.23-II/80-81.—Whereas, I,
MANGI LAL

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Nondh No. 1274, Wd. No. 4, Begampura, Danapith situated at Surat

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Surat on 4-2-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) M/s. Chokhawala Enterprise; through its partners;
 1. Shri Navinchandra Ramanlal Chokhawala, Haripura, Kaljung Mohollo, Surat.
 2. Shri Rameshchandra Ramanlal, Navapura, Dalia Sheri, Surat.
 3. Shri Harishvadan Ramanlal, Navapura, Dalia Sheri, Surat.
 4. Shri Bharatkumar Ramanlal, Navapura, Dalia Sheri, Surat.
 5. Shri Ramanlal Vijbhai, Navapura, Dalia Sheri, Surat.
 6. Shri Jagdishchandra Rajnikant, Haripura, Ramnath Mahadev Sheri, Surat.
 (Transferors)

- (2) M/s. C. M. Diwani & Co., through : Partners;
 1. Shri Manubhai Motibhai Patel, Daragia Mohollo, Surat.
 2. Shri Kishorbhai Motibhai Patel; Daragia Mohollo, Surat.
 3. Shri Vipinchandra Motibhai Patel; Daragia Mohollo, Surat.
 4. Shri Chandrakant Shantilal; B. No. 75, Sarjan Society, Surat.
 (Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are as defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property at Nondh No. 1274 Wd. No. 4, Begampura, Danapith, Surat duly registered at Surat on 4-2-1980.

MANGI LAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Ahmedabad.

Date : 10th October, 1980
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR
HANDLOOM HOUSE; ASIIRAM ROAD,
AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 10th October 1980

Ref. No. P.R. No. 1011 Acq.23-II/80-81.—Whereas, I,

MANGI LAL

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Nondh No. 1274 Wd. No. 4, Begampura, Danapith situated at Surat

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Surat on 4-2-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) M/s. Chokhawala Enterprise;
through its partners;
1. Shri Navinchandra Ramanlal Chokhawala,
Haripura, Kaljug Mohollo, Surat.
2. Shri Rameshbandra Ramanlal,
Navapura, Dalia Sheri, Surat.
3. Shri Bharatkumar Ramanlal,
Navapura, Dalia Sheri, Surat.
4. Shri Harshvadan Ramanlal,
Navapura, Dalia Sheri, Surat.
5. Shri Ramanlal Vibhai,
Navapura, Dalia Sheri, Surat.
6. Shri Jagdishchandra Rajnikant,
Haripura, Ramnath Mahadev Sheri, Surat.

(Transferors)

- (2) M/s. M. R. Patel & Co.

through partners :

1. Shri Motibhai Ranchhodji Patel;
Darangia Mohollo, Surat.
2. Shri Hirrabhai Motibhai Patel;
Darangia Mohollo, Surat.
3. Shri Chandubhai Motibhai Patel;
Darangia Mohollo, Surat.
4. Shri Shantilal Atmaram Bhagat;
Sarjan Society, B. No. 75, Athwa Lines,
Surat.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property at Nondh No. 1274 Wd. No. 4, Begampura, Danapith, Surat duly registered as Surat on 4-2-1980.

MANGI LAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Ahmedabad.

Date : 10th October, 1980

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR
HANDLOOM HOUSE; ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 9th October 1980

Ref. No. P.R. No. 1204 Acq.23-I/80-81.—Whereas, I,

MANGI LAL

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

S. No. 433—Hissa No. 2, T.P.S. 8 F.P. 35

situated at Dariapur Kazipur, Ahmedabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Ahmedabad on February, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be dissolved by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Chandrakant Vrajvallabhdas Mashruwala; (HUF), Manager & Karta—
Shri Chandrakant Vrajvallabhdas
Mashruwala, Ambawadiya, Ellisbridge,
Ahmedabad.

(Transferors)

(2) Jagat Vihar Coop. Housing Society Ltd.,
(Proposed), Through promoters :
Shri Ishversingh Jagatsingh,
Anand Society, Behind Gomtipur Bridge,
Ahmedabad.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette;

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Building standing on plinth admeasuring 320.95 sq. mts. etc., bearing S. No. 433, Hissa No. 2, T.P.S. 8 F.P. No. 35, situated at Dariapur Kazipur, Ahmedabad vide sale-deed No. 3183/20-2-80 i.e. property as fully described therein.

MANGI LAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-II, Ahmedabad.

Date : 9th October, 1980
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR
HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 11th October 1980

Ref. No. P.R. No. 1203/Acq. 23-1/80-81.—Whereas, I, MANGI LAL being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing S. No. 2/1 paiki F.P. No. 13 paiki Sub-plot No. 3, T.P.S. 15 situated at Wadaj, Ahmedabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Ahmedabad on 22-2-1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Shataben widow of Hariprasad Passawala; and others; Opp. Kiran Park Society, Wadaj, Ahmedabad.

(Transferor)

(2) Suswagatam Co-op. Housing Society; Through Chairman Shah Mahendra Ratilal, 8-B, Tiger Flats, Nava Wadaj, Ahmedabad.

(Transferee),

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land bearing S. No. 2/1-paiki F.P. No. 13 paiki Sub-plot No. 3, admeasuring 1028 sq. yds. situated at Wadaj, Ahmedabad duly registered by Registering Officer, Ahmedabad vide sale deed No. 3391/22-2-80 i.e. property as fully described therein.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

MANGI LAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Ahmedabad.

Date : 11-10-1980

Seal.

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR
HANDLOOM HOUSE; ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 11th October 1980

Ref. No. P.R. No. 1202 Acq.23-I/80-81.—Whereas, I,

MANGI LAL

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

F.P. No. 181, S.P. No. 14, T.P.E. 15,
situated at Wadaj, Ahmedabad.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on February, 1980

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Shri Hafiz Rustom Dalal;
'Sun beam', Mirzapur Road,
Ahmedabad.

(Transferor)

(2) Roop Nagar Apartment Co-op. Housing Society Ltd.
through : Shri Ghanshyam K. Kelwani;
Secretary : 131, Panchkuwa Sindhi Market,
Ahmedabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be closed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (1 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land bearing F.P. No. 181, S.P. No. 14, T.P.S. 15, admeasuring 363 sq. yds. situated at Wadaj, Ahmedabad duly registered by Registering Officer, Ahmedabad vide sale-deed No. 2142/Febr., 1980 i.e. property as fully described therein.

MANGI LAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Ahmedabad.

Date : 11th October, 1980
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR
HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 10th October 1980

Ref. No. P.R. No. 1200 Acq.23-I/80-81.—Whereas I,
MANGI LAL
being the Competent Authority under Section 269B,
of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter
referred to as the 'said Act'), have reason
to believe that the immoveable property, having a fair market
value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.
S. No. 1 Main Part-G, situated at
Behind Panchvati, Jamnagar.
(and more fully described in the schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer at
Jamnagar on 11-2-1980
for an apparent consideration which is less than the
fair market value of the aforesaid property and I have
reason to believe that the fair market value of the property
as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than fifteen per cent of such apparent consideration
and that the consideration for such transfer as agreed to
between the parties has not been truly stated in the said
instrument of transfer with the object of :—

(1) 1. Shri Gordhandas Dhanjibhai;
2. Kuktaben Gordhandas;
Bedi, Jamnagar.

(Transferors)

(2) Shri M. R. Shukla;
Harshad Engineering Works;
Opp. Anupam Talkies,
Jamnagar.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act,
in respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or which
ought to be disclosed by the transferee for the
purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11
of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act
1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

A building standing on land admeasuring 1800 sq. ft. bearing S. No. 1, Main Part-G, situated behind Panchvati, Jamnagar and as fully described in the sale deed, registered vide Registration vide Regn. No. 320 dated 11-2-1980.

MANGI LAL
Competent Authority.
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Ahmedabad.

Date : 10th October, 1980
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-section
(1) of Section 269D of the said Act, to the following persons,
namely :—
34—346GI|80

FORM ITNS

- (1) 1. Shri Gordhandas Dhanjibhai;
2. Muktaben Gordhandas,
Bedi.

(Transferor)

- (2) Shri Jitendra Ramniklal Shukla;
Harshad Engineering Works;
Opp. Anupam Talkies,
Jamnagar.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)**GOVERNMENT OF INDIA**

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR
HANDLOOM HOUSE; ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380009
ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR

Ref. No. P.R. No. 1201 Acq.23-I/80-81.—Whereas I,
MANGI LAL
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing S. No. Main Part-G situated at Behind Panchvati, Jamnagar on 11-2-1980 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Jamnagar on 11-2-1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

A building standing on land admeasuring 1800 sq. ft. bearing S. No. 1, main Part-G, situated behind Panchvati Jamnagar and as fully described in the sale-deed registered vide Regn. No. 327 dated 11-2-1980.

MANGI LAL
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Date : 10th October 1980
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following person, namely :—

FORM ITNS

(1) **Gomibin Dwarkadas Patel;**
Village Navarangpura, Navrangpura,
Ahmedabad.

(Transferer)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR
HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 9th October 1980

(2) Patel Dwarkadas Coop. Housing Society Ltd.,
through :

1. Shri Purshotambhai H. Patel,
Chairman : 4, Chanasma Society, Ranip.
Ahmedabad.
2. Shri Rameshbhai P. Patel,
Secretary : Gujarat Housing Board, Chamanpura.
Ahmedabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

An open plot of land admeasuring 78997 sq. yds. bearing S. No. 5 situated at Odhav, Ahmedabad and as fully described in the sale deed registered vide Regn. No. 4065 dated 7-3-80.

MANGI LAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date : 9th October, 1980
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR
HANDLOOM HOUSE; ASHRAM ROAD.
AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 9th October 1980

Ref. No. P.R. No. 1198 Acq. 23-I/80-81.—Whereas, I,
MANGI LAL,
being the Competent Authority under Section 269B of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing No.

G. No. 211/1; 212/2/A/2 Sub-plot No. 4 of TPS. 14 F.P.
275 situated at Dariapur, Kazipur, Ahmedabad.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the office of the Registering Officer at

Ahmedabad on 10-2-1980

for an apparent consideration which is less than the
fair market value of the aforesaid property and I have
reason to believe that the fair market value of the
property as aforesaid exceeds the apparent consideration
therefor by more than fifteen per cent of such apparent
consideration and that the consideration for such transfer
as agreed to between the parties has not been truly
stated in the said instrument of transfer with the object
of —

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been of
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

(1) Shri Rupalal Janmejaybhai Patel;
P.A. Holder : Shri Anilkumar Hariprasad Lashkari;
"Gurjesh", Dafnala, Sahaibag,
Ahmedabad.

(Transferor)

(2) 1. Shri Narendra Mayjibhai Kadivar;
2. Smt. Puspaben Narendra Kadivar;
Dafnala, Shahibag,
Ahmedabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable
property within 45 days from the date of the publi-
cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in that
Chapter.

THE SCHEDULE

A building standing on land admeasuring 849 sq. yards
bearing No. 211/1 and 211/2 F.P. 275, Sub-plot No. 4 of
TPS. 14, situated at Dariapur Kazipur, Shahibag, Ahmedabad
and as fully described in the sale deed registered vide Regn.
No. 4117 dated 10-3-80.

MANGI LAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Date : 9th October, 1980
Seal

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR,
HANDLOOM HOUSE; ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380009, the 9th October 1980

Ref. No. P.R. No. 1197 Acq.23-I/80-81.—Whereas, I,

MANGI LAL

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing

S. No. 606-2 situated at

Dr. Radhakrishna Road, Rajkot

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908

(16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Rajkot on 19-2-1980

for an apparent consideration

which is less than the fair market value

of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Navinchandra Harilal Mehta;
"Purusharth", 5-Jagnath Plot,
Rajkot.

(Transferor)

(2) Shri Patel Construction Co.
Prahald Plot, Main Road,
Rajkot.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are as defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A residential building standing on land admeasuring 480 sq. yds. bearing S. No. 606-2 situated at Dr. Radhakrishna Road Rajkot and as fully described in the sale deed registered vide Regn No. 990 dated 19-2-1980.

MANGI LAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Date : 9th October, 1980
Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMETAX, ACQUISITION RANGE, 3RD THAKKAR'S BUNGLOW, GIRIPETH, NAGPUR.

Nagpur, the 30th August 1980

No. IAC/ACQ/148/80-81.—Whereas, I, S. K. BILLAIYA, being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Plot No. 1 Part of Plot No. 2/1, Bhanapeth, Chandrapur (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandrapur on 1-2-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) 1. Shri A. Karim A. Rahman,
2. Shri Mehboob A. Rahman, both r/o Anchaleshwar Ward, Chandrapur.
(Transferees)
- (2) 1. Shri Subhashchandra Surejbhan Jain,
2. Shri Pawankumar Surajbhan Jain,
3. Shri Ravindrakumar Surajbhan Jain,
All resident of Shastrinagar, Chandrapur.
(Transferees)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Plot No. 1, Part of Plot No. 2/1, Sheet No. 15/8, Block No. 40/39, Ner Masjid, Bhanapeth, Kasturba Road, Chandrapur.

S. K. BILLAIYA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax, Acquisition Range,
Nagpur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 30-8-1980.
Seal :

FORM ITNS—

- (1) 1. Shri Bishop A. W. Luthar,
2. Smt. Dr. Kamal Luthar,
Nelson Square, Nagpur.

(Transferors)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF INCOMETAX
TAX, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

- (2) Shri Harish Shivdayal Massund,
601, Jai Kalpana, Ramdaspeth,
Nagpur.

(Transferees)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMETAX, ACQUISITION RANGE, 3RD THAKKAR'S BUNGLOW, GIRIPETH, NAGPUR.

Nagpur, the 30th August 1980

No. IAC/ACQ/149/80-81.—Whereas, I, S. K. BILLAIYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

M. H. No. 80, Plot No. 5, Nelson Square, Jaripatka, Nagpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Nagpur on 15-2-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

M. H. No. 80 (New) Plot No. 5, C. No. 24, Div. No. 8, Nelson Square, Jaripatka, Nagpur.
Nagpur

S. K. BILLAIYA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Incometax, Acquisition Range,
Nagpur.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 30-8-1980.
Seal :

FORM ITNS—(1) Shri Vallabhdas A. Mohta,
48/1, Civil Lines, Nagpur.

(Transferees)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF INCOMETAX
TAX, 1961 (43 OF 1961)**(2) Smt. Kamla Devi V. Mohta,
48/1, Civil Lines, Nagpur.

(Transferees)

GOVERNMENT OF INDIA**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMETAX, ACQUISITION RANGE, 3RD THAKKAR'S BUNGLOW, GIRIPETI, NAGPUR.**

Nagpur, the 30th August 1980

No. IAC/ACQ/150/80-81.—Whereas, I, S. K. BILLAIYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing 1/5th share in Gajanan Theatre bearing H. No. 209, Khamgaon, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Khamgaon on 12-2-1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

1/5th Share in Gajanan Theatre, bearing House No. 209, Ward No. 11, Nazul Sheet No. 33-D, Plot No. 72, Khamgaon.

S. K. BILLAIYA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Incometax, Acquisition Range,
Nagpur.

Date : 30-8-1980.
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS—

NOTIFICATION UNDER SECTION 269D(1) OF INCOMETAX
TAX, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMETAX, ACQUISITION RANGE, 3RD THAKKAR'S BUNGLOW, GIRIPETH, NAGPUR.

Nagpur, the 30th August 1980

No. IAC/ACQ/151/80-81.—Whereas, I, S. K. BILLAIYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot No. 76, situated at Wani, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Wani, on 28-2-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Shri Bhiwaji Sitaramji Ghagi,
At : Mahisadeka, Post Nawargaon,
Tab. Wani, Distt. Yeotmal.
(Transferors)

(2) 1. Shri Nathmal U. Munot,
2. Smt. G. Nathmal Munot,
both resident of Wani Dist. Yeotmal.
3. Nandkishore Nathmal Munot,
r/o Chandrapur.
(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immoveable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Ac, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

House and Shop On Plot No. 76, Area 388 Sq. ft. at Wani.

S. K. BILLAIYA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Incometax, Acquisition Range,
Nagpur

Date : 30-8-1980.
Scal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—
35—346GI/80

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF INCOMETAX
TAX, 1961 (43 OF 1961)

- (1) 1. Shri Maganlal Bhimjibhai Patel,
2. Shri Atul Maganlal Patel,
Both r/o Goenka Nagar, Akola.

(Transferors)

- (2) Shri Kamalkishore Rajaldas Rajpal,
Kirana Bazar, Akola.

(Transferees)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMETAX, ACQUISITION RANGE, 3RD THAKKAR'S BUNGLOW, GIRIPETH, NAGPUR.

Nagpur, the 30th August 1980

No. IAC/ACQ/152/80-81.—Whereas, I, S. K. BILLAIYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Nazul Plot No. 54, Sheet No. 39A, at Akola (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Akola, on 27-2-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Nazul Plot No. 54, Sheet No. 39-A, Area 1200 Sq. ft. at Kirana Bazar, Akola.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

S. K. BILLAIYA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of
Incometax, Acquisition Range
Nagpur.

Date : 30-8-1980.
Seal :

FORM ITNS

(1) The Ujwal Co-operative Housing Society, Laxminagar, Nagpur.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Sarla W/o Arunkumar Bagdi, Flat No. 17, Anand Flats, Dharampeth Extension, Nagpur.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, NAGPUR

Nagpur, the 30th August 1980

No. IAC/ACQ/153/80-81.—Whereas, I, S. K. BILLAIYA, being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Flat No. 17, on Plot No. 88, situated at Dharampeth, Nagpur

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Nagpur on 15-2-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 17 on Plot No. 88, Dharampeth Extension, Shivaji Nagar, Nagpur.

S. K. BILLAIYA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Nagpur.

Date : 30-8-1980
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

FORM ITNS

(1) Shri S. J. Mathias, S/o L. J. Mathias, Canara Bank Road, Chikmagalur.

(Transferor)

(2) Shri Percival Mathias S/o J. R. Mathias, Coffee Planter, Prabhu Street, Chikmagalur.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,
BANGALORE-560001

Bangalore-560001, the 15th September 1980

No. 292/80-81.—Whereas, I,
R. THOTHATHRI,
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing
Municipal No. 976 (New), Khata No. 1084 situated at
Prabhu Street, Chikmagalur
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Chikmagalur under documents number 1847 on 8-2-1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person, interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 1847 dated 8-2-1980)
R. C. C. Building bearing Municipal number 956 present
No. 976, Khata number 1084, situated at Prabhu Street,
Chikmagalur.

R. THOTHATHRI,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Date : 15-9-1980

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,
PATNA-800 001

Patna-800 001, the 25th October 1980

Ref. No. III-453/Acq/80-81.—Whereas, I, J. NATH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Mouza No. 51, Ward No. 17, Plot No. 304, 305 (P), Holding No. 322 (old) and Holding No. 186, 187, 188 situated at Dhanbad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Dhanbad on 1-2-1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

(1) Shri Mukundrai P. Pathak son of late Prabhulal Pranjiwan Pathak, Katras Road, Dhanbad, (2) Smt. Mukta Gauri M. Pathak W/o Shri Mukundrai P. Pathak, Katras Road, Dhanbad (3), Shri Manoj M. Pathak S/o Mukundrai P. Pathak, Katras Road, Dhanbad.

(Transferer)

(2) (1) Shri Sovi Ram Gupta S/o Pachi Ram Gupta, Chatatand Bazar Kendwadih, Dhanbad.

(2) Shri Mahabir Prasad Gupta S/o Mani Ram Gupta, Chatatand Bazar, Kendwadih, Dhanbad.

(3) Mani Ram Gupta S/o Pachi Ram Gupta, Chatatand Bazar, Kendwadih, Dhanbad.

(4) Shri Ghanshyam Prasad Gupta S/o Shri Sovi Ram Gupta, Chatatand Bazar, Kendwadih, Dhanbad.

(Transferee)

(3) 1. Dr. D. C. Vora (2) Dhanbad Laboratory (3)

(3) Dhanbad Nursing Home (4) Mrs. M. Sircar.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Three storied building with an area of 9 Kathas land known as Dhanbad Nursing Home situated at Dhanbad (Katras Road) more fully described in deed No. 520 dated 1-2-80 registered with the District Sub Registrar Dhanbad.

J. NATH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bihar, Patna.

Date : 25-10-80

Seal :

FORM ITNS-----

(1) Shri Jethanand S/o Shri Godha Ramji, Baran.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) Shri Hiralal S/o Dhoolilalji and Kailash Chand and
Nemichandji sons Motilal R/o Kota.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 27th October 1980

Ref. No. Rej/IAC (Acq.)—Whereas, I, M. L. CHAUHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Plot No. 123 situated at Kota (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kota on 8-2-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Plot No. 123, situated at New Grain Mandi, Kota and more fully described in the sale deed registered by the S. R. Kota, vide No. 245 dated 8-2-1980.

M. L. CHAUHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jaipur.

Date : 27-10-1980

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS

(1) Shri Mithalal S/o Roopchand Jain
Ram Singh Ka Guda, Teh. Kharohi, Pali.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Shri Sojad Khan S/o Sultan Khan,
Satghati, Bali, Distt. Pali.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 27th October 1980

Ref. No. Rej/IAC (Acq.)—Whereas, I, M. L. CHAUHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Plot No. 89 situated at Pali (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in this Office of the Registering Officer at Pali on 28-2-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Plot No. 89, measuring 450 sq. yd. situated at Veer Durgadas Nagar, Pali and more fully described in the sale deed registered by S .R. Pali vide No. 21 dated 28-2-1980.

M. L. CHAUHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner Of Income Tax,
Acquisition Range, Jaipur.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 27-10-1980

Seal :

FORM NO. I.T.N.S.

(1) Shri Mithalal S/o Roopchand Jain,
Ram Singh Ka Guda, Teh. Kharchi, Distt. Pali.
(Transferor)

(2) Shri Ramesh S/o Shri Jai Singh Mali,
Pali Bus Stand, Pali.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 27th October, 1980

Ref. No. Rej/IAC(Acq.)—Whereas, I, M. L. CHAUHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Pali on 28-2-1980

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Pali on 28-2-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Plot No. 89, Veer Durgadas Nagar, Pali measuring 450 sq. yd. and more fully described in the sale deed registered by S. R. Pali vide No. 20 dated 28-2-1980.

M. L. CHAUHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jaipur.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 27-10-1980

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Dinesh Chand, S/o Shri Ramswarup Agarwal,
R/o Sati Mata Ka Mandir, Jodhpur,
(Transferor)

(2) Sys. Bhagwandas and Govindlal, sons of
Shri Kanhiyalal, R/o Sardarpura, Jodhpur.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, JAIPUR
Jaipur, dated 27th October 1980

Ref. No. Rej/IAC(Acq.)—Whereas, I, M. L. CHAUHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot No. 7 situated at Jodhpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jodhpur on 22-2-1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been, or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Plot No. 7 situated at Residency Road, Jodhpur measuring 1050 sq. Gaj. and more fully described in the sale deed registered by S. R. Jodhpur vide No. 335 dated 22-2-1980.

M. L. CHAUHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jaipur.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
6—346GI/80

Date : 27-10-1980
Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Mithalal, S/o Roopchand Jain,
Ram Singh Ka Guda, Kharchi, Distt. Pali.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Hazari Ram, S/o Chetan Ram Chaudhary,
Kala Pipal Ki Dhani, Tch. Pali.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, JAIPUR**

Jaipur, the 27th October 1980

Ref. No. Rej/IAC(Acq.)—Whereas, I, M. L. CHAUHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Plot No. 89 situated at Pali (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Pali on 28-2-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

450 sq. yd. of land situated at Plot No. 89, Veer Durgadas Nagar, Pali and more fully described in the sale deed registered by S. R. Pali vide No. 22, dated 28-2-1980.

M. L. CHAUHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jaipur.

Date : 27-10-1980
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM NO. I.T.N.S.—

(1) Shri Chhaganlal, S/o Vasudev Khetan, Pusa Devi, W/o Hari Pd., Savitri Devi, W/o Vasudev, Purshottamdas, S/o Makhan Lal Khetan, 125, Hospital Road, Jaipur.

(Transferor)

(2) Shrimati Pushpa Devi, W/o Ramesh Khatri and Hiranand, S/o Liladhar, minor th. Shri Liladhar, 2-Khe-25, Jawahar Nagar, Jaipur.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, dated 27th October 1980

Ref. No. Ref/IAC(Acq).—Whereas, I, M. L. CHAUHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No One Haweli situated at Sanganaer (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sanganaer on 23-2-1980 for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Part of one Haveli in Jagat Pura, Tch. Sanganaer, and more fully described in the sale deed registered by S. R. Sanganaer vide No. 65 dated 28-2-1980.

M. L. CHAUHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jaipur.

Date : 27-10-1980

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, dated 27th October 1980

Ref. No. Rej/IAC(Acq.)—Whereas, I, M. L. CHAUHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act, have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Part of Haweli situated at Sanganer

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering Officer at Sanganer on 23-2-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Shri Chhaganlal, S/o Vasudev Khetan, Pusa Devi, W/o Hari Pd. Savitri Devi, W/o Vasudev, Purshottamdas S/o Makhan Lal Khetan, 125, Hospital Road, Jaipur.

(Transferor)

(2) Shri Dharamdas, S/o Lokmal, minor through Shri Lokmal 2-Khe-25, Jawahar Nagar, Jaipur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 34 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Part of one Haveli in Jagat Pura, Teb, Sanganer, and more fully described in the sale deed registered by S. R. Sanganer, vide No. 66 dated 23-2-1980.

M. L. CHAUHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Jaipur.

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 27-10-1980
Seal :

FORM ITNS —————

(1) Shrimati Shanti Devi W/o Shri Damodar Prashad Agarwal, Shivalya Marg, Sethi Colony, Jaipur.
(Transferor)

(2) Shri Girishchand Jain, S/o late Shri Sultan Singh Jain, Kundigar Ke Bhenoroon Ka Rasta, Jaipur.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, dated 27th October 1980

Ref. No. Rej/IAC(Acq).—Whereas, I, M. L. CHAUHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Plot No. S-19 situated at Jaipur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Jaipur on 7-2-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 55 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, of the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Plot No. S-19, Bhawani Singh Marg, Jaipur and more fully described in the sale deed registered by S. R. Jaipur vide No. 193 dated 7-2-1980.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

M. L. CHAUHAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jaipur.

Date : 27-10-1980
Seal :

FORM ITNS

- (1) Shri Sobhag Singh, S/o Thakur Bharat Singh,
R/o Mohalla, Distt. Jaipur
(Transferor)
- (2) Shrimati Simla Devi, W/o Shri Bhawan Narain,
R/o 1019, Nathaniyon Ka Rasta, Jaipur.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, dated 27th October 1980

Ref. No. Rej/IAC(Acq).—Whereas, J. M. L. CHAUHAN, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing House situated at Jaipur carpet, Madras

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jaipur on 7-2-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the objects of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

House situated at Purani Amer Road, Jaipur and more fully described in the sale deed registered by S. R., Jaipur vide No. 196 dated 7-2-1980.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

M. L. CHAUHAN
Competent Authority,
Inspecting Ass'tt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jaipur.
Date : 27-10-1980
Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Pyarelal, S/o Bhomaji Bani Park, Jaipur.
(Transferor)

(2) Shri Sarwan Kumar Nitin Kumar (HUF).
Dhapu Bai Path, Bani Park, Jaipur.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 27th October 1980

Ref. No. Rej/IAC(Acq.).—Whereas, I, M. L. CHAUHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to as the 'said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. G-8A situated at Jaipur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jaipur on 7-2-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Plot No. G-8A, Dhapu Bai Path, Bani Park, Jaipur and more fully described in the sale deed registered by S. R., Jaipur vide No. 172 dated 7-2-1980.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

M. L. CHAUHAN,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jaipur.

Date : 27-10-1980
Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Kistoor Chand Kataria, B-11,
Moti Marg Bapu Nagar, Jaipur.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Vinod Kumar Prakash Chand and
Smt. Manu Devi, F-35, Jamna Lal Bajaj Marg,
C-Scheme, Jaipur.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, dated 27th October 1980

Ref. No. Rej/IAC(Acq.).—Whereas, I, M. L. CHAUHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. One Show Room situated at Jaipur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jaipur on 7-2-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Show room at M. I. Road, Kataria Building, Jaipur and more fully described in the sale deed registered by S. R. Jaipur vide No. 195 dated 7-2-1980.

M. L. CHAUHAN.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jaipur.

Date : 27-10-1980
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS—

(1) Shri P. K. Srivastava, R/o Plot No. 242,
Raja Park, Jaipur.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 27th October 1980

Ref. No. Rec/IAC(Acq.)—Whereas, J. M. L. CHAUHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Plot No. B-93 situated at Jaipur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jaipur on 5-2-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(2) Shrimati Durgadevi w/o Shri S. K. Gupta, Plot No. B-110, Sethi Colony, Jaipur.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Property bearing Plot No. B-93, Tilak Nagar, Jaipur and more fully described in the sale deed registered by S. R., Jaipur vide No. 86 dated 5-2-1980.

M. L. CHAUHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jaipur.

Date : 27-10-1980

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—
37—346GI/80

FORM ITNS

(1) Shri Ram Das S/o Shri Bhawani Parshad
K/o House No. 293-R,
Model Town, Panipat.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX****ACQUISITION RANGE, ROHTAK**

Rohtak, the 21st October 1980

Ref. No. PNP/1/80-81.—Whereas, I, G. S. GOPALA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. House No. 293-R, situated at Model Town, Panipat (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Panipat in April, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (2) 1. Shri Banu Ram S/o Shri Gobind Ram
2. Smt. Angoori Devi W/o Shri Bannu Ram,
R/o House No. 28, Model Town, Panipat
Now House No. 293-R, Model Town, Panipat.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Property house No. 293-R, Model Town, Panipat and as more mentioned in the Sale deed No. 481 dated 25-4-1980 with the Sub-Registrar, Panipat.

G. S. GOPALA,
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Rohtak

Now, therefore, in pursuance of Section 269D of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 21-10-1980

Seal :

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 21st October 1980

Ref. No. PNP/2/80-81/189.—Whereas, I, G. S. Gopala, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

House No. 90-B, Model Town, situated at Panipat (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Panipat in April, 1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) 1. Sh. Parshotam Singh S/o Sh. Hakim Singh Secretary, Market Committee Safindo.
2. Sh. Ijjat Singh S/o Sh. Hukam Singh, A.S.I., Police Lines, Madhuban (Karnal).
(Transferors)
- (2) Sh. Prem Sagar S/o Sh. Partap Lal, R/o House No. 90-L, Model Town, Panipat.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Property being House No. 90-R, situated at Model Town, Panipat and as more mentioned in the sale deed registered at No. 501 dated 28-4-1980 with the Sub Registrar, Panipat.

G. S. GOPALA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Rohtak.

Date : 21-10-1980
Scal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 21st October 1980

Ref. No. BWK/4/79-80/190.—Whereas, I, G. S. Gopala, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Agricultural land measuring 101 Kanal 17 Marla situated at Baliali (Bhiwani)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registration Act, 1908 at Bawani Khera in February 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Gulshan (son) and Meena (daughter) of Shri Sunder Dass
Residence of Baliali.

(Transferor)

(2) S/Sh. Chander, Ram Kanwar, Mahadev sons of Daya Ram,
R/o Baliali, Teh. Bawani Khera.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property bearing land measuring 101 Kanal 17 marla situated at Village Baliali and as more mentioned in the sale deed registered at No. 1183 dated 4-2-1980 with the Sub Registrar, Bawani Khera.

G. S. GOPALA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Rohtak.

Date : 21-10-1980

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

- (1) M. s. Karam Farms
C/o Charan Singh Awatar Singh, Karam Singh
Ram Singh, Balwant, Joginder Singh,
Gurnam Kaur R/o Delhi. (Transferor)
- (2) Shri Des Raj S/o Sh. Prem Singh
R. o Anangpur Dairy. (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, dated 25th October 1980

Ref. No. BGR/40/79-80/191.—Whereas, I, G. S. GOPALA, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Rohtak

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Land measuring 114 kanal 8 marla situated at Vill. Fatehpur Toga

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Ballagbarh in February 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Property being land measuring 114 kanal 8 marla situated at village Fatehpur Toga and as more mentioned in the sale deed registered at No. 8162 dated 25-2-1980 with the Sub Registrar, Ballabgarh.

G. S. GOPALA
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Rohtak.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 25-10-1980.
Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, dated 25th October 1980

Ref. No. IDR/28/79-80.—Whereas, I, G. S.
GOPALA.

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Rohtak

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. House No. 295-R, Model Town, situated at Yamunagar, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jagadhari in March, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) Shri Harnam Dass S/o Shri Moti Ram,
B-209-Gali No. 2,
Majlis Park, Azadpur, Delhi.
(Transferor)
- (2) Shri Jagdish Lal Thapar S/o Shri Jagatram Thapar,
R/o 295-R, Model Town,
Yamunanagar.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Property being house No. 395-R, Model Town, Yamunagar, and as more mentioned in the sale deed registered at No. 5831 dated 24-3-1980 with the Sub Registrar, Jagadhari.

G. S. GOPALA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Rohtak.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 25-10-1980

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 25th October 1980

Ref. No. KNI./59/79-80.—Whereas, J. G. S. GOPALA, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Rohtak being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Land measuring 158 kanal 2 marla situated at Vill. Jalala Veeran Teh. Karnal

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Karnal in March, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Shri Siri Pal Singh S/o Shri Parsu Kumar
R/o Jalala Veeran, Teh. Karnal.

(Transferor)

- (2) 1. S/Sh. Sukha Singh, Gurpal Singh, Nasib Singh sons of Shri Mohinder Singh .
2. S/Sh. Shoba Singh, Mukhtar Singh, Balinder Singh, Lakhvinder Singh sons of Shri Anokh Singh.
3. S/Sh. Guljar Singh, Kastur Singh, Jaswant Singh, sons of Sh. Dalip Singh, R/o Jalala Veeran, Teh. Karnal.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Property being land measuring 158 kanal 2 marla situated at village Jalala Veeran Teh. Karnal and as more mentioned in the sale deed registered at No. 7339 dated 13-3-1980 with the Sub Registrar, Karnal.

G. S. GOPALA
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Rohtak.

Date : 25-10-1980
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 6th November 1980

Ref. No. KNL/7/80-81.—Whereas, I, G. S. GOPALA, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Rohtak

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. House No. 555, situated at Model Town, Karnal (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Karnal in May, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) 1. Col. Janmeja Singh Bhular S/o Shri Chanan Singh, House No. 3052/28-A, Chandigarh C/o Capt. Khushvinderpal Singh.
2. Smt. Satinder Sandhu
Wing Commander Pritpal Singh Sandhu, R/o H. No. 555 Model Town, Karnal.
(Transferor)
- (2) Shri Mohinder Singh S/o Shri Kartar Singh, R/o House No. 555, Model Town, Karnal.
(Transferee)
- (3) Sub Divisional Engineer,
Electrical Sub Division,
555, Model Town, Karnal.
(person in occupation of the property.)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any monies or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Property being 1 2 share House No. 555, Model Town, Karnal and as more mentioned in the sale deed registered at No. 825 dated 19-5-1980, with the Sub Registrar, Karnal.

G. S. GOPALA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Rohtak.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 6-11-1980

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, 3rd November 1980

Ref. No. JDR/29/79-80.—Whereas I, G. S. GOPALA, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Rohtak

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Plot Measuring 8 Bigha 12 biswa situated at Garhi Mundu (Jagadhari)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jagadhari in March 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Smt. Soma Wanti D/o Shri Krishan Chander
W/o Shri Ved Parkash,
R/o Kanbepura Teh. Karnal.

(Transferor)

- (2) 1. Sh. Virender Kumar S/o Sh. Budh Ram,
2. Sh. Jai Gopal Gupta S/o Sh. Tilak Raj Gupta
3. Sh. Lachhman Dass S/o Sh. Nanha Mal
4. Smt. Kamla Rani W/o Sh. Lachhman Dass
R/o Narwana Distt. Jind.
5. S/Sh. Ram Kishan Gupta, Bal Kishan Gupta, Vijay Kumar Gupta, Subhash Chand Gupta, Ashok Kumar, Kul Bhushan sons of Raghbir Parshad.
6. Raghbir Parshad S/o Sh. Musadi Lal, Smt. Madhu W/o Sh. Vinod Kumar, R/o Jagadhari.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being land measuring 8 bigha 12 biswa situated at Garhi Mundo (Jagadhari) and as more mentioned in the sale deed registered at No. 5958 dated 28-3-1980, with the Sub Registrar.

G. S. GOPALA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Rohtak.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
38- 346GT/80

Date : 3-11-1980

Seal :

FORM ITNS

(1) Lake Apartment Co-operative Housing Society Ltd.
(Transferor)

(2) Mrs. Manjusree Bose.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE III, CALCUTTA

Calcutta, the 26th September 1980

Ref. No. 740/Acq.R-III/80-81/Cal.196.—Whereas, I, I. V. S. JUNEJA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 102 situated at Southern Avenue, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Calcutta on 29-2-1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat on the 11th Floor (south-west) being premises No. 102, Southern Avenue, Calcutta.

I. V. S. JUNEJA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III,
54 Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following Persons, namely :—

Date : 26-9-1980

Seal :

FORM ITNS

(1) Lake Appartement Co-operative Housing Society Ltd.

(Transferor)

(2) Mr. Shyamal Kr. Patra.

(Transferee)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQ. R-I/III : CALCUTTA

Calcutta, the 26th September 1980

Ref. No. 741/Acq.R-I/III/80-81/Cal.—Whereas I,
I. V. S. JUNEJA
 being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing
 No. 102 situated at Southern Avenue, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 29-2-1980
 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Flat on the 1st floor (M.E.) being premises No. 102, Southern Avenue, Calcutta.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

I. V. S. JUNEJA
 Competent Authority
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
 Acquisition Range-III,
 54 Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following Persons, namely :—

Date : 26-9-1980

Seal :

FORM ITNS.

(1) Shri N. C. Dutta & Co.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Sudip Kr. Chakraborty.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

ACQUISITION RANGE-III
CALCUTTA-16

Calcutta, the 7th October 1980

Ref. No. 743/Acq/R-III/80-81.—Whereas, I,
K. SINHA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

1/1, situated at Ballygunge Station Road, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Alipur on 28-2-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

1/1, Ballygunge Station Road, Calcutta.

K. SINHA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III Calcutta-16.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 7-10-1980

Seal :

FORM ITNS

(1) Sri Durgendra Lal Roy.

(Transferor)

(2) Sri Subrata Chakraborty.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**GOVERNMENT OF INDIA**

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX
ACQUISITION RANGE-III

CALCUTTA-16

Calcutta, the 7th October 1980

Ref. No. 742/Acq.R-III/80-81/Calcutta.—Whereas, I,
K. SINHA,
being the Competent Authority under Section 269B of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the im-
movable property, having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing No.

1/8 situated at Gariahat Road, Calcutta
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908), in the office of the Registering Officer at
Alipur 20-2-1980

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immo-
vable property within 45 days from the date of
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act shall have the same meaning as given
in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

THE SCHEDULE

1/8, Gariahat Road, Calcutta.

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

K. SINHA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III Calcutta-16.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-
ing persons, namely :—

Date : 7-10-1980
Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Mahabir Prosad.

(Transferor)

(2) Shri Vijay Kumar Patcl.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II,
CALCUTTA

Calcutta, the 9th October 1980

Ref. No. 744/Acq. R-III/80-81/Cal.—Whereas, I,
K. SINHA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

12, 12/2, 13, situated at Govinda Chandra Dhar Lane, Calcutta

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 25-2-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

3% of the undivided share of the property being premises No. 12, 12/2, 13, Govinda Chandra Dhar Lane, Calcutta.

K. SINHA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III, Calcutta.Date : 9-10-1980
Seal :

Now therefore in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS—

(1) Shri Mahabir Prosad.

(Transferor)

(2) Shri Umedbhai Patel.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-III
CALCUTTA

Calcutta, the 9th October 1980

Ref. No. 745/Acq.R-III/80-81/Cal.—Whereas, I,
K. SINHA,
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing
No. 12, 12/2, 13, situated at Govinda Chandra Dhar Lane, Calcutta
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Calcutta on 25-2-1980
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective person whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

3% of the undivided share of the property being premises No. 12, 12/2, 13, Govinda Chandra Dhar Lane, Calcutta.

K. SINHA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Calcutta.

Date : 9-10-1980
Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Mahavir Prasad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Jasbhai Patel.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA**

Calcutta, the 9th October 1980

Ref. No. 746/Acq.R-III/80-81.—Whereas, I,
K. SINHA,
 being the Competent Authority under Section 269B of
 the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
 to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
 property, having a fair market value exceeding Rs.
 25,000/- and bearing No.
 12, 12/2, 13 situated at Govinda Chandra Dhar Lane,
 Calcutta
 (and more fully described in the Schedule annexed hereto),
 has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
 1908), in the office of the Registering Officer
 at Calcutta on 23-2-1980
 for an apparent consideration which is less than the fair market
 value of the aforesaid property and I have reason to
 believe that the fair market value of the property as aforesaid
 exceeds the apparent consideration therefor by more than
 fifteen per cent of such apparent consideration and that the
 consideration for such transfer as agreed to between the
 parties has not been truly stated in the said instrument of
 transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
 may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in the Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

3% of the undivided share of the property being premises
 No. 12, 12/2, 13, Govinda Chandra Dhar Lane, Calcutta.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

K. SINHA,
 Competent Authority
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
 Acquisition Range-III, Calcutta.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 9-10-1980
 Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Mahabir Prosad.

(Transferor)

(2) Shri Sashikant Patel.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 9th October 1980

Ref. No. 747/Acq.R-III/80-81/Cal.—Whereas, I,
K. SINHA,
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable able property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 12, 12/2, 13, situated at Govinda Chandra Dhar Lane, Calcutta
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 25-2-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

3% of the undivided share of the property being premises No. 12, 12/2, 13, Govinda Chandra Dhar Lane, Calcutta.

K. SINHA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range-III, Calcutta.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

39—346GI|80

Date : 9-10-1980

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Mahabir Prosad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Sailesh Patel.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 9th October 1980

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

Ref. No. 748/Acq.R-III/80-81/Cal.—Whereas, I,
K. SINHA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 12, 12/2, 13, situated at Govinda Chandra Dhar Lane, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Calcutta on 25-2-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

3% of the undivided share of the property being premises No. 12, 12/2, 13, Govinda Chandra Dhar Lane, Calcutta.

K. SINHA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III, Calcutta.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 9-10-1980
Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Mahabir Prosad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Sharadaben Patel.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 9th October 1980

Ref. No. 749/Acq.R-III/80-81/Cal.—Whereas, I, K. SINHA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Nos. 12, 12/2, 13, situated at Govinda Chandra Dhar Lane, Calcutta
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 25-2-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (1) of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

3% of the undivided share of the property being premises No. 12, 12/2, 13, Govinda Chandra Dhar Lane, Calcutta.

K. SINHA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Calcutta.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 9-10-1980
Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Mahabir Prosad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Praoinbhai Patel.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 9th October 1980

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

Ref. No. 750/Acq.R-III/80-81/Cal.—Whereas, I,
K. SINHA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 12, 12/2, 13, situated at Govinda Chandra Dhar Lane, Calcutta

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Calcutta on 25-2-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

3% of the undivided share of the property being premises No. 12, 12/2, 13, Govinda Chandra Dhar Lane, Calcutta.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

K. SINHA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III, Calcutta.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 9-10-1980

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Mahabir Prosad.

(Transferor)

(2) Shri Harmanbhai Patel.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III
CALCUTTA

Calcutta, the 9th October 1980

Ref. No. 751/Acq.R-III/80-81/Cal.—Whereas, I,
K. SINHA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 12, 12/2, 13, situated at Govinda Chandra Dhar Lane, Calcutta,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Calcutta on 25-2-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

4% of the undivided share of the property being premises No. 12, 12/2, 13, Govinda Chandra Dhar Lane, Calcutta.

K. SINHA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III, Calcutta.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 9-10-1980
Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Mahabir Prosad.

(Transferor)

(2) Shri Bhupendra Patel.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX.
ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA**

Calcutta, the 9th October 1980

Ref. No. 752/Acq.R-III/80-81/Cal.—Whereas, I,
K. SINHA,being the Competent Authority under Section 269B of
the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs.
25,000/-

and bearing

No. 12, 12/2, 13, situated at Govinda Chandra Dhar Lane,
Calcutta(and more fully described in the Schedule annexed
hereto), has been transferred under the Registration Act,
1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at
Calcutta on 25-2-1980for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—(a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of 30
days from the service of notice on the respective
persons, whichever period expires later;(b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of publication
of this notice in the Official Gazette.**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act,
1957 (27 of 1957);**THE SCHEDULE**4% of the undivided share of the property being premises
No. 12, 12/2, 13, Govinda Chandra Dhar Lane, Calcutta.

K. SINHA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III, Calcutta.

Date : 9-10-1980
Seal :Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

FORM ITNS

(1) Shri Mahabir Prosad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)
GOVERNMENT OF INDIA

(2) Shri Ambalal Patel.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 9th October 1980

Ref. No. 753/Acq.R-III/80-81/Cal.—Whereas, I,
K. SINHA,
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.
12, 12/2, 13, situated at Govinda Dhar Lane, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred
under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer Calcutta on 25-2-1980
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

THE SCHEDULE

4% of the undivided share of the property being premises No. 12, 12/2, 13, Govinda Chandra Lane, Calcutta.

K. SINHA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III, Calcutta.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 9-10-1980
Seal :

FORM NO. I.T.N.S.—

(1) Shri Mahabir Prosad, 3B, Little Russel Street, Calcutta.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Gordhanbhai Patel, 20/4A, Armanian Street, Calcutta.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

Calcutta, the 9th October 1980

Ref. No. 754/Acq.R-III/80-81/Cal.—Whereas, I,
K. SINHA,
 being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

12, 12/2, 13, situated at Govinda Chandra Dhar Lane, Calcutta

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Calcutta on 25-2-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

2% of the undivided share of the property being premises No. 12, 12/2, 13, Govinda Chandra Dhar Lane, Calcutta.

K. SINHA,
 Competent Authority
 Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
 Acquisition Range-III, Calcutta.

Date : 9-10-1980
 Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS —————

(1) Shri Mahabir Prosad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Santaben Patel.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
SINGER ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 9th October 1980

Ref. No. 755/Acq.R-III/80-81/Cal.—Whereas, I, K. SINHA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

12, 12/2, 13, situated at Govinda Chandra Dhar Lane, Calcutta

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at

Calcutta on 25-2-1980
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

2% of the undivided share of the property being premises No. 12, 12/2, 13, Govinda Chandra Dhar Lane, Calcutta.

K. SINHA.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Calcutta.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

40—346GI/80

Date : 9-10-1980
Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Mahabir Prosad.

(Transferor)

(2) Smt. Ashabhai Patel.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX****ACQUISITION RANGE-III
CALCUTTA**

Calcutta, the 9th October 1980

Ref. No. 756/Acq. R-III/80-81/Cal.—Whereas, I,

K. SINHA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 12, 12/2, 13, situated at Govinda Chandra Dhar Lane, Calcutta,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 25-2-1980,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

2% of the undivided share of the property being premises No. 12, 12/2, 13, Govinda Chandra Dhar Lane, Calcutta.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

K. SINHA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
Calcutta
54 Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-700016.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 9-10-1980

Seal :

FORM I.T.N.S.

(1) Shri Mahabir Prosad.

(Transferor)

(2) Smt. Ashabhai Patel.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-III

CALCUTTA

Calcutta, the 9th October 1980

Ref. No. 757/Acq. R-III/80-81/Cal.—Whereas, I,
K. SINHA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 15,000/- and bearing

No. 12, 12/2, 13, situated at Govinda Chandra Dhar Lane, Calcutta,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 25-2-1980,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

2% of the undivided share of the property being premises No. 12, 12/2, 13, Govinda Chandra Dhar Lane, Calcutta.

K. SINHA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Calcutta
54 Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-700016.

Date : 9-10-1980
Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Mahabir Prosad.

(Transferor)

(2) Smt. Ashabhai Patel.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
 OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
 COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
 ACQUISITION RANGE-III
 CALCUTTA

Calcutta, the 9th October 1980

Ref. No. 758/Acq. R-III/80-81/Cal.—Whereas, I,

R. SINHA,
 being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing
 No. 12, 12/2, 13, situated at Govinda Chandra Dhar Lane, Calcutta,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 25-2-1980,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

2% of the undivided share of the property being premises No. 12, 12/2, 13, Govinda Chandra Dhar Lane, Calcutta.

K. SINHA
 Competent Authority
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
 Acquisition Range-III
 Calcutta
 54 Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-700016.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the said persons, namely :—
 aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-

Date : 9-10-1980
 Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Mahabir Prosad.

(Transferor)

(2) Smt. Ashabhai Patel.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
 OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
 COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
 ACQUISITION RANGE-III
 CALCUTTA

Calcutta, the 9th October 1980

Ref. No. 759/Acq. R-III/80-81/Cal.—Whereas, I, K. SINHA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 12, 12/2, 13, situated at Govinda Chandra Dhar Lane, Calcutta, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Calcutta on 25-2-1980, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

2% of the undivided share of the property being premises No. 12, 12/2, 13, Govinda Chandra Dhar Lane, Calcutta.

K. SINHA
 Competent Authority
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
 Acquisition Range-III
 54 Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-700016.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 9-10-1980
 Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Mahabir Prosad.

(Transferor)

(2) Smt. Ashabhai Patel.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX****ACQUISITION RANGE-III
CALCUTTA**

Calcutta, the 9th October 1980

Ref. No. 760/Acq. R-III/80-81/Cal.—Whereas, I,

K. SINHA,
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 12, 12/2, 13, situated at Govinda Chandra Dhar Lane, Calcutta,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Calcutta on 25-2-1980,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

2% of the undivided share of the property being premises No. 12, 12/2, 13, Govinda Chandra Dhar Lane, Calcutta.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

K. SINHA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
Calcutta
54 Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-700016.

Now, therefore, in pursuance of Section 269D of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 9-10-1980
Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Mahabir Prosad.

(Transferors)

(2) Smt. Ashabhai Patel.

(Transferees)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-III
CALCUTTA

Calcutta, the 9th October 1980

Ref. No. 761/Acq. R-III/80-81/Cal.—Whereas, I,
K. SINHA,
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 12, 12/2, 13, situated at Govinda Chandra Dhar Lane, Calcutta, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 25-2-1980, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

2% of the undivided share of the property being premises No. 12, 12/2, 13, Govinda Chandra Dhar Lane, Calcutta.

K. SINHA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
54 Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-700016.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 9-10-1980
Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Mahabir Prosad.

(Transferor)

(2) Smt. Ashabhai Patel.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-III
CALCUTTA

Calcutta, the 9th October 1980

Ref. No. 762/Acq. R-III/80-81/Cal.—Whereas, I, K. SINHA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable property, having a fair market value exceeding Rs. 15,000/- and bearing No. 12, 12/2, 13, situated at Govinda Chandra Dhar Lane, Calcutta, (and more fully described in the Scheduled Annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 25-2-1980, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immoveable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

2% of the undivided share of the property being premises No. 12, 12/2, 13, Govinda Chandra Dhar Lane, Calcutta.

K. SINHA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
Calcutta
54 Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-700016.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 9-10-1980

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Mahabir Prosad.

(Transferor)

(2) Smt. Ashabhai Patel.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-III

CALCUTTA

Calcutta, the 9th October 1980

Ref. No. 763/Acq. R-III/80-81-Cal.—Whereas, I,
K. SINHA,
 being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 12, 12/2, 13, situated at Govinda Chandra Dhar Lane, Calcutta, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 25-2-1980, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

2% of the undivided share of the property being premises No. 12, 12/2, 13, Govinda Chandra Dhar Lane, Calcutta.

K. SINHA
 Competent Authority,
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
 Acquisition Range-III
 Calcutta
 34 Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-700016

Date : 9-10-1980

Seal ;

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

41—346GT/80

FORM ITNS

(1) Mahabir Prasad, 3 B Little Russel St. Calcutta.
(Transferor)NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) Rajendra Patel 19 Armenian St. Calcutta.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE IAC : ACQ. R-III

Calcutta, the 9th October 1980

Ref. No. 764/Acq. R-III/80-81.—Whereas, I,
K. SINHA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 12, 12/2 and 13 situated at Gobinda Dhar Lane, Calcutta,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 25 February 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

2% undivided property being premises at 12, 12/2, 13 Govinda Chandra Dhar Lane, Calcutta.

K. SINHA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III, Calcutta
54 Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-700016.

Date : 9-10-1980

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS—

(1) Mahabir Prasad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mukesh Patel.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE III, CALCUTTA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

Calcutta, the 9th October 1980

Ref. No. 765/Acq R-III/80-81.—Whereas I, K. SINHA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 12, 12/2, 13 situated at Govinda Chandra Dhar Lane, Lane, Calcutta, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in this Office of the Registering Officer at Calcutta on 25-2-1980, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

2% undivided share of the property being premises at 12, 12/2, 13 Gobinda Chandra Dhar Lane, Calcutta.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, of the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

K. SINHA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III, Calcutta
54 Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-700016.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 9-10-1980

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Mahabir Prasad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Kantilal Patel.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA**Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE III, CALCUTTA**

Calcutta, the 9th October 1980

Ref. No. 766/Acq R-III/80-81.—Whereas I,
K. SINHA,
 being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 12, 12/2 & 13 situated at Gobinda Chandra Dhar Lane, Calcutta, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Office at Calcutta on 25-2-1980, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person, interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

2% of the undivided share of the property being premises No. 12, 12/2, 13, Govinda Chandra Dhar Lane, Calcutta.

K. SINHA
 Competent Authority
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
 Acquisition Range-III, Calcutta
 54 Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-700016.

Date : 9-10-1980
 Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM I.T.N.S.—

(1) Shri Mahair Prosad.

(Transferor)

(2) Shri Jashbhai Patel.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE III
CALCUTTA

Calcutta, the 9th October 1980

Ref. No. 767/Acq. R-III/80-81.—Whereas I,
K. SINHA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 12, 12/2, & 13 situated at Gobind Chandra Dhar Lane, Calcutta,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 25-2-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

2% of the undivided share of the property being premises No. 12, 12/2, 13, Govinda Chandra Dhar Lane, Calcutta.

K. SINHA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III,
54 Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-700016.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 9-10-1980
Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Mahabir Prosad.

(Transferor)

(2) Shri Manubhai Patel.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE III

Calcutta, the 9th October 1980

Ref. No. 768/Acq R-III/80-81.—Whereas I,
 K. SINHA,
 being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)
 (hereinafter referred to as the said Act)
 have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 12, 12/2 & 13 situated at Govinda Chandra Dhar Lane, Calcutta,
 (and more fully described in the Schedule annexed hereto)
 has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1980) in the office of the Registering Officer of Calcutta on 25-2-1980,
 for an apparent consideration
 which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning is given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

THE SCHEDULE

2½% undivided share of the property being premises at 12, 12/2 & 13 Gobinda Chandra Dhar Lane, Calcutta.

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

K. SINHA
 Competent Authority
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
 Acquisition Range-III
 54 Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-700016.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 9-10-1980
 Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Mahabir Prosad.

(Transferor)

(2) Shri Ashoke Kumar Patel.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE III
CALCUTTA

Calcutta, the 9th October 1980

Ref. No. 769/Acq. R-III/80-81.—Whereas I,

K. SINHA,

being the Competent Authority under Section

269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 12, 12/2 and 13, situated at Govinda Chandra Dhar Lane, Calcutta, and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the Office of the Registering Officer at Calcutta on 25-2-1980,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property so aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

12, 12/2 and 13, Govinda Chandra Dhar Lane, Calcutta
Vide No. I-1011.

K. SINHA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III
54 Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-700016

Date : 9-10-1980
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS

(1) Shri Mahabir Prosad.

(Transferor)

(2) Shri Sharadaben Patel.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANE III, CALCUTTA

Calcutta, the 9th October 1980

Ref. No. 770/Acqn. R-III/80-81.—Whereas I,

K. SNHA,
 being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing
 No. 12, 12/2 & 13, situated at Govinda Chandra Dhar Lane, Calcutta,
 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 25-2-1980,
 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have in the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

THE SCHEDULE

3% undivided share of the property being premises Nos. 12, 12/2 & 13, Govinda Chandra Lane, Calcutta vide deed No. I-1012.

K. SINHA
 Competent Authority,
 Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
 Acquisition Range-III, Calcutta
 54 Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-700016.

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 9-10-1980

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Mahair Prosad.

(Transferor)

(2) Shri Kanchanlal Shah.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE III
CALCUTTA

Calcutta, the 9th October 1980

Ref. No. 771/Acq. R-III/80-81.—Whereas I,
K. SINHA,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing
No. 12, 12/2, 13 situated at Govinda Chandra Dhar Lane,
Calcutta,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908), in the office of the Registering Officer at
Calcutta on 25-2-1980,
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as afore-
said exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a
period of 45 days from the date of publica-
tion of this notice in the official Gazette or
a period of 30 days from the service of
notice on the respective persons, whichever
period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act shall have the same meaning as given
in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income
or any moneys or other assets which have
not been or which ought to be disclosed by
the transferee for the purposes of the Indian
Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said
Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

3% undivided share of the property being premises at
12, 12/2 & 13 Gobinda Chandra Dhar Lane, Calcutta.

K. SINHA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III
54 Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-700016.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under
sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the
following persons, namely :—
42—346GI/80

Date : 9-10-1980
Seal :

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE III
CALCUTTA

Calcutta, the 9th October 1980

Ref. No. 772/Acq. R-III/80-81.—Whereas I,
K. SINHA,
 being the Competent Authority under Section 269B of
 the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
 to as the 'said Act'), have reason to believe that the
 immovable property having a fair market value
 exceeding Rs. 25,000/- and bearing
 No. 12, 12/2 & 13 situated at Govinda Chandra Dhar Lane,
 Calcutta,
 (and more fully described in the Schedule annexed hereto),
 has been transferred under the Registration Act, 1908
 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at
 Calcutta on 25-2-1980,
 for an apparent consideration which is less than the
 fair market value of the aforesaid property and I have
 reason to believe that the fair market value of the property
 as aforesaid exceed the apparent consideration therefor by
 more than fifteen per cent of such apparent consideration
 and that the consideration for such transfer as agreed to
 between the parties has not been truly stated in the said
 instrument of transfer with the object of :—

(1) Shri Mahabir Prosad.

(Transferor)

(2) Shri Suresh Kumar Shah.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
 may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
 45 days from the date of publication of this notice
 in the Official Gazette or a period of 30 days
 from the service of notice on the respective persons
 whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable
 property, within 45 days from the date of the
 publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
 are defined in Chapter XXA of the said
 Act, shall have the same meaning as given
 in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
 moneys or other assets which have not been or
 which ought to be disclosed by the transferee for
 the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
 Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

2% undivided share of the property being premises at
 12, 12/2 and 13 Govinda Chandra Dhar Lane, Calcutta.

K. SINHA
 Competent Authority
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
 Acquisition Range-III
 54 Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-700016.

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the
 said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of
 the aforesaid property by the issue of this notice under sub-
 section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
 persons, namely :—

Date : 9-10-1980

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Mahabir Prosad.

(Transferor)

(2) Shri Kishor Kumar Shah.

(Transfreee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**GOVERNMENT OF INDIA**

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT.
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE III
CALCUTTA

Calcutta, the 9th October 1980

Ref. No. 773/Acq. R-III/80-81.—Whereas I,
K. SINHA,
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 12, 12/2 and 13 situated at Govinda Chandra Dhar, Lane, Calcutta, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 25-2-1980,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

3% of undivided share of the property being premises Nos. 12, 12/2 and 13 Govinda Chandra Dhar Lane, Calcutta vide deed No. I-1020.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

K. SINHA

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III, Calcutta
54, Rafti Ahmed Kidwai Road, Calcutta-700016

Date : 9-10-1980

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS—

(1) Shri Mahabir Prosad.

(Transferor)

(2) Shri Bipin Kumar Shah.

(Transfreee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE III
CALCUTTA

Calcutta, the 9th October 1980

Ref. No. 774/Acqn. R-III/80-81.—Whereas I, K. SINHA, being the Competent Authority under Section 269 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 12, 12/2 and 13 situated at Govinda Chandra Dhar Lane, Calcutta, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer Calcutta on 25-2-1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or.

THE SCHEDULE

3% undivided share of the property being premises Nos. 12, 12/2 and 13, Govinda Chandra Dhar Lane, Calcutta registered before the Registrar of Assurances, Calcutta vide deed No. I-1016 dated 25-2-1980.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

K. SINHA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-700016

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 9-10-1980
Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Mahebir Prosad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Ashok Kumar Shah.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE III
CALCUTTA

Calcutta, the 9th October 1980

Ref. No. 775/Acqn. R-III/80-81.—Whereas I,
K. SINHA,
being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason or believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 12, 12/2 and 13 situated at Govinda Chandra Dhar Lane, Calcutta, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 25-2-1980, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

3% undivided share of the property being premises Nos. 12, 12/2 and 13, Govinda Chandra Dhar Lane, Calcutta vide deed No. I-1017 registered at Calcutta dated 25-2-1980.

K. SINHA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III,
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-700016

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 9-10-1980
Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Mahabir Prosad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**GOVERNMENT OF INDIA**

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE III
CALCUTTA

Calcutta, the 9th October 1980

Ref. No. 776/Acqn. R-III/80-81.—Whereas I,
K. SINHA,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs.
25,000/- and bearing
No. 12, 12/2 and 13 situated at Govinda Chandra Dhar
Lane, Calcutta,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the office of the Registering Officer at
Calcutta on 25-2-1980
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property, and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object or :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in that
Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

THE SCHEDULE

3% undivided share of the property being premises Nos.
12, 12/2, and 13, Govinda Chandra Dhar Lane, Calcutta
vide deed No. I-1018.

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for the
purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11
of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act,
1957 (27 of 1957);

K. SINHA
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
54, Rail Ahmed Kidwai Road, Calcutta-700016

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

Date : 9-10-1980
Seal :

FORM ITNS—

(1) Sri Mahabir Prosad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Kashiben Patel.

(Transfreee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE III
CALCUTTA

Calcutta, the 9th October 1980

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of **45 days from the date of publication of this notice** in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

Ref. No. 777/Acq. R-III/80-81.—Whereas I,
K. SINHA,
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. 12, 12/2 and 13 situated at Govinda Chandra Dhar Lane, Calcutta

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Calcutta on 25-2-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

3% of undivided share of the property being premises Nos. 12, 12/2 and 13 Govinda Chandra Dhar Lane, Calcutta vide deed No. I-1019.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

K. SINHA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-700016

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 9-10-1980

Scal :

FORM ITNS

(1) Sri Mahabir Prosad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF INCOME-TAX, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Chanchalben Patel.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMETAX,
ACQUISITION RANGE III
CALCUTTA
Calcutta, the 9th October 1980

Ref. No. 778/Acq. R-III/80-81.—Whereas I, K. SINHA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 12, 12/2 and 13 situated at Govinda Chandra Dhar Lane, Calcutta, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 25-2-1980, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

3% of undivided share of the property being premises Nos. 12, 12/2 and 13 Govinda Chandra Dhar Lane, Calcutta vide deed No. I-1020.

K. SINHA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III, Calcutta
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-700016

Date : 9-10-1980
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-aforesaid property by the issue of this notice under sub-
suming persons, namely :—

FORM ITNS—

(1) Shri Mahabir Prosad.

(Transferor)

(2) Sm. Anusupaben Patel.

(Transfree)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE III
CALCUTTA
Calcutta, the 9th October 1980

Ref. No. 779/Acq. R-III/80-81.—Whereas I,
K. SINHA,
being the Competent Authority under Section 269B of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter
referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the
immovable property, having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing
No. 12, 12/2 and 13, Govinda situated at Chandra Dhar
Lane, Calcutta,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the Office of the Registering Officer at
Calcutta on 25-2-1980.
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for the
purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of
1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957
(27 of 1957);

THE SCHEDULE

3% of undivided share of the property being premises Nos. 12, 12/2 and 13 Govinda Chandra Dhar Lane, Calcutta registered before the Registrar of Assurances, Calcutta vide deed No. I-1021 dated 25-2-1980.

K. SINHA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III, Calcutta
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-700016

Date : 9-10-1980

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons namely :—

43—346GT/80

FORM ITNS—

(1) Sri Mahabir Prasad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sri Atulbhai Patel.

(Transfree)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE III
CALCUTTA

Calcutta, the 9th October 1980

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

Ref. No. 780/Acq. R-III/80-81.—Whereas I, K. SINHA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 12, 12/2 and 13 situated at Govinda Chandra Dhar Lane, Calcutta, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Calcutta on 25-2-1980, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(b) facilitating the concealment of any income or any of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

3% of undivided share of the property being premises at 12, 12/2 and 13 Govinda Chandra Dhar Lane, Calcutta vide deed No. I-1022.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

K. SINHA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III, Calcutta
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-700016

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (I) of Section 169D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 9-10-1980

Seal :

FORM ITNS—

- (1) 1. Hanifa Khatoon & Ors.
2. Md. Idris Khan.
3. Malika Begum.

(Transferor)

- (2) Smt. Malti Shailendra Kothari.

(Transfreee)

NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE I

CALCUTTA

Calcutta, the 7th October 1980

Ref. No. 551/TR-219/80-81.—Whereas I,
K. SINHA,
being the Competent Authority under Section 269B of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the said Act), have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing
No. 58 situated at Ripon St., Calcutta,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred as per deed registered under the Indian
Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the
Registering Officer at Calcutta on 25-2-1980,
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable
property within 45 days from the date of the
publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or
any moneys or other assets which have not
been or which ought to be disclosed by the
transferee for the purposes of the Indian Income-tax
Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act or the
Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Undivided 1/3rd share of one storied building with land 9
Cottahs 8 chs. being premises No. 58 Ripon St., Calcutta re-
gistered vide deed No. 1052 dt. 25-2-80 before the Registrar
of Assurances, Calcutta.

K. SINHA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Calcutta
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-700016

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

Date : 7-10-1980

Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE I
CALCUTTA**

Calcutta, the 7th October 1980

Ref. No. 552/TR-220/80-81.—Whereas I, K. SINHA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 58 situated at Ripon St., Calcutta, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 25-2-198/, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) 1. Hanufa Khatoon & Ors.
2. Md. Idris Khan.
3. Maleka Begum.

(Transferor)

- (2) Sri Vivek Shailendra Kothari.

(Transfreee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Undivided 1/3rd share of one storied building with land 9 Cottahs 9 chs, being premises No. 58 Ripon St., Calcutta registered vide deed No. 1053 dt. 25-2-80 before Registrar of Assurances, Calcutta.

K. SINHA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Calcutta
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-700016

Date : 7-10-1980

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section(1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM I.T.N.S.—

- (1) 1. Hanifa Khatoon & Ors.
2. Md. Idris Khan.
3. Maleka Begum.

(Transferor)

- (2) Sri Rajiv Shailendra Kothari.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE III
CALCUTTA

Calcutta, the 7th October 1980

Ref. No. 553/TR-221/80-81.—Whereas I,
K. SINHA,
being the Competent Authority under Section 269B of
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing
No. 58 situated at Ripon St., Calcutta,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act,
1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at
Calcutta on 25-2-1980,
for an apparent consideration which is less than the
fair market value of the aforesaid property and I have
reason to believe that the fair market value of the property
as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than fifteen per cent of such apparent consideration
and that the consideration for such transfer as agreed to
between the parties has not been truly stated in the said
instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

THE SCHEDULE

Undivided 1/3rd share of one storied building with land 9
Cottans 8 chs. being premises No. 58 Ripon St., Calcutta re-
gistered vide Deed No. 1054 dt. 25-2-80 before the Registrar
of Assurances, Calcutta.

K. SINHA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Calcutta

Date : 7-10-1980

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-
ing persons, namely :—

FORM I.T.N.S.—

(1) Smt. Gita Rani Ghosh.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

(2) Sri Sushil Kr. Banerjee and Ors.

(Transferees)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQ. R-II, CALCUTTA

Calcutta, dated 10th October 1980

Ref. No. Ac-37/R-II/Cal/80-81/240.—Whereas, I,

K. Sinha,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 18A, situated at Seven Tanks Lane

(and more fully described in the Schedule

annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Calcutta on 6-2-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land measuring 1 K. 8 CH. with two storied building situated at premises No. 18A, Seven Tanks Lane, Calcutta-30 under P. S. Cossipore. More particularly, described in deed No. 769 dated 6-2-1980.

K. SINHA

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16.

Date : 10-10-1980

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)
GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE,

ACQ. R-I, CALCUTTA

Calcutta, dated 10th October 1980

Ref. No. 554/TA-208/79-80.—Whereas, I K. SINHA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 25-B & 25C situated at Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 5-2-1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Homi Dosabhai Jila.

(Transferors)

(2) Mrs. Atekbai Fidahussain & Ors.,
17 Weston Street, Calcutta.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Undivided 1/3rd share in the demarcated eastern portion of 25B and 25C, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta containing an area of 6 cottahs 1 chittack and 27 sq. ft. of revenue redeemed land which is registered in the office of Registrar of Assurance, Calcutta vide deed No. I-632 dated 5-2-1980.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

K. SINHA
 Competent Authority,
 Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
 Acquisition Range-I,
 54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 10-10-1980
 Seal :

FORM ITNS

(1) Homi Alisay Hormal Dosabhai Jila.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQ. R-I, CALCUTTA

Calcutta, dated 10th October 1980

Ref. No. 555/TR-209/79-80.—Whereas, I, K. SINHA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 25B & 25C situated at Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 5-2-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (2) 1. Mrs. Atekabai Fidahussain of 17 Western Street, Calcutta.
 2. Mrs. Rumanabai Sk. Abbasbhai, 23 Chittaranjan Avenue, Calcutta.
 3. Mrs. Husenabai Sk. Abbasbhai, P-103 Princep Street, Calcutta.
 4. Mrs. Batulabai Sk. Abbasbhai, 20 Errabala Chetty Street, Madras.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Undivided 1/3rd share in the demarcated eastern portion of 25B & 25C Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta containing an area of 6 cota 1 chittack and 27 sq. ft. of revenue redeemed land registered before the Registrar of Assurance Calcutta vide deed No. 1-630 dated 5-2-1980.

K. SINHA
 Competent Authority
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
 Acquisition Range-I,
 54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16.

Date : 10-10-1980

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS

(1) Behram Dosabhai Illa.

(Transferer)

(2) Mrs. Atckabai Fidahussain & Ors.
17, Weston Street, Calcutta.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I. CALCUTTA

Calcutta, the 10th October 1980

Ref. No. 556/TR-210/79-80—Whereas, I, K. Sinha, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 25B & 25C situated at Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 5-2-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, of the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Undivided 1/3rd share in the demarcated eastern portion of 25B & 25C Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta containing an area of 6 Cottahs 1 Chattack and 27 Sq. ft. of revenue redeemed land which is registered in the office of Registrar of Assurance, Calcutta vide Deed No. 1-631 dated 5-2-1980.

K. SINHA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I,
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16.

Date : 10-10-1980

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

44—346GI/80

FORM NO. I.T.N.S.—

(1) Smt. Swarnalata Gupta.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT 1961 (43 OF 1961)

(2) Parkside Construction Co.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA
Calcutta, the 10th October 1980

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

Ref. No. 785/Acqn. R-III/80-81/Cal.—Whereas, I, K. Sinha, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 7 situated at Parkside Road, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 8-2-1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Part of premises No. 7 Parkside Road, Calcutta-26 area 1 K 0 ch. 30.6 sft. (undivided portion) as per deed No. 449 dated 8-2-1980 before Sub-Registrar Alipore, 24 Parganas.

K. SINHA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the afore aid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

Date : 10-10-1980

Seal :

FORM ITNS

(1) Amal Gupta.

(Transferor)

(2) Parkside Construction Co.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-III,
CALCUTTA

Calcutta, the 10th October 1980

Ref. No. 784/Acqn.R-III/Cal/80-81.—Whereas, I,
K. Sinha
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act') have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing
No. 7 situated at Parkside Road, Calcutta
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the Office of the Registering Officer
at Calcutta on 8-2-1980
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Part of premises No. 7 Parkside Road, Calcutta-26 area 1 k. 0 ch. 30.6 sft. (undivided portion) as per deed No. 444 dated 8-2-80 before Sub-registrar of Alipore, 24 Parganas.

K. SINHA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III,
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 10-10-1980
Seal :

FORM I.T.N.S.—

(1) Smt. Sati Gupta.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
 OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
 OF INCOME-TAX,
 ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 10th October 1980

Ref No. 783. Acqn.R-IIU/80-81/Cal.—Whereas, I, K. Sinha being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 7 situated at Parkside Road, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 8-2-1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid fifteen per cent of such apparent consideration and that the exceeds the apparent consideration therefor by more than consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

THE SCHEDULE

Part of premises No. 7 Parkside Road, Calcutta-26 area 1 k 0 ch. 30.6 sft. (undivided portion) as per deed No. 445 dated 8-2-1980 before Sub-Registrar of Alipore, 24 Parganas.

K. SINHA
 Competent Authority,
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
 Acquisition Range-III,
 54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16.

Date : 10-10-1980

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS—

(1) Sri Ashoke Gupta.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

**GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-III,**

Calcutta-700016, the 10th October 1980

Ref. No. 782/Acqn.R-III/80-81/Cal.—Whereas, I, K. SINHA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 7 situated at Parkside Road, Calcutta. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 8-2-80.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Part of premises No. 7 Parkside Road, Calcutta-26 area 1 k 0 ch. 2.6 sft (Undivided portion) as per deed No. 446 dt. 8-2-80 before sub-registrar, Alipore, 24 Parganas.

K. SINHA
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III,
Calcutta.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 10-10-1980
Seal :

FORM ITNS

(1) Smt. Anjali Majumder

(Transferor)

(2) Parkside Construction Co.

(Transferee)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III,

54 RAFI AHMED KIDWAI ROAD, CALCUTTA

Calcutta-700016, the 10th October 1980

Ref. No. 781/Acqn.R-III/80-81/Cal.—Whereas, I, K. SINHA,
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act,) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 7 situated at Parkside Road, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering Officer at Calcutta on 8-2-1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 34 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Part of premises No. 7 Parkside Road, Calcutta-26 area 1 k O ch. 30.6 sft. (undivided portion) as peer deed No. 447 dt. 8-2-80 before Sub-registrar, Alipore 24 parganas.

K. SINHA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range-III,
Calcutta

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 10-10-1980

Seal :

FORM ITNS

(1) Sri Nandalal Mitra

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) 1. Sri Nityananda Dey &
2. Sri Ashoke K. Sadhukhan.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III,

54 RAFI AHMED KIDWAI ROAD, CALCUTTA

Calcutta-700016, the 15th October 1980

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. 786/Acqn. R-III/80-81/Cal.—Whereas I, K. SINHA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 4 situated at Dr. Meghnad Saha Sarani
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Calcutta on 9-2-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Undivided half share in the premises No. 4, Dr. Meghnad Saha Sarani, Calcutta along with land measuring 5 Cottahs 5 Chittacks 16 sft. on which one storeyed building is situated as per deed No. 740 before Registrar of Assurances, Calcutta.

K. SINHA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III,
Calcutta.

Date : 15-10-1980
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Md. Abdul Gaffar Mondal & Ors. (Transferor)
 (2) Debendra Mishra & Ors. (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-III,
54 RAFI AHMED KIDWAI ROAD, CALCUTTA

Calcutta-700016, the 15th October 1980

Ref. No. 787/Acq. A-III/80-81/Cal.—Whereas I, K. SINHA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 67/1 situated at Gobinda Pur Road, Calcutta situated at 2nd floor, Abid Shopping Centre, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Alipore on 28-2-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Land property at premises No. 67/1, Gobinda Pur Road, Calcutta.

K. SINHA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III,
Calcutta.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 15-10-1980
Seal :

FORM ITNS

(1) Smt. Ava Rani Sarkar,
Sarkar Villa, Purba Palli,
P.S. Kasba, 24-Parganas.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Sonamani Co-operative Housing Society Ltd., 284, B. B. Chatterjee Road, Kasba, Calcutta-42.
(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV

54 RAFI AHMED KIDWAI ROAD, CALCUTTA

Calcutta-700 016, the 30th October 1980

Ref. No. Ac-55/R-IV/Cal/80-81.—Whereas, I, K. SINHA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Dag No. 3146 situated at Kasba, Dt. 24-Parganas, Mouza Kasba J.L.N.B. Kh. No. 1503 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Alipore on 23-2-80

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

All that piece and parcel of land measuring 7-K. & 2-Ch. situated at Kasba, Dag No. 3146, Khatian No. 1503, J. L. No. 13, 24-Parganas, more particularly as per Deed No. 1182 of 1980.

K. SINHA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-IV,
Calcutta.

Date : 30-10-1980

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—
45—346 GI.80

FORM ITNS

(1) Smt. Sunanda Mallik,
9/2, Hunger Ford Street, Cal-16.

(Transferor)

(2) Smt. Annapurna Debi,
Taki, P. S. Hasnabad,
24-Parganas.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE-II

54 RAFI AHMED KIDWAI ROAD, CALCUTTA

Calcutta-700016, the 31st October 1980

Ref. No. Ac-38/R-II/Cal/80-81.—Whereas, I, K. SINHA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 228/1/2, situated at S. K. Deb Road, Calcutta-48 (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S. R., Cossipur, Dum Dum on 6-2-80

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Area : 5-K., 1-Ch. 30-Sq. ft. (one storeyed building).
Premises No. 228/1/2, S. K. Deb Road, P.S. Lake Town, Calcutta-48, Vide Deed No. 750 dt. 6-2-80.

K. SINHA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range-II,
Calcutta.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date : 31-10-1980.

Scal :

FORM ITNS—

(1) Ms. Farida
Z. 3/519, Misty Phal Road,
Calcutta-44.

(Transferor)

(2) Zinat Aro Khanam,
W/o Multaj Ahmed Khan, Q-132, Simpukur Lane,
Cal-24.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II

Calcutta-700016, the 31st October 1980

Ref. No. Ac-39/R-II/Cal/80-81.—Whereas I, K. SINHA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Kh. No. 32, Dag No. 48, situated at Mouza Garden Reach, P. S. Metia Bruz
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at S. R., Alipore on 14-2-80
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Area -6-K. 2-Ch. only Mouza Garden Reach, P. S. Metia bruk, Kh. No. 32, Dag No. 48 (vacant land) vide Deed No. 613 dt. 14-2-80.

K. SINHA
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range-II,
Calcutta.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :

Date : 31-10-80
Seal :

FORM ITNS

(1) Smt. Nani Bala Das,
63, Sil Thakur Bari Road,
Now, 2/2, Binova Bhabe Rd., Cal-38.

(Transferor)

(2) 1. Sudhangshu Bimal Ghosh &
2. Smt. Alonga Bala Dhar,
both of 58, Bonfield Road, Cal-27.

(Transferees)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX**

ACQUISITION RANGE-II,

54 RAFI AHMED KIDWAI ROAD, CALCUTTA

Calcutta-700016, the 31st October 1980

Ref. No. Ac-40/R-II/Cal/80-81.—Whereas I, K. SINHA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Premises No. 63, situated at Sil Thakur Bari Road, Calcutta-38

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Behala J. S. R. Alipore on 22-2-80

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land measured 2-K. & 12-Ch. with three storeyed building 2/2, Binova Bhave Road known as 63, Sil Thakur Bari Road, Calcutta-38—Vide deed No. 313 dated 22-2-1980.

K. SINHA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range II, Calcutta.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 31-10-1980

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

- (1) Sri. Golaganj Simhadri S/o Kanakayya, Gajuwaka
(Transferor)
(2) Sri Gogula Satyanarayana, S/o Venkata Satyanarayana, Gajuwaka.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,
ANDHRA PRADESH, HYDERABAD
Hyderabad, the 10th November 1980

Ref. No. RAC. No. 1076/KKD. Squad.—Whereas, I,
S. GOVINDARAJAN,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the
immovable property having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing
No. S. No. 32/6 situated at Gajuwaka
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the Office of the Registering Officer
at Visakhapatnam on March, 1980
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act
1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

The Property mentioned in the document No. 1352/80
was registered before the SRO, Visakhapatnam during the
March, 1980.

S. GOVINDARAJAN
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Andhra Pradesh, Hyderabad.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-section
(1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

Date : 10-11-1980.

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

**ACQUISITION RANGE,
ANDHRA PRADESH, HYDERABAD**

Hyderabad, the 10th November 1980

Ref. No. RAC. No. 1077/Kakinada Squad.—Whereas, I, S. GOVINDARAJAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. S. No. 32/6, Plot I/3 situated at Visakhapatnam (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Visakhapatnam on March 1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee to the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Sri. G. Simhadri, S/o Late Kannayya, Smt. G. Mutyalamma, W/o late, Kannayya, Gajuwaka.

(Transferor)

(2) Sri. G. V. Satyanarayana, S/o Satyanarayana, Gajuwaka.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The Property mentioned in the document No. 1360/80 was Registered with the SRO, Visakhapatnam during the month of March, 1980.

S. GOVINDARAJAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Andhra Pradesh, Hyderabad.

Date : 10-11-1980.

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
HYDERABAD

Hyderabad, the 10th November 1980

Ref. No. RAC. No. 1078 & 1079.—Whereas, I,

S. GOVINDARAJAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Door No. 50-3-16 situated at Ward-24 Jaganickpur, Kakinada (and more fully described in the Schedule annexed hereto, has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kakinada on March, 1980 & April 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Sri Vastavi Achutaramaraju, S/o. Tirupathi Raju, Sri Vastaval Tirupati Raju, Sri Castavai Venkata Suryanarayana Raju, Sri Vastavai Venkata Achutaramaraju.
Being minor Rep. by father Vankata Tirupathi Raju Sri Vastavai Sridhara Raju-being minor rep. by father Venkata Suryanarayana Raju, All residing at Sahapuram-KKO. Tq.

(Transferor)

(2) Sri Maddali Raghavareao, S/o. Pichayya, Temple Street, Kakinada Sri. Maddali Pichayya, S/o Chenchayya, Temple Street, Kakinada

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

The property mentioned in documents No. 1572/80 and 1773/80 were registered with the SRO Kakinada during the month of March, 1980 and April, 1980.

S. GOVINDARAJAN
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range
Andhra Pradesh, Hyderabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, of the following persons, namely :—

Date : 10-11-1980.
Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 10th November 1980

Ref. No. RAC. No. 1080 & 1081 Kakinada Squad.—

Whereas, I, S. GOVINDARAJAN,

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 5-87-90 situated at Laxmipuram 2nd Line Guntur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Guntur on March 80/July, 80

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) 1. Smt. Addanki Rama Devi, 2. 2. Nirmala and
3. B. Girija Kumari.
Laxmipuram, Guntur.

(Transferor)

(2) Smt. M. Raj Kumari
W/o Narasimharao, Kannavari Thota, Guntur.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

The property mentioned in documents No. 1568/80 and 4909/80 were registered with the SRO, Guntur during the month of March, 1980 and July 1980.

S. GOVINDARAJAN
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Hyderabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 10-11-1980.

Seal :

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
HYDERABAD

Hyderabad, the 10th November 1980

Ref. No. RAC. No. 1082 to 1084 Kakinada Squad.—Whereas I, S. GOVINDARAJAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. D. No. 10-4-44 situated at Ramaraopeta, Kakinada. (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kakinada on March, 1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
46—346GI/80

(1) Dr. B. Yerram Raju,
2, B. Pallappa Raju-Rep. by G.P.A. Holder, Smt.
K. Nagamani, W/o Krishnarao Advocate, Kakinada.

(Transferor)

(2) Sri. A. Pola Rao S/o Kotayya,
Ramaraopeta, Kakinada.
Smt. Munikantam, W/o Sri Polarao Ramaraopeta,
Kakinada.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of **45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette** or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the **Official Gazette**.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The Property mentioned in the documents No. 1761, 1762 and 1763 were registered with the SRO, Kakinada during the month of March, 1980.

S. GOVINDARAJAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 10-11-1980.

Seal :

FORM I.T.N.S.—

(1) Sri Uppuluri Premaswarup & Others,
Rep. by QPA Holder Sri. Uppuluri Sri Rama
Murthy, 13-1-40, 14th ward, Kakinada.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,
ANDHRA PRADESH, HYDERABAD

Hyderabad, the 10th November 1980

Ref. No. RAC. No. 1085 to 1089.—Kakinada Squad.—
Whereas I, S. GOVINDARAJAN,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act') have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing

No. 13-1-40 situated at 14th Ward, Kakinada.
(and more fully described in the Schedule annexed
hereto) has been transferred under the Registration Act 1908
(16 of 1908) in the office of the registering officer at
Kakinada on March 80

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with object of :—

- (2) 1. Sri. Mummidi Dharmayya, S/o. Nageswara Rao
2. Smt. Mummidi Nukaratnam, W/o. Nageswara
Rao.
3. Sri. Mummidi Nageswara Rao, S/o Dharmayya
4. Sri. Mummidi Ganesh, S/o Nageswara Rao,
5. Smt. Bana Satyavathi, W/o Nagaraju.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a
period of 45 days from the date of publication
of this notice in the Official Gazette or a
period of 30 days from the service of notice on
the respective persons, whichever period expires
later;
- (b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of
the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are
defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of
the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
money's or other assets which have not been of
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

The Property mentioned in the documents No. 1843,
1844, 1845, 1846 and 1847 were registered with the SRO,
Kakinada during the month of March, 80.

S. GOVINDARAJAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Andhra Pradesh, Hyderabad.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-section
(1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 10-11-1980,
Seal :

FORM ITNS

(1) Sri Movva Koteswara Rao, S/o Shri Venkalah, Fertilizer Dealer, Canal Road, Vijayawada.

(Transferor)

(2) Sri Gundapu Hemambaradha Rao, S/o Manikyala Rao, Potato Merchant, Kaleswararao Market, Vijayawada.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE
ANDHRA PRADESH, HYDERABAD

Hyderabad, the 10th November 1980

Ref. No. RAC. No. 1090/Kakinada Squd.—Whereas, I, S. GOVINDARAJAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Site No. 117/3-C/1, situated at Nalluru Village, Mangalagiri Panchayat, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908); in the office of the Registering Officer at Mangalagiri on March 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

The Property mentioned in the document No. 538/80 was registered with the SRO, Mangalagiri during the month of March, 1980.

S. GOVINDARAJAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range AP. Hyderabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 10-11-1980
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, BHATINDA

Bhatinda, the 18th November 1980

Ref. No. A.P. No. 2336.—Whereas, I, R. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. As per Schedule situated at Gali No. 15-B, Mandi Abohar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Abohar on Feb. 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) Smt. Parkash Vati W/o Shri Pirthvi Raj
R/o Gali No. 14-15, Mandi Abohar.
(Transferor)
- (2) Smt. Narinjan Kaur W/o Narinder Singh,
S/o Shri Partap Singh,
R/o Village Thindwala Teh. Fazilka.
(Transferee)
- (3) As per Sr. No. 2 above.
(Person in occupation of the property).
- (4) Any other person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette;

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be dissolved by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 2863 of Feb. 1980 of the Registering Authority, Abohar.

R. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Jullundur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 18-11-1980
Seal :

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX.

ACQUISITION RANGE-I,
BOMBAY

Bombay, the 10th October 1980

Ref. No. AR-I/4374-15/Feb. 80.—Whereas I, SUDHAKAR VARMA, being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

C.S. No. 1198 of Bhuleshwar Divn.
situated at Abdul Rehman Street, Bombay
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at
Bombay on 26-2-1980

Document No. BOM. 645/79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

- (1) 1. Bai Khatijaboo, widow of Nomanbhai Dawoodbhai
2. Mr. Kaiyum N. Dawoodbhai
3. Mr. Dawoodi Nomanbhai
4. Bai Vazira Nomanbhai
5. Saleh Nomanbhai
6. Mr. Dawoodibhai Michamedbhai
7. Bai Khadija Mahomedbhai
8. Mr. Tajer Mohamedbhai
9. Mr. Hatim Esufali
10. Taiyabji Esufali
11. Bai Khadija Ibrahim Abdul Kayum
12. Mrs. Atcka Alibhai Malbari
13. Mrs. Fatema Torab Motiwala
14. Mrs. Safia Esuf Kharulla
15. Bai Rukhaiya Ismail Ealebhai
16. Mr. Dawoodi Esufali.

(Transferors)

- (2) Moiz Mulla Inayatali.

(Transferee)

- (3) 1. Mohsin & Co.
2. Kishinchand Dolatram
3. Indo Asia Traders
4. Vrajlal P. Parekh
5. M. L. Mirchandani
6. Desraj Basantraj
7. Abdul Qayum Esmail
8. Zainul Bengali
9. Tyebali Arsiwala
10. Manubhai Matcheswala.

(Person in occupation of the property.
Hyderabad, the 29th September 1980

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in the Registered Deed No. Bom/645/79 and as registered on 26-2-1980 with the Sub-registrar, Bombay.

SUDHAKAR VARMA
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Bombay

Date : 10-10-1980

Seal :

UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

NOTICE

COMBINED DEFENCE SERVICES EXAMINATION
MAY, 1981

New Delhi, the 29th November, 1980

No. F. 8/3/80-E.I.(B).—A combined Defence Services Examination will be held by the Union Public Service Commission commencing from 10th May, 1981 for admission to the undermentioned courses :—

Name of the Course	Approximate No. of Vacancies
(1) Indian Military Academy, Dehra Dun (72nd Course commencing in January, 1982)	120 [Includes 32 vacancies reserved for NCC 'C' Certificate (Army Wing) holders].
(2) Naval Academy, Cochin (Course commencing in January, 1982) [Incl. 20 for Naval Aviation]	55
(3) Air Force Academy AFAC, Coimbatore (Pre-Course Training for 131st F(P) Course commencing in January, 1982)	50 [Includes 15 vacancies reserved for NCC 'C' Certificate (Senior Division Air Wing) holders].
(4) Officers' Training School Madras (35th course commencing in May, 1982)	160

N.B.—A candidate is required to specify clearly in Col. 8(b) of the Application Form the Services for which he wishes to be considered in the order of his preference. He is also advised to indicate as many preferences as he wishes to, so that having regard to his rank in the order of merit, due consideration can be given to his preferences when making appointments.

No request for alteration in the order of preferences for the Services for which he is competing, would be considered unless the request for such alteration is received in the office of the Union Public Service Commission within 30 days of the date of publication of the results of the written part of the examination in the 'Employment News'.

NOTE I: NCC 'C' Certificate (Army Wing)/(Senior Division Air Wing) holders may also compete for the vacancies in the Naval Academy and Short Service Commission (Non-Technical) Courses, but since there is no reservation of vacancies for them in these courses, they will be treated as general candidates for the purpose of filling up vacancies in these Courses. Candidates who have yet to pass NCC 'C' Certificate (Army Wing/Senior Division Air Wing) examination, but are otherwise eligible to compete for the reserved vacancies, may also apply but they will be required to submit the proof of passing the NCC 'C' Certificate (Army Wing/Senior Division Air Wing) examination to reach the Army HQ/Rtg 6 (SP)(e), New Delhi-110022 in case of IMA/SSC(NT) first choice candidates and Naval HQ/R&R, Sena Bhawan, New Delhi-110011 in case of Navy first choice candidates and Air HQ/PO-3, Vayu Bhawan, New Delhi-110011 in case of Air Force first choice candidates by 26th December, 1981.

To be eligible to compete for reserved vacancies the candidate should have served for not less than 2 academic years in the Senior Division Army Wing/3 academic years in the Senior Division Air Wing of National Cadet Corps and should not have been discharged from the NCC for more than 12 months on the last date for receipt of application in the Commission's Office.

NOTE II: In the event of sufficient number of qualified NCC 'C' Certificate (Army Wing/Senior Division Air Wing) holders not becoming available on the results of the examination to fill all the vacancies reserved for them in the Indian Military Academy Course/Air Force Academy Course the unfilled reserved

vacancies shall be treated as unreserved and filled by general candidates.

Admission to the above courses will be made on the results of the written examination to be conducted by the Commission followed by intelligence and personality test by a Services Selection Board, of candidates who qualify in the written examination. The details regarding the (a) scheme, standard and syllabus of the examination, (b) physical standardisation submission to the Academy/School, and (c) brief particulars of service etc. for candidates joining the Indian Military Academy, Naval Academy, Air Force Academy and Officers' Training School are given in Appendices I, II and III respectively.

NOTE: THE PAPERS IN ALL THE SUBJECTS OF THE EXAMINATION WILL CONSIST OF OBJECTIVE TYPE QUESTIONS ONLY. FOR DETAILS INCLUDING SAMPLE QUESTIONS, PLEASE SEE CANDIDATES' INFORMATION MANUAL AT APPENDIX V.

2. CENTRES OF EXAMINATION.—Agartala, Ahmedabad, Aizawl, Allahabad, Bangalore, Bhopal, Bombay, Calcutta, Chandigarh, Cochin, Cuttack, Delhi, Dispur, (Gauhati), Hyderabad, Imphal, Itanagar, Jaipur, Jammu, Jorhat, Kohima, Lucknow, Madras, Nagpur, Panaji (Goa), Patiala, Patna, Port Blair, Shillong, Simla, Srinagar and Trivandrum.

4. CONDITIONS OF ELIGIBILITY

(a) Nationality

A candidate must either be—

- (i) a citizen of India, or
- (ii) a subject of Bhutan, or
- (iii) a subject of Nepal; or
- (iv) a Tibetan refugee who came over to India before the 1st January, 1962 with the intention of permanently settling in India, or
- (v) a person of Indian origin who has migrated from Pakistan, Burma, Sri Lanka and East African countries of Kenya, Uganda, United Republic of Tanzania, Zambia, Malawi, Zaire and Ethiopia and Vietnam with the intention of permanently settling in India.

Provided that a candidate belonging to categories (iii), (iv) and (v) above shall be a person in whose favour a certificate of eligibility has been issued by the Government of India.

Certificate of eligibility will not however, be necessary, in the case of candidates who are Gorkha subjects of Nepal.

A candidate in whose case a certificate of eligibility is necessary may be admitted to the examination and he may also be provisionally admitted to the Academy or School, as the case may be, subject to the necessary certificate being given to him by the Government.

(b) Age limits, sex and marital status:—

- (i) For I.M.A., Naval and Air Force Academy—Unmarried male candidates born not earlier than 2nd January, 1960 and not later than 1st January, 1963 are only eligible.
- (ii) For Officers' Training School—Male candidates (married or un-married) born not earlier than 2nd January, 1959 and not later than 1st January, 1963 are only eligible.

NOTE:—Date of birth as recorded in Matriculation/Higher Secondary or equivalent examination certificate will only be accepted.

(c) Educational qualifications:—

- (i) For I.M.A., Naval Academy and Officers' Training School:—Degree of a recognised University or equivalent.
- (ii) For Air Force Academy:—Degree of a recognised University or equivalent with Physics and/or Mathematics.

Candidates who have yet to pass the degree examination can also apply but they will be required to submit proof of

passing the degree examination to reach the Army HQ/Rtg 6(SP) (e), New Delhi-110022 in case of IMA/SSC(NT) first choice candidates and Naval HQ/R&R, Sena Bhawan, New Delhi-110011 in case of Navy first choice candidates and Air HQ/PO-3, Vayu Bhawan, New Delhi-110011 in case of Air Force first choice candidates by the following date failing which their candidature will stand cancelled :—

- (i) For admission to I.M.A., Naval and Air Force Academy—on or before the 26th December, 1981.
- (ii) For admission to Officers' Training School—on or before 25th April 1982.

Candidates possessing professional and technical qualifications which are recognised by Government as equivalent to professional and technical degrees would also be eligible for admission to the examination.

In exceptional cases the Commission may treat a candidate, who has not any of the qualifications prescribed in this rule as educationally qualified provided that he possesses qualifications, the standard of which, in the opinion of the Commission justifies his admission to the examination.

NOTE I : Those candidates who have yet to qualify in the Degree Examination and are allowed to appear in the UPSC Examination should note that this is only a special concession given to them. They are required to submit proof of passing the Degree examination by the prescribed date and no request for extending this date will be entertained on the grounds of late conduct of basic qualifying University Examination, delay in declaration of result or any other ground whatsoever.

NOTE II : Candidates who are debarred by the Ministry of Defence from holding any type of Commission in the Defence Services shall not be eligible for admission to the examination and if admitted, their candidature will be cancelled.

NOTE III : Naval Sailors (including boys and artificer apprentices) except Special Service Sailors having less than 6 months to complete their engagements are not eligible to take this examination. Applications from Special Service Sailors having less than six months to complete their engagements will be entertained only if these have been duly recommended by their Commanding Officers.

4. FEE TO BE PAID WITH THE APPLICATION.—

Rs. 28/- (Rs. 7/- for Scheduled Castes/Scheduled Tribes candidates). Applications not accompanied by the prescribed fee will be summarily rejected.

5. REMISSION OF FEE.—The Commission may, at their discretion, remit the prescribed fee where they are satisfied that the applicant is a *bona fide* displaced person from erstwhile East Pakistan (now Bangla Desh) and has migrated to India during the period between 1st January, 1964 and 25th March, 1971 or is a *bona fide* repatriate of Indian origin from Burma who migrated to India on or after 1st June, 1963 or is a *bona fide* repatriate of Indian origin from Sri Lanka who migrated to India on or after 1st November, 1964 or is a prospective repatriate of Indian origin from Sri Lanka under the Indo-Ceylon Agreement of October, 1964 and is not in a position to pay the prescribed fee.

6. HOW TO APPLY.—Only printed applications on the form prescribed for the Combined Defence Services Examination May, 1981 appended to the Notice will be entertained. Completed applications should be sent to the Secretary, Union Public Service Commission, Dholpur House, New Delhi-110011. Application forms and full particulars of the examination can be had from the following sources :—

- (i) By post from Secretary, Union Public Service Commission, Dholpur House, New Delhi-110011 by remitting Rs. 2/- by Money Order or by crossed Indian Postal Order payable to Secretary, U.P.S.C. at New Delhi G.P.O.
- (ii) On cash payment of Rs. 2/- at the counter in the Commission's office.

- (iii) Free of charge from nearest Recruiting Office, Military Area/Sub-Area, Headquarters, N.C.C. Directorates, Naval and Air Force Establishments.

The application form, and the acknowledgement card must be completed in the candidate's own handwriting. All entries/answer should be in words and not by dashes or dots. An application which is incomplete or is wrongly filled in is liable to be rejected.

All candidates whether already in Government service or in Government owned industrial undertakings or other similar organisations or in private employment should submit their applications direct to the Commission. If any candidate forwards his application through his employer and it reaches the Union Public Service Commission late the application, even if submitted to the employer before the closing date will not be considered.

Persons already in Government service whether in a permanent or temporary capacity or as work charged employees other than casual or daily rated employees are, however, required to submit an undertaking that they have informed in writing their Head of Office/Department that they have applied for the Examination.

A candidate serving in the Armed Forces must submit his application through his Commanding Officer who will complete the endorsement (vide Section 'B' of the application form) and forward it to the Commission.

7. LAST DATE FOR RECEIPT OF APPLICATIONS IN THE COMMISSION'S OFFICE :—

Closing date : 19th January, 1981.

For candidates residing in Assam, Meghalaya, Arunachal Pradesh, Mizoram, Manipur, Nagaland, Tripura, Sikkim, Ladakh Division of J&K State, and for candidates residing abroad or in Andaman & Nicobar Islands or Lakshadweep—2nd February, 1981.

8. DOCUMENTS TO BE SUBMITTED WITH THE APPLICATION.

(A) By all candidates :—

- (i) Fee of Rs. 28/- (Rs. 7/- for Scheduled Castes/Tribes candidates) through crossed Indian Postal Orders payable to the Secretary, Union Public Service Commission at the New Delhi General Post Office or crossed Bank Draft from any branch of the State Bank of India payable to the Secretary, Union Public Service Commission at the State Bank of India, Main Branch, New Delhi.

Candidates residing abroad should deposit the prescribed fee in the office of India's High Commissioner, Ambassador or Representative abroad as the case may be for credit to the account Head "051 Public Service Commission—examination fees" and the receipt attached with the application.

- (ii) Attendance Sheet (attached with the application form) duly filled.

- (iii) Two identical copies of recent passport size (5 cm. x 7 cm. approx.) photograph of the candidate duly signed on the front side.

One copy of the photographs should be pasted on the first page of the application form and the other copy on the Attendance Sheet in the space provided therein.

- (iv) Two self-addressed, unaddressed envelopes of size approximately 11.5 cms. x 27.5 cms.

(B) By Scheduled Castes/Scheduled Tribes candidates :—

Attested/certified copy of certificate in the form given in Appendix IV from any of the competent authorities (mentioned under the certificate) of the District in which he or his parents (or surviving parent) ordinarily reside, in support of claim to belong to Scheduled Caste/Scheduled Tribe.

(C) By candidates claiming remission of fee :—

- (i) An attested/certified copy of a certificate from a District Officer or a Gazetted Officer or a Member

of Parliament or State Legislature certifying that he is not in a position to pay the prescribed fee.

- (ii) An attested/certified copy of a certificate from the following authorities in support of the claim to be a *bona fide* displaced person/repatriate :—

(a) *Displaced person from erstwhile East Pakistan :*

- (i) Camp Commandant of the Transit Centres of the Dandakaranya Project or of Relief Camps in various States.

OR

- (ii) District Magistrate of the area in which he may, for the time being, be resident.

OR

- (iii) Additional District Magistrate in charge of Refugee Rehabilitation in his district.

OR

- (iv) Sub-Divisional Officer within the sub-division in his charge.

OR

- (v) Deputy Refugee Rehabilitation Commissioner, West Bengal/Director (Rehabilitation) in Calcutta.

(b) *Repatriates from Sri Lanka :*

High Commission for India in Sri Lanka.

(c) *Repatriate from Burma :*

Embassy of India, Rangoon or District Magistrate of the area in which he may be resident.

(D) *By NCC 'C' Certificate (Army Wing)/(Senior Division Air Wing) holders competing for the vacancies reserved for them in the I.M.A. and Air Force Academy Course.*

An attested/certified copy of a certificate to show that he is a NCC 'C' Certificate (Army Wing)/(Senior Division Air Wing) holder or a certificate to the effect that he is appearing or appeared in the N.C.C. 'C' Certificate (Army Wing)/Senior Division Air Wing) examination.

9. REFUND OF FEE.—No refund of fee paid to the Commission with the application will be made except in the following cases, nor can the fee be held in reserve for any other examination or selection :—

- (i) A refund of Rs. 15/- (Rs. 4/- in case of candidates belonging to Scheduled Castes/Scheduled Tribes) will be made to a candidate who has paid the prescribed fee and is not admitted to the examination by the Commission. If, however, the application is rejected on receipt of information that the candidate has failed in the degree examination or will not be able to submit the proof of passing the degree examination by the prescribed date, he will not be allowed refund of fee.

- (ii) A refund of Rs. 28/- (Rs. 7/- in the case of candidates belonging to Scheduled Castes/Scheduled Tribes) will be allowed in the case of a candidate who took the Combined Defence Services Examination November 1980 and is recommended for admission to any of the courses on the results of that Examination provided his request for cancellation of candidature for the Combined Defence Services Examination May 1981 and refund of fee is received in the office of the Commission on or before 15th October, 1981.

10. ACKNOWLEDGEMENT OF APPLICATIONS.—All applications received in the prescribed form for this examination will be acknowledged. If a candidate does not receive an acknowledgement of his application within a month from the last date of receipt of applications for the examination, he should at once contact the Commission for the acknowledgement.

11. RESULT OF APPLICATION.—If a candidate does not receive from the Commission a communication regarding the result of his application one month before the commencement of the examination he should at once contact the Commission for the result. Failure to comply with this

provision will deprive the candidate of any claim to consideration.

12. ADMISSION TO THE EXAMINATION.—The decision of the Union Public Service Commission as to the eligibility or otherwise of a candidate shall be final. No candidate shall be admitted to the examination unless he holds a certificate of admission from the Commission.

13. ACTION AGAINST CANDIDATES FOUND GUILTY OF MISCONDUCT.—Candidates are warned that they should not furnish any particulars that are false or suppress any material information in filling in the application form. Candidates are also warned that they should, in no case correct or alter or otherwise tamper with any entry in a document or its attested/certified copy submitted by them nor should they submit a tampered/fabricated document. If there is any inaccuracy or any discrepancy between two or more such documents or their attested/certified copies, an explanation regarding the discrepancy should be submitted.

A candidate who is or has been declared by the Commission to be guilty of—

- (i) obtaining support for his candidature by any means, or
- (ii) impersonating, or
- (iii) Procuring impersonation by any person, or
- (iv) submitting fabricated documents or documents which have been tampered with, or
- (v) making statements which are incorrect or false, or suppressing material information, or
- (vi) resorting to any other irregular or improper means in connection with his candidature for the examination, or
- (vii) using unfair means during the examination; or
- (viii) writing irrelevant matter, including obscene language or pornographic matter, in the script(s); or
- (ix) misbehaving in any other manner in the examination hall; or
- (x) harassing or doing bodily harm to the staff employed by the Commission for the conduct of their examinations; or
- (xi) attempting to commit or as the case may be abetting the commission of all or any of the acts specified in the foregoing clauses may in addition to rendering himself liable to criminal prosecution be liable :—
 - (a) to be disqualified by the Commission from the Examination for which he is a candidate; or
 - (b) to be debarred either permanently or for a specified period—
 - (i) by the Commission, from any examination or selection held by them,
 - (ii) by the Central Government, from any employment under them; and
- (c) if he is already in service under Government, to disciplinary action under the appropriate rules.

Provided that no penalty under this rule shall be imposed except after—

- (i) giving the candidate an opportunity of making such representation in writing as he may wish to make in that behalf; and
- (ii) taking the representation, if any, submitted by the candidate, within the period allowed to him, into consideration.

14. ORIGINAL CERTIFICATES—SUBMISSION OF.—Only those candidates who qualify in the SSB interview are required to submit their original certificates in support of their age and educational qualifications etc. to Army HQ/Rtg 6(SP)(e), New Delhi-110022 in case of IMA/SSC (NT) first choice candidates and Naval HQ/R&R, Sena Bhawan, New Delhi-110011 in case of Navy first choice candidates and

Air HQ/PO-3, Vayu Bhawan, New Delhi-110011 in case of Air Force first choice candidates. Certified true copies of photostat copies of the certificates will not be accepted in any case.

15. COMMUNICATION REGARDING APPLICATIONS.—ALL COMMUNICATIONS IN RESPECT OF AN APPLICATION SHOULD BE ADDRESSED TO THE SECRETARY UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION, DHOLPUR HOUSE, NEW DELHI-110011 AND SHOULD INVARIABLY CONTAIN THE FOLLOWING PARTICULARS :—

- (1) NAME OF EXAMINATION
- (2) MONTH AND YEAR OF EXAMINATION
- (3) ROLL NUMBER OR THE DATE OF BIRTH OF CANDIDATE IF THE ROLL NUMBER HAS NOT BEEN COMMUNICATED
- (4) NAME OF CANDIDATE (IN FULL AND IN BLOCK CAPITALS)
- (5) POSTAL ADDRESS AS GIVEN IN APPLICATION.

N.B. (i).—COMMUNICATIONS NOT CONTAINING THE ABOVE PARTICULARS MAY NOT BE ATTENDED TO.

N.B. (ii).—IF A LETTER/COMMUNICATION IS RECEIVED FROM A CANDIDATE AFTER AN EXAMINATION HAS BEEN HELD AND IT DOES NOT GIVE HIS FULL NAME AND ROLL NUMBER, IT WILL BE IGNORED AND NO ACTION WILL BE TAKEN THEREON.

16. CHANGE OF ADDRESS.—A candidate must see that communications sent to him at the address stated in his application are redirected if necessary. Change in address should be communicated to the Commission at the earliest opportunity giving the particulars mentioned in paragraph 15 above.

CANDIDATES RECOMMENDED BY THE COMMISSION FOR INTERVIEW BY THE SERVICES SELECTION BOARD WHO HAVE CHANGED THEIR ADDRESSES SUBSEQUENT TO THE SUBMISSION OF THEIR APPLICATIONS FOR THE EXAMINATION SHOULD IMMEDIATELY AFTER ANNOUNCEMENT OF THE RESULT OF THE WRITTEN PART OF THE EXAMINATION NOTIFY THE CHANGED ADDRESS ALSO TO ARMY HEADQUARTERS, A.G.'S BRANCH RTG. 6(SP)(e)(ii) WEST BLOCK 3, WING 1, RAMAKRISHNAPURAM NEW DELHI-110022, AND AIR HQ(PO3) VAYU BHAWAN NEW DELHI-110011. FAILURE TO COMPLY WITH THIS INSTRUCTION WILL DEPRIVE THE CANDIDATE OF ANY CLAIM TO CONSIDERATION IN THE EVENT OF HIS NOT RECEIVING THE SUMMONS LETTERS FOR INTERVIEW BY THE SERVICES SELECTION BOARD.

Although the authorities make every effort to take account of such changes they cannot accept any responsibility in the matter.

17. ENQUIRIES ABOUT INTERVIEW OF CANDIDATES QUALIFYING IN THE WRITTEN EXAMINATION.—Candidates whose names have been recommended for interview by the Services Selection Board, should address enquiries or requests if any relating to their interview direct to the Army Headquarters, AG's Branch RTG 6(SP)(e)(ii) West Block 3, Wing 1, Ramakrishnapuram, New Delhi-110022 and Air Headquarters (PO3), Vayu Bhawan, New Delhi-110011 in the case of Air Force candidates.

Candidates are required to report for SSB interview on the date intimated to them in the call up letter for interview. Request for postponing interview will only be considered in very genuine circumstances and that too if it is administratively convenient for which Army HQ/Air Headquarters will be the sole deciding authority.

The candidates called for SSB interview at different Services Selection Centres will bring with them the following articles :

- (a) Passport size photographs in white shirt—6 Nos.
- (b) Bedding and blankets (according to season).
- (c) Two pairs of white shirts and shorts.

- (d) A pair of white PT shoes and two pairs of white socks.
- (e) Two pairs of trousers and shirts.
- (f) Fountain Pen, ink and pencils.
- (g) Boot polish and white blanco.
- (h) One mosquito net.

18. ANNOUNCEMENT OF THE RESULTS OF THE WRITTEN EXAMINATION, INTERVIEW OF QUALIFIED CANDIDATES, ANNOUNCEMENT OF FINAL RESULTS AND ADMISSION TO THE TRAINING COURSE OF THE FINALLY QUALIFIED CANDIDATES.—The Union Public Service Commission shall prepare a list of candidates who obtain the minimum qualifying marks in the written examination as fixed by the Commission in their discretion. Such candidates shall appear before a Services Selection Board for Intelligence and Personality Tests simultaneously for all the entries for which they have qualified.

Candidates who qualify in the written examination for IMA (D.E.) Course and/or Navy (S.E.) Course and/or Air Force Academy Course irrespective of whether they have also qualify for SSC (NT) Course or not, will be detailed for S.S.B. tests in September/October, 1981 and candidates who qualify for SSC (NT) Course only will be detailed for SSB tests in December, 1981/January, 1982.

Candidates will appear before the Services Selection Board and undergo the tests thereat at their own risk and will not be entitled to claim any compensation or other relief from Government in respect of any injury which they may sustain in the course of or as a result of any of the tests given to them at the Services Selection Board whether due to the negligence of any person or otherwise. Candidates will be required to sign a certificate to this effect on the form appended to the application.

To be acceptable, candidates should secure the minimum qualifying marks separately in (i) written examination and (ii) S.S.B. tests as fixed by the Commission in their discretion. The candidates will be placed in the order of merit on the basis of the total marks secured by them in the written examination and in the S.S.B. tests. The form and manner of communication of the results of the examination to individual candidates shall be decided by the Commission in their discretion and the Commission will not enter into correspondence with them regarding the result.

Success at the examination confers no right of admission to the Indian Military Academy, the Naval Academy, Air Force Academy or the Officers' Training School as the case may be. The final selection will be made in order of merit subject to medical fitness and suitability in all other respects and number of vacancies available.

19. DISQUALIFICATIONS FOR ADMISSION TO THE TRAINING COURSE.—Candidates who were admitted to an earlier course at the National Defence Academy, Indian Military Academy, Air Force Flying College, Naval Academy Cochin, Officers' Training School, Madras but were removed therefrom on disciplinary grounds will not be considered for admission to the Indian Military Academy, Naval Academy, Air Force Academy or for grant of Short Service Commission in the Army.

Candidates who were previously withdrawn from the Indian Military Academy for lack of Officer-like qualities will not be admitted to the Indian Military Academy.

Candidates who were previously selected as Special Entry Naval Cadets but were withdrawn from the National Defence Academy or from Naval Training Establishments for lack of Officer-like qualities will not be eligible for admission to the Indian Navy.

Candidates who were withdrawn from Indian Military Academy, Officers' Training School, N.C.C. and Graduate Course for lack of Officer-like qualities will not be considered for grant of Short Service Commission in the Army.

Candidates who were previously withdrawn from the N.C.C. and Graduates' Course for lack of Officer-like qualities will not be admitted to the Indian Military Academy.

20. RESTRICTIONS ON MARRIAGE DURING TRAINING IN THE INDIAN MILITARY ACADEMY OR IN THE NAVAL ACADEMY OR IN THE AIR FORCE ACADEMY.—Candidates for the Indian Military Academy Course or Naval Academy Course, or Air Force Academy

Course must undertake not to marry until they complete their full training. A candidate who marries subsequent to the date of his application, though successful at this or any subsequent examination will not be selected for training. A candidate who marries during training shall be discharged and will be liable to refund all expenditure incurred on him by the Government.

No candidate for the Short Service Commission (N.T.) Course—

- (a) who has entered into or contracted a marriage with a person having a spouse living; or
- (b) who having a spouse living, has entered into or contracted a marriage with any person.

shall be eligible for admission to the Officers' Training School/grant of Short Service Commission.

Provided that the Central Government may, if satisfied that such marriage is permissible under the personal law applicable to such persons and the other party to the marriage and there are other grounds for so doing, exempt any person from the operation of this rule.

21. OTHER RESTRICTIONS DURING TRAINING IN THE INDIAN MILITARY ACADEMY OR IN THE NAVAL ACADEMY OR IN THE AIR FORCE ACADEMY :—After admission to the Indian Military Academy or the Naval Academy or the Air Force Academy candidates will not be considered for any other Commission. They will also not be permitted to appear for any interview or examination after they have been finally selected for training in the Indian Military Academy, or the Naval Academy or the Air Force Academy.

22. INTELLIGENCE TEST—INFORMATION ABOUT.—The Ministry of Defence (Directorate of Psychological Research) have published a book with the title "A Study of Intelligence Test Scores of candidates at Services Selection Boards." The purpose of publishing this book is that the candidates should familiarise themselves with the type of Intelligence Tests they are given at the Service Selection Boards.

The book is priced publication and is on sale with Controller of Publications, Civil Lines, Delhi-110054 and may be obtained from him direct by Mail Orders or on cash payment. This can also be obtained only against cash payment from (i) Kitab Mahal, opposite Rivoli Cinema, Emporia Building, 'C' Block, Baba Kharag Singh Marg, New Delhi-110001, (ii) Sale counter of the Publication Branch at Udyog Bhawan, New Delhi-110001, and (iii) the Government of India Book Depot, 8, K. S. Roy Road, Calcutta-700001.

23. PAMPHLETS CONTAINING RULES AND QUESTION PAPERS OF PREVIOUS EXAMINATIONS—INFORMATION ABOUT.

With the introduction of objective type questions for all the papers included in the scheme of this examination with effect from the Combined Defence Services Examination, May 1978, the printing of pamphlets containing rules and question papers for this examination has been discontinued. However, copies of pamphlets containing rules and question papers of preceding examinations upto Combined Defence Services Examination held in November, 1977 are on sale with the Controller of Publications, Civil Lines, Delhi-110054 and may be obtained from him direct by mail orders or on cash payment. These can also be obtained only against cash payment from (i) the Kitab Mahal, opposite Rivoli Cinema, Emporia Building 'C' Block, Baba Kharag Singh Marg, New Delhi-110001, (ii) Sale counter of the Publications Branch at Udyog Bhawan, New Delhi-110001, and (iii) the Government of India Book Depot, 8 K. S. Roy Road, Calcutta-700001. The pamphlets are also obtainable from the agents for the Government of India Publications at various mofussil towns.

VINAY JHA,
Deputy Secretary

APPENDIX I

(The scheme, standard syllabus of the examination)

A. SCHEME OF THE EXAMINATION

1. The Competitive examination comprises :—

- (a) Written examination as shown in para 2 below :

(b) Interview for intelligence and personality test (vide Part 'B' of this Appendix) of such candidates as may be called for interview at one of the Services Selection Centres.

2. The subjects of the written examination, the time allowed and the maximum marks allotted to each subject will be as follows :—

(a) *For admission to Indian Military Academy :*

Subject	Duration	Maximum Marks
1. English	2 Hours	100
2. General Knowledge . . .	2 Hours	100
3. Elementary Mathematics . . .	2 Hours	100

(b) *For Admission to Naval Academy*

Subject	Time allowed	Maxi-mum marks
---------	--------------	----------------

Compulsory

1. English . 2 Hrs.	100
2. General Knowledge 2 Hrs.	100

Optional

*3. Elementary Mathematics or Elementary Physics 2 Hrs	100
*4. Mathematics or Physics 2 Hrs.	150 *Candidates offering Elementary Mathematics will take Physics as their 4th paper and Candidates offering elementary Physics will take Mathematics as their 4th paper.

(c) *For Admission to Officers Training School :*

Subject	Time allowed	Maximum Marks
1. English	2 Hours	100
2. General Knowledge . . .	2 Hours	100

(d) *For admission to Air Force Academy :*

Subject	Duration	Maximum Marks
1. English	2 Hours	100
2. General Knowledge . . .	2 Hours	100
3. Elementary Mathematics . . .	2 Hours	100
4. Mathematics or Physics	2 Hours	150

The maximum marks allotted to the written examination and to the Interviews will be equal for each course i.e. the maximum marks allotted to the written examination and to the Interviews will be 300, 450, 200 and 450 each for admission to the Indian Military Academy, Naval Academy, Officers' Training School and Air Force Academy.

3. THE PAPERS IN ALL THE SUBJECT WILL CONSIST OF OBJECTIVE TYPE QUESTIONS ONLY. FOR DETAILS INCLUDING SAMPLE QUESTIONS, PLEASE SEE CANDIDATES' INFORMATION MANUAL AT APPENDIX V.

4. In the question papers, wherever necessary questions involving the Metric System of Weights and Measures only will be set.

5. Candidates must write the papers in their own hand. In no circumstances will they be allowed the help of a scribe to write answers for them.

6. The Commission have discretion to fix qualifying marks in any or all the subjects at the examination.

B. STANDARD AND SYLLABUS OF THE EXAMINATION

STANDARD

The standard of the paper in Elementary Mathematics will be of Matriculation Examination and that of Elementary Physics will of Higher Secondary Examination.

The standard of papers in other subjects will approximately be such as may be expected of a graduate of an Indian University.

There will be no practical examination in any of the subjects.

SYLLABUS ENGLISH

The question paper will be designed to test the candidate's understanding of English and workmanlike use of words.

GENERAL KNOWLEDGE

General Knowledge including knowledge of current events and of such matters of every day observation and experience in their scientific aspects as may be expected of an educated person who has not made a special study of any scientific subject. The paper will also include questions on History of India and Geography of a nature which candidates should be able to answer without special study.

ELEMENTARY MATHEMATICS

Arithmetic

Number System—Natural numbers, Integers, Rational and Real numbers, Fundamental operations—addition, subtraction, multiplication, division, Square roots, Decimal fractions.

Unitary method—time and distance, time and work, percentage—applications to simple and compound interest, profit and loss. Ratio and proportion, variation.

Elementary Number Theory—Division algorithm, Prime and composite numbers. Tests of divisibility by 2, 3, 4, 5, 9 and 11. Multiples and factors. Factorisation Theorem, H.C.F. and L.C.M. Euclidean algorithm.

Logarithms to base 10, laws of logarithms, use of logarithmic tables.

Algebra

Basic Operations; simple factors, Remainder Theorem, H.C.F., L.C.M. Theory of polynomials, Solutions of quadratic equations, relation between its roots and coefficients. (Only real roots to be considered). Simultaneous linear equations in two unknowns—analytical and graphical solutions. Simultaneous linear inequations in two variables and their solutions. Practical problems leading to two simultaneous linear equations or inequations in two variables or quadratic equations in one variable and their solutions. Set language and set notation. Rational expressions and conditional identities. Laws of Indices.

Trigonometry

Sine X, Cosine X, Tangent X when $0^\circ \leq x \leq 90^\circ$

Values of sin x, cos x and tan x, for $x=0^\circ, 30^\circ, 45^\circ, 60^\circ$ and 90° .

Simple trigonometric identities use of trigonometrical tables

Simple cases of heights and distances.

Geometry

Lines and angles, plane and plane figures. Theorems on (i) Properties of angles at a point, (ii) Parallel lines, (iii) Sides

and angles of a triangle (iv) Congruency of triangles, (v) Similar triangles, (vi) Concurrence of medians and altitudes, (vii) Properties of angles, sides and diagonals of a parallelogram, rectangle and square, (viii) Circle and its properties including tangents and normals, (ix) Loci.

Mensuration

Areas of squares, rectangles, parallelograms, triangle and circle. Areas of figures which can be split up into these figures (Field Book) Surface area and volume of cuboids, lateral surface and volume of right circular cones and cylinders. Surface area and volume of spheres.

Statistics

Collection and tabulation of statistical data. Graphical representation—frequency polygons, histograms, bar charts, pie charts etc.

Measures of central tendency.

ELEMENTARY PHYSICS

(a) *Mensuration*.—Units of measurement; CGS and MKS units. Scalars and vectors. Composition and resolution of forces and velocities. Uniform acceleration. Rectilinear motion under uniform acceleration. Newton's Laws of Motion, concept of Force. Units of Force. Mass and weight.

(b) *Mechanics of Solids*.—Motion under gravity. Parallel forces. Centre of Gravity. States of equilibrium. Simple Machines. Velocity Ratio. Various simple machines including inclined plane, Screw and Gears. Friction angle of friction, coefficient of friction. Work, Power and energy, Potential and kinetic energy.

(c) *Properties of fluids*.—Pressure and Thrust. Pascal's Law, Archimedes principle, Density and Specific gravity. Application of the Archimedes principle for the determination of specific gravities of solids and liquids. Laws of floatation. Measurement of pressure exerted by a gas. Boyle's Law. Air pumps.

(d) *Heat*.—Linear expansion of solids and cubical expansion of liquids. Real and apparent expansion of liquids. Charles Law. Absolute Zero; Boyle's and Charles' Law; specific heat of solids and liquids; calorimetry. Transmission of heat; Conductivity of metals. Change of State. Latent heat of fusion and vaporization. SVP humidity, dew point and relative humidity.

(e) *Light*.—Rectilinear propagation. Laws of reflection, spherical mirrors; Refraction, laws of refraction, Lenses, Optical instruments, camera, projector, epidiascope, telescope Microscope, binocular & periscope. Refraction through a prism, dispersion.

(f) *Sound*.—Transmission of sound; Reflection of sound, resonance. Recording of sound-gramophone.

(g) *Magnetism & Electricity*.—Laws of Magnetism. Magnetic field. Magnetic lines of force, Terrestrial Magnetism, Conductors and insulators. Ohm's Law. P.D. Resistances EMF (Resistances in series and parallel). Potentiometer, Composition of EMF's. Magnetic effect of an electric current. A conductor in a magnetic field. Fleming's left hand rule. Measuring instruments—Galvanometer, Ammeter Voltmeter, Wattmeter, chemical effect of an electric current, electroplating; Electromagnetic induction, Faraday's Laws; Basic AC & DC-generator.

PHYSICS

1. General properties of matter and mechanics

Units and dimensions, scalar and vector quantities; Moment of Inertia, Work, energy and momentum. Fundamental laws of mechanics; Rotational motion Gravitation. Simple harmonic motions, simple and compound pendulum. Elasticity, Surface tension; Viscosity of liquids. Rotary pump.

2. Sound

Damped, forced and free vibrations. Wave motion. Doppler effect, velocity of sound waves; effects of pressure temperatures and humidity on velocity of sound in a gas. Vibration of strings, membranes and gas columns. Resonance,

beats; Stationary waves. Measurement of frequency, velocity and intensity of sound. Elements of ultra sonics. Elementary principles of gramophone, talkies and loudspeakers.

3. Heat and Thermodynamics

Temperature and its measurement; thermal expansion; Isothermal and adiabatic changes in gases. Specific heat and thermal conductivity; Elements of the kinetic theory of matter; Physical ideas of Boltzmann's distribution law; van der wall's equation of state; Joule Thompson effect; liquefaction of gases; Heat engines; Carnot's theorem; Laws of thermodynamics and simple applications. Black body radiation.

4. Light

Geometrical optics. Velocity of light. Reflection and refraction of light at plane and spherical surfaces. Spherical and chromatic defects in optical images and their correction. Eye and other optical instruments. Wave theory of light, interference.

5. Electricity and Magnetism

Energy due to a field; Electrical and magnetic properties of matter; Hysteresis permeability and susceptibility; Magnetic field due to electrical current; Moving magnet and moving coil galvanometers. Measurement of current and resistance; Properties of reactive circuit elements and their determination, thermoelectric effect; Electromagnetic induction; Production of alternating currents. Transformers and motors; Electronics valves and their simple applications.

6. Modern Physics

Elements of Bohr's theory of atom. Electrons. Discharge of Electricity through gases; Cathode Rays and X-rays. Radioactivity. Artificial radioactivity, Isotopes. Elementary ideas of fission and fusion.

MATHEMATICS

1. Algebra

Algebra of Sets, relations and functions; inverse of functions; composite function; equivalence relation; De Moire's theorem for rational index and its simple applications.

2. Matrices

Algebra of Matrices, determinants, simple properties of determinants, product of determinants; adjoint of a matrix; inversion of matrices, rank of a matrix. Application of matrices to the solution of linear equations (in three dimensions).

3. Analytical Geometry

Analytical Geometry of two dimensions

Straight lines, pair of straight lines, circles, systems of circles, ellipse, parabola, hyperbola (referred to principal axis). Reduction of a second degree equation to standard form. Tangents and normals.

Analytical Geometry of three dimensions

Planes, straight lines and spheres (Cartesian co-ordinate only).

4. Calculus and Differential Equation

Differential calculus—Concept of limit, continuity and differentiability of a function of one real variable, derivative of standard functions, successive differentiation. Rolle's theorem. Mean value theorem; Maclaurin and Taylor series (proof not needed) and their applications; Binomial expansion for rational index, expansion of exponential, logarithmic, trigonometrical and hyperbolic functions. Indeterminate forms. Maxima and Minima of a function of a single variable, geometrical applications such as tangent, normal, subtangent, subnormal, asymptotic curvature (cartesian co-ordinates only). Envelope: Partial differentiation. Euler's theorem for homogeneous functions.

Integral calculus—Standard methods of integration. Riemann definition of definite integral of continuous functions. Fundamental theorem of integral calculus. Rectification, quadrature, volumes and surface area of solids of revolution. Simpson's rule for numerical integration.

Differential equation—Solution of standard first order differential equations. Solution of second and higher order linear differential equations with constant coefficients. Simple application or problems on growth and decay, simple harmonic motion. Simple pendulum and the like.

5. Mechanics (Vector methods may be used)

Statics.—Conditions of equilibrium or coplanar and concurrent forces. Moments. Couples. Centre of gravity of simple bodies. Friction, static and limiting friction, angle of friction, equilibrium of a particle on a rough inclined plane. Virtual work (two dimensions).

Dynamics.—Kinematics Displacement, speed velocity and acceleration of a particle, relative velocity. Motion in a straight line under constant acceleration. Newton's laws of motion. Central Orbits. Simple harmonic motion. Motion under gravity (in vacuum). Impulse work and energy. Conservation of energy and linear momentum. Uniform circular motion.

6. Statistics. Probability

Classical and statistical definition of probability, Calculation of probability of combinatorial methods, addition and multiplication theorem, conditional probability. Random variables (discrete and continuous), density function. Mathematical expectation.

Standard distribution—Binomial distribution, definition, mean and variance, skewness, limiting from simple application; Poisson distribution,—definition, mean and variance additive property fitting of Poisson distribution to given data. Normal distribution, simple properties and simple applications, fitting a normal distribution to given data.

Bivariate distribution—Correlation, linear regression involving two variables, fitting of straight line, parabolic and exponential curves, properties of correlation coefficient.

Simple sampling distribution and simple tests of hypothesis; Random sample. Statistics, Sampling distribution and standard error. Simple application of the normal, t, ch² and F distributions to testing of significance of difference of means.

Note :—Out of the two topics No. 5 Mechanics and No. 6 Statistics, the candidates will be allowed the option of answering questions on any of the two topics.

INTELLIGENCE AND PERSONALITY TEST

In addition, to the interview the candidates will be put to Intelligence Tests both verbal and non-verbal, designed to assess their basic intelligence. They will also be put to Group Tests such as group discussions, group planning outdoor group tasks, and asked to give brief lectures on specified subjects. All these tests are intended to judge the mental calibre of a candidate. In broad terms, this is really an assessment of not only his intellectual qualities but also his social traits and interests in current affairs.

APPENDIX II

PHYSICAL STANDARDS FOR CANDIDATES FOR COMBINED DEFENCE SERVICES EXAMINATION

Note.—CANDIDATES MUST BE PHYSICALLY FIT ACCORDING TO THE PRESCRIBED PHYSICAL STANDARD. THE STANDARDS OF MEDICAL FITNESS ARE GIVEN BELOW.

A NUMBER OF QUALIFIED CANDIDATES ARE REJECTED SUBSEQUENTLY ON MEDICAL GROUNDS. CANDIDATES ARE THEREFORE ADVISED IN THEIR OWN INTEREST TO GET THEMSELVES MEDICALLY EXAMINED BEFORE SUBMITTING THEIR APPLICATIONS TO AVOID DISAPPOINTMENT AT THE FINAL STAGE.

1. A candidate recommended by the Services Selection Board will undergo a medical examination by a Board of Service Medical Officers. Only those candidates will be admitted to the academy or school who are declared fit by the Medical Board. The proceedings of the Medical Board are confidential and will not be divulged to anyone. However, the candidates declared unfit/temporarily unfit will be intimated by the President of the Medical Board and the procedure for request for an Appeal Medical Board will also

be intimated to the candidate. The candidate must be physically fit according to the prescribed physical standards which are summarised below :—

- (a) The candidate must be in good physical and mental health and free from any disease/disability which is likely to interfere with the efficient performance of duties.
- (b) There should be no evidence of weak constitution, bodily defects or over weight.
- (c) The minimum acceptable height is 157.5 cms (157 cms for Navy and 162.5 cms for Air Force). For Gorkhas and individuals belonging to hills of North Eastern regions of India, Garhwal and Kumaon, the minimum acceptable height will be 5 cms less. In case of candidates from Laccadives the minimum acceptable height can be reduced by 2 cms. Height and weight standards are given below :—

Height & Weight Standards

Height in Centimetres (without shoes)	Weight in Kgs.		
	18 years	20 years	22 years
152 . . .	44	46	47
155 . . .	46	48	49
157 . . .	47	49	50
160 . . .	48	50	51
162 . . .	50	52	53
165 . . .	52	53	55
168 . . .	53	55	57
170 . . .	55	57	58
173 . . .	57	59	60
175 . . .	59	61	62
178 . . .	61	62	63
180 . . .	63	64	65
183 . . .	65	67	67
185 . . .	67	69	70
188 . . .	70	71	72
190 . . .	72	73	74
193 . . .	74	76	77
195 . . .	77	78	78

A + 10% (\pm 6 Kg for Navy) departure from the average weight given in the Table above is to be considered within normal limits. However, in individuals with heavy bones and broadbuilt as well as individuals with thin but otherwise healthy this may be relaxed to some extent on merit.

- (d) Chest should be well developed. The minimum range of expansion after full inspiration should be 5 cms. The measurement will be taken with a tape so adjusted that its lower edge should touch the nipple in front and the upper part of the tape should touch the lower angle of the shoulder blades behind. X-Ray of the chest is compulsory and will be taken to rule out any disease of the chest.
- (e) There should be no disease of bones and joints of the body. X-Ray of the spine will be taken to exclude any maldevelopment of the backbone. Minor congenital defects which are not likely to interfere in the performance of military duties may be acceptable on merit.
- (f) A candidate should have no past history of mental breakdown or fits.
- (g) The hearing should be normal. A candidate should be able to hear a forced whisper with each ear at a distance of 610 cms in a quiet room. There should be no evidence of present or past disease of the ear, nose and throat.
- (h) There should be no signs of functional or organic disease of the heart and blood vessels. Blood pressure should be normal.
- (j) The muscles of abdomen should be well developed and there should be no enlargement of liver or spleen. Any evidence of disease of internal organs of the abdomen will be a cause for rejection.

(k) Un-operated hernias will make a candidate unfit. If operated, this should have been done at least a year prior to the present examination and healing is complete.

- (l) There should be no hydrocele, varicocele or piles.
- (m) Urine examination will be done and any abnormality if detected will be a cause for rejection.
- (n) Any disease of the skin which is likely to cause disability or disfigurement will also be a cause for rejection.
- (o) A candidate should be able to read 6/6 in a distant vision chart with each eye with or without glasses (For Navy and Air Force without glasses only). Myopia should not be more than 2.5 D and hypermetropia not more than 3.5 D including Astigmatism. Internal examination of the eye will be done by means of ophthalmoscope to rule out any disease of the eye. A candidate must have good binocular vision. The colour vision standard will be CP-3. A candidate should be able to recognise red and green colours. The candidates for the Navy should have normal night vision acuity and will be required to give a certificate that neither he nor any member of his family had suffered from congenital night blindness.

- (p) The candidate should have sufficient number of natural and sound teeth. A minimum of 14 dental points will be acceptable. When 32 teeth are present, the total dental points are 22. A candidate should not be suffering from severe pyorrhoea.
- (q) The following X-Ray examination will be conducted in all cases :—
 - (i) X-Ray of the chest PA 39.1 cm x 30.5 cm (PV-26120) one film.
 - (ii) X-Ray Lumbo cralspine AP and LAT 38.1 cm x 3.5 cm (PV-26120)—2 films.

X-Ray examination of the chest will include the lower part of cervical spine for presence of cervical ribs. X-Ray examination of other parts of spine will be taken if the SMB considers it necessary.

2. In addition to the above, the following medical standards will be applicable in respect of Air Force candidates only :—

- (a) Anthropometric measurements acceptable for Air Force are as follows :—

Height . . .	162.5 cms
Leg length . . .	Min 99 cms & max 120 cms
Thigh Length . . .	Max 64 cms
Sitting Height.....	Min 81.5 cms & Max 96 cms.
- (b) X-Ray Spine of all candidates is to be taken to exclude the following abnormalities :—
 - (i) Scoliosis of more than 7 by Cobb's method.
 - (ii) Spina bifida except at SV-I.
 - (iii) Unilateral Sacralisation of I.V-S.
 - (iv) Scheuermann's disease : Scheuermann's nodes, spondylolisthesis or Spondyloistheosis.
 - (v) Any other significant spinal disease.
- (c) X-Ray Chest is compulsory.
- (d) Vision

Distance Vision : 6/6 6/9 Correctable to 6/6.
Near Vision : N-5 each eye
Colour Vision : CP-I (MTL)
Manifest Hypermetropiamust not exceed 2.00 D

Ocular Muscle Balance

Heterophoria with the Maddox Rod test must not exceed :

- (i) at 6 metersExophoria 6 prism dioptres.

	Esophoria	6 prism dioptres
	Hyperphoria	1 prism dioptres
(ii) at 33 cms	Exophoria	16 prism dioptres
	Esophoria	6 prism dioptres
	Hyperphoria	1 prism dioptres
	Myopia	Nil
	Astigmatism	+0.75 D only

Binocular Vision—Must possess good binocular vision (fusion and stereopsis with good amplitude and depth)

(e) Hearing Standards

- (i) Speech test : Whispered hearing 610 cms each ear
- (ii) Audiometric test : Acoustic loss should not exceed +10 db in frequencies between 250 Hz and 4000 Hz
- (f) Routine ECG and EEG should be within normal limits.

3. The medical standards for candidates of Naval Aviation Branch will be the same as for flying duties of Air Force.

APPENDIX III

(Brief Particulars of service etc.)

(A) FOR CANDIDATES JOINING THE INDIAN MILITARY ACADEMY, DEHRA DUN.

1. Before the candidate joins the Indian Military Academy—

- (a) he will be required to sign a certificate to the effect that he fully understands that he or his legal heirs shall not be entitled to claim any compensation or other relief from the Government in respect of any injury which he may sustain in the course of or as a result of the training or where bodily infirmity or death results in the course of or as a result of a surgical operation performed upon or anaesthesia administered to him for the treatment of any injury received, as aforesaid or otherwise;
- (b) his parent or guardian will be required to sign a bond to the effect that if for any reason considered within his control, the candidate wishes to withdraw before the completion of the course or fails to accept a commission if offered he will be liable to refund the whole or such portion of the cost of tuition, food, clothing and pay and allowances received as may be decided upon by Government.

2. Candidates finally selected will undergo a course of training for about 18 months. Candidates will be enrolled under the Army Act as 'gentlemen cadets'. Gentlemen cadets will be dealt with for ordinary disciplinary purposes under the rules and regulations of the Indian Military Academy, Dehra Dun.

3. While the cost of training including accommodations, books, uniforms, boarding and medical treatment will be borne by Government, candidates will be expected to meet their pocket expenses themselves. The minimum expenses at the Indian Military Academy are not likely to exceed Rs. 55.00 per mensem. If a cadet's parent or guardian is unable to meet wholly or partly even this expenditure financial assistance may be granted by the Government. No cadet whose parent or guardian has an income of Rs. 450.00 per mensem or above would be eligible for the grant of the financial assistance. The immovable property and other assets and income from all source are also taken into account for determining the eligibility for financial assistance.

The parent/guardian of a candidate desirous of having any financial assistance, should immediately after his son/ward

has been finally selected for training at the Indian Military Academy submit an application through the District Magistrate of his District who will, with his recommendation, forward the application to the Commandant, Indian Military Academy, Dehra Dun.

4. Candidates finally selected for training at the Indian Military Academy will be required to deposit the following amount with the Commandant on arrival :—

- (a) Pocket allowance for five months at Rs. 55.00 per month—Rs. 275.00
- (b) For items of clothing and equipment—Rs. 800.00
Total : Rs. 1075.00

Out of the amount mentioned above the following amount is refundable to the cadets in the event of financial assistance being sanctioned to them :—

Pocket allowance for five months at Rs. 55.00 per month—Rs. 275.00.

5. The following scholarships are tenable at the Indian Military Academy :—

(1) **PARSHURAM BHAU PATWARDHAN Scholarship**.—This scholarship is awarded to cadets from MAHARASHTRA AND KARNATAKA. The value of one scholarship is up to the maximum of Rs. 500.00 per annum for the duration of a cadet's stay at the Indian Military Academy subject to the cadet making satisfactory progress. The cadets who are granted this scholarship will not be entitled to any other financial assistance from the Government.

(2) **COLONEL KENDAL FRANK MEMORIAL Scholarship**.—This Scholarship is of the value of Rs. 360.00 per annum and is awarded to an eligible Maratha cadet who should be a son of ex-serviceman. The Scholarship is in addition, to any financial assistance from the Government.

6. An outfit allowance at the rates and under the general conditions applicable at the time for each cadet belonging to the Indian Military Academy will be placed at the disposal of the Commandant of the Academy. The unexpanded portion of this allowance will be—

- (a) handed over to the cadet on his being granted a Commission; or
- (b) if he is not granted a commission, refunded to the state.

On being granted a commission, article of clothing and necessaries purchased from this allowance shall become the personal property of the cadet. Such articles will, however, be withdrawn from a cadet who resigns while under training or who is removed or withdrawn prior to commissioning. The article withdrawn will be disposed of to the best advantage of the State.

7. No candidate will normally be permitted to resign whilst under training. However, Gentlemen Cadets resigning after the commencement of training may be allowed to proceed home pending acceptance of their resignation by Army HQ. Cost of training, messing and allied services will be recovered from them before their departure. They and their parents/guardians will be required to execute a bond to this effect before the candidates are allowed to join Indian Military Academy. A Gentleman Cadet who is not considered suitable to complete the full course of training may, with permission of the Government, be discharged. An Army candidate under these circumstances will be reverted to his Regiment or Corps.

8. Commission will be granted only on successful completion of training. The date of commission will be that following the date of successful completion of training. Commission will be permanent.

9. Pay and allowances, pensions, leave and other conditions of service after the grant of commission will be identical with those applicable from time to time to regular officers of the army.

Training :

10. At the Indian Military Academy, Army Cadets are known as Gentlemen Cadets and are given strenuous military training for a period of 18 months aimed at turning out officers capable of leading infantry sub-units. On successful completion of training Gentlemen Cadets are granted Permanent Commission in the rank of 2nd Lt. subject to being medically fit in S.H.A.P.E.

11. Terms and Conditions of Service
(i) PAY

Rank	Pay Scale	Rank	Pay Scale
	Rs.		Rs.
2nd Lieut	750—790	Lt. Colonel (Time scale)	1900 fixed
Lieut	830—950	Colonel	1950—2175
Captain	1100—1550	Brigadier	2200—2400
Major	1450—1800	Maj General	2500—125/2 2750
Lt. Colonel	1750—1950 (By selection)	Lt. General	3000 p.m.]

(ii) QUALIFICATION PAY AND GRANT

Officers of the rank of Lt Col and below possessing certain prescribed qualifications are entitled to a lump sum grant of Rs. 1600/-, 2400/-, 4500/- or 6000/-, based on the qualifications held by them. Flying Instructors (Cat. 'B') are authorised qualification pay @ Rs. 70/- p.m.

(iii) ALLOWANCES

In addition to pay, an officer at present receives the following allowances—

- (a) Compensatory (city) and Dearness Allowances are admissible at the same rates and under the same conditions as are applicable to the Civilian Gazetted Officers from time to time.
- (b) A kit maintenance allowance of Rs. 50 p.m.
- (c) Expatriation Allowance is admissible when serving outside India. This varies from 25% to 40% of the corresponding single rate of foreign allowance.
- (d) Separation allowance : Married officers posted to non-family stations are entitled to receive separation allowance of Rs. 70 p.m.
- (e) Outfit Allowance—Initial outfit allowance is Rs. 1400/-.

A fresh outfit allowance @ Rs. 1200/- is to be claimed after every seven years of the effective service commencing from the date of first commission.

(iv) POSTING

Army officers are liable to serve anywhere in India and abroad.

(v) PROMOTION
(a) Substantive promotion

The following are the service limits for the grant of substantive promotion to higher ranks :—

by time scale

Lt.	2 years of Commissioned Service.
Capt.	6 years of Commissioned Service
Major	13 years of Commissioned Service
Lt. Col. from Major (if not promoted by Selection)	25 years of Commissioned Service

by selection

Lt Col.	16 years of Commissioned Service
Col.	20 years of Commissioned Service
Brigadier	23 years of Commissioned Service

Major Gen	25 years of Commissioned Service
Lt. Gen.	28 years of Commissioned Service
Gen.	No restriction

(b) Acting promotion

Officers are eligible for acting promotion to higher ranks on completion of the following minimum Service limits subject to availability of vacancies :

Captain	3 years
Major	5 years
Lt. Colonel	6½ years
Colonel	8½ years
Brigadier	12 years
Major General	20 years
Lt. General	25 years

(B) FOR CANDIDATES JOINING THE NAVAL ACADEMY, COCHIN.

1. (a) Candidates finally selected for training at the Academy will be appointed as cadets in the Executive Branch of the Navy. They will be required to deposit the following amount with the Officer-in-Charge, Naval Academy, Cochin.

(1) Candidates not applying for government financial aid:

(i) Pocket allowance for five months @Rs. 45·00 per month	Rs. 225·00
(ii) For items of clothing and equipment	Rs. 460·00
Total	Rs. 685·00

(2) Candidates applying for Governmental financial aid :

(i) Pocket allowance for two months, @45·00 per month	Rs. 90·00
(ii) For items of clothing and equipment	Rs. 460·00
Total	Rs. 550·00

(b) Selected Candidates will be appointed as cadets and undergo training in Naval Ships and Establishments as under :—

(a) Cadet Training including afloat training for 6 months	1 year
(b) Midshipmen afloat Training	6 months
(c) Acting Sub-Lieutenant Technical Courses	12 months
(d) Sub-lieutenant	

On completion of the above training, the officers will be appointed on board Indian Naval Ships for obtaining full Naval watch-keeping certificate for which a minimum period of six months is essential.

(ii) The cost of training including accommodation and allied services, books, uniform, messing and medical treatment of the cadets at the Naval Academy will be borne by the Government. Parents or guardians of cadets will however, be required to meet their pocket and other private expense while they are cadets. When a cadet's parent or guardian has an income less than Rs. 450 per mensem and is unable to meet wholly or partly the pocket expenses of the cadet, financial assistance up to Rs. 55 per mensem may be granted by the Government. A candidate desirous of securing financial assistance may immediately after his selection, submit an application through the District Magistrate of his District, who will, with his recommendations, forward the application to the Director of Personnel Service, Naval Headquarters, New Delhi :

Provided that in a case where two or more sons or wards of a parent or guardian are simultaneously undergoing training at Naval ships/establishments, financial assistance at aforesaid may be granted to all of them for the period they simultaneously undergo training, if the income of the parent or guardian does not exceed Rs. 500 p.m.

(iii) Subsequent training in ships and establishments of the Indian Navy is also at the expense of the Government.

During the first six months of their training after leaving the Academy financial concession similar to those admissible at the Academy vide sub-para (ii) above will be extended to them. After six months of training in ships and establishments of the Indian Navy, when Cadets are promoted to the rank of Midshipman they begin to receive pay and parents are not expected to pay for any of their expenses.

(iv) In addition to the uniform provided free by the Government cadets should be in possession of some other items of clothing. In order to ensure correct pattern and uniformity these items will be made at Naval Academy and cost will be met by the parents or guardians of the cadets. Cadets applying for financial assistance may be issued with some of these items of clothing free or one loan. They may only be required to purchase certain items.

(v) During the period of training Service Cadets may receive pay and allowances of the substantive rank held by them as a sailor or as a boy or as an apprentice at the time of selection as cadets. They will also be entitled to receive increments of pay, if any, admissible in that rank. If the pay and allowances of their substantive rank be less than the financial assistance admissible to direct cadets and provided they are eligible for such assistance they will also receive the difference between the two amounts.

(vi) No cadet will normally be permitted to resign while under training. A cadet who is not considered suitable to complete the full course at the Indian Naval Ships and establishment may, with the approval of the Government be withdrawn from training and discharged. A service cadet under these circumstances may be reverted to his original appointment. A cadet thus discharged or reverted will not be eligible for re-admission to a subsequent course. Cases of cadets who are allowed to resign on compassionate grounds may however, be considered on merits.

2. Before a candidate is selected as a cadet in the Indian Navy, his parent or guardian will be required to sign—

- (a) A certificate to the effect that he fully understands that he or his son or ward shall not be entitled to claim any compensation or other relief from the Government in respect of any injury which his son or ward may sustain in the course of or as a result of the training or whose bodily infirmity or death results in the course of or as a result of a surgical operation performed upon or anaesthesia administered to him for the treatment of any injury received as aforesaid or otherwise.
- (b) A bond to the effect that if for any reason considered within the control of the candidate, he wishes to withdraw from training or fails to accept a commission, if offered, he will be liable to refund the whole or such portion of the cost of the tuition, food, clothing and pay and allowances received as may be decided upon by Government.

3. PAY AND ALLOWANCES

(a) PAY

Rank	Pay Scale	General Service	
Midshipman	Rs. 560		
Ag. Sub. Lieut.	Rs. 750		
Sub. Lieut.	Rs. 830—870		
Lieut.	Rs. 1100—1450		
Lieut. Cdr.	Rs. 1450—1800		
Commander (By Selection)	Rs. 1750—1950		
Commander (By time Scale)	Rs. 1900 fixed		
Captain	Rs. 1950—2400 (Commodore receives pay to which entitled according to seniority as Captain).		
Rear Admiral	Rs. 2500—125/2—2750		
Vice Admiral	Rs. 3000		

(b) ALLOWANCES

In addition to pay, an officer receives the following allowances :—

- (i) Compensatory (City) and dearness allowances are admissible at the same rates and under the same

conditions as are applicable to the Civilian Gazetted Officers from time to time.

- (ii) A kit maintenance allowance of Rs. 50 p.m.
- (iii) When officers are serving outside India expatriation allowance ranging from Rs. 50 to Rs. 250 p.m. depending on rank held; is admissible.
- (iv) A separation allowance of Rs. 70 p.m. is admissible to—
 - (i) married officers serving in non-family station; and
 - (ii) married officers serving on board I.N. Ships for the period during which they remain in ships away from the base ports.
- (v) Free ration for the periods they remain in the ships away from the base ports.

NOTE I :—In addition certain special concessions like hard-lying money, sub-marine allowance, sub-marine pay, survey bounty, qualification pay/grant and diving pay are admissible to officers.

NOTE II :—Officers can volunteer for Service in Sub-marine or Aviation Arms, Officers selected for Service in these arms are entitled to enhanced pay and special allowances.

4. PROMOTION

(a) By time scale

Midshipment to Ag. Sub. Lieut.	1/2 year
Ag. Sub. Lieut. to Sub. Lieut.	1 year
Sub. Lieut. to Leut.	3 years as Ag. and confirmed Sub. Lt. (Subject to gain/forfeiture of seniority)
Leut. to Leut Cdr.	8 years seniority as Leut
Lieut. Cdr. to Cdr. (if not promoted by selection)	24 years (reckonable commissioned service
(b) By selection	
Lieut. Cdr. to Cdr.	2-8 years seniority as Lieut. Cdr.
Cdr. to Capt.	4 years seniority as Cd
Capt. to Rear Admiral and above	No service restriction.

5. POSTING

Officers are liable to serve anywhere in India and abroad.

NOTE.—Further information, if desired, may be obtained from the Director of Personnel Service Naval Headquarters, New Delhi-110011.

(C) FOR CANDIDATES JOINING THE OFFICERS' TRAINING SCHOOL, MADRAS

1. Before the candidate joins the Officers Training School, Madras—

- (a) he will be required to sign a certificate to the effect that he fully understands that he or his legal heirs shall not be entitled to claim any compensation or other relief from the Government in respect of any injury which he may sustain in the course of or as a result of the training, or where bodily infirmity or death results in the course of or as a result of a surgical operation performed upon or anaesthesia administered to him for the treatment of any injury received as aforesaid or otherwise.
- (b) his parent or guardian will be required to sign a bond to the effect that, if for any reason considered within his control the candidate wishes to withdraw before the completion of the course or fails to accept a commission if offered or marries while under training at the Officers Training School, he will be liable to refund the whole or such portion of the cost of tuition, food, clothing and pay and allowances received as may be decided upon by the Government.

2. Candidates finally selected will undergo a course of training at the Officers' Training School for an approximate period of 9 months. Candidates will be enrolled under the Army Act as gentlemen Cadets. Gentleman cadets will be dealt with for ordinary disciplinary purposes under the rules and regulations of the Officers' Training School.

3. While the cost of training, including accommodation books, uniforms, boarding and medical treatment will be borne by Government, candidates will be expected to meet their pockets expenses themselves. The minimum expenses during pre-Commission training are not likely to exceed Rs. 55 per month but if the cadets pursue any hobbies such as photography, Shikar, hiking, etc. they may require additional money. In case, however, the cadet is unable to meet wholly or partly even the minimum expenditure, financial assistance at rates which are subject to change from time to time, may be given provided the cadet and his parent/guardian have an income below Rs. 450 per month. The rate of assistance under the existing orders is Rs. 55 per month. A candidate desirous of having financial assistance should immediately after being finally selected for training submit an application on the prescribed form through the District Magistrate of his district who will forward the application to the Commandant Officers Training School, MADRAS along with his verification report.

4. Candidates finally selected for training at the Officers Training School will be required to deposit the following amount with the Commandant on arrival :—

(a) Pocket allowance for ten months at Rs. 55.00 per month	Rs. 550.00
(b) For items of clothing and equipment.	Rs. 500.00
	Total Rs. 1050.00

Out of the amount mentioned above, the amount mentioned in (b) above is refundable to the Cadets in the event of financial assistance being sanctioned to them.

5. Outfit allowance will be admissible under orders as may be issued from time to time.

On being granted a commission articles of clothing and necessaries purchased from this allowance shall become the personal property of the cadet. Such articles, will however, be withdrawn from a cadet who resigns while under training or who is removed or withdrawn prior to commissioning. The articles withdrawn will be disposed of to the best advantage of the State.

6. No candidate will normally be permitted to resign whilst under training. However Gentlemen Cadets resigning after the commencement of training may be allowed to proceed home pending acceptance of their resignation by Army HQ cost of training, missing and allied services will be recovered from them before their departure. They and their parents/guardians will be required to execute a bond to this effect before the candidates are allowed to join Officers' Training School.

7. A Gentleman Cadet who is not considered suitable to complete the full course of training may with permission of Government be discharged. An Army candidate under these circumstances will be reverted to his Regiment or Corps.

8. Pay and allowances, pension leave and other conditions of service, after the grant of commission, are given below.

9. Training

1. Selected candidates will be enrolled under the Army Act as Gentlemen Cadets and will undergo a course of training at the Officers Training School for an approximate period of nine months. On successful completion of training Gentleman Cadets are granted Short Service Commission in the rank of 2/Lt from the date of successful completion of training.

10. Terms and conditions of Service

(a) Period of probation

An officer will be on probation for a period of 6 months from the date he receives his Commission. If he is reported on within the probationary period as unsuitable to retain his

commission, it may be terminated at any time, whether before or after the expiry of the probationary period.

(b) Posting

Personnel granted Short Service Commissions are liable to serve anywhere in India and abroad.

(c) Tenure of appointment and Promotion

Short Service Commission in the Regular Army will be granted for a period of five years. Such officers who are willing to continue to serve in the Army after the period of five years' Short Service Commission may if eligible and suitable in all respects, be considered for the grant of Permanent Commission in the last year of their Short Service Commission in accordance with the relevant rules. Those who fail to qualify for the grant of Permanent Commission during the tenure of five years, would be released on completion of the tenure of five years.

(d) Pay and Allowances

Officers granted Short Service Commission will receive pay and allowances as applicable to the regular officers of the Army.

Rates of pay for 2/Lt and Lieut, are :—

Second Lieut.	Rs. 750—790 p.m.
Lieut.	Rs. 830—950 p.m.

Plus other allowances
as laid down for
regular officers

(e) Leave : For leave, these officers will be governed by rules applicable to Short Service Commission Officers as given in Chapter V of the Leave Rules for the Service Vol. I—Army. They will also be entitled to leave on passing out of the Officers Training School and before assumption of duties under the provisions of Rule 91 ibid.

(f) Termination of Commission : An officer granted Short Service Commission will be liable to serve for five years but his Commission may be terminated at any time by the Government of India—

- (i) for misconduct or if services are found to be unsatisfactory; or
- (ii) on account of medical unfitness; or
- (iii) if his services are no longer required; or
- (iv) if he fails to qualify in any prescribed test or Course.

An officer may on giving three months notice be permitted to resign his Commission on compassionate grounds of which the Government of India will be the sole judge. An officer who is permitted to resign his Commission on compassionate grounds will not be eligible for terminal gratuity.

(g) Pensionary benefits

- (i) These are under consideration.

- (ii) SSC officers on expiry of their five years' term are eligible for terminal gratuity of Rs. 5,000.00.

(h) Reserve Liability

On being released on the expiry of five years' Short Service Commission or extension thereof they will carry a reserve liability for a period of five years or up to the age of 40 years whichever is earlier.

(i) Miscellaneous : All other terms and conditions of Service where not at variance with the above provisions will be the same as for regular officers.

(D) For candidates joining the Air Force Academy

1. Selection.—Recruitment to the Flying Branch (Pilots) of the IAF is carried out through two sources i.e. Direct Entry through UPSC and NCC (Senior Division Air Wing).

- (a) Direct Entry.—Selection is made through a written examination conducted by the commission twice a

year normally in May and November. Successful candidates are then sent to the Air Force Selection Boards for tests and interview.

- (b) *NCC Entry*.—Applications from NCC candidates are invited by Director General NCC through respective NCC units and forwarded to Air HQ. Eligible candidates are directed to report to AFSBs for tests and interview.

2. *Detailing for Training*.—Candidates recommended by the AFSBs and found medically fit by appropriate medical establishment are detailed for training strictly on the basis of merit and availability of vacancies. Separate merit lists are prepared for Direct Entry candidates through UPSC and for NCC candidates. The merit list for Direct Entry Flying (Pilot) candidates is based on the combined marks secured by the candidates in the tests conducted by the UPSC and at the AF Selection Boards. The merit list for NCC candidates is prepared on the basis of marks secured by them at AFSBs.

3. *Training*.—The approximate duration of training for Flying branch (Pilots) at the Air Force Academy will be 75 weeks.

4. Career Prospects

After successful completion of training, the candidates pass out in the rank of Pilot Officer and become entitled to the pay and allowances of the rank. At the existing rates, Officers of the Flying Branch get approximately Rs. 1575/- p.m. which includes flying pay of Rs. 375/- p.m. Air Force offers good career prospects though it varies from branch to branch.

There are two types of promotions in the IAF i.e. grant of higher Acting rank and Substantive rank. Each higher rank carries with it extra emoluments. Depending on the number of vacancies, one has a good number of chances to get promotion to the higher Acting rank, time-scale promotion to the rank of Squadron Leader and Wing Commander is granted after successful completion of 11 years for Flying (Pilot) branch and 24 years of service respectively. Grant of higher rank from Wing Commander and above is by selection, carried out by duly constituted promotion Boards. Promising Officers have good chances of higher promotions.

5. PAY AND ALLOWANCES

Substantive Rank	Flying Branch Rs.
Plt Offr.	825-865
Fle. Offr.	910-1030
Flt. Lt.	1150-1550
Sqn. Ldr.	1450-1800
Wg. Cdr.	1550-1950
Gp. Capt.	1950-2175
Air Comde.	2200-2400
Air Vice Marshal	2500-2750
Air Marshal	3000/-

Dearness and Compensatory Allowance.—Officers are entitled to these allowances at the rates under condition applicable to civilian employees of Government of India.

Kit Maintenance Allowance.—Rs. 50/- p.m. Flying Pay; Officers of the Flying Branch are entitled to get Flying Pay at the following rates:—

Wg. Cdr. and below	Rs. 375.00 P.M.
Gp. Capt. and Air Comde	Rs. 333.33 P.M.
Air Vice Marshal and above	Rs. 300.00 P.M.

Qualification Pay.—Officers of the rank of Wing Commander and below who have completed two or more years of commissioned service are eligible for qualification pay/grant at prescribed rates in respect of certain specified qualifications. Rates of qualification pay are Rs. 70/- and 100/- and grants are Rs. 6,000/-, Rs. 4,500/-, Rs. 2,400/-, and Rs. 1,600/-.

Expatriation Allowance.—Ranging from 25% to 40% (depending upon the rank held) of the Foreign Allowance admissible to a single Third Secretary/Second Secretary/First Secretary/Counsellor, serving in the country where IAF Officers are required to move as body of troop.

Separation Allowance.—Married Officers posted to Units/Formations located at non-family stations/areas notified as

such by Government for this purpose, where families are not permitted to accompany them will receive separation allowance of Rs. 70/- p.m.

Outfit Allowance.—Rs. 1400/- initially (as modified from time to time) towards cost of uniform/equipment which an officer has to possess: Rs. 1,200/- for renewal after every seven years.

Camp Kit.—Free issue at the time of commissioning.

6. *Leave and Leave Travel Concessions*
Annual Leave.—60 days a year.

Casual Leave.—20 days a year, not more than 10 days at a time.

Officers and their families are entitled to free conveyance when proceeding on annual/casual leave irrespective of its duration one year after commissioning. Once in a block of two years, commencing from January, 1971 the conveyance is admissible from place of duty (unit) to home. The year in which this concession is not availed of, free conveyance for a distance of 965 kms each way is admissible for self and wife.

In addition officers of Flying Branch employed on regular flying duties in vacancies in authorised establishment are allowed, while proceeding on leave, once every year, on warrant, a free rail journey in the appropriate class upto a total distance of 1600 kms, for the forward and return journeys both inclusive.

Officers when travelling on leave at their own expense are entitled to first class travel on payment of 60% of the fare for self wife and children from unit to any place within India thrice in a calendar year. One of these may be availed of for the entire family. In addition to wife and children family includes parents, sisters and minor brothers residing with and wholly dependent upon the officers.

7. PENSIONARY BENEFITS

Retiring Rank (Substantive)	Minimum length of qualifying service	Standard rate of Retiring Pension
Plt offr/Fg offr	20 years	Rs. 525 "
Flt Lt	20 "	750 "
Sqn Ldr	22 "	875 "
Wg Cdr (Time Scale)	26 "	900 "
Wg Cdr (Selective)	24 "	950 "
Gp Capt	26 "	1100 "
Air Comde	28 "	1125 "
Air Vice Marshal	30 "	1275 "
Air Marshal	30 "	1375 "
Air Chief Marshal	30 "	1700 "

8. Retiring Gratuity

Retiring gratuity at the discretion of the President as under:—

- (a) For 10 years service—Rs. 12,000/- less 1½ month's pay of rank last held.
(b) for every additional year—Rs. 1200/- less ½ month's pay of rank last held.

In addition to pension or gratuity a death-cum-retirement gratuity, equal to 1/6th of emoluments for each completed six monthly period of qualifying service subject to a maximum of 161 times of the emoluments not exceeding Rs. 30,000/- is admissible. In case of death while in service the amount of death-cum-retirement gratuity will be as follows:—

- (a) Two months pay, if death occurs in the first year of service;
(b) Six months pay, if death occurs after the first year, but before completion of five years;
(c) Minimum of 12 months pay, if death occurs after five years.

Disability pension and Special Family Pensionary award, including awards to children and dependents (parents, brothers and sisters), are also payable in accordance with the prescribed rules.

APPENDIX IV

The form of the certificate to be produced by Scheduled Castes and Scheduled Tribes Candidates applying for appointment to posts under the Government of India.

This is to certify that Shri _____ son of Shri _____ of village/town _____ in District/Division* _____ of the State/Union Territory* _____ belongs to the Caste/Tribe* which is recognised as a Scheduled Caste/Scheduled Tribe* under :— the Constitution (Scheduled Castes) Order, 1950*

the Constitution (Scheduled Tribes) Order 1950*

the Constitution (Scheduled Castes) (Union Territories) Order, 1951*

the Constitution (Scheduled Tribes) (Union Territories) Order, 1951*

[as amended by the scheduled castes and scheduled tribes lists (Modification) Order, 1956, the Bombay Reorganisation Act, 1960, the Punjab Reorganisation Act, 1966, the State of Himachal Pradesh Act, 1970, the North Eastern Areas (Reorganisation) Act, 1971 and the Scheduled Castes and Scheduled Tribes Orders (Amendment) Act, 1976]

the Constitution (Jammu and Kashmir) Scheduled Castes Order, 1956*

the Constitution (Andaman and Nicobar Islands) Scheduled Tribes Order, 1959 as amended by the Scheduled Castes and Scheduled Tribes orders (Amendment) Act, 1976*

the Constitution (Dadra and Nagar Haveli) Scheduled Castes Order, 1962*

the Constitution (Dadra and Nagar Haveli) Scheduled Tribes Order, 1962*

the Constitution (Pondicherry) Scheduled Castes Order, 1964*

the Constitution (Scheduled Tribes) (Uttar Pradesh) Order, 1967*

the Constitution (Goa, Daman and Diu) Scheduled Castes Order, 1968*

the Constitution (Goa, Daman and Diu) Scheduled Tribes Order 1968*

the Constitution (Nagaland) Scheduled Tribes Order 1970*

2. Shri _____ and/or* his family ordinarily reside(s) in village/town* _____ of _____ District/Division* of the State/Union Territory* of _____

Signature.....

*Designation.....

State/Union Territory*.....
(with seal of office)

Place.....

Date.....

*Please delete the words which are not applicable.

NOTE.—The term 'ordinarily reside(s)' used here will have the same meaning as in Section 20 of the Representation of the People Act, 1950.

*Officers competent to issue Caste/Tribe Certificates :

- (i) District Magistrate/Additional District Magistrate/Collector/Deputy Commissioner/Additional Deputy Commissioner/Deputy Collector/1st Class Stipendiary Magistrate/City Magistrate/†Sub-Divisional Magistrate/Taluka Magistrate/Executive Magistrate/Extra Assistant Commissioner.

†(Not below the rank of 1st Class Stipendiary Magistrate).

- (ii) Chief Presidency Magistrate/Additional Chief Presidency Magistrate/Presidency Magistrate.

- (iii) Revenue Officers not below the rank of Tehsildar.
- (iv) Sub-Divisional Officer of the area where the candidate and/or his family normally resides.
- (v) Administrator/Secretary to Administrator/Development Officer, Lakshadweep.

APPENDIX V CANDIDATES' INFORMATION MANUAL

A. OBJECTIVE TEST

Your examination will be what is called on 'OBJECTIVE TEST.' In this kind of examination (test) you do not write detailed answers. For each question (hereinafter referred to as item) several possible answers (hereinafter referred to as responses) are given. You have to choose one response to each item.

This Manual is intended to give you some information about the examination so that you do not suffer due to unfamiliarity with the type of examination.

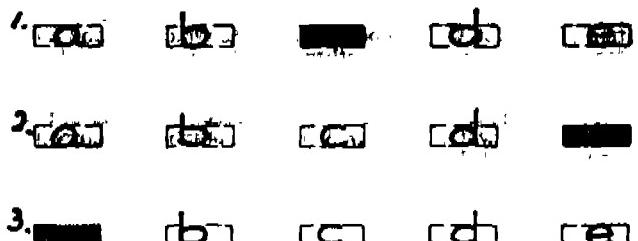
B. NATURE OF THE TEST

The question paper will be in the form of a TEST BOOKLET. The booklet will contain items bearing numbers 1, 2, 3, ...etc. Under each item will be given suggested responses marked a, b, c, ..., etc. Your task will be to choose the correct or if you think there are more than one correct, then the best response. (see "sample items" at the end). In any case, in each item you have to select only one response; if you select more than one, your answer will be considered wrong.

C. METHOD OF ANSWERING

A separate ANSWER SHEET will be provided to you in the examination hall. You have to mark your answer on the answer sheet. Answers marked on the Test Booklets or in any paper other than the answer sheet will not be examined.

In the answer sheet number of the items from 1 to 200 have been printed in four 'Parts'. Against each item, responses, a, b, c, d, e, are printed. After you have read each item in the Test Booklet and decided which of the given response is correct or the best, you have to mark the rectangle containing the letter of the selected response by blackening it completely with pencil as shown below (to indicate your response). Ink should not be used in blackening the rectangles on the answer sheet.



It is important that—

1. You should bring and use only good quality HB Pencil(s) for answering the items.
2. If you have made a wrong mark, erase it completely and re-mark the correct response. For this purpose you must bring along with you an eraser also.
3. Do not handle your answer sheet in such a manner as to mutilate or fold or wrinkle or spoil it.

D. SOME IMPORTANT REGULATIONS

1. You are required to enter the examination hall twenty minutes before the prescribed time for commencement of the examination and get seated immediately.
2. Nobody will be admitted to the test 30 minutes after the commencement of the test.

3. No candidate will be allowed to leave the examination hall until 45 minutes have elapsed after the commencement of the examination.
4. After finishing the examination, submit the Test Booklet and the answer sheet to the Invigilator/ Supervisor. YOU ARE NOT PERMITTED TO TAKE THE TEST BOOKLET OUT OF THE EXAMINATION HALL. YOU WILL BE SEVERELY PENALISED IF YOU VIOLATE THIS RULE.
5. Write clearly in ink the name of the examination/test, your Roll No., Centre, subject, date and serial number of the Test Booklet at the appropriate space provided in the answer sheet. You are not allowed to write your name anywhere in the answer sheet.
6. You are required to read carefully all instructions given in the Test Booklet. You may lose marks if you do not follow the instructions meticulously. If any entry in the answer sheet is ambiguous then you will get no credit for that item response. Follow the instructions given by the Supervisor. When the Supervisor asks you to start or stop a test or part of a test, you must follow his instructions immediately.

7. Bring your Admission Certificate with you. You should also bring a HB pencil, an eraser, a pencil sharpener, and a pen containing blue or black ink. You are advised also to bring with you a clip board or hard board or a card board on which nothing should be written. This may be useful for marking the answers in the Answer Sheet as it will provide an even surface, in case the surface or your desk is not smooth. You are not allowed to bring any scrap (rough) paper, or scales or drawing instrument into the examination hall as they are not needed. Separate sheets or rough work will be provided to you. You should write the name of the examination, your Roll No. and the date of the test on it before doing your rough work and return it to the supervisor along with your answer sheet at the end of the test.

E. SPECIAL INSTRUCTIONS

After you have taken your seat in the hall, the invigilator will give you the answer sheet. Fill up the required information on the answer sheet with your pen. After you have done this, the invigilator will give you the Test Booklet. As soon as you have got your Test Booklet, ensure that it contains the booklet number otherwise get it changed. After you have done this, you should write the serial number of your Test Booklet on the relevant column of the Answer Sheet.

F. SOME USEFUL HINTS

Although the test stresses accuracy more than speed, it is important for you to use your time as efficiently as possible. Work steadily and as rapidly as you can, without becoming careless. Do not worry if you cannot answer all the questions. Do not waste time on questions which are too difficult for you. Go on to the other questions and come back to the difficult ones later.

All questions carry equal marks. Answer all the questions. Your score will depend only on the number of correct responses indicated by you. There will be no negative marking.

G. CONCLUSION OF TEST

Stop writing as soon as the Supervisor asks you to stop. After you have finished answering, remain in your seat and wait till the invigilator collects the Test Booklet, answer sheet and sheet for rough work from you and permits you to leave the Hall. You are NOT allowed to take the Test Booklet, the answer sheet and the sheet for rough work out of the examination Hall.

SAMPLE ITEMS (QUESTIONS)

1. Which one of the following causes is NOT responsible for the down fall of the Mauryan dynasty?
 - (a) the successors of Asoka were all weak.
 - (d) the Judiciary is responsible to the Legislature.
 - (c) the northern frontier was not guarded effectively.
 - (d) there was economic bankruptcy during post-Asoka era.
2. In a parliamentary form of Government.
 - (a) the Legislature is responsible to the Judiciary.
 - (b) the Legislature is responsible to the Executive.
 - (c) the Executive is responsible to the Legislature.
 - (d) the Judiciary is responsible to the Legislature.
 - (e) the Executive is responsible to the Judiciary.
3. The main purpose of extra-curricular activities for pupils in a school is to :
 - (a) facilitate development.
 - (b) prevent disciplinary problems.
 - (c) provide relief from the usual class room work.
 - (d) allow choice in the educational programme.
4. The nearest planet to the Sun is :
 - (a) Venus
 - (b) Mars
 - (c) Jupiter
 - (d) Mercury
5. Which of the following statements explains the relationship between forests and floods ?
 - (a) the more the vegetation, the more is the soil erosion that causes flood.
 - (b) the less the vegetation, the less is the silting of rivers that causes floods.
 - (c) the more the vegetation, the less is the silting of rivers that prevents floods.
 - (d) the less the vegetation, the less quickly does the snow melt that prevents floods.